VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

PT 365

क्लासरूम स्टडी मटेरियल

(अप्रैल 2023 से दिसंबर 2023)

www.visionias.in 8468022022, 9019066066

enquiry@visionias.in /c/VisionIASdelhi /visionias.upsc /vision _ias VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद बैंगलोर भोपाल चंडीगढ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे रांची

फाउंडेशन कोर्स
सामान्य अध्ययन
प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा 2025
इनोवेटिव क्लासरूम प्रोग्राम
• प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज
• मौलिक अवधारणाओं की समझ के विकास एवं विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान
• एनीमेशन, पॉवर प्वाइंट, वीडियो जैसी तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग
• अंतर - विषयक समझ विकसित करने का प्रयास
• योजनाबद्ध तैयारी हेतु करेंट ओरिएंटेड अप्रोच
• नियमित क्लास टेस्ट एवं व्यक्तिगत मूल्यांकन
• सीसैट कक्षाएं
• PT 365 कक्षाएं
• MAINS 365 कक्षाएं
• PT टेस्ट सीरीज
• मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज
• निबंध टेस्ट सीरीज
• सीसैट टेस्ट सीरीज
• निबंध लेखन - शैली की कक्षाएं
• करेंट अफेयर्स मैगजीन
नोटः ऑनलाइन छात्र हमारे पाठ्यक्रम की लाइव वीडियो कक्षाएं अपने घर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। छात्र लाइव चैट विकल्प के माध्यम से कक्षा के दौरान अपने संदेह और विषय संबंधी प्रश्न पूछ सकते हैं। वे अपने संदेह और प्रश्न नोट भी कर सकते हैं और दिल्ली केंद्र में हमारे कक्षा सलाहकार को बता सकते हैं और हम फोन/मेल के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर देंगे।
Scan the QR CODE to download VISION IAS app
DELHI: 10 अप्रैल, 9 AM
BHOPAL: 11 जून
LUCKNOW: 5 जून
JODHPUR: 7 मार्च
JAIPUR: 27 मार्च

"You are as strong as your Foundation"
FOUNDATION COURSE
GENERAL STUDIES
PRELIMS CUM MAINS
2025, 2026 & 2027
Approach is to build fundamental concepts and analytical ability in students to enable them to answer questions of Preliminary as well as Mains Exam
Includes comprehensive coverage of all the topics for all the four papers of GS Mains, GS Prelims & Essay
Access to LIVE as well as Recorded Classes on your personal student platform
Includes All India GS Mains, GS Prelims, CSAT & Essay Test Series
Our Comprehensive Current Affairs classes of PT 365 and Mains 365 of year 2025, 2026 & 2027
ONLINE Students
NOTE - Students can watch LIVE video classes of our COURSE on their ONLINE PLATFORM at their homes. The students can ask their doubts and subject queries during the class through LIVE Chat Option. They can also note down their doubts & questions and convey to our classroom mentor at Delhi center and we will respond to the queries through phone/mail.
Live - online / Offline Classes
Scan the QR CODE to download VISION IAS app
DELHI: 11 APRIL, 9 AM
GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar): 23 APR, 5:30 PM
AHMEDABAD: 8 JAN
BHOPAL: 5 APR
CHANDIGARH: 5 APR
HYDERABAD: 15 APR
JAIPUR: 27 MAR
JODHPUR: 7 MAR
LUCKNOW: 12 MAR
PUNE: 15 MAR

अंतर्राष्ट्रीय संबंध (International Relations)

विषय-सूची

1. **बहुपक्षीय संगठन (Multilateral Organisations)** 4
1.1. संयुक्त राष्ट्र 4
1.1.1. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन 5
1.1.2. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 6
1.1.3. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम 8
1.1.3.1. संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना 8
1.1.3.2. एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग 9
1.1.3.3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग 9
1.1.3.4. संयुक्त राष्ट्र पूंजी विकास कोष 9
1.1.3.5. ग्लोबल क्राइसिस रिस्पांस ग्रुप 10
1.1.3.6. संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग 10
1.1.3.7. व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन 10
1.1.3.8. खाद्य और कृषि संगठन 10
1.1.3.9. अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन 11
1.1.3.10. L.69 समूह 11
1.2. G-20 12
1.2.1. G20 की अन्य प्रमुख पहलें 15
1.3. बिम्सटेक 16
1.4. आसियान 17
1.5. ब्रिक्स 18
1.6. शंघाई सहयोग संगठन 19
1.7. एशियाई विकास बैंक 21
1.8. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी 22
1.9. अंतर्राष्ट्रीय समुद्र संगठन 23
1.10. ग्रुप ऑफ सेवन 24
1.11. खाड़ी सहयोग परिषद 25
1.12. रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संगठन 26
1.12.1. नाटो यानी उत्तर अटलांटिक संधि संगठन 26
1.12.2. फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स 27
1.12.3. इंटरपोल 28
1.13. सुर्ख़ियों में रहे अन्य महत्वपूर्ण संगठन 29
1.13.1. हिंद महासागर रिम एसोसिएशन 29
1.13.2. भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच 29
1.13.3. पूर्वी आर्थिक मंच 30
1.13.4. पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक 30
1.13.5. ग्रुप ऑफ 77 30
1.13.6. G-24 31
1.13.7. I2U2 31
1.13.8. ऑकस 31
1.13.9. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी 32
1.13.10. अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन 32
1.13.11. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन 32
1.13.12. इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट फोरम 33
1.13.13. इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (OILM) सर्टिफिकेट 33
1.13.14. पेरिस क्लब 33
1.13.15. टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स 34
2. **सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)** 35
2.1. भारत और उसके पड़ोसी 35
2.2. दक्षिण पूर्व एशिया 37
2.3. पश्चिम एशिया 39
2.4. अमेरिका 44
2.5. हिंद प्रशांत क्षेत्र 49
2.6. यूरोप 52
2.7. अफ्रीका 55
3. **द्विपक्षीय संबंध (Bilateral Relations)** 62
3.1. भारत-पाकिस्तान संबंध 62
3.2. भारत-नेपाल 63
3.3. भारत-बांग्लादेश 64
3.4. भारत-श्रीलंका 66
3.5. भारत-मालदीव 66
3.6. भारत-मलेशिया 68

© Vision IAS

3.7. भारत-फिलीपींस ____ 68
3.8. भारत-सऊदी अरब ____ 69
3.9. भारत-संयुक्त अरब अमीरात ____ 70
3.10. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका ____ 72
3.10.1. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका रक्षा संबंध ____ 74
3.10.2. भारत अमेरिका अंतरिक्ष संबंध ____ 74
3.11. भारत-कनाडा ____ 75
3.12. भारत-ब्राजील ____ 76
3.13. भारत-ऑस्ट्रेलिया ____ 77
3.14. भारत- दक्षिण कोरिया ____ 79
3.15. भारत-फ्रांस ____ 79
3.16. भारत-यूनाइटेड किंगडम ____ 81
3.17. भारत-मिस्र ____ 82
3.18. अन्य महत्वपूर्ण द्विपक्षीय घटनाक्रम ____ 82
3.18.1. भारत-डेनमार्क हरित रणनीतिक साझेदारी ____ 82
3.18.2. रणनीतिक जल भागीदारी ____ 83
4. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियाँ ____ 84
4.1. नेबरहुड फर्स्ट नीति ____ 84
4.2. बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव ____ 84
4.3. अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा ____ 85
4.4. इजरायल-हमास युद्ध ____ 86
4.4.1. योम किप्पुर युद्ध ____ 88
4.4.2. युद्ध से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानून ____ 88
4.5. जिनेवा कन्वेंशंस और रूस-यूक्रेन युद्ध ____ 89
4.6. उत्तरी सागर शिखर सम्मेलन ____ 90
4.7. अन्य हालिया घटनाक्रम ____ 91
4.7.1. कम्प्रेहैन्सिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट फॉर ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप ____ 91
4.7.2. विंडसर फ्रेमवर्क ____ 92
4.7.3. लुसोफोन वर्ल्ड ____ 92
4.7.4. शटल डिप्लोमेसी ____ 92
4.7.5. वाशिंगटन घोषणा-पत्र ____ 93
4.7.6. द स्पिरिट ऑफ कैंप डेविड ____ 93
5. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related to Security) ____ 94
5.1. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद ____ 94
5.1.1. गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम ____ 95
5.2. प्राइवेट मिलिट्री कंपनी ____ 95
5.3. धन शोधन निवारण अधिनियम ____ 96
5.4. वैश्विक परमाणु विनियमन ____ 96
5.5. अंतरिक्ष युद्ध ____ 98
5.6. भारत में मादक पदार्थों की तस्करी ____ 100
5.7. साइबर सुरक्षा ____ 101
5.7.1. अन्य हालिया घटनाक्रम ____ 103
5.8. थिएटर कमांड ____ 105
5.8.1. अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 ____ 105
5.9. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ____ 106
5.10. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल ____ 106
5.11. अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम ____ 107
5.11.1. इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर फॉर इंडियन ओशन रीजन ____ 107
5.11.2. कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव ____ 107
5.11.3. म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन ____ 107
5.11.4. पारस्परिक कानूनी सहायता संधियां ____ 108
5.11.5. मुक्त आकाश संधि ____ 108
5.11.6. न्यू स्टार्ट (START) (सामरिक शस्त्र कटौती संधि) ____ 108
5.11.7. ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन ____ 109
5.11.8. रासायनिक हथियार कन्वेंशन ____ 109
5.11.9. विश्व सैन्य व्यय के रुझान' रिपोर्ट, 2022 ____ 109
5.12. सुर्ख़ियों में रहे प्रमुख सैन्य अभ्यास ____ 110

प्रिय अभ्यर्थी,

PT 365 (हिंदी) डॉक्यूमेंट के अंतर्गत, व्यापक तौर पर विगत 1 वर्ष (365) की महत्वपूर्ण समसामयिकी को समेकित रूप से कवर किया गया है, ताकि प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी में अभ्यर्थियों को सहायता मिल सके।

अभ्यर्थियों के हित में PT 365 डॉक्यूमेंट को और बेहतर बनाने के लिए इसमें निम्नलिखित नवीन विशेषताओं को शामिल किया गया है:

संक्षेप में मानचित्र: सुर्ख़ियों में रहे स्थलों से संबंधित भौगोलिक एवं प्रासंगिक जानकारी के लिए इन्हें शामिल किया गया है, जैसे-

- सुर्ख़ियों में रहे प्रत्येक देश या स्थान के लिए अलग-अलग मानचित्र
- त्वरित संदर्भ के लिए महाद्वीप के अनुरूप व्यापक मानचित्र
- बहुपक्षीय समूहों को दर्शाने वाले मानचित्र
- द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों को दर्शाने वाले मानचित्र

संक्षेप में इन्फोग्राफिक्स: इन्फोग्राफिक्स को सारांश के रूप में प्रस्तुत कर उन्हें इंटरैक्टिव इन्फोग्राफिक्स के रूप में शामिल किया गया है, ताकि उन्हें समझने में आसानी हो, सीखने का सहज अनुभव मिल सके और कंटेंट को बेहतर तरीके से याद रखना सुनिश्चित किया जा सके।

सुर्ख़ियों में रहे संस्थान/संगठन: बार-बार सुर्ख़ियों में रहने वाले प्रमुख संस्थानों और संगठनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है।

क्विज़: अभ्यर्थी ने विषय को कितना बेहतर समझा है, इसके परीक्षण के लिए QR आधारित स्मार्ट क्विज़ को शामिल किया गया है।

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

VISION IAS
INSPIRING INNOVATION

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के लिए उत्तर लेखन

UPSC मुख्य परीक्षा में सबसे ज्यादा उत्तर लेखन का कौशल मायने रखता है। इसका कारण यह है कि उत्तर लिखने की कला ही अभ्यार्थियों के लिए अपने ज्ञान, समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता और टाइम मैनेजमेंट के कौशल को प्रदर्शित करने के एक प्राथमिक साधन के रूप में कार्य करती है। मुख्य परीक्षा में प्रभावी उत्तर लेखन, इन्फॉर्मेशन को सही तरीके से पेश करने, विविध दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने और संतुलित तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। कुशलतापूर्वक एवं समग्रता से लिखा गया उत्तर, परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने एवं इस प्रतिस्पर्धी माहौल में अभ्यार्थियों को भीड़ से अलग करने में सहायक होता है, जो अंततः UPSC मुख्य परीक्षा में उनकी सफलता का निर्धारण करता है।

प्रभावशाली उत्तर लेखन के प्रमुख घटक

संदर्भ की पहचानः प्रश्न के थीम या टॉपिक को समझना एवं उस टॉपिक के संदर्भ में ही अपना उत्तर लिखना।

सटीक एवं प्रभावी इंट्रोडक्शनः उत्तर शुरू करने के लिए भूमिका को आकर्षित ढंग से लिखने से, परीक्षक का ध्यान आकर्षित होता है एवं इससे उत्तर के आगे होने वाली चर्चाओं का संक्षिप्त विवरण मिलता है।

संतुलित निष्कर्षः मुख्य बिंदुओं को संक्षेप में लिखने का प्रयास करना चाहिए। यदि प्रश्न में पूछा गया हो तो अंतर्दृष्टि या सिफारिशें प्रस्तुत करनी चाहिए। साथ ही, अपने तर्क या चर्चा को संतोषजनक निष्कर्ष तक पहुंचाना भी आवश्यक होता है।

कंटेंट की प्रस्तुतीः विषय–वस्तु की व्यापक समझ का प्रदर्शन करना भी जरूरी होता है। इसके लिए प्रश्न से संबंधित सटीक तथ्यों, प्रासंगिक उदाहरणों एवं व्यावहारिक विश्लेषण को उत्तर में शामिल करना चाहिए।

संरचना एवं प्रस्तुतीकरणः उत्तर को क्लियर हेडिंग के साथ, सब–हेडिंग या बुलेट पॉइंट के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से लिखना आवश्यक होता है। इसके अलावा, आसान समझ के लिए जानकारी को तार्किक ढंग से एवं बेहतर रूप से प्रस्तुत करना जरूरी होता है।

भाषाः संदर्भ के अनुरूप सटीक और औपचारिक भाषा का उपयोग करना आवश्यक होता है। साथ ही, शब्दजाल, आम बोलचाल की भाषा के इस्तेमाल या अस्पष्टता से बचते हुए अभिव्यक्ति में प्रवाह एवं स्पष्टता का प्रदर्शन करना आवश्यक होता है।

Vision IAS के "ऑल इंडिया GS मेन्स टेस्ट सीरीज़ और मेंटरिंग प्रोग्राम" से जुड़कर प्रभावशाली उत्तर लेखन की कला एवं रणनीति में महारत हासिल कीजिए। इस प्रोग्राम में शामिल हैं:

- उत्तर लेखन पर 'मास्टर क्लासेज'
- विस्तृत मूल्यांकन
- व्यक्तिगत मेंटरिंग
- फ्लेक्सिबल टेस्ट शेड्यूल
- व्यापक फीडबैक
- पोस्ट–टेस्ट डिस्कशन

यह हमेशा ध्यान रखिए कि **सिविल सेवा मुख्य परीक्षा UPSC CSE** की यात्रा का एक चरण मात्र नहीं है, बल्कि यह सिविल सेवाओं में प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने का एक डायरेक्ट गेटवे है। इस प्रकार, यह परीक्षा आपकी आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदल देता है।

"ऑल इंडिया GS मेन्स टेस्ट सीरीज़ और मेंटरिंग प्रोग्राम" के लिए रजिस्टर करने और ब्रोशर डाउनलोड करने हेतु QR कोड को स्कैन कीजिए।

टॉपर्स के एप्रोच और तैयारी की रणनीतियों को जानने के लिए QR कोड को स्कैन कीजिए

1. बहुपक्षीय संगठन (Multilateral Organisations)

1.1. संयुक्त राष्ट्र (United Nations)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने **ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) की 49वीं बैठक** के दौरान **संघर्षों (Conflicts) को प्रभावी तरीके से रोकने** की संयुक्त राष्ट्र (UN) की **क्षमता पर सवाल** उठाया।

संयुक्त राष्ट्र के बारे में

- **मुख्यालय:** न्यूयॉर्क (यू.एस.ए.)
- **स्थापना:** इसकी स्थापना 1945 में की गई थी।
- **संयुक्त राष्ट्र के बारे में:** यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। इसका प्रमुख कार्य विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
- **सदस्य:** 193 सदस्य देश; **भारत** संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य है।
- **संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग:**
    - महासभा
    - सुरक्षा परिषद
    - अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
    - सचिवालय
    - न्यास परिषद (ट्रस्टीशिप काउंसिल)
    - आर्थिक और सामाजिक परिषद
- **उद्देश्य: इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:**
    - अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना,
    - मानवाधिकारों की रक्षा करना,
    - मानवीय सहायता प्रदान करना,
    - सतत विकास को बढ़ावा देना, और
    - अंतर्राष्ट्रीय कानून को बनाए रखना।

महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स

- ग्लोबल एन्वॉयरमेंट आउटलुक (UNEP)
- ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट (UNDP)
- इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट रिपोर्ट (UNIDO)
- स्टेट ऑफ द वर्ल्डस चिल्ड्रन्स (UNICEF)
- वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट (UN-Habitat)
- स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन (यूनाइटेड नेशंस पॉप्युलेशन फंड)
- वर्ल्ड इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे (यू.एन. डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स)
- वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स (यू. एन. डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स)
- वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट (UNCTAD)
- वर्ल्ड ऑफ वर्क (ILO)

संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण संधियां	
मानवाधिकार	• आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (International Covenant); • जनसंहार के अपराध की रोकथाम और सजा पर कन्वेंशन आदि।
शरणार्थी	• शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित कन्वेंशन; • शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित प्रोटोकॉल आदि।
दांडिक मामले	• अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के लिए रोम संविधि (Rome Statute); • अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों पर समझौता; • संयुक्त राष्ट्र और संबद्ध कार्मिकों की सुरक्षा पर कन्वेंशन आदि।
आतंकवाद	• अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन; • व्यक्तियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने, खत्म करने और दोषियों को दंडित करने के लिए प्रोटोकॉल (यह अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का पूरक है); • भूमि, समुद्र और वायु द्वारा प्रवासियों की तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल। यह भी अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का पूरक है इत्यादि।

समुद्र से संबंधित कानून	• समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCLOS)[1] आदि।
निरस्त्रीकरण	• व्यापक परमाणु-परीक्षण-निषेध संधि (CTBT)[2] आदि।

संबंधित सुर्ख़ियां

संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 99 (Article 99 of UN Charter)

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने **गाजा में जारी मानवीय संकट के प्रति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सचेत** किया है। इसके लिए उन्होंने **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 99** का इस्तेमाल किया है।
- अनुच्छेद 99 के अनुसार **UN महासचिव किसी भी ऐसे मामले को सुरक्षा परिषद के ध्यान में ला सकता है, जो उसकी राय में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को खतरे में डाल** सकता है।
    - इससे पहले **केवल चार अवसरों पर ही** अनुच्छेद 99 का इस्तेमाल किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर **संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक दस्तावेज है। इस पर 1945 में सैन फ्रांसिस्को में हस्ताक्षर** किए गए थे।
- यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मुख्य **सिद्धांतों को संहिताबद्ध** करता है। इनमें **देशों की संप्रभु समानता** जैसे सिद्धांत भी शामिल हैं।

1.1.1. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational, Scientific And Cultural Organization: UNESCO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका पांच साल बाद फिर से आधिकारिक तौर पर **यूनेस्को (UNESCO) में शामिल** हो गया है। साथ ही, उसने यूनेस्को को लगभग 600 मिलियन डॉलर से अधिक की बकाया राशि का भुगतान करने पर भी अपनी सहमति दे दी है।

यूनेस्को के बारे में

- **मुख्यालय**: पेरिस, फ्रांस
- **स्थापना और उद्देश्य:** वर्ष 1945 में स्थापित यह संस्था संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। यह **शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, संचार और सूचना के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर शांति स्थापना में योगदान** देती है।
- **सदस्यता: 194 सदस्य देश और 12 एसोसिएट सदस्य।**
- **संरचना:** जनरल कॉन्फ्रेंस और कार्यकारी बोर्ड के निर्णयों को लागू करने के लिए **महानिदेशक** की अध्यक्षता में एक सचिवालय की स्थापना की गई है।
- **यूनेस्को से संबंधित पुरस्कार:**
    - **सांस्कृतिक विरासत संरक्षण कार्यक्रम** के लिए यूनेस्को का **एशिया-प्रशांत पुरस्कार** (निजी व्यक्तियों और संगठनों, दोनों को) प्रदान किया जाता है।
    - शांति को बढ़ावा देने के लिए **यूनेस्को फेलिक्स हाउफौएट-बोइग्नी शांति पुरस्कार** (जीवित, सक्रिय व्यक्तियों और संस्थाओं को) प्रदान किया जाता है।
- **अन्य प्रमुख तथ्य:**
    - यह संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समूह (UNSDG)[3] का भी सदस्य है।
    - **यूनेस्को के तीन सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य नहीं हैं: कुक आइलैंड्स, नियू** और **फिलिस्तीन**
    - **संयुक्त राष्ट्र के दो सदस्य देश यूनेस्को के सदस्य नहीं हैं: इजराइल** और **लिकटेंस्टीन**

---

[1] United Nations Convention on the Law of the Sea

[2] Comprehensive Nuclear-Test-Ban Treaty

[3] United Nations Sustainable Development Group

© Vision IAS

यूनेस्को की मुख्य उपलब्धियां

- यूनेस्को द्वारा **168 देशों के 1,199 विश्व धरोहर स्थलों के संरक्षण** का कार्य किया जाता है। साथ ही, यूनेस्को द्वारा नामित स्थलों का **कुल क्षेत्रफल लगभग 10 मिलियन वर्ग किलोमीटर** है।
- **अमूर्त विरासत कन्वेंशन**[4] के पक्षकार देशों की संख्या 177 है। यह मानव जाति की असंख्य सांस्कृतिक विरासतों को विलुप्त होने से बचाने में मदद कर रहा है।
- **यूनेस्को की सभी के लिए शिक्षा पहल** ने वैश्विक शिक्षा की उल्लेखनीय प्रगति में बहुत योगदान दिया है।
- **यूनेस्को द्वारा मीडिया विकास संकेतक (MDIs)**[5] विकसित किए गए हैं। ये संकेतक मीडिया की स्थिति का आकलन करने के लिए एक फ्रेमवर्क प्रदान करते हैं।
- **विश्व धरोहर समिति** द्वारा खतरे में पड़ी **विश्व धरोहरों की एक अलग सूची** बनाई जाती है और उन्हें बचाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ध्यातव्य है कि 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार इसमें **55 स्थल** हैं।

यूनेस्को द्वारा जारी की जाने वाली मुख्य रिपोर्ट्स

- ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट
- ग्लोबल रिपोर्ट ऑन कल्चर फॉर सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट
- ग्लोबल ओशन साइंस रिपोर्ट
- यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट

संबंधित सुर्ख़ियां

एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (AIBD)[6]

- भारत को **लगातार तीसरी बार AIBD का अध्यक्ष** चुना गया है।
- AIBD की स्थापना **1977** में **UNESCO** के तहत की गई थी। इसका मुख्यालय **कुआलालंपुर (मलेशिया)** में है।
  - अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) भी इसके संस्थापक संगठन हैं।
- इसमें **भारत सहित 26 सदस्य देश** हैं। इनका प्रतिनिधित्व इन देशों के **48 प्रसारण प्राधिकरण** करते हैं।
- **AIBD के कार्य:**
  - मीडिया और संचार विकास के लिए **अंतर-क्षेत्रीय संबंध व सहयोग** स्थापित करना।

1.1.2. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (United Nations Human Rights Council: UNHRC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **मानवाधिकार परिषद (HRC)** के लिए **15 नए सदस्य देशों का चुनाव** किया है। साथ ही, महासभा ने HRC में **फिर से शामिल होने के रूस के प्रस्ताव को** अस्वीकार कर दिया है। गौरतलब है कि **यूक्रेन पर आक्रमण के बाद** रूस को UNHRC से बाहर कर दिया गया था।

UNHRC के बारे में

- **मुख्यालय:** जिनेवा
- **उत्पत्ति:** इसका गठन **2006** में किया गया था। इसे **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)**[7] ने UN के **एक सहायक अंग** के रूप में गठित किया था।
- **अन्य उद्देश्य: UNHRC** को संयुक्त राष्ट्र के तहत एक **अंतर-सरकारी निकाय** के रूप में स्थापित किया गया था। इसका लक्ष्य विश्व में मानवाधिकारों का प्रचार और संरक्षण करना है।
- **सदस्य:** इसके सदस्यों की संख्या 47 **(भारत सहित)** है और सदस्यता समान भौगोलिक वितरण पर आधारित है।
  - मानवाधिकार परिषद में **निर्वाचित होने के लिए** एक देश को **कम से कम 97 वोट** की आवश्यकता होती है।

[4] Intangible Heritage Convention

[5] Media Development Indicators

[6] Asia-Pacific Institute For Broadcasting Development

[7] UN General Assembly

- ○ **कार्यकाल:** सदस्यता **तीन साल** की अवधि के लिए होती है और **लगातार दो कार्यकाल के बाद सदस्य तत्काल पुन: चुनाव के लिए पात्र नहीं** होते हैं।
- **संस्थागत संरचना:**
  - ○ **ब्यूरो:** इसमें **एक अध्यक्ष और चार उपाध्यक्ष** होते हैं। ये **पांच क्षेत्रीय समूहों में से प्रत्येक का प्रतिनिधित्व** करते हैं। यह **परिषद के प्रक्रियात्मक और संगठनात्मक नेतृत्व के लिए जिम्मेदार** है।
  - ○ **सचिवालय: मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय** (OHCHR)[8] के कर्मचारी सचिवालय के अंग के रूप में कार्य करते हैं।
- **अन्य मुख्य जानकारी:**
  - ○ यह परिषद **अंतर्राष्ट्रीय जांच आयोग** और **तथ्यों की खोज करने वाले मिशनों**[9] की स्थापना कर सकता है।
  - ○ UNHRC ने संगठन की प्रक्रियाओं और तंत्रों को स्थापित करने के लिए 2007 में एक **'इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग पैकेज'** को अपनाया था।
  - ○ परिषद द्वारा लिए गए **निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं** होते हैं।

मानवाधिकार से संबंधित अन्य सुर्ख़ियां

मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा-पत्र (Universal Declaration of Human Rights: UDHR)	• वर्ष 2023 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा-पत्र (UDHR) की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। • **'मानवाधिकार 75' पहल शुरू** की गई है। इसके तीन मुख्य लक्ष्य सार्वभौमिकता, प्रगति और जुड़ाव पर केंद्रित हैं। 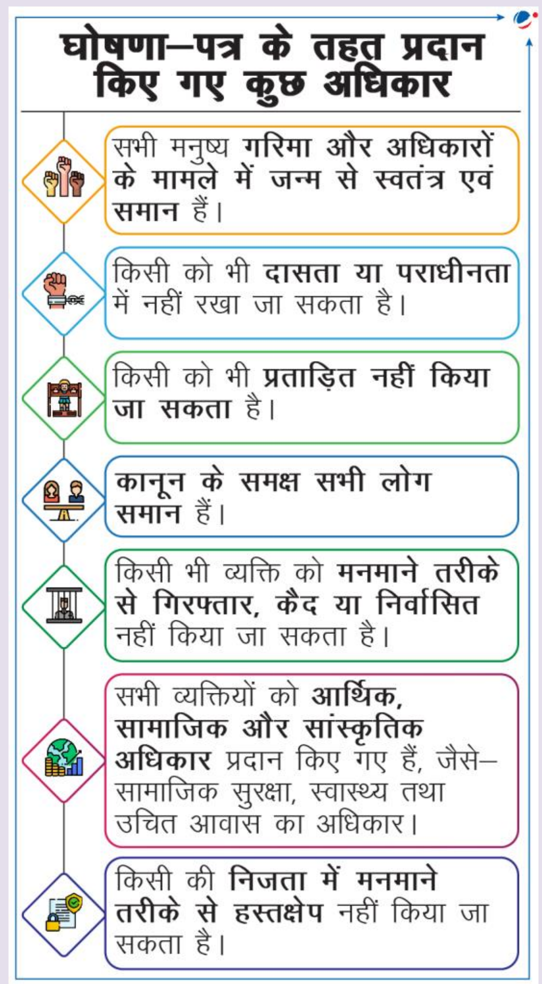 **UDHR के बारे में** • **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने **मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा-पत्र (UDHR) को 10 दिसंबर, 1948 को अनुमोदित** किया था। • **UDHR की मुख्य विशेषताएं:** ○ इस घोषणा-पत्र के अनुसार **"मानव अधिकार सार्वभौमिक हैं"।** इससे आशय है कि ये अधिकार **सभी लोगों को प्राप्त हैं,** चाहे वे कोई भी हों या जहां भी रहते हों। ○ UDHR, निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाओं के साथ मिलकर **"मानवाधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय अधिकार-पत्र"** का निर्माण करते हैं: ▪ **नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (ICCPR), तथा** ▪ **आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा (ICESCR)।** ○ हालांकि, यह कानूनी रूप से **बाध्यकारी संधि नहीं** है, किंतु इसके सिद्धांत **कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौतों में शामिल** किए गए हैं। • **भारत और UDHR:** ○ भारत **UDHR का हस्ताक्षरकर्ता** था। भारत का UDHR में कई विषयों पर योगदान रहा है, जैसे- महिलाओं के अधिकार, गैर-भेदभाव, आवाजाही की स्वतंत्रता, काम करने का अधिकार, धर्मनिरपेक्षता, आदि।

---

[8] Office of the High Commissioner for Human Rights

[9] Fact-Finding Missions

© Vision IAS

	○ UDHR के ड्राफ्ट को तैयार करने के विभिन्न चरणों में, भारत का प्रतिनिधित्व **हंसा मेहता, एम.आर. मसानी और लक्ष्मी मेनन** ने किया था। ○ UDHR के **अनुच्छेद 1 में पहले लिखा था- "सभी पुरुषों को गौरव और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता एवं समानता प्राप्त है"।** भारत के प्रयास से इसे बदलकर - **"सभी मनुष्यों को गौरव और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता एवं समानता प्राप्त है"** कर दिया गया। ▪ इस बदलाव का श्रेय **भारतीय संविधान सभा** के सदस्य **हंसा मेहता** को दिया जाता है।
वियना घोषणा और कार्य योजना (Vienna Declaration and Programme of Action: VDPA)	• जून 2023 में VDPA की **30वीं वर्षगांठ** मनाई गई। • **यह मानवाधिकारों से संबंधित एक घोषणा-पत्र है। विश्व मानवाधिकार सम्मेलन** का आयोजन जून 1993 में ऑस्ट्रिया के विएना में किया गया था। • इसने मानवाधिकारों से संबंधित गतिविधियों को मजबूत करने के साथ-साथ **मानवाधिकारों के लिए उच्चायुक्त कार्यालय की स्थापना** हेतु एक साझा योजना का मार्ग प्रशस्त किया है।

1.1.3. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Other Important Developments Related To UN)

1.1.3.1. संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (United Nations Peacekeeping)

- हाल ही में, **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना** की शुरुआत की **75वीं वर्षगांठ** मनाई गई।
- वर्ष 2022 में शहीद हुए शांति सैनिकों को मरणोपरांत **'डैग हैमरस्कॉल्ड मेडल'** से सम्मानित करने के लिए एक समारोह आयोजित किया गया था।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के बारे में**
  - **उत्पत्ति:** इसे औपचारिक रूप से **1992 में शांति स्थापना अभियान विभाग (DPO)**[10] के रूप में स्थापित किया गया था।
    - DPO की शुरुआत **1948** से मानी जाती है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार **दो पीस ऑपरेशन्स** शुरू किए थे। ये ऑपरेशन्स थे- **यूनाइटेड नेशंस ट्रूस सुपरविजन ऑर्गनाइजेशन (UNTSO)** और **भारत-पाकिस्तान में यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री ऑब्जर्वर ग्रुप (UNMOGIP)।**
    - 1980 के दशक के अंत तक, शांति स्थापना अभियानों का संचालन **संयुक्त राष्ट्र के विशेष राजनीतिक मामलों के कार्यालय** के जरिए होता था।
  - **DPO के बारे में:** यह **अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के प्रयासों में सदस्य देशों तथा महासचिव** की सहायता करता है।
  - **कार्य:** यह दुनिया भर में **संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों को राजनीतिक और कार्यकारी** दिशा-निर्देश प्रदान करता है। साथ ही, यह **सुरक्षा परिषद, शांति रक्षक सेना और वित्तीय योगदानकर्ताओं के साथ संपर्क बनाए** रखता है।
  - **अन्य प्रमुख तथ्य:** इसके **तीन प्रमुख कार्यालय हैं-** कानून का शासन और सुरक्षा संस्थानों का कार्यालय[11], सैन्य मामलों का कार्यालय[12] तथा नीति, मूल्यांकन और प्रशिक्षण प्रभाग (DPET)[13]

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत का योगदान

- **वर्तमान में, भारत पांचवां सबसे बड़ा सैनिक योगदानकर्ता** देश है। भारत ने 13 सक्रिय संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में से 8 में 5,323 कर्मियों के ज़रिए अपना योगदान दिया है।
- भारत लैंगिक शोषण और दुर्व्यवहार पर **ट्रस्ट फंड में योगदान देने** वाला पहला देश था। इसे 2016 में स्थापित किया गया था।
- 2007 में, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन में **एक पूर्ण महिला टुकड़ी** तैनात करने वाला पहला देश बन गया था।
- अफगानिस्तान में तैनात **जम्मू–कश्मीर पुलिस की भारतीय पुलिस अधिकारी शक्ति देवी** को अंतर्राष्ट्रीय महिला पुलिस शांतिरक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

---

[10] Department of Peacekeeping Operations

[11] Office of Rule of Law and Security Institutions

[12] Office of Military Affairs

[13] The Policy, Evaluation and Training Division

1.1.3.2. एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (United Nations Economic and Social Commission for Asia and Pacific: UNESCAP)

- UNESCAP ने **"सतत वित्त: एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अंतराल को कम करना[14]"** शीर्षक से रिपोर्ट जारी की है।
- **UNESCAP के बारे में:**
    - **उत्पत्ति:** आयोग की स्थापना आर्थिक एवं सामाजिक परिषद ने 1947 में **एशिया और सुदूर पूर्व के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (ECAFE)** के रूप में की थी। **वर्ष 1974 में इसे UNESCAP** के रूप में नामित किया गया था।
    - **मुख्यालय:** बैंकॉक (थाईलैंड)
    - यह संयुक्त राष्ट्र के पांच **क्षेत्रीय आयोगों में से एक** है।
    - **कार्य: UNESCAP इस क्षेत्र में समावेशी एवं सतत विकास का समर्थन** करता है। इसके लिए यह-
        - कार्रवाई-केंद्रित ज्ञान निर्मित करता है, और
        - राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों व क्षेत्रीय समझौतों के समर्थन में तकनीकी सहायता तथा क्षमता निर्माण सेवाएं प्रदान करता है।
    - **सदस्य: भारत सहित** 53 सदस्य देश और 9 एसोसिएट सदस्य
    - **रिपोर्ट्स:** SDG प्रगति आकलन रिपोर्ट, एशिया-प्रशांत आपदा रिपोर्ट आदि।

1.1.3.3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (United Nations Commission on International Trade Law: UNCITRAL)

- भारत ने प्रथम **UNCITRAL-दक्षिण एशिया सम्मेलन** का आयोजन किया।
- UNCITRAL की स्थापना **1966** में की गई थी। यह **संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक सहायक संस्था** है। इसका गठन **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जुड़े कानूनों में और अधिक सामंजस्य स्थापित करने तथा उनका एकीकरण** करने के लिए किया गया है।
    - इसमें महासभा द्वारा चुने गए **70 सदस्य देश** शामिल हैं।
    - इसके सदस्य **छह साल की अवधि** के लिए चुने जाते हैं। **भारत की सदस्यता अवधि 2028** तक है।
- UNCITRAL, **विश्व व्यापार संगठन (WTO) का हिस्सा नहीं** है।
- **WTO व्यापार से जुड़े नीतिगत मुद्दों का निपटारा** करता है। **UNCITRAL अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में निजी भागीदारों पर लागू कानूनों से संबंधित मामलों को देखता** है। यह **"दो देशों के मध्य उत्पन्न विवादों" को नहीं** देखता है।

1.1.3.4. संयुक्त राष्ट्र पूंजी विकास कोष (United Nations Capital Development Fund: UNCDF)

- नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन (AIM) तथा **संयुक्त राष्ट्र पूंजी विकास कोष (UNCDF)** ने भारत में कृषि-प्रौद्योगिकी (एग्री-टेक) नवाचार के लिए एक श्वेत-पत्र जारी किया।
- **UNCDF के बारे में:** यह दुनिया के अल्प विकसित देशों (LDCs) के लिए **संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख उत्प्रेरक वित्त-पोषण संस्था है।**
    - यह एक **स्वायत्त व स्वैच्छिक रूप से वित्त-पोषित** संयुक्त राष्ट्र संगठन है। यह **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम से संबद्ध** संस्था है।
    - इसका गठन **1966 में संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने किया था।

[14] Sustainable Finance: Bridging the Gap in Asia and the Pacific

1.1.3.5. ग्लोबल क्राइसिस रिस्पांस ग्रुप (Global Crisis Response Group: GCRG)

- भारत **संयुक्त राष्ट्र के GCRG** में शामिल हो गया है।
- GCRG की स्थापना 2022 में **संयुक्त राष्ट्र महासचिव (UNSG)** ने की थी। इस ग्रुप का गठन **खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और वित्त में परस्पर जुड़े संकटों** से संबंधित तात्कालिक व महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों का समाधान करने तथा **वैश्विक कार्यवाही के समन्वय** के लिए किया गया है।
    - GCRG की देखरेख **चैंपियंस ग्रुप** करता है। इसमें **बांग्लादेश, बारबाडोस, डेनमार्क, जर्मनी, इंडोनेशिया और सेनेगल** के राष्ट्राध्यक्ष/ सरकार प्रमुख शामिल हैं।

1.1.3.6. संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग (United Nations Statistical Commission)

- भारत को **चार साल की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग का सदस्य चुना** गया है। भारत का कार्यकाल **1 जनवरी, 2024 से शुरू** हो गया।
- **संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग के बारे में:**
    - **मुख्यालय:** न्यूयॉर्क (यू. एस. ए.)
    - इसे **1947** में स्थापित किया गया था। यह **वैश्विक सांख्यिकीय प्रणाली का सर्वोच्च निकाय** है। यह सभी सदस्य देशों के मुख्य सांख्यिकीविदों को एक मंच पर लाता है।
        - यह **संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी प्रभाग (UNSD)** के काम का पर्यवेक्षण करता है। साथ ही, यह **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (UNESC)** का एक कार्यात्मक आयोग भी है।
    - **सदस्यता:** यह संयुक्त राष्ट्र के **24 सदस्य देशों** से मिलकर बना है। ये एक **समान भौगोलिक वितरण** के आधार पर UNESC द्वारा चुने जाते हैं।
    - **सदस्यों का कार्यकाल**: चार वर्ष।

1.1.3.7. व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Conference on Trade and Development: UNCTAD)

- अंकटाड (UNCTAD) द्वारा "व्यापार और विकास रिपोर्ट[15] 2023" जारी की गई।
- **UNCTAD के बारे में:**
    - **उत्पत्ति:** यह संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी **अंतर-सरकारी निकाय** है। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा **1964** में की गई थी।
    - **मुख्यालय**: जेनेवा
    - **मुख्य कार्य:**
        - **विकासशील देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक न्यायसंगत रूप से भाग लेने में मदद** करना।
        - **व्यापार, निवेश, वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण** की सहायता से विकासशील देशों में **समावेशी एवं संधारणीय विकास** को बढ़ावा देना।
    - **सदस्य:** भारत सहित **195 सदस्य देश।**

UNCTAD द्वारा जारी की जाने वाली अन्य रिपोर्ट्स

- व्यापार एवं विकास रिपोर्ट (Trade and Development Report)
- विश्व निवेश रिपोर्ट (World Investment Report)
- दी लीस्ट डेवलपमेंट कंट्रीज रिपोर्ट
- इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन अफ्रीका रिपोर्ट
- डिजिटल इकोनॉमी रिपोर्ट
- टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन रिपोर्ट

1.1.3.8. खाद्य और कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization: FAO)

- FAO ने **फूड आउटलुक** रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया के प्रमुख मूलभूत खाद्य पदार्थों के **उत्पादन, व्यापार, उपयोग और भंडार के स्तरों के पूर्वानुमानों पर चर्चा** की गई है। यह **एक छमाही रिपोर्ट** है।

---

[15] Trade and Development Report

© Vision IAS

- **FAO के बारे में**
  - **उत्पत्ति:** इसे **1945** में स्थापित किया गया था। यह **संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** है। यह भुखमरी को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
  - **मुख्यालय: रोम (इटली)**
  - **सदस्य:** 194 देश (भारत सहित) और **यूरोपीय संघ।**
  - **लक्ष्य:**
    - भुखमरी, खाद्य असुरक्षा और कुपोषण का उन्मूलन करना;
    - निर्धनता का उन्मूलन करना;
    - सभी के लिए आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना; तथा
    - भूमि, जल, वायु, जलवायु और आनुवंशिक संसाधनों सहित प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन व उपयोग सुनिश्चित करना।
  - **अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:**
    - **विश्व खाद्य दिवस** (16 अक्टूबर) FAO की स्थापना की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
    - FAO **विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP)**[16] और **अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD)**[17] के साथ मिलकर काम करता है।

FAO की अन्य प्रमुख रिपोर्ट्स और इनिशिएटिव

- विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (The State of Food Security and Nutrition in the World)
- खाद्य एवं कृषि की स्थिति (The State of Food and Agriculture)
- विश्व के वनों की स्थिति (The State of the World's Forests)
- हंगर मैप
- अंतर्राष्ट्रीय खाद्य मानकों को लागू करने के लिए कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन या CAC

1.1.3.9. अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (International Coffee Organization: ICO)

- भारत में **पांचवें विश्व कॉफी सम्मेलन** का उद्घाटन किया गया। **ऐसा पहली बार है जब एक एशियाई कॉफी उत्पादक देश** में विश्व कॉफी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।
- **ICO के बारे में:**
  - **उत्पत्ति**: इसे संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में **1963 में स्थापित** किया गया था। इसकी स्थापना **1962 में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौते** की मंजूरी के बाद की गई थी।
  - ICO **वैश्विक कॉफी उत्पादन में 93 प्रतिशत और वैश्विक उपभोग में 63 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले देशों** का प्रतिनिधित्व करता है।
  - **ICO के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:**
    - वैश्विक कॉफी क्षेत्रक को मजबूत करना,
    - **वैश्विक कॉफी मूल्य श्रृंखला (G-CVC)** में सभी अभिकर्ताओं के लाभ के लिए बाज़ार-आधारित परिवेश में सतत विस्तार को बढ़ावा देना।
  - **सदस्यता:** 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार **49 सदस्य देश (42 निर्यातक और 7 आयातक)। (भारत एक निर्यातक सदस्य है)।**
  - **अन्य मुख्य जानकारी:** यह कॉफी क्षेत्रक के लिए एकमात्र **अंतर-सरकारी संगठन है।** यह कॉफी निर्यात और आयात करने वाली सरकारों को एक साथ लाता है।

1.1.3.10. L.69 समूह (L.69 Grouping)

- भारत द्वारा आयोजित एक बैठक में L.69 समूह ने **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)** में सुधार की मांग की है।
- L.69 एक **सुधार-समर्थक** समूह है। इसमें **अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन, एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के विकासशील देश** शामिल हैं।
  - इस समूह के देश **UNSC में व्यापक सुधार करने और बहुपक्षवाद को मजबूत करने** के साझा हित से एकजुट हुए हैं।
- इस समूह में **भारत एक नेतृत्वकर्ता देश** है।

16 World Food Programme

17 International Fund for Agricultural Development

1.2. G-20 (G20)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत ने पहली बार G20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में **"वसुधैव कुटुंबकम्" अथवा "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य"** की थीम के साथ किया गया।

G20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख आउटकम्स या परिणाम

- **इस शिखर सम्मेलन में देशों ने सर्वसम्मति से "G20 नई दिल्ली लीडर्स घोषणा-पत्र" को अपनाया गया:** इसमें शामिल विषय हैं- सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर प्रगति में तेजी लाना, महिला सशक्तीकरण, बहुपक्षीय संस्थान में सुधार, अंतर्राष्ट्रीय कराधान और वैश्विक शांति।
- जैव ईंधन की खपत में बढ़ोतरी के लिए **ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस (GBA)** की शुरुआत की गई।
- **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)**[18] बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया गया।
- **अफ्रीकी संघ को G20 के स्थायी सदस्य** के रूप में औपचारिक रूप से शामिल किया गया।
- **अन्य आउटकम्स:**
  - **पर्यावरण और जलवायु संबंधी पर्यवेक्षण** के लिए **'G20 सैटेलाइट मिशन'** आरंभ करने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस मिशन का उद्देश्य ग्लोबल साउथ के देशों की मदद करना है।
  - **क्रिप्टो-परिसंपत्तियों के लिए वैश्विक विनियामकीय फ्रेमवर्क** बनाने पर सहमति बनी। साथ ही, **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उत्तरदायी तरीके** से उपयोग करने पर बल दिया गया।
  - **"ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी (GDPIR) पर G20 फ्रेमवर्क"** बनाने पर सहमति बनी।
  - **G20 शिखर सम्मेलन, 2023 में वित्तीय समावेशन कार्य योजना (FIAP)**[19] पर सहमति व्यक्त की गई। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और MSMEs के लिए वित्तीय समावेशन का विस्तार करना है।
  - **काशी कल्चर पाथवे** नामक दस्तावेज के तहत **सदस्यों ने पहली बार सर्वसम्मति से एक स्टैंडअलोन लक्ष्य के रूप में संस्कृति की उन्नति का समर्थन** किया।
  - **स्टार्ट-अप 20 इंगेजमेंट ग्रुप** का गठन किया गया।
  - **वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVCs)**[20] **की मैपिंग हेतु G20 जेनेरिक फ्रेमवर्क** अपनाने पर सहमति बनी है।
  - घोषणा-पत्र में **वन फ्यूचर एलायंस (OFA)** नामक स्वैच्छिक पहल शुरू करने का प्रस्ताव किया गया है। यह पहल निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों में **DPI** के कार्यान्वयन में सहायता करेगी।
  - **रिसोर्स एफिशिएंसी सर्कुलर इकोनॉमी इंडस्ट्री कोएलिशन (RECEIC), ट्रैवल फॉर लाइफ (LiFE)** जैसी पहलें शुरू करने की बात कही गई है।
  - **थीमेटिक रोडमैप और सिद्धांतों को बढ़ावा देना:**
    - **सूचनाओं तक MSMEs की पहुंच बढ़ाने के लिए जयपुर कॉल फॉर एक्शन को** अपनाया गया। इसका लक्ष्य **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में MSMEs के समेकन** को बढ़ावा देना है।
    - सतत और लचीली **ब्लू इकोनॉमी/ महासागर आधारित अर्थव्यवस्था पर 'चेन्नई उच्च-स्तरीय सिद्धांत'** दस्तावेज अपनाया गया।
    - **"G20 ग्लोबल लैंड इनिशिएटिव"** को मजबूती प्रदान करने के लिए **गांधीनगर इम्प्लीमेंटेशन रोडमैप (GIR) और गांधीनगर सूचना मंच (GIP)** को अपनाया गया है।
    - "G20 ग्लोबल लैंड इनिशिएटिव" का लक्ष्य भूमि क्षरण को कम करना, रोकना और पूर्व स्थिति को बहाल करना है। साथ ही, **2040** तक भू-क्षरण को **50 प्रतिशत** तक कम करना है।
    - संधारणीय पर्यटन के प्रसार हेतु सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति के साधन के रूप में **'गोवा रोडमैप'** के महत्त्व को रेखांकित किया गया।

[18] India Middle East Europe Economic Corridor

[19] Financial Inclusion Action Plan

[20] Global Value Chains

अफ्रीकी संघ (AU) के बारे में

- **मुख्यालय: अदीस अबाबा, इथियोपिया**
- **उत्पत्ति:** इसे **2002 में ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ अफ्रीकन यूनियन (OAU, 1963-1999)** की जगह स्थापित किया गया था।
- **सदस्य:** अफ्रीकी महाद्वीप के **55 देश इस संघ के सदस्य** हैं।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **नागरिक समावेशन और अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग व एकीकरण द्वारा अफ्रीका की आर्थिक संवृद्धि एवं विकास को बढ़ावा** देना है।
- **अन्य प्रमुख तथ्य:**
  - यह G20 का स्थायी सदस्य बनने वाला (EU के बाद) **दूसरा क्षेत्रीय संगठन** है।
  - **हाल ही में, AU** ने सैन्य तख्तापलट के कारण नाइजर को अपनी सभी गतिविधियों से **निलंबित कर** दिया है।

नोटः

- भारत अफ्रीका के दो अन्य महत्वपूर्ण समूहों यानी AfCFTA और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (SACU) के साथ भी जुड़ा हुआ है।
  - दुनिया में सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने के लिए **2018 में 55 अफ्रीकी देशों** के बीच AfCFTA समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
  - SACU दक्षिणी अफ्रीका के पांच देशों: बोत्सवाना, इस्वातिनी, लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक **सीमा शुल्क संघ** है।

G-20 के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसका गठन **1999 में एशियाई वित्तीय संकट** के बाद किया गया था। इसका उद्देश्य **वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक स्तर के आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच** प्रदान करना था।
- **उद्देश्य:** यह सभी **प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक व्यवस्था और गवर्नेंस को आकार देने एवं मजबूत करने** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **सदस्य:** संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, यूनाइटेड किंगडम, भारत, इंडोनेशिया, यूरोपीय संघ, अफ्रीकी संघ, रूस, मैक्सिको, साउथ कोरिया, अर्जेंटीना, फ्रांस, ब्राजील, जर्मनी, साउथ अफ्रीका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, तुर्किये, इटली, सऊदी अरब, जापान।
  - भारत **G20 का संस्थापक सदस्य** है।

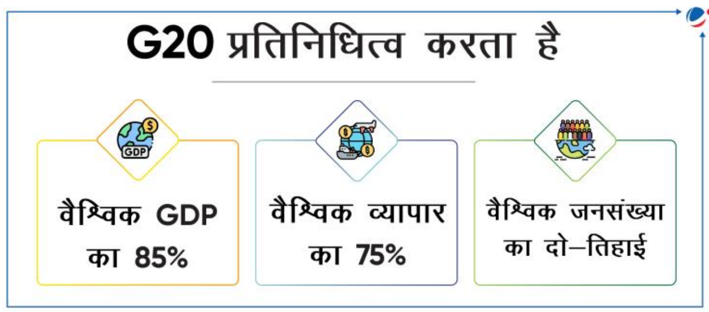

- **कार्यप्रणाली:**
  - **G20 शिखर सम्मेलन** का आयोजन **प्रतिवर्ष** होता है। इसकी **अध्यक्षता क्रमिक रूप से बदलती रहती है।** सम्मेलन का नेतृत्व तत्कालीन अध्यक्ष द्वारा किया जाता है।
    - **ट्रोइका** अर्थात् भूतपूर्व, वर्तमान और आगामी अध्यक्ष देश - G20 प्रेसीडेंसी में सहायक की भूमिका निभाते हैं।
    - 2023 में, ट्रोइका में **इंडोनेशिया, भारत** और **ब्राजील** शामिल हैं।
    - **2024 में,** ट्रोइका में **भारत, ब्राजील** और **दक्षिण अफ्रीका** शामिल होंगे।
  - G20 में दो समानांतर ट्रैक शामिल हैं: **फाइनेंस ट्रैक और शेरपा ट्रैक।**
  - इसका कोई **स्थायी सचिवालय या स्टाफ नहीं** है।

G20 की उपलब्धियां

- **इसने कई वित्तीय संकटों से संबंधित मुद्दों का समाधान किया है,** जैसे- वैश्विक वित्तीय संकट (2008-09), यूरो जोन संकट (2010) आदि।
- कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए **10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का पैकेज।**
- **2018 में यू.एस.ए.-चीन व्यापार समझौता।**
- निम्न आय वाले देशों के लाभ के लिए **कर संबंधी सुधारों को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका।**

प्रमुख पहलों से संबंधित विवरण

ग्लोबल बायोफ्यूल अलायन्स (Global Biofuel Alliance: GBA)	• भारत ने **सिंगापुर, बांग्लादेश, इटली, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना, मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** के नेताओं के साथ मिलकर **'ग्लोबल बायोफ्यूल अलायन्स'** की शुरुआत की है। • **उद्देश्य: इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:** ○ जैव-ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने वाले मंच के रूप में कार्य करना; तथा ○ जैव ईंधन क्षेत्रक में प्रगति और इसे व्यापक रूप से अपनाने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहन देना। ▪ GBA जैव ईंधन पर **ज्ञान के केंद्रीय भंडार और एक विशेषज्ञ केंद्र** के रूप में कार्य करेगा। • **भारत के लिए GBA के लाभ:** ○ **जैव ईंधन से संबंधित भारत की पहलों,** जैसे- पी.एम.-जीवन (JIVAN) योजना, सतत (SATAT) और गोबरधन योजना को बढ़ावा मिलेगा। ○ यह **किसानों की आय बढ़ाने और नई नौकरियां** पैदा करने में सहायक होगा। ○ इससे **तेल पर निर्भरता कम करने में मदद** मिलेगी (भारत अपने कच्चे तेल की आवश्यकता का **80% से अधिक** आयात करता है)। ○ यह **राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक** होगा (जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति के तहत सरकार ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा है)। ○ इससे **भारतीय उद्योगों के लिए अतिरिक्त अवसर** मिलेंगे (वैश्विक जैव ईंधन मांग को पूरा करना तथा प्रौद्योगिकी और उपकरणों का निर्यात करना)। • **GBA के वर्तमान सदस्यों में शामिल हैं-** ○ **G20 के 7 देश:** अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, भारत, इटली, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त राज्य अमेरिका। ○ **G20 के 4 आमंत्रित देश:** बांग्लादेश, सिंगापुर, मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात। ○ **8 ऐसे देश जो G20 के सदस्य नहीं हैं:** आइसलैंड, केन्या, गुयाना, पराग्वे, सेशेल्स, श्रीलंका, युगांडा और फिनलैंड। ○ **12 अंतर्राष्ट्रीय संगठन:** विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (ADB), विश्व आर्थिक मंच (WEF), अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) आदि।
भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (India-Middle East- Europe Economic Corridor: IMEC)	• G20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया गया। इस MoU पर **भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी और इटली** ने हस्ताक्षर किए हैं। 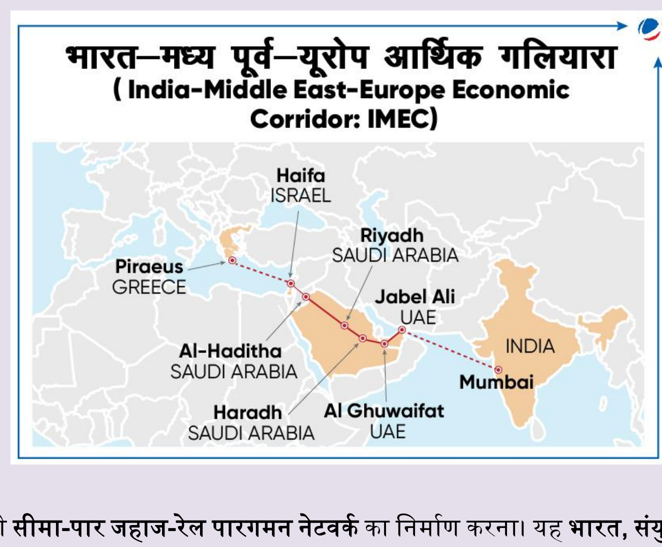 • IMEC में **रेलमार्ग, जहाज-रेल पारगमन नेटवर्क (सड़क और समुद्र) तथा सड़क परिवहन मार्ग (व नेटवर्क)** शामिल होंगे। **इसमें दो गलियारे शामिल हैं:** ○ **पूर्वी गलियारा:** यह **भारत को अरब की खाड़ी** से जोड़ेगा। ○ **उत्तरी गलियारा:** यह **अरब की खाड़ी को यूरोप** से जोड़ेगा। • **उद्देश्य:** एक विश्वसनीय व लागत प्रभावी **सीमा-पार जहाज-रेल पारगमन नेटवर्क** का निर्माण करना। यह **भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इज़रायल और यूरोप** के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के पारगमन व्यापार को सक्षम बनाएगा। • **अन्य प्रमुख जानकारी:** ○ यह परियोजना **वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी (PGII)** का हिस्सा है।

	▪ PGII की घोषणा **2021 में यूनाइटेड किंगडम में आयोजित G-7 शिखर सम्मेलन** में की गई थी। इसे चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। ▪ **PGII के तहत अन्य परियोजना:** ट्रांस-अफ्रीका कॉरिडोर। • **भारत के लिए IMEC का महत्त्व** ○ इससे भारत और यूरोप के बीच व्यापार में **लगभग 40 फीसदी तक की वृद्धि होने** की संभावना है। ○ इससे लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। साथ ही, **भारत और अन्य देशों के बीच वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा** भी मिलेगा। ○ इससे भारत की **'एक्ट वेस्ट नीति'** को मजबूती मिलेगी।

संबंधित अवधारणा

ग्लोबल साउथ

- ग्लोबल साउथ शब्द सामान्यतः **विकासशील, अल्प विकसित या अविकसित देशों** को व्यक्त करता है।
    - ये देश मुख्य रूप से **दक्षिणी गोलार्ध** में अवस्थित हैं। इनमें अधिकतर **अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका** के देश शामिल हैं।
- इसी तरह **संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड** जैसे आर्थिक रूप से विकसित देश ग्लोबल नॉर्थ का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- ग्लोबल साउथ की अवधारणा का सर्वप्रथम उल्लेख **ब्रैंट रिपोर्ट, 1980** में किया गया था। इस रिपोर्ट में उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच उनकी **प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति, सकल घरेलू उत्पाद तथा जीवन स्तर के आधार** पर विभाजन का प्रस्ताव दिया गया था।

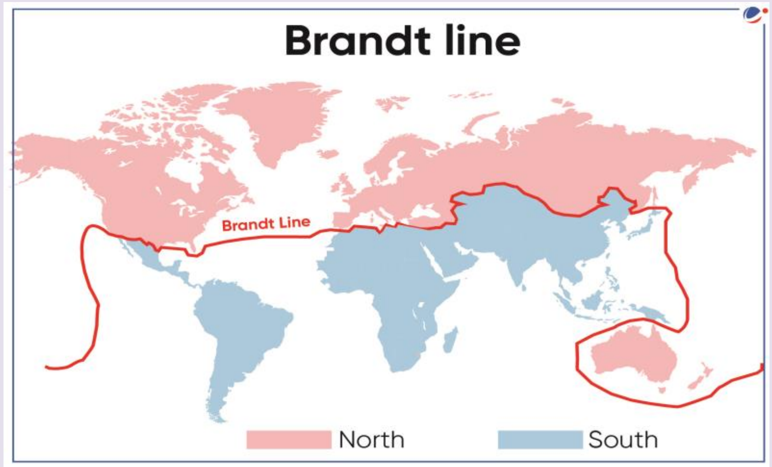

1.2.1. G20 की अन्य प्रमुख पहलें (Other Initiatives by G20)

G-20 एम्पॉवर (EMPOWER)	• **G-20 एलायंस फॉर एम्पॉवरमेंट एंड प्रोग्रेशन ऑफ़ वूमेंस इकोनॉमिक रिप्रजेंटेशन (G-20 एम्पॉवर/EMPOWER)** वस्तुतः **सरकार और निजी क्षेत्रक के बीच एक गठबंधन है।** इसका उद्देश्य **निजी क्षेत्रक में महिलाओं के नेतृत्व और सशक्तीकरण में तेजी** लाना है।
मिलेट्स और अन्य प्राचीन अनाजों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल (Millets And OtHer Ancient Grains International ReSearcH Initiative: MAHARISHI/ महर्षि)	• G-20 के **"कृषि क्षेत्रक के प्रमुख वैज्ञानिकों की बैठक" के दौरान** अलग-अलग प्रतिभागियों ने **"स्वस्थ लोग और ग्रह के लिए सतत कृषि एवं खाद्य प्रणाली"** हेतु सर्वसम्मति से **महर्षि पहल** के शुभारंभ का समर्थन किया। ○ इसका **सचिवालय भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (IIMR), हैदराबाद** में स्थापित किया जाएगा। इसमें ICRISAT, CGIAR केंद्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। ○ यह पहल अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के साथ **कृषि-जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और पोषण के संबंध में अनुसंधान तथा जागरूकता पर ध्यान केंद्रित** करेगी।
बिजनेस 20 (B20)	• इस शिखर सम्मेलन का शीर्षक है- **R.A.I.S.E {Responsible (उत्तरदायित्व), Accelerated (त्वरित), Innovative (नवोन्मेषी), Sustainable (संधारणीय)** तथा **Equitable Businesses (न्यायसंगत व्यवसाय)}** • B-20 की स्थापना **2010** में वैश्विक व्यापार समुदाय के साथ **आधिकारिक G-20 संवाद मंच** के रूप में की गई थी। ○ यह दुनिया भर से **नीति निर्माताओं, व्यापारिक दिग्गजों और विशेषज्ञों को B-20 इंडिया कम्युनिकेशन पर विचार-विमर्श व चर्चा** करने के लिए आमंत्रित करता है।

© Vision IAS

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (Global Initiative on Digital Health: GIDH)	• **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** और **भारत की अध्यक्षता में G20 ने डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (GIDH)** की घोषणा की। **GIDH** भारत की G20 अध्यक्षता के तहत **तीसरी स्वास्थ्य प्राथमिकता का महत्वपूर्ण घटक** है। • GIDH **डिजिटल गुड्स और ज्ञान को साझा करने** का एक मंच है। यह मंच **देश की क्षमता को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत** करने में मदद करेगा। • **GIDH डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक रणनीति 2020-2025 के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए WHO-प्रबंधित नेटवर्क के रूप में कार्य करेगा।**

महामारी से संबंधित स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक सुभेद्यता व जोखिम फ्रेमवर्क (Framework for Health, Social, and Economic Vulnerabilities and Risks from Pandemics: FEVR)	• यह फ्रेमवर्क G-20 टास्क फोर्स के आग्रह पर **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और यूरोपीय निवेश बैंक** ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य महामारी जनित **स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुभेद्यताओं** तथा उनके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले **जोखिमों को बेहतर ढंग से समझना** है।
	• **FEVR में 2 घटक शामिल हैं:**
	  ○ **प्रमुख स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक संकेतक, इसलिए** इन संकेतकों पर निगरानी रखी जाएगी, ताकि जोखिमों और आघातों को कम किया जा सके।
	  ○ सूचित निर्णय लेने के लिए अलग-अलग नीतियों और निवेश संभावनाओं का **स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक परिणामों पर अलग-अलग प्रभाव की पहचान करना।**

संबंधित सुर्खियां:

भारत-इंडोनेशिया आर्थिक और वित्तीय संवाद {India-Indonesia Economic and Financial Dialogue (EFD)}

- वित्त मंत्रालय ने **गुजरात** में G20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के अवसर पर **"भारत-इंडोनेशिया EFD संवाद"** शुरू करने की घोषणा की।
  - EFD संवाद ने **आर्थिक नीति निर्माताओं और वित्तीय विनियामकों को एक साथ लाकर द्विपक्षीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक तथा वित्तीय मामलों पर सहयोग बढ़ाने** का आश्वासन दिया।
- इंडोनेशिया **आसियान देशों में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार** (वित्त वर्ष 2022-23 में 38 बिलियन डॉलर) के रूप में उभरा है।

1.3. बिम्सटेक (BIMSTEC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

बिम्सटेक[21] के **विदेश मंत्रियों की पहली बैठक बैंकॉक (थाईलैंड) में संपन्न** हुई। **भारत** भी इस बैठक में शामिल हुआ था।

बिम्सटेक के बारे में

- **उत्पत्ति**: बिम्सटेक **एक क्षेत्रीय संगठन** है। इसकी स्थापना **1997 में बैंकॉक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर** के साथ की गई थी।
  - प्रारंभ में इसका गठन चार सदस्य राष्ट्रों- **बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड** के साथ किया गया था। तब इसका संक्षिप्त नाम **BIST-EC** था।
  - **म्यांमार** (1997) के इस संगठन में शामिल होने के बाद 2004 में इसका नाम **बिम्सटेक (BIMSTEC)** रखा गया।

[21] Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation/ बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल

- **सचिवालय: ढाका, बांग्लादेश**
- **उद्देश्य:** तेजी से आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के लिए एक सक्षम परिवेश बनाना और साथ ही, बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखना।
- **सदस्य: 7 (बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, नेपाल** (2004) और **भूटान** (2004)
- **बिम्सटेक के संस्थापक सिद्धांत-** संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता, आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं।
- **2022 में पांचवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन** के दौरान **बिम्सटेक चार्टर पर हस्ताक्षर** किए गए थे और इसे अपनाया गया था। इस चार्टर ने बिम्सटेक को **एक संगठन के रूप में औपचारिक** रूप प्रदान किया।
  - इसके तहत, सदस्य **सहयोग के सेक्टर्स/ पिलर्स की संख्या** 14 से घटाकर 7 करने पर सहमत हुए। प्रत्येक सेक्टर/ पिलर का नेतृत्व अलग-अलग सदस्य देश करेगा। **भारत 'सुरक्षा' सेक्टर/ पिलर का नेतृत्व करेगा।**

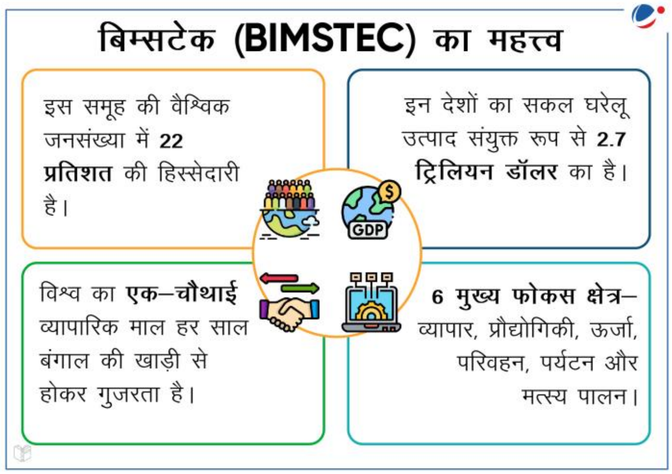

1.4. आसियान (ASEAN)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारतीय प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया के **जकार्ता में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।**

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के मुख्य आउटकम्स पर एक नज़र

- भारत-आसियान सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत ने **12-सूत्रीय प्रस्ताव प्रस्तुत** किया है। **इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - **दक्षिण पूर्वी एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप** को जोड़ने वाली मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारे का निर्माण करना।
  - आसियान साझेदारों के साथ **भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक को साझा** करना।
  - **डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष** की स्थापना करना। यह डिजिटल रूपांतरण और वित्त के सहज लेन-देन के लिए वित्तीय एकीकरण में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

आसियान के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना **1967 में आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा-पत्र) पर हस्ताक्षर** के बाद हुई थी। इस घोषणा-पत्र पर **इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर** और **थाईलैंड** ने हस्ताक्षर किए थे।
  - दक्षिण-पूर्व एशिया में **मित्रता और सहयोग की संधि (TAC) 1976 में स्थापित** की गई थी। यह दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और मैत्रीपूर्ण सहयोग के सार्वभौमिक सिद्धांतों का प्रतीक है।
- सचिवालय: **जकार्ता,** इंडोनेशिया
- **सदस्य**: ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम।
  - **संवाद भागीदार (Dialogue Partners):** ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, भारत, यूरोपीय संघ, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, न्यूजीलैंड, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

© Vision IAS

- **अन्य मुख्य जानकारी:**
  - **आसियान समुदाय (ASEAN Community):** इसे **2015** में शुरू किया गया था और इसमें निम्नलिखित **तीन स्तंभ** शामिल हैं:
    - आसियान राजनीतिक-सुरक्षा समुदाय;
    - आसियान आर्थिक समुदाय; तथा
    - आसियान सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय।
  - **क्रॉस सेक्टोरल मामले में आसियान की मुख्य पहलें:** आसियान कनेक्टिविटी; आसियान स्मार्ट सिटी नेटवर्क; आसियान के एकीकरण और विकास अंतर को कम करने की पहल (IAI&NDG)[22]।
  - **आसियान प्लस थ्री सहयोग में आसियान सदस्य देश, चीन, जापान और रिपब्लिक ऑफ कोरिया** शामिल हैं।
  - **भारत** पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, आसियान क्षेत्रीय मंच (ARF), आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक+ (ADMM+)[23] और विस्तारित आसियान समुद्री मंच (EAMF)[24] जैसे **आसियान के क्षेत्रीय मंचों में एक सक्रिय भागीदार** है।

भारत-आसियान संबंध: प्रमुख तथ्य

- **व्यापार:** भारत का आसियान देशों के साथ व्यापार **भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11.3% है।**
- **आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते पर 2009 में हस्ताक्षर** किए गए थे।
- **कनेक्टिविटी परियोजनाएं:** भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग (IMT), कलादान मल्टी मॉडल परियोजना आदि।
- **सुरक्षा:** अंतर्राष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए आसियान कार्य योजना (2016-2025), ADDM+ (आसियान और भारत सहित आठ संवाद भागीदारों के लिए मंच)।

संबंधित सुर्ख़ियां

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (East Asia Summit)

- हाल ही में, भारतीय प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया के **जकार्ता में 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)[25] में हिस्सा लिया।**
- EAS एशिया-प्रशांत क्षेत्र के **18 देशों** का एक मंच है। इसे **क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और समृद्धि के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए गठित** किया गया है।
- **सदस्य:** **ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका।**
- पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS) प्रक्रिया 2005 में **मलेशिया के कुआलालंपुर में प्रथम पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन** के आयोजन के साथ शुरू की गई थी।

1.5. ब्रिक्स (BRICS)

सुर्ख़ियों में क्यों?

दक्षिण अफ्रीका के **जोहान्सबर्ग में संपन्न 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन** में ब्रिक्स की सदस्यता का विस्तार करते हुए **पांच नए देशों** को इस समूह में शामिल किया गया।

अन्य संबंधित तथ्य

- **ब्रिक्स का विस्तार:** ये 5 नए सदस्य हैं- **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब** और **संयुक्त अरब अमीरात।**
- **जोहान्सबर्ग-II घोषणा-पत्र:** यह वैश्विक आर्थिक, वित्तीय और राजनीतिक मामलों पर ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों को शामिल करता है।

[22] Initiative for ASEAN Integration & Narrowing Development Gap

[23] ASEAN Defence Ministers' Meeting+

[24] Expanded ASEAN Maritime Forum

[25] East Asia Summit

ब्रिक्स के बारे में

- **उत्पत्ति:**
    - इस समूह की अवधारणा **2001** में गोल्डमैन सॅक्श (Goldman Sachs) पेपर में रखी गई थी। इसमें ऐसे देशों को शामिल किया गया था, जिनकी अर्थव्यवस्था **सात सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद थी अर्थात् जो G-7 में शामिल** नहीं थे।
    - **BRICS** देशों ने 2006 में अपनी वार्ताएं शुरू की है। वर्ष 2010 में **साउथ अफ्रीका** के शामिल होने से BRIC समूह **BRICS** बन गया है।
- **सचिवालय:** इसका कोई स्थायी सचिवालय या कार्यालय नहीं है।
- **वर्तमान सदस्य:** ब्राजील, रूस, भारत, चीन, साउथ अफ्रीका, **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात।**
- **ब्रिक्स द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलें:**
    - **न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB)**
    - सदस्यों को अल्पकालिक तरलता सहायता प्रदान करने के लिए ब्रिक्स ने **आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था (CRA)**[26] की शुरुआत की है।
    - संक्रामक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण हेतु टीकों के लिए **BRICS अनुसंधान एवं विकास केंद्र** की स्थापना की गई है।
    - सतत तौर पर पर्यटन की बहाली और विकास में तेजी लाने के लिए **हरित पर्यटन हेतु BRICS गठबंधन।**

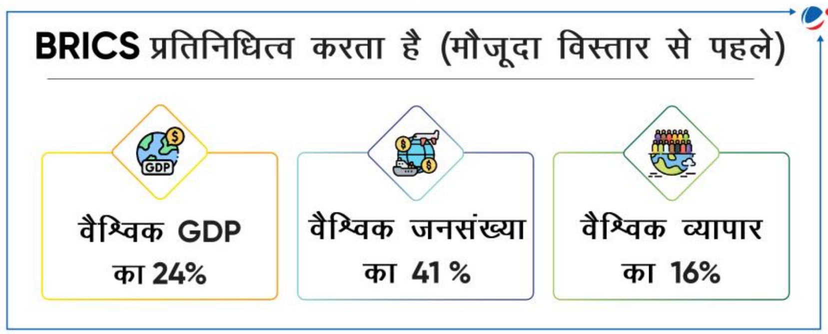

संबंधित सुर्ख़ियां

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB)

- NDB **गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी** (गिफ्ट सिटी) में एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करेगा।
- इस बैंक का **परिचालन 2015** में शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य उभरते बाजारों और विकासशील देशों (EMDCs) में **अवसंरचना तथा सतत विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाना है।**
    - **सदस्य:** BRICS राष्ट्र, बांग्लादेश, **संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र। उरुग्वे एक संभावित सदस्य है और विलय पत्र जमा करने के बाद वह आधिकारिक सदस्य बन जाएगा।**
    - **मुख्यालय:** शंघाई, चीन।
- चीन के बाद भारत **NDB से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश** है।

फ्रेंड्स ऑफ़ ब्रिक्स बैठक

- भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने **दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित फ्रेंड्स ऑफ़ ब्रिक्स मीटिंग में भाग लिया।**
    - ब्रिक्स के अलावा **ब्रिक्स देशों के मित्र देशों** ने भी इस बैठक में भाग लिया। ये देश हैं- **बेलारूस, बुरुंडी, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, मिस्र, कजाकिस्तान और क्यूबा।**
- फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स पहल का उद्देश्य करीबी सहयोगियों के साथ ब्रिक्स से संवाद को बढ़ावा देना और इसके प्रभाव में वृद्धि करना है।

1.6. शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Cooperation Organisation: SCO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

पहली बार भारत की अध्यक्षता में, SCO का 23वां शिखर सम्मेलन आभासी प्रारूप में आयोजित किया गया था। भारत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए SCO राष्ट्र प्रमुखों की परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

[26] Contingent Reserve Arrangement

© Vision IAS

अन्य संबंधित तथ्य

- भारत ने 2022 में समरकंद शिखर सम्मेलन में SCO की अध्यक्षता ग्रहण की थी। इसकी अध्यक्षता सदस्यों के बीच रोटेट होते रहती है।
- **कजाकिस्तान** SCO का अगला अध्यक्ष है।

शिखर सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं

- **विषय: "टुवड्र्स ए सिक्योर (SECURE) SCO":**
  - नागरिकों की सुरक्षा (**S**ecurity for citizens),
  - आर्थिक विकास (**E**conomic development),
  - क्षेत्र से कनेक्टिविटी (**C**onnectivity in the region),
  - एकता (**U**nity),
  - संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान (**R**espect of sovereignty and integrity), और
  - पर्यावरण संरक्षण (**E**nvironment protection)।
    - ज्ञातव्य है कि 2018 के SCO शिखर सम्मेलन में **भारत के प्रधान मंत्री** ने सिक्योर (SECURE) पद को **प्रस्तुत** किया था।
- **नई दिल्ली घोषणा-पत्र: आतंकवादी, अलगाववादी और चरमपंथी समूहों** की गतिविधियों से निपटने तथा धार्मिक असहिष्णुता, आक्रामक राष्ट्रवाद, नृजातीय व नस्लीय भेदभाव, जेनोफोबिया (विदेशियों के प्रति घृणा) आदि के प्रसार को रोकने के लिए **नई दिल्ली घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर** किए गए।
- भारत ने **SCO के तहत सहयोग के लिए निम्नलिखित पांच स्तंभों और फोकस क्षेत्रों का सृजन किया है:**
  - स्टार्ट-अप और नवाचार,
  - डिजिटल समावेशन,
  - युवाओं को सशक्त बनाना,
  - परम्परागत चिकित्सा, तथा
  - साझी बौद्ध विरासत।
- इस सम्मेलन में **ईरान को नए सदस्य देश के रूप में शामिल** किया गया (9 वां सदस्य)।
- **'काशी (वाराणसी)'** को SCO की पहली **पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी** घोषित किया गया है।

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना 2001 में शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान द्वारा की गई थी।
- **मुख्यालय**: बीजिंग, चीन
- **प्रमुख लक्ष्य और उद्देश्य:**
  - सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करना।
  - सीमा संबंधी मुद्दों का समाधान करना।
  - सैन्य सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करना।
  - आतंकवाद का मुकाबला करना।
  - शिक्षा, ऊर्जा, परिवहन आदि क्षेत्र में सहयोग करना।
- **सदस्य:** ईरान, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान।
  - इसमें 3 पर्यवेक्षक देश **(बेलारूस, मंगोलिया और अफगानिस्तान)** और 6 डायलॉग पार्टनर्स **(आर्मेनिया, तुर्की, अजरबैजान, नेपाल, श्रीलंका और कंबोडिया)** शामिल हैं।
  - **2017** में **अस्ताना शिखर सम्मेलन** में **भारत** और **पाकिस्तान** को SCO के **पूर्ण सदस्य** के रूप में शामिल किया गया था।

- **संरचना:**
  - **राष्ट्राध्यक्षों की परिषद (Council of Heads of States):** निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था।
  - **सरकार के प्रमुखों की परिषद (Heads of Government Council):** दूसरी सर्वोच्च परिषद/ संस्था।
  - **दो स्थायी निकाय:** बीजिंग (चीन) स्थित **सचिवालय** और ताशकंद स्थित **क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS)**[27]**।**
    - RATS **आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ लड़ाई में SCO सदस्य देशों के बीच समन्वय तथा वार्ता की सुविधा प्रदान करता है। भारत इसका सदस्य है।**
- **अन्य मुख्य जानकारी:**
  - **SCO की आधिकारिक भाषाएँ:** रूसी और चीनी।
  - SCO 2005 से **संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक** है।

1.7. एशियाई विकास बैंक (Asian Development Bank: ADB)

सुर्ख़ियों में क्यों?

एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भारत के लिए एक नई **"कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रेटेजी (CPS)"** शुरू की है।

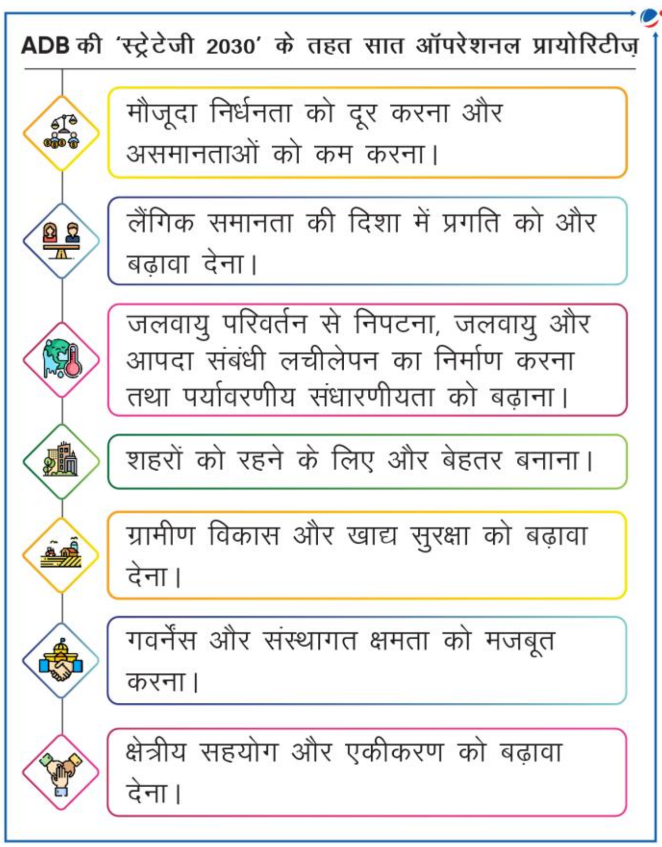

अन्य संबंधित तथ्य

- भारत के लिए कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रेटेजी (CPS) **2023-2027",** एशियाई विकास बैंक की **स्ट्रैटेजी 2030** की कार्य-प्रणाली से संबंधित सात प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएगी (refer infographic)।
- **इस स्ट्रैटेजी के निम्नलिखित 3 प्रमुख स्तंभ हैं:**
  - **संरचनात्मक बदलाव और रोजगार सृजन में तेजी लाना**
  - **पर्यावरण-अनुकूल संवृद्धि को बढ़ावा देना**
  - **सामाजिक और आर्थिक समावेशन को मजबूत करना**

ADB कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रैटजी (CPS) के बारे में

- कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रैटजी (CPS), ADB का **प्राथमिक प्लेटफॉर्म** है। यह देश स्तर पर **विकास संबंधी परिणामों के लिए कार्यक्रमों को डिजाइन** करता है।
- **स्ट्रैटेजी 2030** के तहत ADB के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:
  - **एशिया और प्रशांत क्षेत्र को समृद्ध, समावेशी, लचीला व संधारणीय** बनाने के अपने विज़न का विस्तार करना; और
  - चरम गरीबी के उन्मूलन संबंधी अपने प्रयासों भी जारी रखना।
- **लागत-साझाकरण व्यवस्था:** ADB-इंडिया **कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रैटेजी** की अवधि के दौरान समग्र ऋण पोर्टफोलियो के लिए घरेलू लागत साझाकरण का पैटर्न 70:30 है।

एशियाई विकास बैंक (ADB) के बारे में

- **उत्पत्ति:** ADB की स्थापना 1966 में क्षेत्रीय विकास बैंक के रूप में की गई थी।
- **मुख्यालय**: मनीला, फिलीपींस

[27] Regional Anti-Terrorist Structure

- **सौंपे गए कार्य:**
    - यह सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए **ऋण व तकनीकी सहायता प्रदान करके सदस्यों एवं भागीदारों की सहायता करता है।**
    - यह **नीतिगत संवादों को सुगम बनाता है, सलाहकारी सेवाएं प्रदान करता है** तथा वित्तीय संसाधनों और निर्यात संबंधी ऋण जुटाता है।
- **सदस्य:** इसके सदस्यों की संख्या **68** है। इनमें **49 देश एशिया और प्रशांत क्षेत्र के हैं, जबकि 19 देश अन्य क्षेत्रों** के हैं।
    - **भारत इसका संस्थापक सदस्य है।**
- **शेयरधारिता:** ADB से ऋण नहीं लेने वाले (Non-Borrowing) सदस्यों की श्रेणी में **संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान की सबसे अधिक शेयरधारिता (प्रत्येक 15.6%) है।**
    - ADB से ऋण लेने वाले (Borrowing) सदस्यों की श्रेणी में **चीन और भारत की शेयरधारिता क्रमश: 6.4 प्रतिशत व 6.3 प्रतिशत है।**

- **भारत-ADB भागीदारी:**
    - ADB ने दिसंबर 2022 तक **भारत में 605 सार्वजनिक क्षेत्रक के ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता परियोजनाओं के लिए 52.6 बिलियन डॉलर तथा निजी क्षेत्रक में 8 बिलियन डॉलर के निवेश** हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की है।
    - **महत्वपूर्ण परियोजनाएं:**
        - विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम;
        - न्हावा शेवा कंटेनर टर्मिनल फाइनेंसिंग प्रोजेक्ट;
        - चेन्नई मेट्रो रेल निवेश परियोजना;
        - असम दक्षिण एशिया उपक्षेत्रीय आर्थिक सहयोग गलियारा कनेक्टिविटी सुधार परियोजना; आदि।

1.8. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (Indo-Pacific Economic Framework For Prosperity: IPEF)

सुर्ख़ियों में क्यों?

इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) की तीसरी मंत्रिस्तरीय बैठक अमेरिका के **सैन फ्रांसिस्को** में आयोजित की गई।

IPEF के बारे में

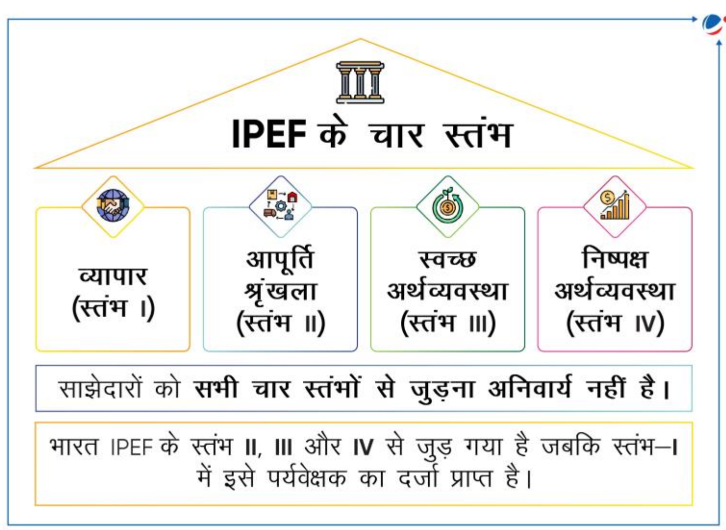

- **उत्पत्ति:** इसे मई 2022 में **टोक्यो** में लॉन्च किया गया था। इसे **संयुक्त राज्य अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार** देशों ने संयुक्त रूप से लॉन्च किया था।
- **उद्देश्य:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संवृद्धि, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ साझेदार देशों के बीच **आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना।**
- **सदस्य:** IPEF के **14 भागीदार** देश है। ये देश हैं: **ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और संयुक्त राज्य अमेरिका।**
- **IPEF का महत्त्व:** यह आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूत और लचीला बनाएगा, एक मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र का निर्माण किया जा सकेगा, यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का विकल्प तैयार करने में मदद करेगा, इसके चलते वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर तरीके से एकीकृत होने में भारत को मदद मिलेगी।

पारंपरिक व्यापार समझौते बनाम IPEF

- पारंपरिक व्यापार समझौतों (RCEP)[28] या मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) के विपरीत, IPEF के तहत प्रशुल्क या बाजार पहुंच पर वार्ता नहीं की जाएगी।
- FTA में हर विषय पर एक ही तंत्र के अधीन चर्चा की जाती है। इसके विपरीत, **IPEF के तहत वार्ताएं चार मॉड्यूल (स्तंभों) के अधीन एक-दूसरे से स्वतंत्र व अलग** होती हैं।
  - IPEF के अंतर्गत देशों को **एक मॉड्यूल के सभी घटकों पर सहमत होना** होता है, उन्हें **प्रत्येक मॉड्यूल में हिस्सा लेने की जरूरत नहीं** होती है।
- **IPEF** केवल सदस्य देशों के बीच **विनियामकीय सामंजस्य** बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

संबंधित सुर्ख़ियां

भारत ने IPEF सदस्यों के बीच बायोफ्यूल्स एलायंस का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है

- भारत ने **G20 ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस** की तर्ज पर IPEF के भीतर **जैव ईंधन पर सहयोग** का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।
- इसका उद्देश्य सतत जैव ईंधन के माध्यम से **ऊर्जा सुरक्षा, सामर्थ्य और पहुंच को बढ़ाना** है।

1.9. अंतर्राष्ट्रीय समुद्र संगठन (International Maritime Organisation: IMO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत को **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) परिषद में सर्वाधिक मतों के साथ दो वर्ष के कार्यकाल (2024–25) के लिए फिर से चुना** गया है।

IMO के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना **1948 में IMO कन्वेंशन** को अपनाने के बाद हुई थी। यह **संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** है।
- **मुख्यालय:** लंदन
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य आपसी सहयोग के जरिए सुरक्षित, सिक्योर, पर्यावरण के अनुकूल, कुशल और सतत पोत परिवहन को बढ़ावा देना है।
- **सदस्य: भारत सहित 176 सदस्य** देश और **3 एसोसिएट सदस्य**
- **संरचना:** इसमें **एक सभा, एक परिषद, पांच मुख्य समितियां और कई उप-समितियां** शामिल हैं।
- **पर्यावरण संरक्षण के लिए IMO की भूमिका:**
  - **पोतों से होने वाले समुद्री प्रदूषण पर रोकथाम:** IMO ने **मार्पोल (MARPOL) कन्वेंशन** के माध्यम से पोतों से होने वाले समुद्री प्रदूषण की रोकथाम और उसे कम करने का प्रयास किया है।
  - **विशेष रूप से संवेदनशील समुद्री क्षेत्र (PSSA):** यह अतिरिक्त सुरक्षा के लिए IMO द्वारा निर्दिष्ट एक विशेष क्षेत्र है।
  - **लंदन डंपिंग कन्वेंशन और प्रोटोकॉल:** इस कन्वेंशन के तहत समुद्र की सतह के नीचे भूगर्भीय संरचनाओं में **कार्बन कैप्चर और प्रच्छादन (Sequestration) की प्रक्रिया भी नियंत्रित** की गई है।
  - **IMO 2020 नियम:** 2020 में, जहाजों पर उपयोग किए जाने वाले ईंधन में सल्फर सामग्री पर एक नई न्यूनतम सीमा लागू की गई थी।

IMO परिषद के सदस्यों देशों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है

श्रेणी (A)

- इस श्रेणी में **अंतर्राष्ट्रीय पोत परिवहन सेवाएं प्रदान करने** में रुचि रखने वाले देश शामिल हैं।

श्रेणी (B)

- इस श्रेणी में **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार** में रुचि रखने वाले देश शामिल हैं।
  - **भारत इस श्रेणी के लिए फिर से चुना गया है।**

श्रेणी (C)

- इस श्रेणी में **समुद्री परिवहन या नेविगेशन** में रुचि रखने वाले देश शामिल हैं। ये ऐसे देश होते हैं, जिनके चयन से दुनिया के **सभी महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित** होता है।

  - **एनर्जी एफिशिएंसी एक्जिस्टिंग शिप इंडेक्स:** वर्ष 2023 से, सभी जहाजों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी ऊर्जा दक्षता को मापने के लिए अपने प्राप्त एनर्जी एफिशिएंसी एक्जिस्टिंग शिप इंडेक्स (EEXI) की गणना करें। इसके अलावा उन्हें यह भी कहा गया है कि वे अपने वार्षिक ऑपरेशनल कार्बन इंटेंसिटी इंडीकेटर (CII) और CII रेटिंग की रिपोर्टिंग के लिए डेटा का संग्रह आरंभ करें।

---

[28] जैसे- Regional Comprehensive Economic Partnership/ क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी

© Vision IAS

- **समुद्री संरक्षा और सुरक्षा में IMO की भूमिका:**
    - IMO ने **'जीवन की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन अर्थात् SOLAS कन्वेंशन, 1974'** को अपनाया है।
        - यह कन्वेंशन समुद्र में जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए **पोत निर्माण, पोत से संबंधित उपकरणों और पोतों की आवाजाही के लिए मानक** निर्धारित करता है।
    - **पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री पाइरेसी और सशस्त्र डकैती पर रोक लगाने के लिए 'जिबूती कोड ऑफ कंडक्ट'** को अपनाया हुआ है।
        - **जिबूती आचार संहिता में जेद्दा संशोधन:** निम्नलिखित को शामिल करने के लिए संहिता का विस्तार किया गया है- समुद्री क्षेत्र में संगठित अपराध, समुद्री आतंकवाद, मानव तस्करी तथा अवैध और अनियमित तरीके से मछली पकड़ना।
    - **सप्रेशन ऑफ अनलॉफुल एक्टिविटीज (SUA) ट्रीटीज**।
    - **मादक पदार्थों की तस्करी की निगरानी:** IMO अपनी **समुद्री सुरक्षा समिति (MSC)**[29] और **सुविधा समिति (FAL)**[30] के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय पोतों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाता है।

IMO परिषद के बारे में

- यह परिषद IMO का **कार्यकारी निकाय** है। यह IMO के **कार्यों की निगरानी** करती है।
- परिषद में **सदस्य देशों की संख्या 40** है। इसके सदस्यों को **असेंबली द्वारा दो वर्ष के कार्यकाल** के लिए चुना जाता है।

1.10. ग्रुप ऑफ सेवन (G7)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, **G7 समूह का 49वां शिखर सम्मेलन** हिरोशिमा (जापान) में आयोजित किया गया था। इसमें भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील आदि देशों को भी आमंत्रित किया गया था।

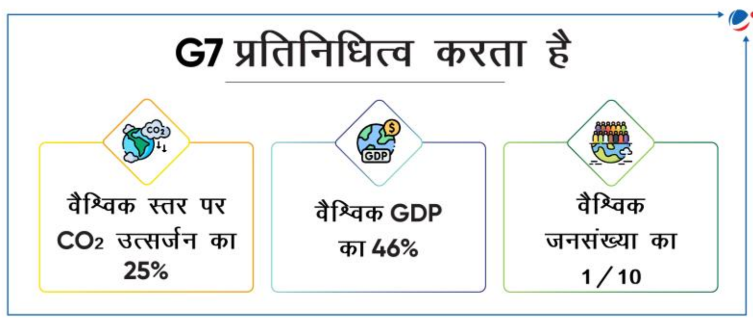

ग्रुप ऑफ सेवन (G7) के बारे में

- **उत्पत्ति:** G7, मूल रूप से G8 (1973) के रूप में शुरू हुआ और 1975 में इसे स्थापित किया गया था।
- यह **अग्रणी औद्योगिक राष्ट्रों का एक अनौपचारिक मंच** है। इस समूह में शामिल देशों का **वैश्विक व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली पर वर्चस्व** है।
- **उद्देश्य:** इस संगठन की बैठकें वार्षिक रूप से **वैश्विक आर्थिक गवर्नेंस, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तथा ऊर्जा नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा** करने के लिए आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, इन बैठकों में मौजूदा परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है।
- **सदस्य:** कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका
- **अन्य मुख्य जानकारी:**
    - **G7 का कोई स्थायी सचिवालय या कार्यालय नहीं है।**
    - **रूस 1998 में G7 में शामिल** हुआ, जिससे G8 का गठन हुआ, लेकिन 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के लिए इसे बाहर कर दिया गया।
    - **यूरोपीय संघ G7 का सदस्य नहीं** है, परंतु यह इसके वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लेता है।
- **G7 की उपलब्धियां**
    - इस समूह ने 2002 में **मलेरिया और एड्स की रोकथाम के लिए एक वैश्विक कोष स्थापित** करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
    - 2015 में सदस्यों ने स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और विकास के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए **ग्लोबल अपोलो कार्यक्रम** लॉन्च किया था।

---

[29] Maritime Safety Committee

[30] Facilitation Committee

- G7 के वित्त मंत्रियों ने **बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर कम-से-कम 15% वैश्विक न्यूनतम कर लागू करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त** की है।
- निम्न और मध्यम आय वाले देशों की बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने हेतु **वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी (PGII)**[31]।

संबंधित सुर्खियां:

लोचशील और समावेशी आपूर्ति-श्रृंखला को बढ़ावा देने (RISE)[32] के लिए साझेदारी

- RISE जापान की अध्यक्षता में विश्व बैंक और G7 की एक पहल है।
- RISE **स्वच्छ ऊर्जा उत्पादों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए 40 मिलियन डॉलर** की साझेदारी परियोजना है।
- **उद्देश्य:** स्वच्छ ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखलाओं में मिडस्ट्रीम (खनिज प्रसंस्करण तथा शोधन) और डाउनस्ट्रीम (घटक विनिर्माण तथा असेंबली) में बड़ी भूमिका निभाने में निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों का समर्थन करना।

1.11. खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council: GCC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने **खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)[33] के सदस्य देशों में कैद भारतीय नागरिकों को कानूनी सहायता प्रदान करने की सिफारिश** की है।

GCC के बारे में

- **उत्पत्ति:** GCC की स्थापना **1981 में रियाद, सऊदी अरब** में की गई थी।
- **मुख्यालय:** रियाद, सऊदी अरब
- **GCC के बारे में:** GCC वस्तुतः **खाड़ी क्षेत्र के 6 देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक संगठन** है।
- **सदस्य:** 6 देश (**सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन**)।
- **अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी:**
  - **ईरान और इराक इसके सदस्य नहीं** हैं।
  - इस संगठन की अधिकारिक भाषा **अरबी** है।

- **भारत-GCC संबंध**
  - GCC वर्तमान में **भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार संगठन** है।
  - हाल ही में, GCC ने भारत के साथ **मुक्त व्यापार समझौता (FTA)[34]** वार्ता फिर से आरंभ करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

विदेश में भारत के कानूनी सहायता मिशन के बारे में

- भारतीय कानूनी सहायता मिशन के तहत कानूनी खर्च वहन करने में असमर्थ संकटग्रस्त भारतीयों को **प्रारंभिक कानूनी सहायता प्रदान** की जाती है। **इस तरह की प्रारंभिक कानूनी सहायता में निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - मुकदमा दायर करने या लड़ने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना;
  - भाषा से जुड़ी समस्या के लिए अनुवाद संबंधी सुविधाएं प्रदान करना;
- **भारतीय मिशन स्वयं कानूनी वाद लड़ने के लिए न्यायालय नहीं** जाता है।
- वकीलों की फीस का भुगतान **भारतीय समुदाय कल्याण कोष (ICWF)[35]** से किया जाता है।

---

[31] Partnership for Global Infrastructure and Investment

[32] Resilient and Inclusive Supply-chain Enhancement

[33] Gulf Cooperation Council

[34] Free Trade Agreement

[35] Indian Community Welfare Fund

 © Vision IAS

- **ICWF का इस्तेमाल निम्नलिखित के लिए किया जाता है-**
    - कानूनी सहायता,
    - भोजन और आवास सहायता,
    - आपातकालीन चिकित्सा देखभाल,
    - फंसे हुए भारतीयों को हवाई वाहनों के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकालना,
    - भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर के परिवहन,
    - प्रवासी भारतीयों / विदेशी नागरिकों द्वारा परित्यक्त भारतीय महिलाओं को कानूनी / वित्तीय सहायता आदि।
- भारतीय मूल के व्यक्ति और भारत के प्रवासी नागरिक कार्डधारक ICWF से व्यक्तिगत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के **पात्र नहीं** हैं।

1.12. रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संगठन (Defence and Security Related Organisations)

1.12.1. नाटो यानी उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization: NATO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

फिनलैंड और स्वीडन **नाटो में शामिल होने वाला 31वां और 32वां देश** है।

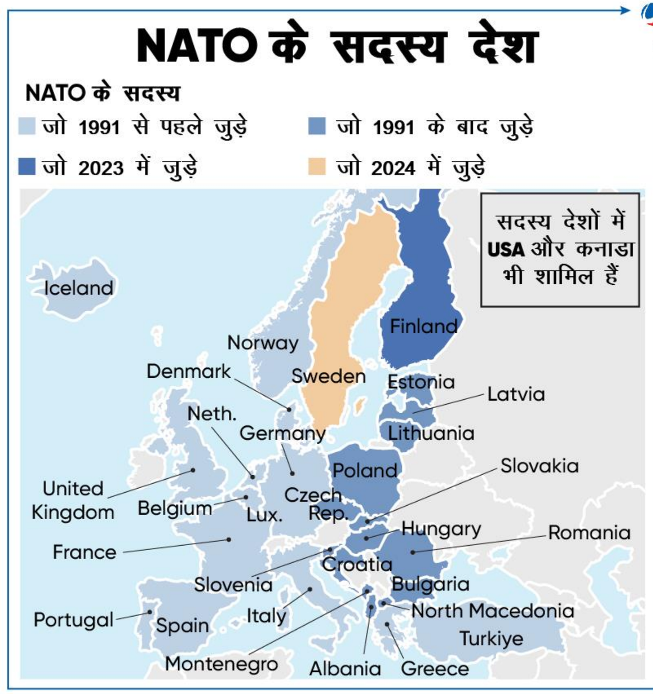

अन्य संबंधित तथ्य

- संगठन के सदस्य के रूप में, फिनलैंड नाटो की **सामूहिक सुरक्षा** (Collective defence) का हिस्सा है। इस रूप में उसे उत्तर अटलांटिक संधि के **अनुच्छेद 5** में निहित सुरक्षा की गारंटी प्राप्त है।
    - सामूहिक सुरक्षा से तात्पर्य है कि एक सदस्य देश के विरुद्ध आक्रमण सभी सदस्य देशों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।
    - वर्ष 2001 में 9/11 के हमलों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अनुच्छेद 5 को एक बार लागू किया गया है।

नाटो के बारे में:

- **उत्पत्ति**: नाटो की स्थापना **1949 में वाशिंगटन संधि द्वारा** की गई थी।
- **मुख्यालय**: ब्रुसेल्स, बेल्जियम
- **उद्देश्य**: इसे **यूरोपीय क्षेत्र में तत्कालीन सोवियत संघ (USSR) के खिलाफ एक सैन्य गठबंधन के रूप में स्थापित** किया गया था।
- **सदस्य:** नाटो **32 सदस्यीय सैन्य गठबंधन** है। इसमें **30 यूरोपीय देश और उत्तर अमेरिका के दो देश (अमेरिका और कनाडा) शामिल हैं।**
    - **यूरोपीय संघ के सदस्य जो नाटो का हिस्सा नहीं हैं वे हैं:** ऑस्ट्रिया, साइप्रस, आयरलैंड और माल्टा।
- **अन्य मुख्य जानकारी:**
    - यह **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51** से अपना प्राधिकार प्राप्त करता है।
    - **प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी (MNNA)[36] का दर्जा**: MNNA का दर्जा **अमेरिकी कानून के तहत एक पदनाम है।** यह दर्जा प्राप्त विदेशी भागीदारों को **रक्षा व्यापार और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्रों में कुछ लाभ प्रदान** किए जाते हैं।
        - हालांकि, MNNA का दर्जा मिलने से एक देश को **सैन्य और आर्थिक विशेषाधिकार जरूर प्राप्त** होते हैं, लेकिन ऐसे दर्जा प्राप्त देश को **किसी प्रकार की सुरक्षा प्रतिबद्धता नहीं मिलती है।**
        - अमेरिका ने **30 देशों को MNNA के रूप में नामित किया** हुआ है। ये देश हैं: **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, ब्राजील, कोलंबिया, मिस्र, इज़राइल, जापान, जॉर्डन, कुवैत, मोरक्को, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, फिलीपींस, कतर, साउथ कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया**
        - **भारत को MNNA का दर्जा प्राप्त नहीं है।**

[36] Major Non-NATO Ally

संबंधित सुर्ख़ियां

नाटो/ NATO प्लस समूह (NATO Plus grouping)

- एक अमेरिकी सीनेटर भारत को **नाटो प्लस समूह** का हिस्सा बनाने के लिए एक विधेयक पेश करने वाला है।
  - हालांकि, भारत ने पहले ही इस फ्रेमवर्क को अस्वीकार कर दिया था।
- **नाटो प्लस-5, नाटो देशों और पांच साझेदार देशों** को एक मंच पर लाने वाला एक सुरक्षा गठबंधन है। ये पांच साझेदार देश हैं: **ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजरायल और साउथ कोरिया।** नाटो प्लस 5 का उद्देश्य **वैश्विक रक्षा सहयोग को बढ़ावा** देना है।

1.12.2. फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (Financial Action Task Force: FATF)

सुर्ख़ियों में क्यों?

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) की टीम ने पारस्परिक मूल्यांकन के चौथे दौर के लिए देश का ऑनसाइट आकलन करने हेतु दौरा किया।

अन्य संबंधित तथ्य

- टास्क फोर्स की अंतिम समीक्षा बैठक जून, 2024 में होने की उम्मीद है।
- पारस्परिक मूल्यांकन (Mutual Evaluation) किसी देश की गहन रिपोर्ट होती है। इसमें मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्त-पोषण से निपटने के उपायों के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता का विश्लेषण किया जाता है।

FATF के बारे में

- **उत्पत्ति:** 1989 में पेरिस में इसकी **स्थापना ग्रुप ऑफ सेवन (G-7)** द्वारा की गई थी।
- **मुख्यालय:** पेरिस
- **FATF के बारे में:** यह एक **अंतर-सरकारी निकाय** है। इसका उद्देश्य धन शोधन, आतंकवाद के वित्त-पोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्त-पोषण के जोखिम से वैश्विक वित्तीय प्रणाली को सुरक्षित रखना।
- **सदस्य: भारत सहित 37 सदस्य देश और 2 क्षेत्रीय संगठन (खाड़ी सहयोग परिषद और यूरोपीय आयोग)**
  - **भारत 2010 में FATF में शामिल हुआ था।**
- **कार्य:**
  - **यह अवैध गतिविधियों को रोकने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानक निर्धारित करता है। ये है:**
    - वैश्विक धन-शोधन रोधी (AML) मानक और आतंकवादरोधी वित्त-पोषण (CFT) मानक।
  - FATF अपनी सिफारिशों को लागू करने और FATF के लिए नीति निर्माण में इनपुट प्रदान करने के लिए **FATF जैसी 9 क्षेत्रीय निकायों (FSRBs) के एक मजबूत वैश्विक नेटवर्क पर निर्भर** है।
    - उदाहरण के लिए- **मनी लॉन्ड्रिंग पर एशिया/ प्रशांत समूह।**
  - जो देश FATF मानकों का पालन करने में बार-बार विफल होते हैं, उन्हें इसकी **ग्रे लिस्ट या ब्लैक लिस्ट डाला** जा सकता है।
- **हालिया विकासक्रम:**
  - यूक्रेन युद्ध को लेकर FATF ने **रूस की सदस्यता निलंबित** कर दी है।
  - FATF ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त-पोषण से निपटने में विफल रहने के लिए **दक्षिण अफ्रीका और नाइजीरिया को ग्रे लिस्ट में शामिल किया है।**
  - समग्र एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (AML)/ काउंटर-टेररिस्ट फाइनेंसिंग (CFT) फ्रेमवर्क में महत्वपूर्ण सुधार करने के चलते **पाकिस्तान को 2022 में FATF ग्रे लिस्ट से हटा दिया है।**
  - FATF ने **'ऑन क्राउडफंडिंग फॉर टेररिस्ट फाइनेंसिंग (TF)'** पर एक रिपोर्ट जारी की है।

FATF की ग्रे और ब्लैक लिस्ट

ग्रे लिस्ट (ऐसे देश जिन पर निगरानी बढ़ा दी जाती है)
- ऐसे देश जिन्हें **आतंकवादी गतिविधियों की फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग का समर्थन करने के लिए सुरक्षित आश्रय** माना जाता है।

ब्लैक लिस्ट (उच्च जोखिम वाले देश जिन पर कार्रवाई करना अनिवार्य है)
- इसमें सहयोग न करने वाले देश या क्षेत्र अर्थात् **नॉन–कोऑपरेटिव कंट्रीज या टेरिटरीज (NCCTs)** शामिल होते हैं।

1.12.3. इंटरपोल (Interpol)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **ऑस्ट्रिया के विएना में इंटरपोल की 91वीं महासभा की बैठक** संपन्न हुई। इस बैठक में इंटरपोल की **शताब्दी वर्षगांठ** मनाई गई। भारत की **CBI एकेडमी 'इंटरपोल वैश्विक एकेडमी नेटवर्क'** में शामिल हो गई है।

इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाईजेशन (इंटरपोल/ INTERPOL) के बारे में

- **उत्पत्ति:** इंटरपोल की स्थापना **1923** में की गई थी। इसकी स्थापना **विश्व को सुरक्षित जगह बनाने में अलग-अलग देशों की पुलिस को मिलकर कार्य करने** में मदद करने के लिए की गई थी।
- **मुख्यालय: ल्योन** (फ्रांस)
- **उद्देश्य: राष्ट्रीय पुलिस बलों के बीच सूचना आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना।**
- **सदस्य: भारत** सहित कुल **196 देश** इसके सदस्य हैं।
- **संगठन की संरचना:**
  - **महासभा:** यह नीतिगत, वित्तीय तथा अन्य मुख्य विषयों पर निर्णय लेने वाला सर्वोच्च शासी निकाय है। इसकी बैठक **प्रतिवर्ष** आयोजित की जाती है।
  - **महासचिवालय:** यह अंतर्राष्ट्रीय पुलिसिंग संबंधी कार्यों में सदस्य देशों का सहयोग करने के लिए **इंटरपोल के दैनिक कार्यों** का समन्वय करता है।
  - **कार्यकारी समिति:** यह समिति महासभा द्वारा निर्वाचित **13 सदस्यों** से बनी है। इसमें **एक अध्यक्ष, 3 उपाध्यक्ष तथा 4 अलग-अलग क्षेत्रों के 9 प्रतिनिधि** शामिल हैं।
  - **राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (NCB):** प्रत्येक सदस्य देश में इसका एक राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (NCB) होता है। उदाहरण के लिए, भारत में **केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI)**, NCB की भूमिका निभाता है।
- **अन्य मुख्य जानकारी:**
  - यह विश्व स्तर पर पुलिस जानकारी साझा करने और तकनीकी बुनियादी ढांचे वाला एकमात्र संगठन है।
  - इंटरपोल अपने आप में कोई **पुलिस** नहीं है। इसके पास किसी को **गिरफ्तार करने, जांच करने या अपराधों पर मुकदमा चलाने** की शक्ति नहीं है
- **प्रमुख पहलें:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय रेडियो नेटवर्क की शुरुआत 1935** में की गई थी। इस नेटवर्क ने राष्ट्रीय स्तर पर आपराधिक गतिविधियों से निपटने वाले पुलिस अधिकारियों के इस्तेमाल हेतु एक स्वतंत्र दूरसंचार प्रणाली प्रदान की है।
  - **आई-कोर (I-CORE) कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य फ्रंट-लाइन कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा उपयोग के लिए बिग डेटा को कार्रवाई योग्य इंटेलिजेंस में बदलने हेतु अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना है।
  - **सात वैश्विक पुलिसिंग लक्ष्य:** इन लक्ष्यों का उद्देश्य राष्ट्रीय सरकारों का समर्थन जुटाकर अपने आधार में बढ़ोतरी करना है। ये लक्ष्य सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र के 2030 एजेंडा के अनुरूप हैं।
  - **रिपोर्ट्स:** इंटरपोल की **'ग्लोबल क्राइम ट्रेंड्स रिपोर्ट'**।

संबंधित सुर्ख़ियां

मैकोलिन कन्वेंशन (Macolin Convention)

- हाल ही में, इंटरपोल के **मैच फिक्सिंग टास्क फोर्स (IMFTF)** की 12वीं बैठक संपन्न हुई है। इस बैठक में **प्रतिस्पर्धा में हेरफेर को रोकने और राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के लिए सामंजस्यपूर्ण वैश्विक प्रयासों का आह्वान** किया गया है, जैसा कि **मैकोलिन कन्वेंशन** द्वारा रेखांकित किया गया था।
- **खेल प्रतियोगिताओं के हेरफेर पर यूरोप कन्वेंशन की परिषद** को **मैकोलिन कन्वेंशन** के रूप में जाना जाता है। यह एक बहुपक्षीय संधि है। इसका उद्देश्य मैच फिक्सिंग की जांच करना है।

1.13. सुर्ख़ियों में रहे अन्य महत्वपूर्ण संगठन (Other Important Organisations in News)

1.13.1. हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (Indian Ocean Rim Association: IORA)

- IORA-विदेश मंत्रियों की परिषद (CoM) की बैठक कोलंबो (श्रीलंका) में आयोजित हुई।
- **IORA के बारे में:**

  - **उत्पत्ति**: यह **1997** में गठित एक **अंतर-सरकारी संगठन** है। यह संगठन **नेल्सन मंडेला के विज़न** पर आधारित है।
  - **उद्देश्य**: इसका उद्देश्य **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) के भीतर क्षेत्रीय सहयोग और सतत विकास को मजबूत** करना है।
  - **सदस्य:** हिंद महासागर क्षेत्र के **23 देश इस संगठन के सदस्य** हैं।
  - CoM इस संगठन का **सर्वोच्च निकाय** है। इसकी **बैठक प्रतिवर्ष** होती है।
  - **अन्य मुख्य जानकारी:**
    - **विश्व की जनसंख्या का 1/3 भाग** इस क्षेत्र में निवास करता है।
    - **वैश्विक तेल व्यापार का 80%** हिंद महासागर क्षेत्र से होकर गुजरता है।
    - इस क्षेत्र में लगभग **1 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन** होता है।
    - IORA सदस्य देशों के बीच लगभग **800 बिलियन डॉलर** का व्यापार होता है।
    - **श्रीलंका वर्ष 2023-2025** के लिए **IORA की अध्यक्षता** करेगा। इसके पहले **बांग्लादेश IORA का अध्यक्ष** था।
    - **भारत** वर्ष 2025-2027 के दौरान अध्यक्ष होगा।

1.13.2. भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (Forum for India–Pacific Islands Cooperation: FIPIC)

- हाल ही में, **FIPIC** के तीसरे शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन **पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी** में किया गया था।
- **FIPIC के बारे में:**
  - **उत्पत्ति:** इसे 2014 में गठित किया गया था।

© Vision IAS

- **सदस्य:** इसमें **14 द्वीपीय देश** शामिल हैं - कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नीयू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालु और वनुआतु।
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
  - प्रशांत द्वीप समूह के अंतर्गत द्वीपों के तीन प्रमुख समूह शामिल हैं: **मेलानेशिया, माइक्रोनेशिया** और **पोलिनेशिया।**
  - इन द्वीपीय देशों के पास संसाधनों से समृद्ध **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZs)** हैं। ये LNG जैसे प्राकृतिक और खनिज संसाधनों के स्रोत भी हैं।
  - भारत हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की **STAR-C पहल को प्रशांत द्वीपीय देशों** में विस्तारित करने पर विचार कर रहा है।
  - **सौर प्रौद्योगिकी एप्लीकेशन संसाधन केंद्र (STAR-C)[37] पहल** वस्तुतः स्टार केंद्र बनाने की एक परियोजना है जो सौर ऊर्जा पर प्रौद्योगिकी, ज्ञान और विशेषज्ञता के केंद्र के रूप में कार्य करेगी।
  - इसे **ISA और UNIDO द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित** किया गया है।

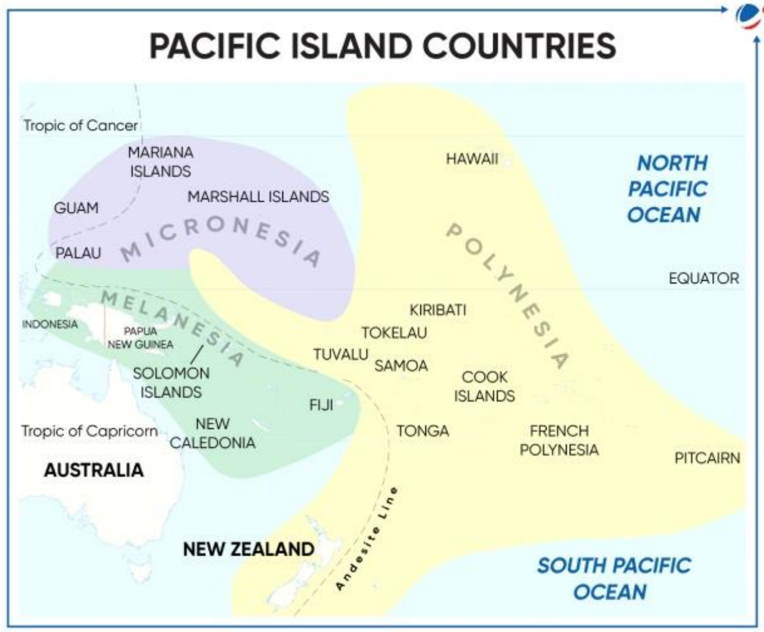

1.13.3. पूर्वी आर्थिक मंच (Eastern Economic Forum: EEF)

- भारत ने रूसी बंदरगाह शहर **व्लादिवोस्तोक** में 8वें ईस्टर्न इकोनोमिक फोरम में भाग लिया।
- **EEF की स्थापना 2015 में की गई थी। इसे रूस के सुदूर पूर्व (RFE) क्षेत्र में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया गया था।**
- **रूस के सुदूर पूर्व (RFE) क्षेत्र के बारे में:**
  - फार ईस्टर्न फेडरल डिस्ट्रिक्ट (FEFD) **रूस का सबसे पूर्वी भाग** है। यह क्षेत्र **प्रशांत और आर्कटिक महासागर तथा पांच देशों** (चीन, जापान, मंगोलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और नॉर्थ कोरिया) **के साथ सीमाएं साझा करता है।**
  - यह क्षेत्र **रूस के राज्य क्षेत्र के 1/3 भाग** को कवर करता है। यह क्षेत्र **प्राकृतिक संसाधनों** जैसे कि मछली, तेल, प्राकृतिक गैस, लकड़ी, हीरे, कोयला और अन्य खनिजों से समृद्ध है।
  - **चीन:** यह इस क्षेत्र में सबसे बड़ा निवेशक है (कुल निवेश का 90% हिस्सा)। इसके बाद **साउथ कोरिया और जापान** का स्थान है।

1.13.4. पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक (Partners in the Blue Pacific: PBP)

- हाल ही में, PBP के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई।
- यह पांच देशों का एक **अनौपचारिक तंत्र** है। यह प्रशांत द्वीपीय देशों का समर्थन करने और क्षेत्र में **राजनयिक व आर्थिक संबंधों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- **2022 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और जापान ने 'पार्टनर्स इन द ब्लू पैसिफिक (PBP)' पहल की घोषणा की है।**

1.13.5. ग्रुप ऑफ 77 (G77)

- भारत ने **क्यूबा में G77 प्लस चाइना शिखर सम्मेलन** के दौरान ग्लोबल साउथ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।
  - **77 विकासशील देशों के समूह (G77) को G77 प्लस चाइना** भी कहा जाता है। इसका कारण यह है कि चीन इस समूह के साथ मिलकर तो कार्य करता है, लेकिन आधिकारिक तौर पर स्वयं को इस समूह का पूर्ण सदस्य नहीं मानता है।

---
[37] Solar Technology Application Resource Centre

- **ग्रुप ऑफ 77 (G-77)**
  - **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना **1964 में 77 विकासशील देशों** ने मिलकर की थी।
  - **उद्देश्य:** यह ग्लोबल साउथ के देशों को **अपने सामूहिक आर्थिक हितों को स्पष्ट करने और उन्हें बढ़ावा देने** के लिए एक मंच उपलब्ध करवाता है। साथ ही, यह **संयुक्त राष्ट्र और उसकी संस्थाओं के समक्ष अपनी संयुक्त आवाज रखने** का एक माध्यम भी प्रदान करता है।
    - यह विकास के लिए **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** को भी बढ़ावा देता है।
  - **सदस्य:** वर्तमान में, इस समूह के **134 सदस्य** हैं।
- **अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:** यह संयुक्त राष्ट्र में **विकासशील देशों का सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन** है।

1.13.6. G-24 (G24)

- विकासशील देशों के समूह G24 ने बहुपक्षीय विकास बैंकों के सुधार पर स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह की सिफारिशों का समर्थन किया है।
- **G24 के बारे में:**
  - **उत्पत्ति:** 1971 में ग्रुप ऑफ 77 (जी-77) ने इसे अपने भाग के रूप में स्थापित किया था। इसे औपचारिक रूप से 1972 में गठित किया गया।
  - **G24 के बारे में: इंटर-गवर्नमेंटल ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी-फोर ऑन इंटरनेशनल मोनेटरी अफेयर्स एंड डेवलपमेंट यानी G-24** वस्तुतः ब्रेटन वुड्स संस्थानों के विचार-विमर्श और निर्णयों में मौद्रिक तथा विकास संबधी मुद्दों पर विकासशील देशों का पक्ष रखता है।
  - **सदस्य:** 28 सदस्य (**भारत** सहित) और चीन (विशेष आमंत्रित सदस्य)।
  - **सचिवालय:** IMF मुख्यालय में वाशिंगटन डी.सी.

1.13.7. I2U2

- I2U2 समूह के तहत भारत, इज़राइल और संयुक्त अरब अमीरात ने एक नए संयुक्त अंतरिक्ष उद्यम की घोषणा की है जिसका उद्देश्य नीति निर्माताओं, संस्थानों और उद्यमियों के लिए एक अद्वितीय अंतरिक्ष-आधारित टूल बनाना है।
- **I2U2 पहल के बारे में:**
  - यह भारत, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका का समूह है।
  - I2U2 मंच का **पहली बार उल्लेख इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच अब्राहम समझौते** के अनुसरण में **अक्टूबर 2021 में** किया गया था। इस मंच को **समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और परिवहन** से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए प्रस्तुत किया गया था।
- **उद्देश्य:** इसे एक **अंतर्राष्ट्रीय मंच** के रूप में स्थापित किया गया है। इसके उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - पारस्परिक हितों के साझा क्षेत्रों पर चर्चा करना;
  - व्यापार में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना; तथा
  - संबंधित क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में निवेश करना।

1.13.8. ऑकस (Aukus)

- ऑकस समूह ने **डीप स्पेस एडवांस्ड रडार कैपेबिलिटी (DARC)** को संयुक्त रूप से संचालित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
  - ऑकस समूह में **ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** शामिल हैं।
- DARC सामूहिक रूप से **अंतरिक्ष से संबंधित जागरूकता** में वृद्धि करेगा।
- **ऑकस के बारे में:**
  - यह **त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी** है। इसे 2021 में गठित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य एक-दूसरे के **सुरक्षा और रक्षा हितों** का समर्थन करने के लिए सदस्य देशों की क्षमता को मजबूत करना है (जैसे- ऑस्ट्रेलिया को परमाणु पनडुब्बी प्रदान करना)।
  - **ऑकस** के भागीदार देश निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध हैं:
    - **सूचना एवं प्रौद्योगिकी साझाकरण** को बढ़ावा देना,
    - रक्षा से संबंधित इंडस्ट्रियल बेस और आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण को बढ़ावा देना।

© Vision IAS

1.13.9. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (International Atomic Energy Agency: IAEA)

- भारत और IAEA **ग्लोबल साउथ में परमाणु प्रौद्योगिकी के उपयोग के विस्तार पर सहयोग** करने के लिए सहमत हुए हैं।
- **IAEA के बारे में**
  - IAEA **परमाणु क्षेत्रक में वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए विश्व का केंद्रीय अंतर-सरकारी मंच** है।
  - भारत 1957 से IAEA का संस्थापक सदस्य रहा है।
  - **मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया**
  - IAEA ने '**रक्षोपाय समझौतों' की एक प्रणाली विकसित** की है। इसे यह सत्यापित करने के लिए विकसित किया गया है कि परमाणु सामग्रियों का उपयोग **केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों** के लिए ही किया जा रहा है।
  - भारत और IAEA ने **2009 में "भारत में असैन्य परमाणु सुविधाओं के लिए रक्षोपायों के उपयोग" पर एक समझौते पर हस्ताक्षर** किए थे।

1.13.10. अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (International Organisation for Migration: IOM)

- अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) ने "प्रोजेक्ट **प्रयास**" शुरू किया।
  - वर्ष 2023-24 के लिए **प्रोजेक्ट प्रयास विदेश मंत्रालय (MEA)** के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। प्रोजेक्ट प्रयास (PRYAS) से आशय है: **प्रमोटिंग रेगुलर अस्सीस्टेड माइग्रेशन फॉर यूथ एंड स्किल्ड प्रोफेशनल्स।**
  - इसका उद्देश्य **इच्छुक भारतीय प्रवासी श्रमिकों और छात्रों के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित एवं नियमित प्रवासन** में मदद करना है। यह प्रोजेक्ट **विदेश मंत्रालय, नीति आयोग और राज्य सरकारों** के सहयोग से संचालित किया जाएगा।
- **IOM के बारे में:**
  - **स्थापना:** इसकी स्थापना **1951** में की गई थी। IOM प्रवासन के क्षेत्र में **संयुक्त राष्ट्र प्रणाली** के अंतर्गत एक **अंतर-सरकारी संगठन** है।
  - **सदस्य देश:** इसके **175 देश** सदस्य हैं। **भारत** भी इसका सदस्य है।
  - **मुख्यालय:** इसका मुख्यालय **जेनेवा** में है।
  - **कार्य:** यह सभी के लाभ के लिए **मानवीय और व्यवस्थित प्रवासन सुनिश्चित करने में मदद करता** है, ताकि प्रवासन के मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

1.13.11. पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries: OPEC)

- हाल ही में, **अंगोला "ओपेक/OPEC" से बाहर निकल** गया।
- **OPEC के बारे में:**
  - **मुख्यालय:वियना, ऑस्ट्रिया**
  - ओपेक एक **अंतर-सरकारी** संगठन है। पेट्रोलियम उत्पादकों के लिए उचित और स्थिर कीमतें सुनिश्चित करना। इसके लिए **सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों में तालमेल बैठाना और एकीकरण** करना।
  - **ओपेक के मुख्य उद्देश्य हैं:**
    - पेट्रोलियम उत्पादकों के लिए उचित और स्थिर कीमतें सुनिश्चित करना। इसके लिए **सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों में तालमेल बैठाना और एकीकरण** करना।
    - पेट्रोलियम उत्पादों का उपभोग करने वाले देशों को **पेट्रोलियम उत्पादों की दक्षतापूर्वक, आवश्यक और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित** करना।
  - **सदस्य (12): ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला,** अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया, कांगो गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात।

© Vision IAS

- **अन्य मुख्य जानकारी: ओपेक (OPEC) गुणवत्ता के लिए बेंचमार्क के रूप में ब्रेंट क्रूड का उपयोग करता है।**

- हाल ही में, **ओपेक और ओपेक+** ने समग्र उत्पादन लक्ष्य को कम करने के लिए **एक समझौता किया।**
  - 2016 में बनाया गया ओपेक+, **22 तेल उत्पादक देशों** का एक समूह है।
  - **सदस्य: सभी ओपेक सदस्य और 10 अन्य तेल उत्पादक देश** (रूस, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, दक्षिण सूडान और सूडान)।

1.13.12. इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट फोरम (International Transport Forum)

- इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट फोरम (ITF) ने लिपजिग ट्रांसपोर्ट सम्मेलन में **ट्रांसपोर्ट आउटलुक 2023** रिपोर्ट जारी की।
- ट्रांसपोर्ट आउटलुक रिपोर्ट **एक द्विवार्षिक रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट वर्ष 2050 तक वैश्विक परिवहन मांग और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन पर अलग-अलग नीतिगत उपायों के प्रभावों का परीक्षण** करती है।
- **इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट फोरम (ITF) के बारे में:**
  - यह एक अंतर-सरकारी संगठन है।
  - यह परिवहन नीतियों के लिए एक थिंक-टैंक के रूप में कार्य करता है। साथ ही, परिवहन मंत्रियों के वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन भी करता है।
  - ITF एकमात्र ऐसा वैश्विक संगठन है, जो सभी परिवहन साधनों को शामिल करता है।
  - यह राजनीतिक रूप से स्वायत्त, किंतु प्रशासनिक रूप से **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)** के साथ एकीकृत संगठन है।
  - **सदस्य:** 66 सदस्य देश। **भारत भी इसका एक सदस्य है।**

1.13.13. इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (OILM) सर्टिफिकेट {International Organisation of Legal Metrology (OILM) certificate}

- भारत **OILM सर्टिफिकेट जारी करने वाला प्राधिकरण** बन गया है।
- OILM-सर्टिफिकेट प्रणाली **थर्मामीटर, क्लीनिकल थर्मामीटर जैसे मापन उपकरणों** के लिए OILM प्रमाण-पत्र जारी करने, पंजीकृत करने और उनका उपयोग करने तथा संबंधित परीक्षण या रिपोर्ट करने वाली प्रणाली है।
- **महत्त्व:** निर्यात में वृद्धि होगी, विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।
- **OILM** को **1955 में स्थापित** किया गया था। इसका मुख्यालय **पेरिस** में है।
  - यह लीगल मेट्रोलॉजी प्राधिकरणों और उद्योग द्वारा उपयोग के लिए **मॉडल विनियमन, मानक एवं संबंधित दस्तावेज विकसित** करता है।
  - **भारत 1956 में इस संगठन का सदस्य बना था।**

1.13.14. पेरिस क्लब (Paris club)

- श्रीलंका ने भारत और पेरिस क्लब के साथ ऋण समाधान पर समझौता किया।
- **पेरिस क्लब के बारे में:**
  - **उत्पत्ति:** इसकी उत्पत्ति 1956 में हुई जब अर्जेंटीना पेरिस में अपने सार्वजनिक ऋणदाताओं से मिलने के लिए सहमत हुआ।
  - यह अधिकतर पश्चिमी ऋणदाता देशों का एक अनौपचारिक समूह है। इसके सभी 22 सदस्य OECD[38] समूह के भी सदस्य हैं।
  - **उद्देश्य:** उन देशों के लिए स्थायी ऋण-राहत समाधान खोजना जो अपने द्विपक्षीय ऋण चुकाने में असमर्थ हैं।
  - **अन्य प्रमुख जानकारी: भारत और चीन इसके सदस्य नहीं** हैं। भारत एक तदर्थ भागीदार के रूप में कार्य करता है।

[38] Organisation for Economic Co-operation and Development/ आर्थिक सहयोग और विकास संगठन

© Vision IAS

1.13.15. टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (Tax Inspectors Without Borders: TIWB)

- TIWB ने **सेंट लूसिया** में एक कार्यक्रम शुरू किया है और **भारत को पार्टनर एडमिनिस्ट्रेशन के रूप में चुना** गया है।
    - भारत इस कार्यक्रम के लिए **कर विशेषज्ञ** उपलब्ध कराएगा।
- **TIWB कार्यक्रम के बारे में:**
    - यह **OECD** तथा **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की एक संयुक्त पहल** है।
    - यह **विकासशील देश के कर प्रशासन को टैक्स ऑडिट ज्ञान और कौशल के हस्तांतरण की सुविधा** प्रदान करेगा। इसके लिए यह एक व्यावहारिक **"लर्निंग बाय डूइंग"** अप्रोच का उपयोग करेगा।

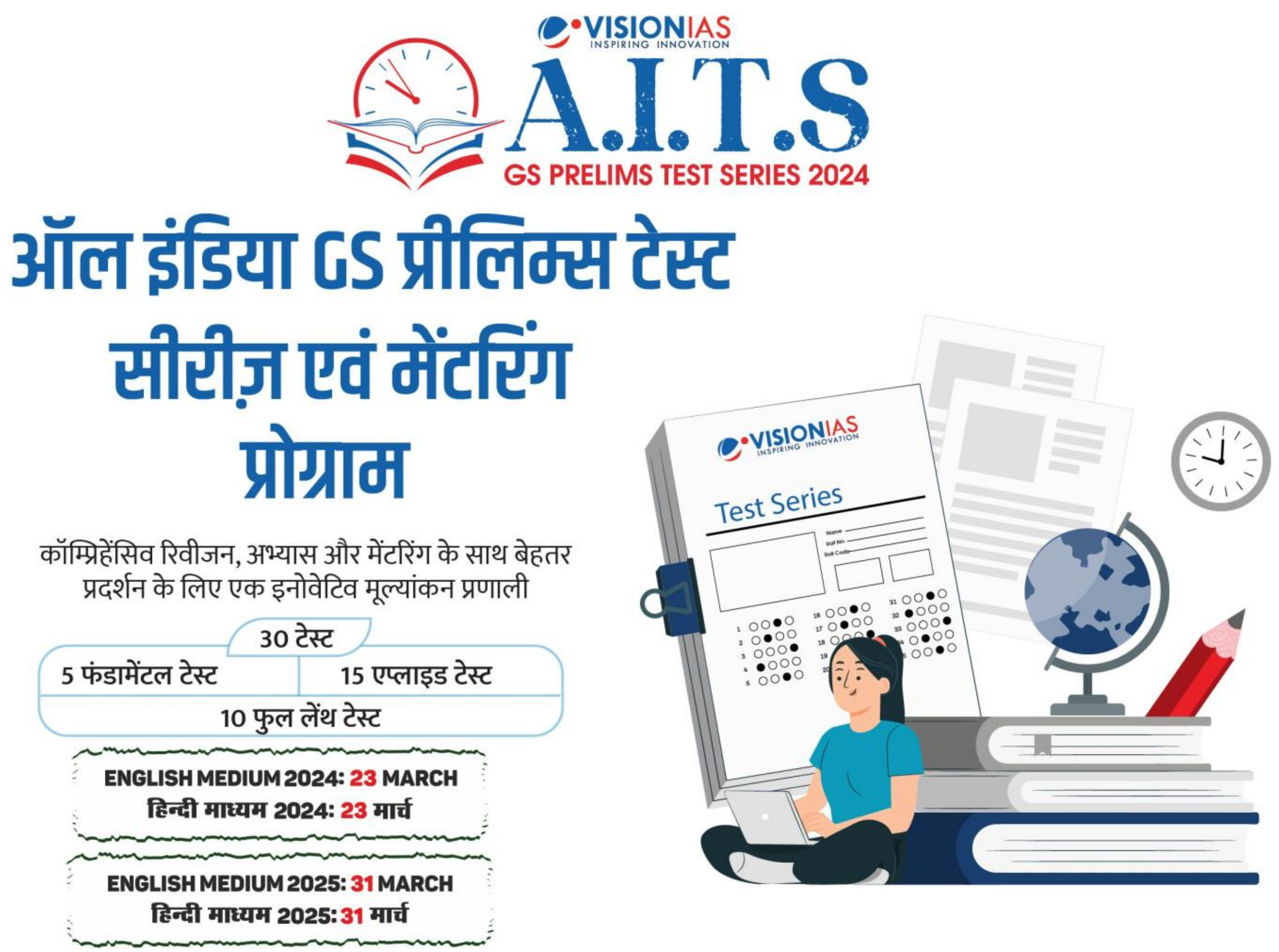

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

करेंट अफेयर्स की बेहतर तैयारी कैसे करें?

करेंट अफेयर्स सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की आधारशिला है, जो प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू तीनों चरणों में जरूरी होता है। परीक्षा के प्रश्न डायनेमिक स्रोतों से तैयार किए जा रहे हैं। ये प्रश्न सीधे वर्तमान की घटनाओं से जुड़े होते हैं या स्टैटिक कंटेंट तथा वर्तमान की घटनाओं, दोनों से जुड़े होते हैं। इस संदर्भ में, करेंट अफेयर्स से अपडेट रहना अभ्यर्थी को सिविल सेवा परीक्षा के नए ट्रेंड को समझने में सक्षम बनाता है। सही रिसोर्सेज और एक रणनीतिक दृष्टिकोण के जरिए अभ्यर्थी इस विशाल सेक्शन को अपना सकारात्मक पक्ष बना सकते हैं।

करेंट अफेयर्स के लिए दोहरी स्तर वाली रणनीति

करेंट अफेयर्स के लिए दोहरी स्तर वाली रणनीति

अपनी फाउंडेशन को मजबूत करना

न्यूज़पेपर पढ़ना: फाउंडेशन

वैश्विक और राष्ट्रीय घटनाओं की व्यापक समझ हेतु न्यूज़पेपर पढ़ने के लिए प्रतिदिन एक घंटा समर्पित करना चाहिए।

न्यूज़ टुडे: संदर्भ की सरल प्रस्तुति

न्यूज़पेपर पढ़ने के साथ-साथ, न्यूज़ टुडे भी पढ़िए, जिसमें लगभग 200 या 90 शब्दों में करेंट अफेयर्स का सारांश प्रस्तुत किया जाता है। यह रिसोर्स अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण न्यूज की पहचान करने, तकनीकी शब्दों और घटनाओं को समझने में मदद करता है।

मासिक समसामयिकी मैगजीन: गहन विश्लेषण

व्यापक कवरेज और घटनाओं के विस्तृत विश्लेषण के लिए मासिक समसामयिकी मैगजीन आपकी जरूरत पूरी कर सकती है। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न घटनाओं के संदर्भ, महत्त्व और निहितार्थ को समझने में सुविधा होती है।

तैयारी और रिविजन में महारत हासिल करना

वीकली फोकस: फाउंडेशन को मजबूत करना

किसी टॉपिक के बारे में अपनी समझ को मजबूत करने के लिए वीकली फोकस का संदर्भ लीजिए। इसमें किसी प्रमुख मुद्दे के विभिन्न पहलुओं और आयामों के साथ-साथ स्टेटिक तथा डायनेमिक घटकों को शामिल किया जाता है।

आर्थिक सर्वेक्षण और बजट के हाईलाइट्स तथा सारांश

इसमें आसानी से समझ के लिए जटिल जानकारी को एक कॉम्पैक्ट प्रारूप में प्रस्तुत किया जाता है। आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट के सारांश डाक्यूमेंट्स से आप महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

PT 365 और Mains 365: परीक्षा में प्रदर्शन बढ़ाना

पूरे वर्ष के करेंट अफेयर्स की तैयारी के लिए PT 365 और Mains 365 का उपयोग कीजिए। इससे प्रीलिम्स और मेन्स, दोनों के लिए रिविजन में भी मदद मिलेगी।

ब्रोशर पढ़ने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

Vision IAS का त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट उन छात्रों के लिए उपयोगी रिसोर्स है, जो 2-3 महीनों से मंथली अपडेट पढ़ने से चूक गए हैं। यह प्रमुख घटनाक्रमों का सारांश प्रदान करके लर्निंग में निरंतर सहायता प्रदान करता है।

"याद रखिए, करेंट अफेयर्स को केवल याद ही नहीं रखना होता है, बल्कि घटनाओं के व्यापक निहितार्थों और अंतर्संबंधों को समझना भी होता है। जिज्ञासा के साथ आगे बढ़िए; समय के साथ, यह बोझ कम होता जाएगा और यह एक ज्ञानवर्धक अनुभव बन जाएगा।"

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची

2. सुर्ख़ियों में रहे स्थल (Places in News)

2.1. भारत और उसके पड़ोसी (India and its Neighbourhood)

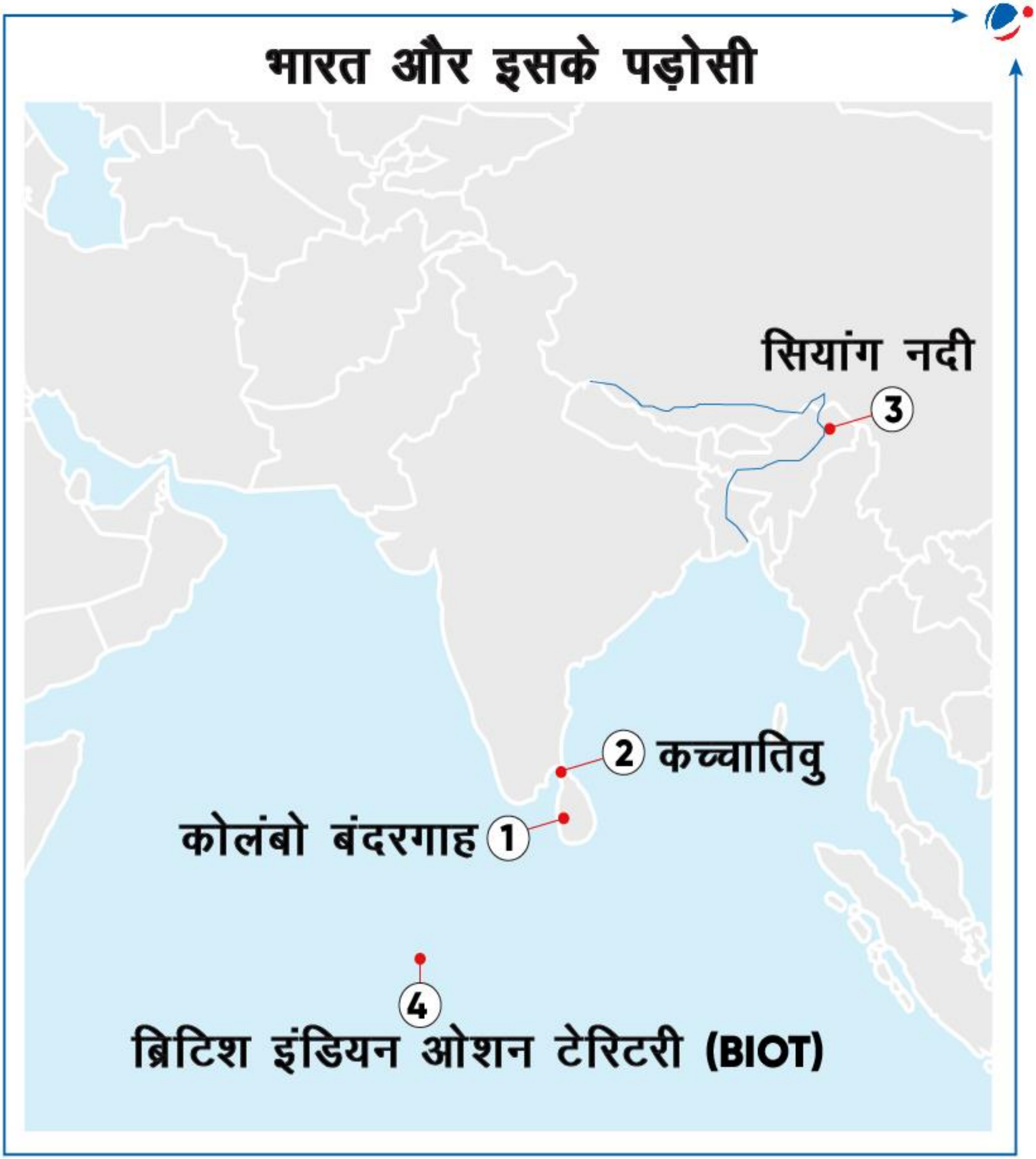

<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>स्थल</th><th>विस्तृत मानचित्र</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>

कोलंबो बंदरगाह, श्रीलंका

- **संदर्भ**: चीन की सरकारी कंपनी **चाइना मर्चेंट्स ग्रुप श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट पर एक बड़ा लॉजिस्टिक कॉम्प्लेक्स** बना रही है।
    - कोलंबो बंदरगाह श्रीलंका का **सबसे बड़ा और व्यस्ततम बंदरगाह** है।

</td><td>

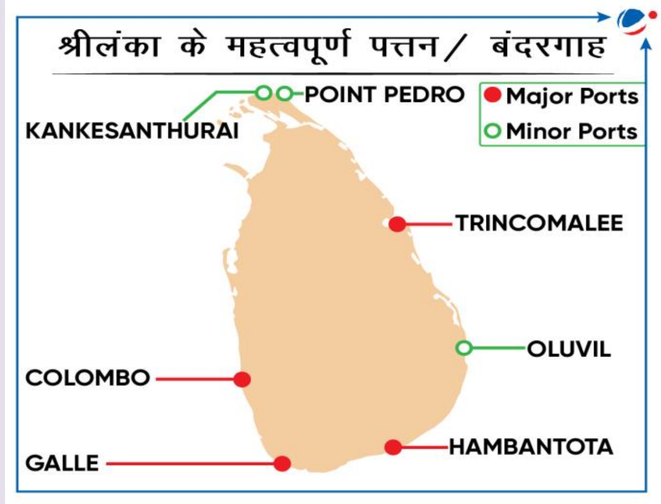

</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>

कच्चातिवु

- **संदर्भ:** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने श्रीलंका से कच्चातिवु द्वीप की पुनः प्राप्ति की मांग दोहराकर बहस को फिर से शुरू कर दिया है।
- **कच्चातिवु के बारे में:**
    - कच्चातिवु **भारत और श्रीलंका के बीच पाक जलडमरूमध्य में स्थित एक निर्जन द्वीप** है।
    - यह **रामेश्वरम (भारत) के उत्तर-पूर्व में और जाफना (श्रीलंका) के दक्षिण-पश्चिम** में अवस्थित है।
    - यह स्थान दोनों देशों के मछुआरों के लिए महत्वपूर्ण है, जो पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने के लिए इस टापू का उपयोग करते रहे हैं।
    - वर्ष 1974 में, **'भारत-श्रीलंका समुद्री समझौते'** के तहत, **भारत ने कच्चातिवु को श्रीलंका को सौंप** दिया था।

</td><td>

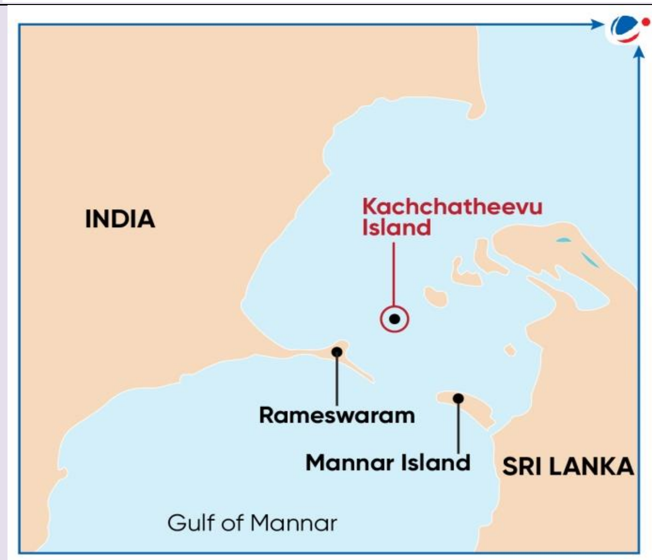

</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>

सियांग नदी

- **संदर्भ**: चीन द्वारा बांध के निर्माण के खिलाफ प्रतिक्रिया में भारत सियांग नदी पर बैराज का निर्माण करेगा।
    - भारत ने **तिब्बत क्षेत्र में चीन द्वारा बनाए जा रहे बांध से उत्पन्न खतरे को कम करने के लिए** सियांग नदी पर एक बैराज बनाने का प्रस्ताव रखा है।
- **सियांग नदी के बारे में:**
    - **सियांग नदी को चीन में यारलुंग ज़ंग्बो** के नाम से जाना जाता है। यह **ब्रह्मपुत्र की एक प्रमुख सहायक नदी** है।
    - यह **ग्रेट बेंड** (नामचा बरवा चोटी को घेरते हुए) के बाद अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। इसके बाद यह **लोहित और दिबांग नदियों में मिलकर ब्रह्मपुत्र का निर्माण** करती है। आगे यह **असम और बांग्लादेश से होकर बंगाल की खाड़ी में मिल** जाती है।

</td><td>

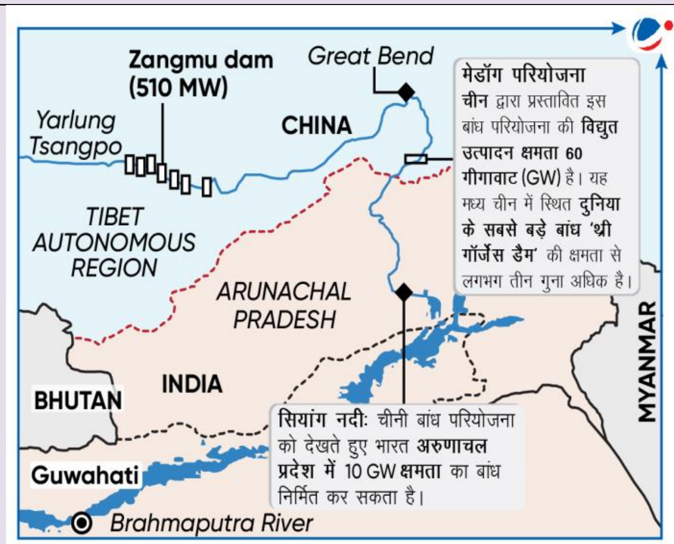

</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>4.</td>
<td>

ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी (BIOT)

- **संदर्भ: ब्रिटिश नौसेना द्वारा 32 भारतीय मछुआरों** को खुले समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान BIOT में घुसपैठ करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।
- **BIOT के बारे में:**
  - BIOT मध्य हिंद महासागर में **यूनाइटेड किंगडम का एक विदेशी क्षेत्र है,** जिसे 1965 में स्थापित किया गया था।
  - 1976 से यह **चागोस द्वीपसमूह** के साथ जुड़ा हुआ है।
  - **यह अर्धवृत्ताकार रूप में है:**
    - इसमें सॉलोमन द्वीप समूह, पेरोस बानहोस एटॉल, नेल्सन द्वीप, थ्री ब्रदर्स द्वीप समूह, ईगल द्वीप समूह, डेंजर द्वीप, एग्मोंट द्वीप समूह और डिएगो गार्सिया द्वीप शामिल हैं।
    - डिएगो गार्सिया एटॉल, समूह में सबसे बड़ा और सबसे दक्षिणी भूभाग है और एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डा भी है।

</td>
<td>

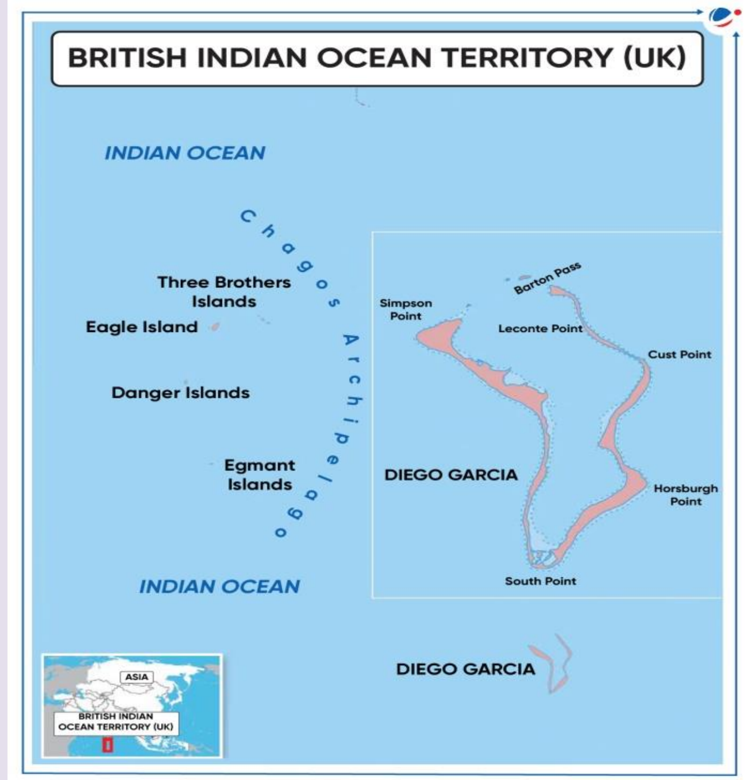

</td>
</tr>
</table>

2.2. दक्षिण पूर्व एशिया (South East Asia)

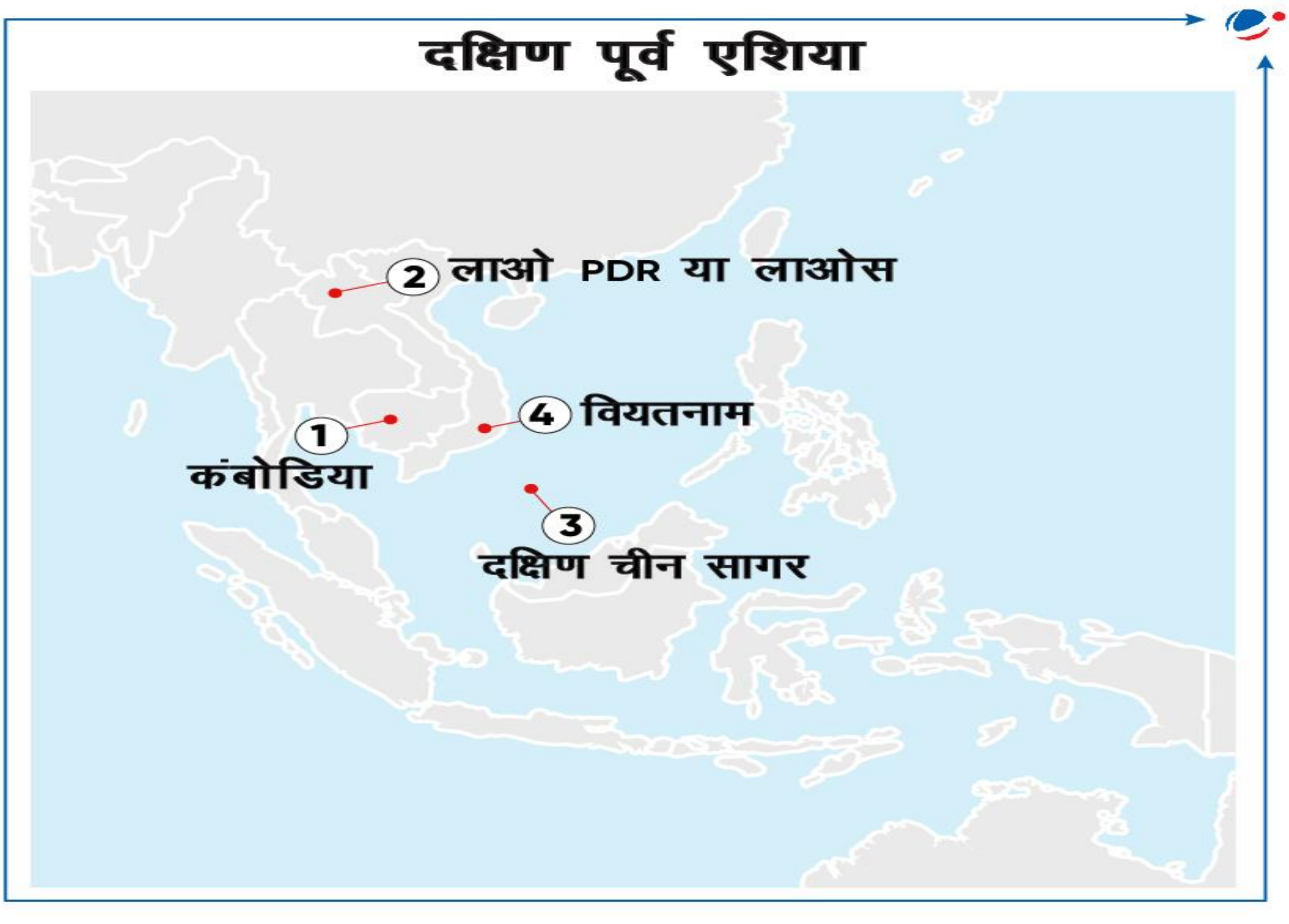

क्र. सं.	स्थल	विस्तृत मानचित्र
1.	**कंबोडिया (राजधानी: नोम पेन्ह)** • **संदर्भ**: INS दिल्ली और INS सतपुड़ा **कंबोडिया के सिहानूकविले में पोर्ट-कॉल (यात्रा के मध्य पोत विश्राम)** किया। • **स्थलीय सीमाएं:** यह पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में **थाईलैंड**, उत्तर-पूर्व में **लाओस**, पूर्व व दक्षिण-पूर्व में **वियतनाम** से घिरा हुआ है। • **जलीय निकाय:** दक्षिण-पश्चिम में **थाईलैंड की खाड़ी** से घिरा हुआ है। • **अन्य तथ्य:** प्रसिद्ध विश्व विरासत स्थल: अंगकोर वाट मंदिर, जो दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है।	
2.	**लाओ PDR या लाओस (राजधानी: वियनतियाने)** • **संदर्भ:** ○ लाओस 2023 में **बांग्लादेश के बाद लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (LF) का उन्मूलन करने वाला दूसरा देश** बन गया है। ○ शिक्षा, स्वास्थ्य, जल सुविधा और आई.टी. के क्षेत्र में पांच त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (QIPs)[39] के कार्यान्वयन के लिए भारत तथा लाओस के बीच पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। • **स्थलीय सीमाएं:** ○ लाओस उत्तर में **चीन** से, उत्तर-पूर्व और पूर्व में **वियतनाम** से, दक्षिण में **कंबोडिया** से, पश्चिम में **थाईलैंड** से तथा उत्तर-पश्चिम में **म्यांमार** से घिरा हुआ है।	
3.	**वियतनाम (राजधानी: हनोई)** • **संदर्भ**: हाल ही में, भारत और वियतनाम ने **रणनीतिक साझेदारी को गहन करने** की प्रतिबद्धता प्रकट की है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह उत्तर में **चीन,** पश्चिम में **लाओस और कंबोडिया** से घिरा हुआ है। • **जलीय निकाय:** पूर्व एवं दक्षिण में **दक्षिण चीन सागर** से घिरा हुआ है।	

[39] Quick Impact Projects

4.	**दक्षिण चीन सागर** • **संदर्भ:** फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर के एक विवादित क्षेत्र में चीन द्वारा लगाए गए फ्लोटिंग बैरियर को हटा दिया है। चीन ने ये फ्लोटिंग बैरियर्स लगाकर मछली पकड़ने वाली फिलीपींस की नौकाओं को विवादित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया था। • **स्थलीय सीमाएं:** ○ **दक्षिण चीन सागर चीन की मुख्य भूमि के दक्षिण** में अवस्थित है। ○ इस सागर के **तटवर्ती देशों** में ब्रुनेई, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम शामिल हैं। • **अन्य तथ्य: चीन दक्षिण चीन सागर के लगभग 90% भाग को अपने EEZ का हिस्सा** मानता है। इसमें पारासेल द्वीप, स्प्रैटली द्वीप, प्रतास द्वीप और स्कारबोरो शोल जैसे द्वीपसमूह शामिल हैं। चीन का यह दावा विवादित "नाइन-डैश लाइन" पर आधारित है। चीन ने इसे पहली बार 1947 में जारी किए गए अपने मानचित्र पर दर्शाया था। ○ 1952 तक 'नाइन-डैश लाइन' को 'इलेवन डैश लाइन' के रूप में जाना जाता था। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा टोंकिन की खाड़ी को इलेवन डैश लाइन के बाहर करने के बाद से इसे 'नाइन-डैश लाइन' के रूप में जाना जाता है।	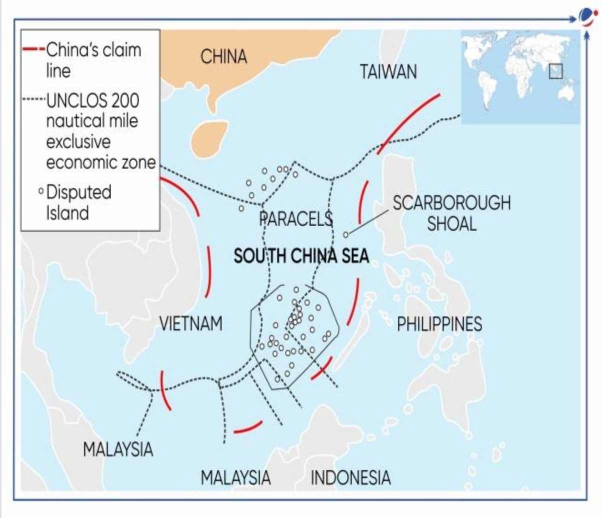

2.3. पश्चिम एशिया (West Asia)

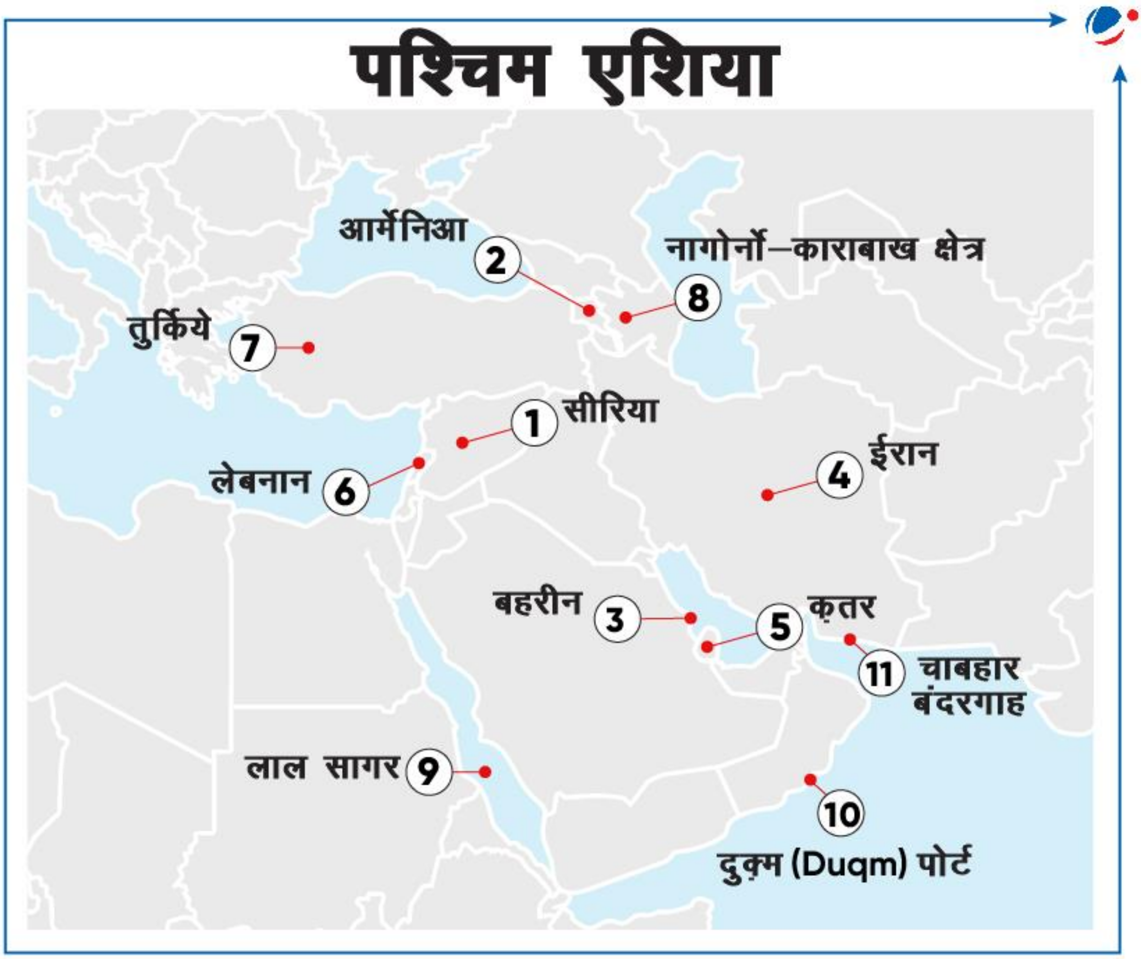

क्र. सं.	स्थल	विस्तृत मानचित्र
1.	**सीरिया (राजधानी: दमिश्क)** • **संदर्भ:** सीरिया में संघर्ष बढ़ने से तुर्की ने आतंकवादियों पर हमले तेज कर दिए हैं। • **स्थलीय सीमाएं:** ○ इसकी सीमाएं उत्तर में **तुर्की**, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में **इराक**, दक्षिण में **जॉर्डन**, दक्षिण-पश्चिम में **लेबनान** और **इजरायल** से लगती हैं। ○ इसके क्षेत्र में **गोलान हाइट्स के कुछ क्षेत्र भी** शामिल हैं, जिस पर 1967 से इजराइल का कब्जा है। • **जलीय निकाय:** भूमध्य सागर	
2.	**आर्मेनिया (राजधानी: येरेवान)** • **संदर्भ:** भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **सफल डिजिटल समाधान साझा करने के क्षेत्र में सहयोग** पर आर्मेनिया के साथ एक समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी है। इन डिजिटल समाधानों को पूरी जनसंख्या के पैमाने पर डिजिटल रूपांतरण के लिए लागू किया गया है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह **अजरबैजान, नागोर्नो-काराबाख गणराज्य (विवादित क्षेत्र), तुर्की, नखचिवन स्वायत्त गणराज्य (अजरबैजान का एक एक्सक्लेव), जॉर्जिया और ईरान** के साथ अपनी सीमाएं साझा करता है। • **अन्य तथ्य:** यह **ट्रांसकाकेशिया** (काकेशस पर्वत के दक्षिण में आबादी वाला क्षेत्र) का एक **स्थलरुद्ध** देश है।	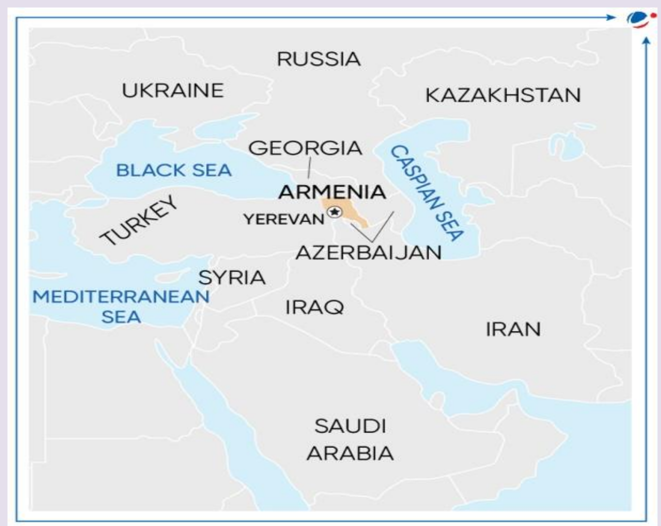
3.	**बहरीन (राजधानी: मनामा)** • **संदर्भ:** किंगडम ऑफ बहरीन ने इजरायल से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। • **स्थलीय सीमाएं: कतर और सऊदी अरब** • **जलीय निकाय:** फारस की खाड़ी • **अन्य तथ्य:** बहरीन एक **द्वीपीय देश** है। इसमें **बहरीन द्वीप और फारस की खाड़ी** के दक्षिण-पश्चिमी तट पर अवस्थित लगभग 30 छोटे द्वीप शामिल हैं।	

<table>
<tr>
<td>4.</td>
<td>
ईरान (राजधानी: तेहरान)

संदर्भ:

ईरान ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीज़ा की आवश्यकता को खत्म करने का निर्णय लिया है।
रियाद में ईरान का दूतावास सात साल बाद फिर से खुलने जा रहा है।

स्थलीय सीमाएं: इसकी सीमाएं उत्तर में आर्मेनिया व अज़रबैजान, उत्तर-पूर्व में तुर्कमेनिस्तान, पूर्व में अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान तथा पश्चिम में इराक और तुर्की से लगती हैं।
जलीय निकाय: इसकी सीमाएं उत्तर में कैस्पियन सागर तथा दक्षिण में फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी से भी लगती हैं।

</td>
<td>
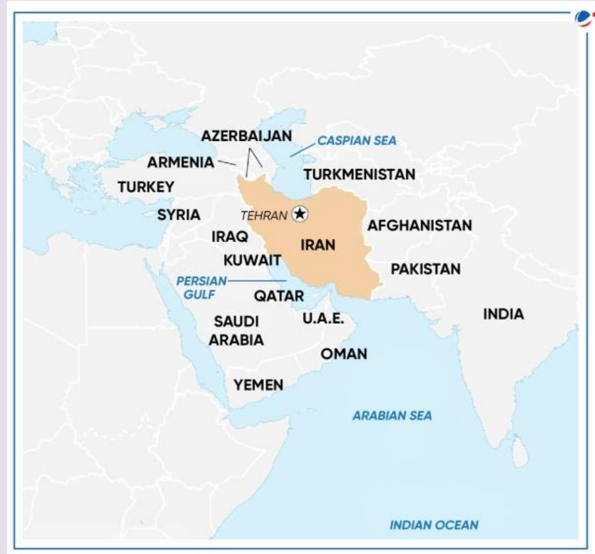

</td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>
कतर (राजधानी दोहा)

संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान को शामिल किए बिना कतर में अफगानिस्तान पर महत्वपूर्ण वार्ता का आयोजन किया।
स्थलीय सीमाएं: सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन
जलीय निकाय: फारस की खाड़ी
अन्य तथ्य: कतर में ताज़े जल का कोई स्थायी निकाय नहीं है।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>
लेबनान (राजधानी: बेरूत)

संदर्भ: लेबनान को FATF की 'ग्रे लिस्ट' में शामिल किए जाने की संभावना है।
स्थलीय सीमाएं: सीरिया और इजरायल
जलीय निकाय: भूमध्य सागर

</td>
<td>

</td>
</tr>
</table>

7.	**तुर्की (राजधानी: अंकारा)** • **संदर्भ:** तुर्की के राष्ट्रपति को एक बार और राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिया गया है। • **स्थलीय सीमाएं** ○ उत्तर-पूर्व में **जॉर्जिया और आर्मेनिया** से, ○ पूर्व में **अज़रबैजान एवं ईरान** से, ○ दक्षिण-पूर्व में **इराक व सीरिया** से, ○ उत्तर-पश्चिम में **ग्रीस और बुल्गारिया** से। • **जलीय निकाय:** ○ उत्तर में **काला सागर** से, तथा ○ दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में **भूमध्य सागर एवं एजियन सागर** से	

8.	**नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र** • **संदर्भ**: भारत ने नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र पर आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच जारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए OSCE **मिन्स्क समूह** के प्रयासों का समर्थन किया है। ○ **57 भागीदार देशों** के साथ **OSCE दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन** है। ○ इस **विवाद का समाधान करने** के लिए 1994 में मिन्स्क ग्रुप का गठन किया गया था और इसकी सह-अध्यक्षता **संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और रूस** द्वारा की जाती है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह **दक्षिण काकेशस में एक भू-आबद्ध पहाड़ी** क्षेत्र है। • **अन्य तथ्य:** ○ **इस क्षेत्र को आर्मीनियाई लोगों द्वारा आर्टसख के नाम से जाना जाता है।** ○ **1917 में रूसी साम्राज्य के पतन के बाद अज़रबैजान और आर्मेनिया, दोनों ने इस क्षेत्र पर दावा** किया था, तब से यह क्षेत्र दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है। ○ **इस क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेल समृद्ध अजरबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है, लेकिन इसके अधिकतर निवासी आर्मेनियाई नृजातीय समूह के हैं।**	

9. लाल सागर

- **संदर्भ:** अमेरिका ने लाल सागर में नए सिरे से सेनाएं और युद्धपोत तैनात किए हैं।
- भारत जाने वाले एक मालवाहक जहाज का हौथी विद्रोहियों ने लाल सागर में कब्ज़ा कर लिया।
- **स्थलीय सीमाएं:**
    - यह **अफ्रीका और एशिया के बीच हिंद महासागर का एक इनलेट (खाड़ी के समान) है।**
    - **इसके तटवर्ती देश हैं:** मिस्र, सऊदी अरब, यमन, सूडान, इरिट्रिया और जिबूती।
- **जलीय निकाय:** यह **बाब अल-मन्देब जलडमरूमध्य** और **अदन की खाड़ी** के माध्यम से दक्षिण में हिंद महासागर से जुड़ा हुआ है।
- **अन्य तथ्य**
    - इसमें **ग्रेट रिफ्ट वैली (एफ्रो-अरेबियन रिफ्ट वैली)** का एक हिस्सा शामिल है।
    - यह उस **भ्रंश घाटी** में स्थित है, जो पृथ्वी की भूपर्पटी (क्रस्ट) के दो विशाल खंडों **अरब और उत्तरी अफ्रीका** को अलग करती है।
    - यह **दुनिया के सबसे खारे जल निकायों में से एक है।**

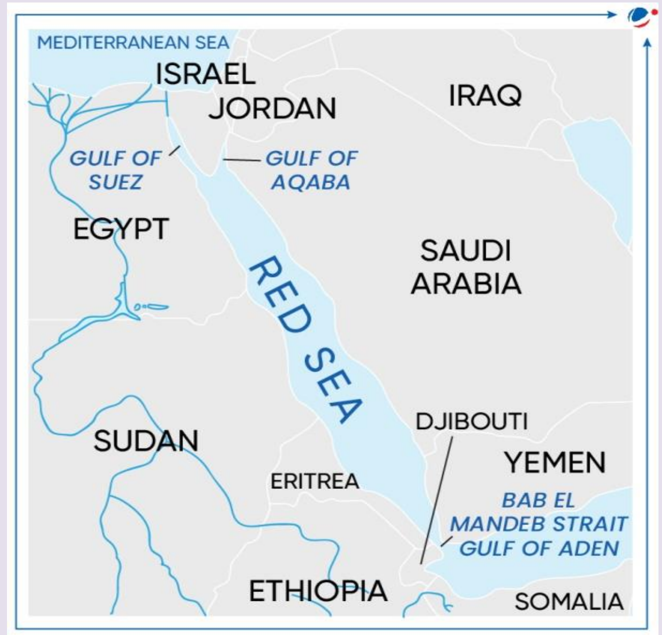

10. दुक़्म पोर्ट

- **संदर्भ**: हाल ही में, भारत के **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने ओमान के दुकम बंदरगाह** का दौरा किया है।
- **अन्य तथ्य:**
    - **भारत ने 2018 में सैन्य उपयोग और लॉजिस्टिक समर्थन के लिए दुकम तक पहुंच हासिल** कर ली थी।
    - यह बंदरगाह **भारत को अदन की खाड़ी के रास्ते लाल सागर तक भी आसान पहुंच** प्रदान कर सकता है।

11. चाबहार बंदरगाह

- **संदर्भ:** चाबहार बंदरगाह पर **भारत-मध्य एशिया संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक मुंबई में संपन्न** हुई है।
- **अन्य तथ्य:**
    - वर्ष 2016 में, भारत ने **चाबहार में शहीद बेहिश्ती टर्मिनल विकसित करने के लिए ईरान और अफगानिस्तान के साथ** एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
    - इसे एक **महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार** माना जाता है। यह **भारत को पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान और अंततः मध्य एशिया तक पहुंचने में सक्षम बनाएगा।**

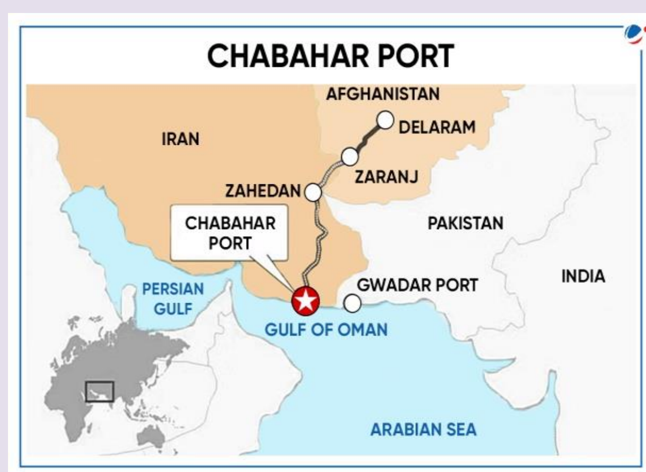

© Vision IAS

2.4. अमेरिका (Americas)

<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>स्थल</th><th>विस्तृत मानचित्र</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>

पनामा नहर

- **संदर्भ:** सूखे से प्रभावित पनामा नहर में **नौ-परिवहन बाधित हुआ**
- **पनामा नहर के बारे में:**
  - पनामा नहर एक **मानव निर्मित जलमार्ग है। यह अटलांटिक और प्रशांत महासागर को आपस में जोड़ता** है।
    - पनामा नहर **170 देशों के लगभग 2,000 बंदरगाहों के लिए संपर्क मार्ग** उपलब्ध कराती है।
  - पनामा **उत्तर और दक्षिण अमेरिका** को आपस में जोड़ने वाला एक **स्थलडमरूमध्य (Isthmus)** है।

</td><td>

</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>

पनामा (राजधानी: पनामा सिटी)

- **संदर्भ:** भारत और पनामा ने चुनावी सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- **स्थलीय सीमाएं:** कोस्टा रिका और कोलंबिया
- **जल निकाय:** उत्तर में कैरेबियन सागर (अटलांटिक महासागर का विस्तार) और दक्षिण में प्रशांत महासागर

</td><td>

</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>

सूरीनाम (राजधानी: पारामारिबो)

- **संदर्भ:**
  - सूरीनाम में भारतीयों के आगमन की **150वीं वर्षगांठ** के अवसर पर **भारत के राष्ट्रपति को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द चेन ऑफ द येलो स्टार"** से सम्मानित किया गया।
    - **वर्ष 1873** में 399 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों का पहला समूह **लल्ला रूख जहाज** पर सवार होकर सूरीनाम पहुंचा था।
  - सूरीनाम में इंडियन फार्माकोपिया (IP) की मान्यता के लिए भारत और सूरीनाम के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- **स्थलीय सीमाएं:** फ्रेंच गुयाना (पूर्व), ब्राज़ील (दक्षिण), और गुयाना (पश्चिम)
- **जल निकाय:** अटलांटिक महासागर
- **अन्य तथ्य:** यह दुनिया में **बॉक्साइट के शीर्ष उत्पादकों में से एक** है।

</td><td>

</td></tr>
</table>

 © Vision IAS

4.	**क्यूबा (राजधानी: हवाना)** • **संदर्भ**: अमेरिका ने पुष्टि की है कि चीन 2019 से ही क्यूबा में जासूसी अड्डे का संचालन कर रहा है। • **जलीय निकाय:** यह **कर्क रेखा के ठीक दक्षिण** में **अटलांटिक महासागर** (उत्तर और पूर्व), **मैक्सिको की खाड़ी** (पश्चिम) तथा **कैरेबियन सागर** (दक्षिण) के संगम बिंदु पर स्थित है। • **अन्य तथ्य:** यह **वेस्ट इंडीज** क्षेत्र का एक देश है। यह इस द्वीप समूह का **सबसे बड़ा एकल द्वीप** है।	

5.	**बेलीज (राजधानी: बेल्मोपैन)**
	• **संदर्भ**: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने बेलीज को **मलेरिया मुक्त** घोषित किया है।
	• **स्थलीय सीमाएं:** यह उत्तर में **मेक्सिको,** पश्चिम और दक्षिण में **ग्वाटेमाला** से घिरा हुआ है।
	• जलीय निकाय: पूर्व में **कैरेबियन सागर**
	• **अन्य तथ्य:**
	  ○ यह **युकातान प्रायद्वीप के दक्षिण** में स्थित है।
	  ○ **बेलीज बैरियर रीफ रिज़र्व सिस्टम** को 1996 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था।	

6.	**अर्जेंटीना (राजधानी: ब्यूनस आयर्स)**
	• **संदर्भ:**
	  ○ अर्जेंटीना ने हेलीकॉप्टर खरीद के लिए **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ एक आशय-पत्र पर हस्ताक्षर** किए हैं।
	  ○ भारत ने अर्जेंटीना में **लिथियम के अन्वेषण व खनन के लिए एक समझौते** पर हस्ताक्षर किए।
	• **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं दक्षिण और पश्चिम में **चिली** से, उत्तर में **बोलीविया** व **पैराग्वे** से तथा पूर्व में **ब्राजील, उरुग्वे** से लगती हैं।
	• **जलीय निकाय:** पूर्व में **अटलांटिक महासागर**	

7.	**इक्वाडोर (राजधानी: क्विटो)** • **संदर्भ**: एक मोस्ट वांटेड कैदी के जेल से भाग जाने के बाद इक्वाडोर ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया है। • **राजनीतिक सीमाएं:** इसकी सीमा उत्तर में **कोलंबिया** और पूर्व एवं दक्षिण में **पेरू** से लगती है। • **जलीय निकाय:** इसकी सीमा पश्चिम में **प्रशांत महासागर** से लगती है। • **अन्य तथ्य:** ○ **प्रशांत महासागर में स्थित गैलापागोस आइलैंड** इक्वाडोर का हिस्सा है। ○ इसमें **अमेज़ॅन बेसिन के कुछ हिस्से** शामिल हैं और यह **भूमध्य रेखा पर स्थित** है।	
8.	**मेक्सिको (राजधानी: मेक्सिको सिटी)** • **संदर्भ**: मेक्सिको के सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात पर रोक लगाने वाले राज्य कानूनों को असंवैधानिक ठहराते हुए कहा कि ये कानून महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं उत्तर में **संयुक्त राज्य अमेरिका** तथा दक्षिण-पूर्व में **ग्वाटेमाला व बेलीज़** से लगती हैं। • **जलीय निकाय:** पश्चिम और दक्षिण में **प्रशांत महासागर,** पूर्व में **मेक्सिको की खाड़ी** एवं **कैरेबियन सागर** से लगती हैं। • **अन्य तथ्य:** यह **रिंग ऑफ फायर** में स्थित देशों में से एक है।	
9.	**त्रिनिदाद एंड टोबैगो (राजधानी: पोर्ट ऑफ स्पेन)** • **संदर्भ:** भारत ने इंडिया स्टैक साझा करने हेतु त्रिनिदाद एंड टोबैगो के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इंडिया स्टैक **ओपन API (एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस) और डिजिटल पब्लिक गुड्स** का संग्रह है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह एक द्वीपीय देश है, जिसमें दो मुख्य द्वीप - त्रिनिदाद और टोबैगो - और कई छोटे द्वीप शामिल हैं। • **जल निकाय:** कैरेबियन सागर और पारिया की खाड़ी इसे वेनेजुएला से अलग करती है।	

10.	**गुयाना (राजधानी: जार्जटाउन)** • **संदर्भ**: वेनेज़ुएला और गुयाना के बीच **एसेक्विबो नदी (Esequibo river)** तथा इसके अपतटीय क्षेत्र पर **सीमा विवाद को लेकर तनाव** पैदा हो गया है। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं पूर्व में **सूरीनाम,** दक्षिण में **ब्राजील** और पश्चिम में **वेनेजुएला** से लगती है। • **जलीय निकाय:** इसकी सीमाएं उत्तर में **अटलांटिक महासागर** से लगती है।	
11.	**वेनेजुएला (राजधानी: कराकस)** • **संदर्भ**: वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील के बाद **भारत 3 साल बाद इस देश से तेल का आयात फिर से शुरू करने** के लिए तैयार है। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं **गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया** से लगती है। • **जलीय निकाय:** इसकी सीमा उत्तर में **कैरेबियन सागर और अटलांटिक महासागर** से लगती है। • **अन्य तथ्य: प्रमुख झील:** मैराकाइबो झील, यह दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील है।	

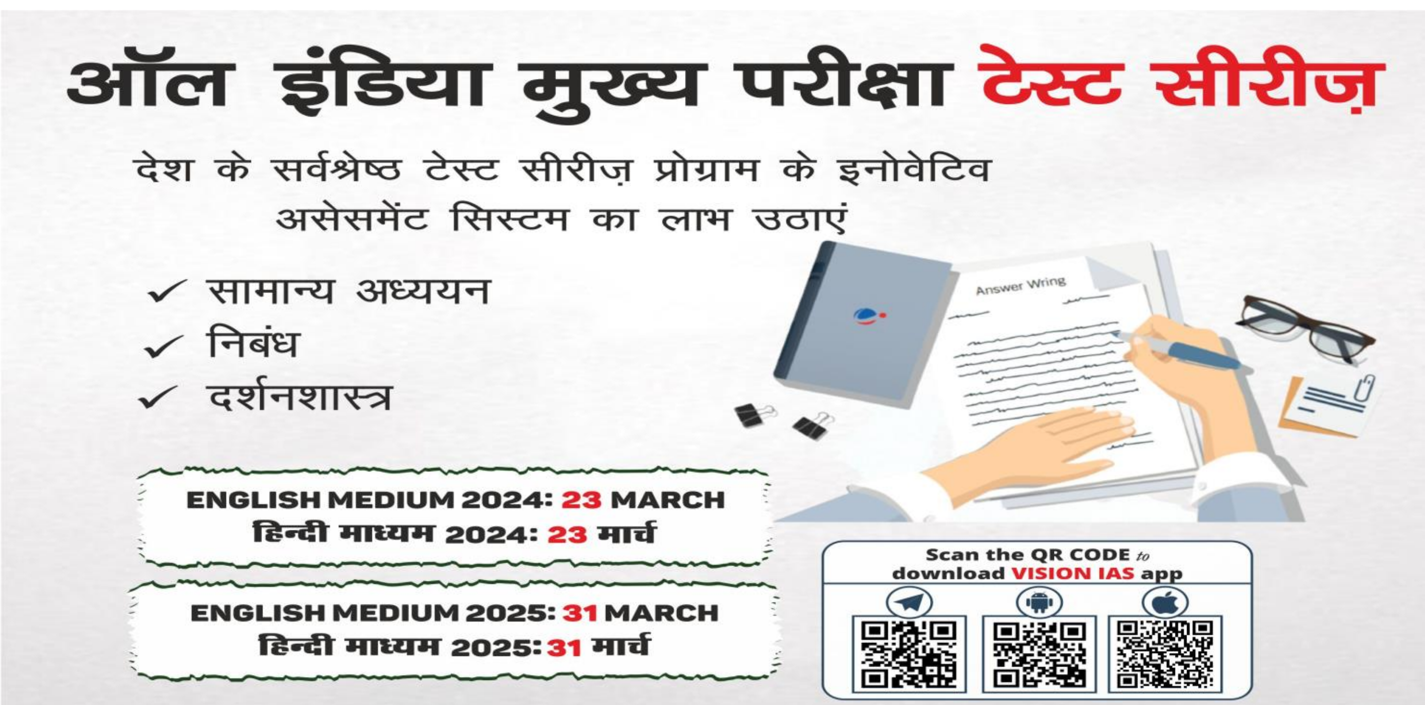

2.5. हिंद प्रशांत क्षेत्र (INDO Pacific Region)

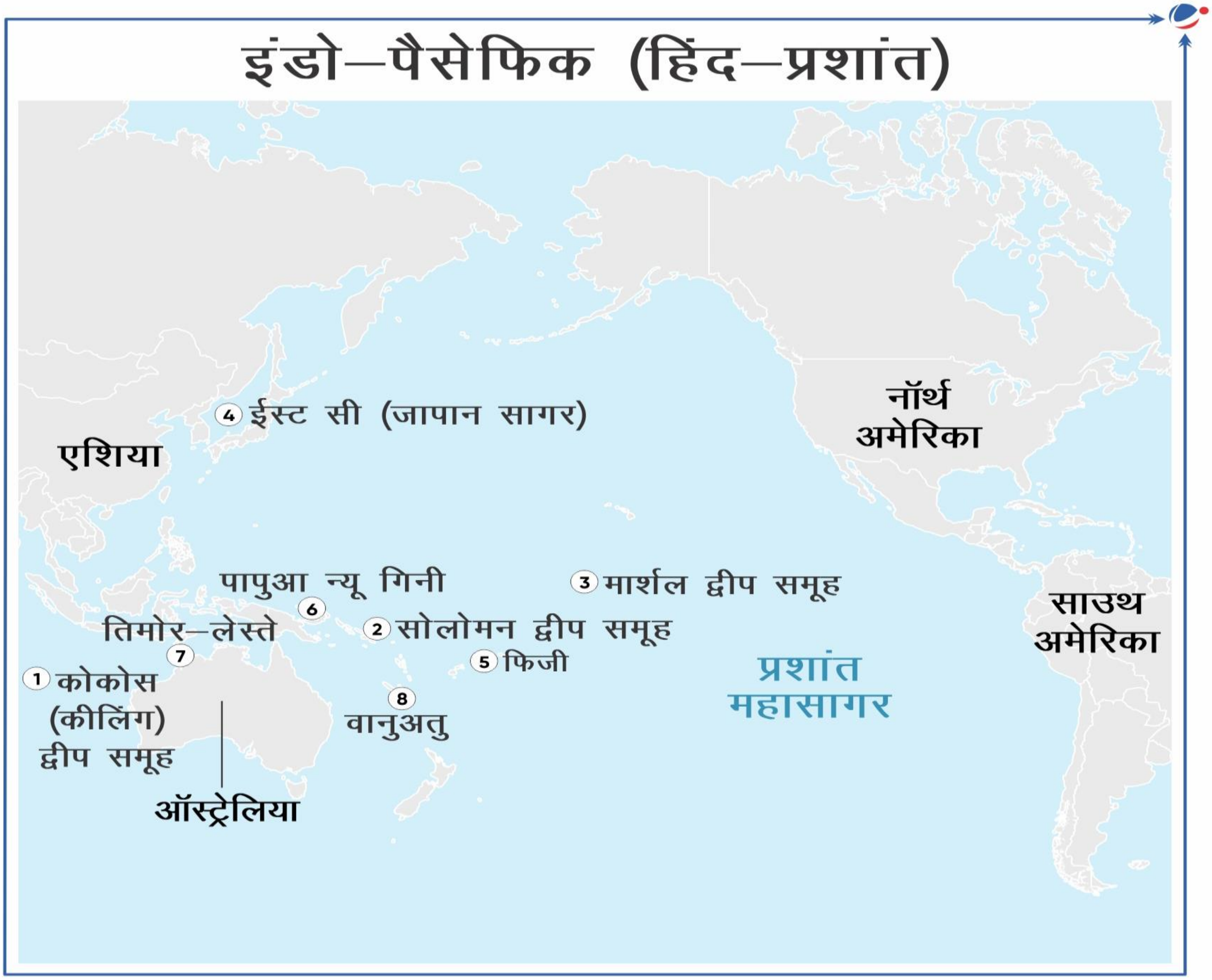

क्र. सं.	स्थल	विस्तृत मानचित्र

1.	कोकोस (कीलिंग) द्वीप समूह
	• **संदर्भ: भारतीय नौसेना के विमान** ने कोकोस द्वीप समूह का दौरा किया।
	• **स्थलीय सीमाएं:** कोकोस द्वीप समूह **पूर्वी हिंद महासागर में ऑस्ट्रेलिया का बाहरी राज्यक्षेत्र है। यह सामरिक समुद्री चोक पॉइंट्स के करीब** है।
	• **अन्य तथ्य:**
	  ○ इसमें **27 छोटे द्वीपों से बने दो मूंगा एटोल** हैं।
	  ○ यह **ईंधन भरने और परिचालनात्मक टर्नअराउंड के लिए एक महत्वपूर्ण बेस** हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत का लक्ष्य क्षेत्र में परपसर सैन्य भागीदारी को बढ़ाना तथा अंतर-संचालनीयता को गहन करना है।	

© Vision IAS

<table>
<tr>
<td>2.</td>
<td>सोलोमन द्वीप (राजधानी: होनियारा)
• संदर्भ: हाल ही में चीन और सोलोमन द्वीप समूह ने कूटनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
• जलीय निकाय: प्रशांत महासागर
• अन्य तथ्य: यह पापुआ न्यू गिनी से वानुअतु तक फैले ज्वालामुखी आर्क का हिस्सा है।</td>
<td>
</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>मार्शल द्वीप (राजधानी: माजुरो)
• संदर्भ: संयुक्त राज्य अमेरिका ने मार्शल द्वीप समूह को आर्थिक सहायता (2.3 बिलियन) देने के लिए एक नए 20-वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
• समुद्री सीमाएं:
  ○ इसके निकटतम पड़ोसी हैं- वेक आइलैंड (उत्तर), किरिबाती और नाउरू (दक्षिण) तथा फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया (पश्चिम)।
  ○ जलीय निकाय: प्रशांत महासागर
• अन्य तथ्य:
  ○ यह रतक (सूर्योदय) समूह और रालिक (सूर्यास्त) समूह नामक दो समानांतर श्रृंखलाओं में स्थित द्वीप समूहों के बीच अवस्थित है।
  ○ यहां दुनिया का सबसे बड़ा शार्क अभयारण्य मौजूद है।</td>
<td>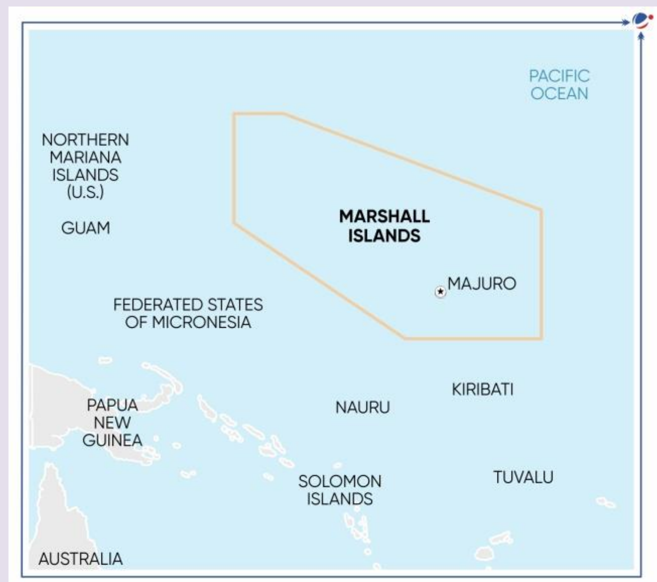
</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>ईस्ट सी (जापान सागर)
• संदर्भ: चीन और रूस, जापान सागर में संयुक्त हवाई व समुद्री अभ्यास (ड्रिल) (नॉर्दर्न/इंटरेक्शन-2023) आरंभ करेंगे। जापान सागर को पूर्वी सागर भी कहा जाता है।
• पूर्वी सागर के बारे में
  ○ यह पश्चिमी प्रशांत महासागर का सीमांत समुद्र (Marginal sea) है।
  ○ यह पूर्व में जापान और सखालिन द्वीप से तथा पश्चिम में एशियाई मुख्य भूमि पर रूस व कोरिया से घिरा हुआ है।</td>
<td>
</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>5.</td>
<td>

फिजी (राजधानी: सुवा)

* **संदर्भ:** फिजी ने प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच चीन के साथ सुरक्षा संबंध स्थापित करने पर पुनर्विचार किया है।
* **जलीय निकाय:** कोरो सागर
* **अन्य तथ्य:**
    * मकर रेखा इससे होकर गुजरती है।
    * फिजी द्वीप बड़े पैमाने पर **ज्वालामुखी क्रिया, तलछट के जमाव और प्रवाल के निर्माण** से निर्मित हुए हैं।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>

पापुआ न्यू गिनी (राजधानी: पोर्ट मोरेस्बी)

* **संदर्भ:**
    * हाल ही में, प्रधान मंत्री ने पापुआ न्यू गिनी में आयोजित **भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (FIPIC) के शिखर सम्मेलन में** हिस्सा लिया।
    * हाल ही में, पापुआ न्यू गिनी के **माउंट उलावुन में ज्वालामुखी उद्गार** हुआ है। इससे **प्रभावित लोगों के लिए भारत ने $1 मिलियन की राहत सहायता** की घोषणा की है।
* **समुद्री सीमाएं:** इसमें न्यू गिनी का पूर्वी भाग (दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप); बिस्मार्क द्वीपसमूह; बोगेनविले और बुका (सोलोमन द्वीप श्रृंखला का हिस्सा) तथा अन्य छोटे द्वीप शामिल हैं।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>

तिमोर-लेस्ते (राजधानी: दिली)

* **संदर्भ:** भारत ने दिली में दूतावास खोलने की घोषणा की है।
* **स्थलीय सीमाएं:** दक्षिण-पश्चिम में **पश्चिमी तिमोर** (इंडोनेशियाई प्रांत का हिस्सा)।
* **जलीय निकाय: सीमा:** दक्षिण पूर्व में **तिमोर सागर,** उत्तर में **वेटर जलडमरूमध्य**, उत्तर पश्चिम में **ओमबाई जलडमरूमध्य**।

</td>
<td>

</td>
</tr>
</table>

8.	**वानुआतु (राजधानी: पोर्ट-विला)** • **संदर्भ**: संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने वानुअतु द्वारा प्रस्तावित एक संकल्प को स्वीकार किया है। इस संकल्प में **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) से एक सलाह लेने का प्रस्ताव किया गया है। सलाह में यह पूछा गया है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित जलवायु प्रणालियों और लोगों की रक्षा के लिए राष्ट्रों के कानूनी दायित्व क्या हैं।** • **स्थलीय सीमाएं:** यह **ऑस्ट्रेलिया के पूर्व** में स्थित है। • **जलीय निकाय: प्रशांत महासागर** • **अन्य तथ्य:** इसमें 13 प्रमुख और कई छोटे द्वीपों **(मेलेनेशियन द्वीपसमूह)** की एक श्रृंखला शामिल है।	

2.6. यूरोप (Europe)

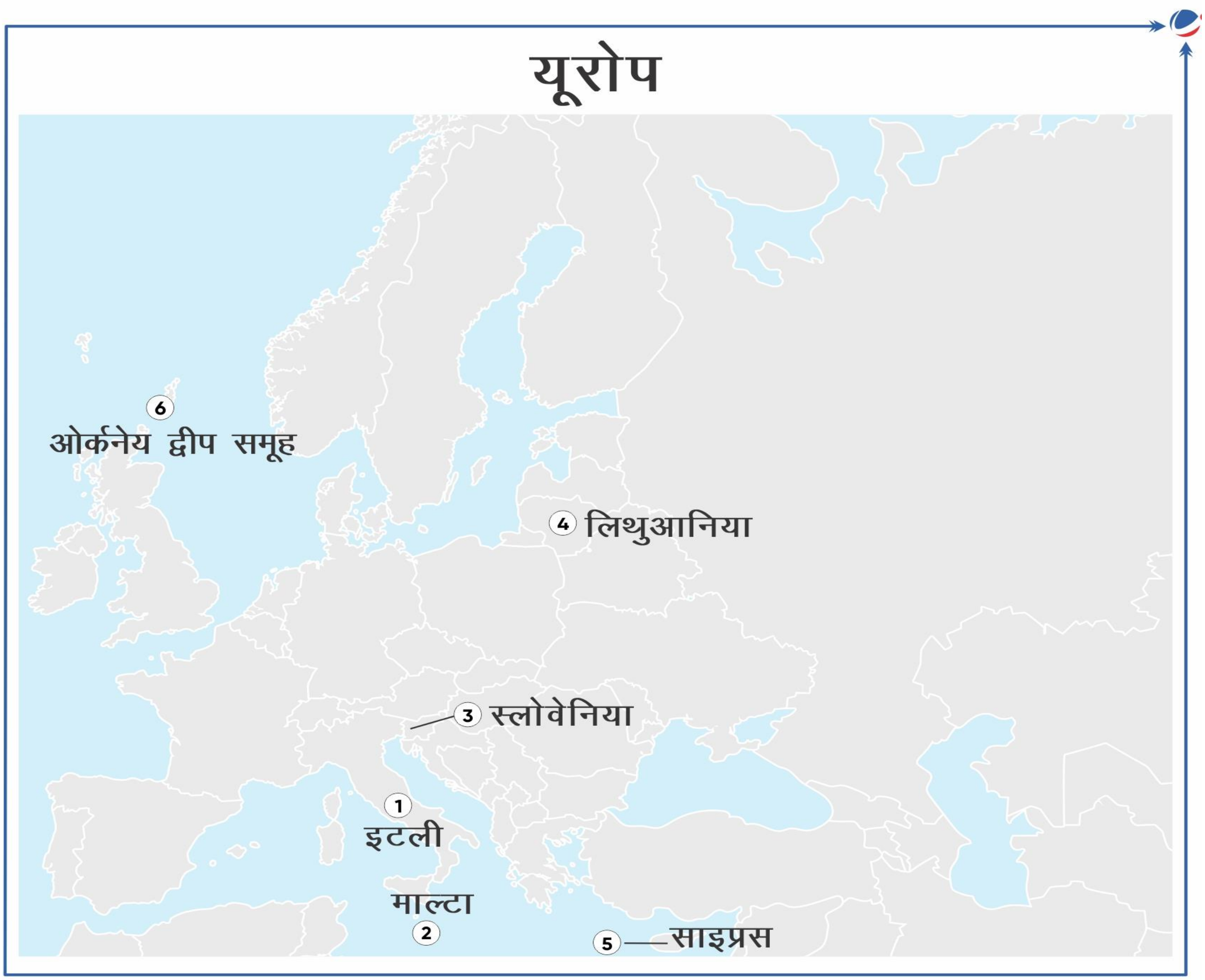

क्र. सं.	स्थल	विस्तृत मानचित्र
1.	**इटली (राजधानी: रोम)** • भारत और इटली ने **रक्षा सहयोग को मजबूत** करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं **फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया और स्लोवेनिया** से लगती हैं। • **जलीय निकाय:** यह देश **भूमध्य सागर** से घिरा हुआ है। विशेष रूप से इसके उत्तर-पूर्व में **एड्रियाटिक सागर**, दक्षिण-पूर्व में **आयोनियन सागर**, दक्षिण-पश्चिम में **टायरहेनियन सागर** और उत्तर पश्चिम में **लिगुरियन सागर** है।	
2.	**माल्टा (राजधानी: वैलेटा)** • **संदर्भ**: अरब सागर में **हाईजैक किए गए माल्टा के जहाज एम.वी. रूएन की भारतीय नौसेना ने मदद** की है। • **जलीय निकाय: भूमध्य-सागर।** • **अन्य तथ्य:** इसमें **तीन मुख्य द्वीप** शामिल हैं- **माल्टा (सबसे बड़ा), गोजो और कोमिनो।**	
3.	**स्लोवेनिया (राजधानी: ल्यूबल्याना)** • **संदर्भ:** स्लोवेनिया में **बार्सिलोना कन्वेंशन की 23वीं बैठक (COP23) का आयोजन** किया गया। ○ यह कन्वेंशन **भूमध्य सागर को प्रदूषण से बचाने के लिए उपाय** करता है। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं पश्चिम में **इटली**, उत्तर में **ऑस्ट्रिया**, दक्षिण में **क्रोएशिया** और उत्तर-पूर्व में **हंगरी** से लगती हैं। • **जलीय निकाय:** इसकी सीमा **एड्रियाटिक सागर** से भी लगती है।	

4.	**लिथुआनिया (राजधानी: विल्नियस)** • **संदर्भ**: भारत और लिथुआनिया ने सामुद्रिक क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के संबंध में बैठक की। • **स्थलीय सीमाएं:** लिथुआनिया उत्तर में **लातविया,** पूर्व और दक्षिण में **बेलारूस व पोलैंड,** दक्षिण-पश्चिम में रूस के **कैलिनिनग्राद** नामक क्षेत्र से घिरा हुआ है। ○ यह **पश्चिम में स्वीडन के साथ समुद्री सीमा** भी साझा करता है। • **जलीय निकाय:** यह पश्चिम में **बाल्टिक सागर** से घिरा हुआ है। • **अन्य तथ्य:** ○ लिथुआनिया **तीन बाल्टिक देशों** में से सबसे **दक्षिण** में स्थित है और **सबसे बड़ा देश** भी है। अन्य दो बाल्टिक देश **एस्टोनिया और लातविया** हैं। ○ **भाषा:** लिथुआनियाई विश्व की सबसे पुरानी जीवित **भारोपीय** भाषा है।	
5.	**साइप्रस (राजधानी: निकोसिया)** • **संदर्भ**: साइप्रस भारतीय कंपनी के खिलाफ **चीज़ (cheese) ट्रेडमार्क केस** जीत गया है। • **जलीय निकाय:भूमध्य सागर।** • **अन्य तथ्य:** यह **भूमध्य सागर में तीसरा सबसे बड़ा** द्वीप है। दो सबसे बड़े द्वीप हैं: **सिसिली और सार्डिनिया।**	
6.	**ओर्कनेय द्वीप समूह** • **संदर्भ:** ओर्कनेय द्वीप समूह ने **यूनाइटेड किंगडम से अलग होकर नॉर्वे का एक स्वशासित राज्यक्षेत्र बनने** की अपनी मंशा प्रकट की है। • **ओर्कनेय द्वीप समूह के बारे में** ○ यह द्वीप **स्कॉटलैंड के उत्तर-पूर्वी तट** पर स्थित है। ○ यह लगभग **70 छोटे द्वीपों का एक समूह** है, जिनमें से केवल 20 ही बसे हुए हैं। ○ **15वीं शताब्दी के अंत तक यह नॉर्वे और डेनमार्क के शासन के अधीन** था। इसके बाद यह **स्कॉटलैंड** के अधीन आ गया था। ○ इसमें यूनेस्को के चार विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं - **स्कारा ब्रे, रिंग ऑफ ब्रोडगर, स्टैंडिंग स्टोन्स ऑफ स्टेननेस और मेशोवे चैम्बर्ड टॉम्ब।**	

PT 365 - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

2.7. अफ्रीका (Africa)

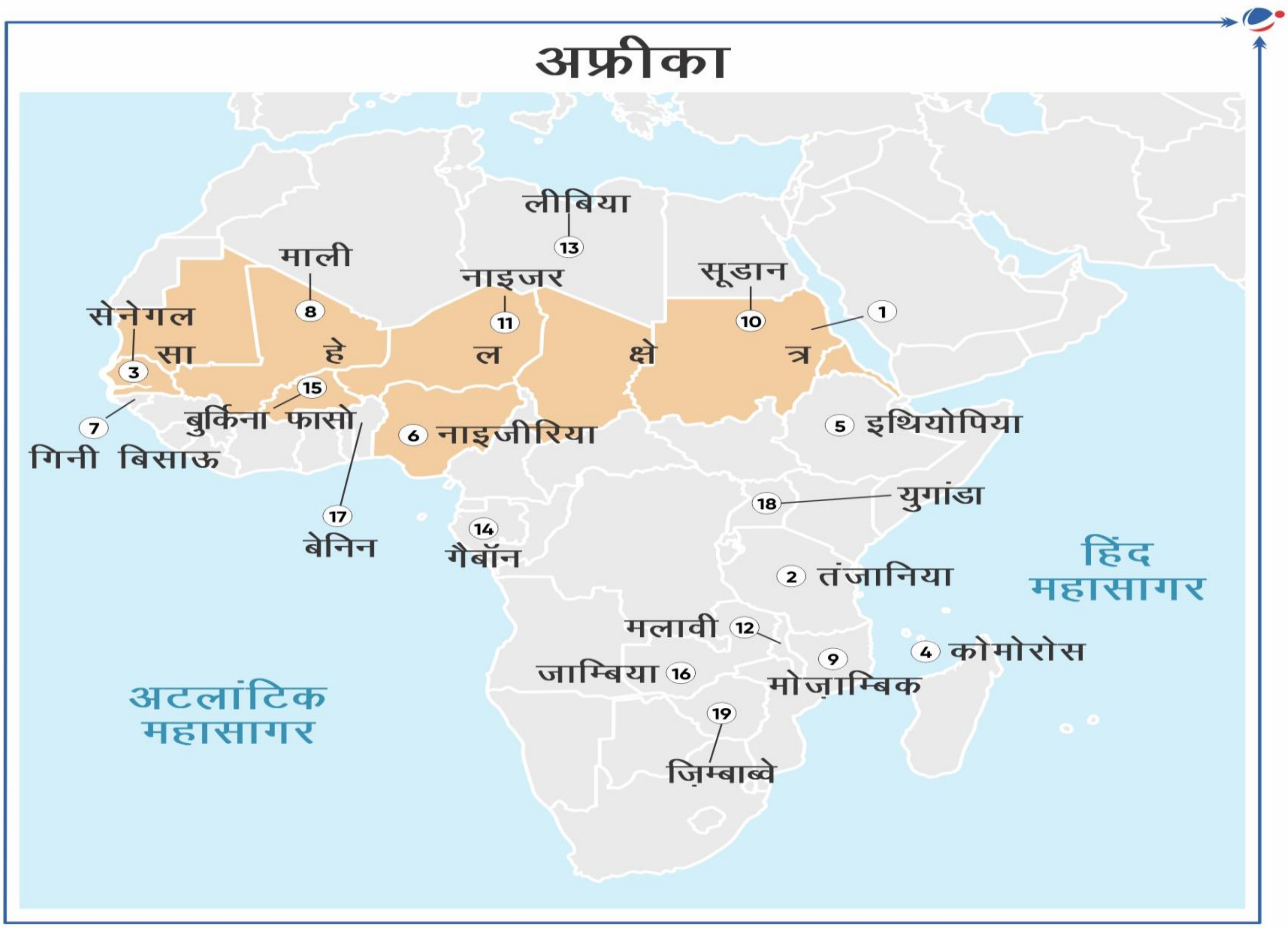

<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>स्थल</th><th>विस्तृत मानचित्र</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>साहेल क्षेत्र
• संदर्भ: साहेल क्षेत्र के तीन देशों (माली, बुर्किना फासो और नाइजर) ने सशस्त्र विद्रोह या बाहरी आक्रमण के खतरों के खिलाफ सहयोग करने के लिए एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
• साहेल क्षेत्र के बारे में:
○ यह पश्चिमी और उत्तर-मध्य अफ्रीका का एक अर्ध-शुष्क क्षेत्र है। यह सहारा रेगिस्तान के दक्षिणी क्षेत्र के साथ-साथ अटलांटिक महासागर से लाल सागर तक फैला हुआ है।
○ साहेल क्षेत्र के देश: बुर्किना फासो, कैमरून, चाड, गाम्बिया, गिनी, मॉरिटानिया, माली, नाइजर, नाइजीरिया और सेनेगल।
○ यह उत्तर में सहारा रेगिस्तान और दक्षिण में सवाना के बीच एक संक्रमणकालीन क्षेत्र बनाता है।</td><td>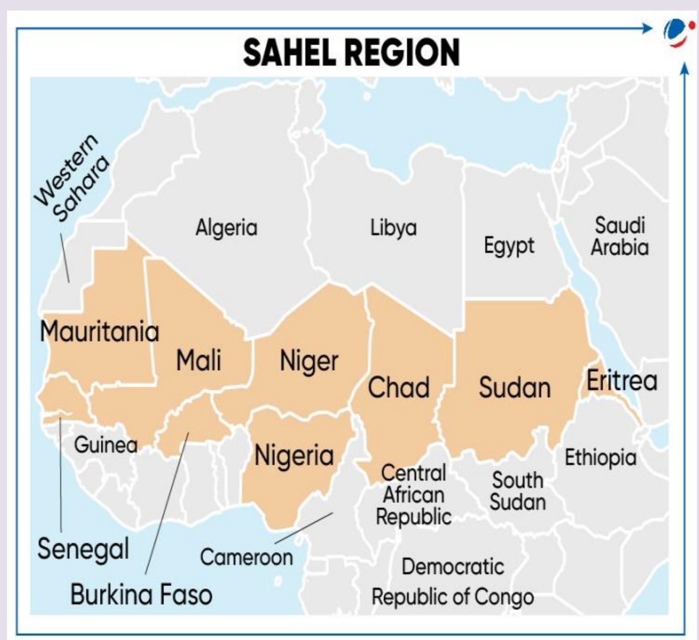
</td></tr>
</table>

© Vision IAS

2.	**तंजानिया (राजधानी: डोडोमा)** • **संदर्भ: IIT मद्रास** ने तंजानिया के **जंजीबार** में अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय परिसर स्थापित किया है। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं उत्तर में **युगांडा और केन्या से;** दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम में **मोजाम्बिक व जाम्बिया से** तथा पश्चिम में **बुरुंडी और रवांडा से** लगती हैं। • **जलीय निकाय: हिंद महासागर,** टांगान्यिका झील (पश्चिम), विक्टोरिया झील (उत्तर) और मलावी झील (अर्थात न्यासा झील) और कांगो नदी।	
3.	**सेनेगल (राजधानी: डाकर)** • हाल ही में, सेनेगल में हुए संघर्ष के दौरान नौ लोगों की मृत्यु हो गई है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह पूर्व में **माली से;** दक्षिण में **गिनी और गिनी-बिसाऊ से घिरा** हुआ है। • **जलीय निकाय:** यह उत्तर और उत्तर पूर्व में **सेनेगल नदी से घिरा** हुआ है तथा पश्चिम में **अटलांटिक महासागर से घिरा** हुआ है। • **अन्य तथ्य:** यह **एक अवतलित (Depression) क्षेत्र में स्थित है, जिसे सेनेगल-मॉरिटानियन बेसिन के रूप में जाना जाता** है।	

4.	**कोमोरोस (राजधानी: मोरोनी)**
	• **संदर्भ**: हाल ही में **INS त्रिशूल** ने कोमोरोस के बंदरगाह **अंजौन** का दौरा किया है। यह दौरा भारतीय नौसेना की लंबी दूरी की तैनाती के एक भाग के रूप में था।
	• **जलीय निकाय: हिंद महासागर**
	• **अन्य तथ्य:**
	  ○ **कोमोरोस द्वीप समूह ग्रांडे (कोमोर, मोहेली, अंजौन) के तीन द्वीप** पूर्वी अफ्रीका के तट से दूर **हिंद महासागर में स्थित हैं।**
	  ○ **चौथे द्वीप मेयोट पर कोमोरोस दावा** करता है, लेकिन यह **फ्रांस** द्वारा प्रशासित है।
	  ○ इन द्वीपों का उदय ज्वालामुखीय गतिविधि के परिणामस्वरूप **हिंद महासागर के नितल से हुआ है।**	

5. **इथियोपिया (राजधानी: अदीस अबाबा)**

- **संदर्भ**:
  - इथियोपिया अगले पांच वर्षों में **विदेशी निवेशकों को पांच बैंकिंग लाइसेंस** जारी करेगा।
  - इथियोपिया की सरकार ने अपने दूसरे सबसे बड़े राज्यक्षेत्र **अमहारा** में आपातकाल की घोषणा की है।
- **स्थलीय सीमाएं:** यह उत्तर में **इरिट्रिया,** पूर्वोत्तर में **जिबूती,** पूर्व में **सोमालिया,** दक्षिण में **केन्या** तथा पश्चिम में **साउथ सूडान और सूडान** से घिरा हुआ है।
- **अन्य तथ्य:**
  - यह **"हॉर्न ऑफ अफ्रीका"** में स्थित एक **भू आबद्ध** देश है।
  - यह हॉर्न ऑफ अफ्रीका में **सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला** देश है।

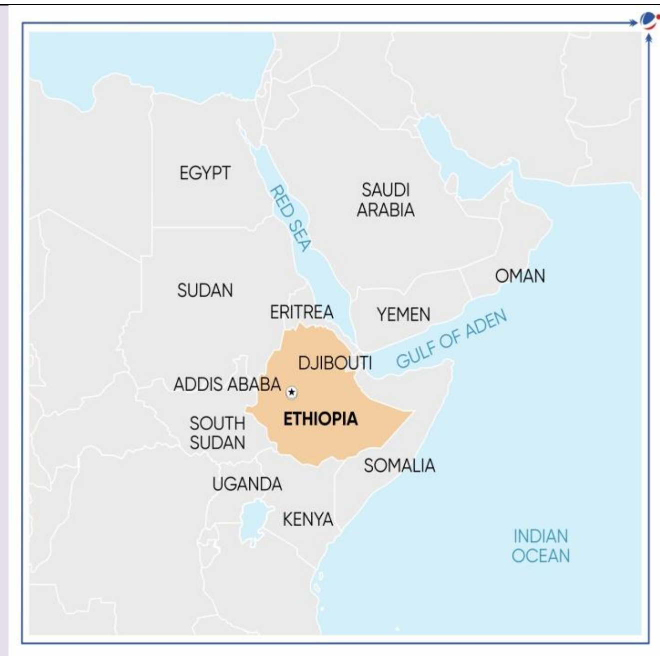

6. **नाइजीरिया (राजधानी: अबुजा)**

- **संदर्भ**:
  - भारत के रक्षा मंत्री नाइजीरिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।
  - नाइजीरिया ने **खाद्य सुरक्षा को लेकर आपातकाल की स्थिति घोषित** कर दी है।
- **स्थलीय सीमाएं:** इस देश की उत्तरी सीमा **नाइजर** से, पूर्वी सीमा **चाड और कैमरून** से तथा पश्चिमी सीमा **बेनिन** से लगती है।
- **जलीय निकाय: गिनी की खाड़ी**
- **अन्य तथ्य**: अक्सर इस देश को **"जायंट ऑफ अफ्रीका"** कहा जाता है।

7. **गिनी-बिसाऊ (राजधानी: बिसाऊ)**

- **संदर्भ**: गिनी-बिसाऊ अपनी **काजू** की लगभग पूरी फसल (लगभग 98 प्रतिशत) को प्रसंस्करण के लिए भारत को निर्यात कर रहा है।
- **स्थलीय सीमाएं:**
  - यह उत्तर में **सेनेगल**, पूर्व और दक्षिण में **गिनी** से घिरा हुआ है।
  - इसमें **बिजागो (बिसागोस) द्वीप समूह** और तट के नजदीक स्थित अन्य द्वीप शामिल हैं।
- जलीय निकाय: **अटलांटिक महासागर**

© Vision IAS

8. माली (राजधानी: बमाको)

- **संदर्भ**: संयुक्त राष्ट्र मिशन ने **माली में संवैधानिक जनमत संग्रह** का समर्थन किया है।
- **स्थलीय सीमाएं:** यह उत्तर में **अल्जीरिया,** पूर्व में **नाइजर और बुर्किना फासो,** दक्षिण में **आइवरी कोस्ट और गिनी** तथा पश्चिम में **सेनेगल और मॉरिटानिया** से घिरा हुआ है।
- **जलीय निकाय:** नाइजर नदी।

9. मोजाम्बिक (राजधानी: मपुटो)

- **संदर्भ:**
  - हाल ही में, आईएनएस सुनयना ने मोजाम्बिक के बीरा में प्रवेश किया है।
  - मोजाम्बिक में **काबो डेलगाडो गैसफील्ड** स्थित है। इसमें **भारतीय ऊर्जा कंपनियों (ONGC विदेश लिमिटेड, BPCL व ऑयल इंडिया लिमिटेड) की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें उत्पादन फिर से शुरू होने की उम्मीद है।**
- **स्थलीय सीमाएं:** मलावी, दक्षिण अफ्रीका, स्वाज़ीलैंड, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बाब्वे।
- **जलीय निकाय:** ज़ाम्बेज़ी नदी, लिम्पोपो नदी, रुवुमा नदी और मलावी झील (न्यासा)।

10. सूडान (राजधानी: खार्तूम)

- **संदर्भ:** खार्तूम के सभी हिस्सों में भीषण संघर्ष शुरू हो गया है।
- **स्थलीय सीमाएं**
  - इसकी सीमाएं **मिस्र, लीबिया, चाड, मध्य अफ़्रीकी गणराज्य, दक्षिण सूडान, इथियोपिया और इरिट्रिया** से लगती है।
- **जलीय निकाय:** लाल सागर

<table>
<tr>
<td>11.</td>
<td>
नाइजर (राजधानी: नियामे)

संदर्भ: नाइजर में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया है।
स्थलीय सीमाएं: यह उत्तर-पश्चिम में अल्जीरिया, उत्तर-पूर्व में लीबिया, पूर्व में चाड, दक्षिण में नाइजीरिया और बेनिन तथा पश्चिम में बुर्किना फासो व माली से घिरा हुआ है।
जलीय निकाय: नाइजर नदी (नील और कांगो नदियों के बाद अफ्रीका की तीसरी सबसे लंबी नदी)।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>
मलावी (राजधानी: लिलोंग्वे)

संदर्भ: मलावी का संसदीय प्रतिनिधिमंडल भारत के दौरे पर है।
स्थलीय सीमाएं: यह देश उत्तर में तंजानिया, पूर्व में मलावी झील, पूर्व और दक्षिण में मोजाम्बिक तथा पश्चिम में जाम्बिया से घिरा हुआ है।
जलीय निकाय: यहां की सबसे बड़ी झील मलावी झील (तंजानिया में इसे न्यासा झील कहते है) है तथा चिल्वा एक अन्य प्रमुख झील है।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>
लीबिया (राजधानी: त्रिपोली)

त्रिपोली में दो प्रमुख सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण वहां पर स्थित एकमात्र असैन्य हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है।
स्थलीय सीमाएं: यह पूर्व में मिस्र, दक्षिण-पूर्व में सूडान, दक्षिण में नाइजर और चाड तथा पश्चिम में ट्यूनीशिया एवं अल्जीरिया से घिरा हुआ है।
जलीय निकाय: भूमध्य सागर
अन्य तथ्य: गर्म व शुष्क है, जो घिबली के कारण और अधिक कठोर हो जाती है। घिबली एक गर्म शुष्क पवन है, जो पूरे देश में दक्षिण दिशा से बहती है।

</td>
<td>

</td>
</tr>
<tr>
<td>14.</td>
<td>
गैबॉन (राजधानी- लिब्रेविले)

संदर्भ: गैबॉन के सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति के विवादित चुनाव जीतने के बाद तख्तापलट की घोषणा की।
स्थलीय सीमाएं: इक्वेटोरियल गिनी, कैमरून और रिपब्लिक ऑफ कांगो
जल निकाय: अटलांटिक महासागर (पश्चिम)
अन्य तथ्य: यह भूमध्य रेखा पर स्थित एक देश है।

</td>
<td>

</td>
</tr>
</table>

© Vision IAS

15.	**बुर्किना फासो (राजधानी: औगाडौगू)** • **संदर्भ**: बुर्किना फासो ने फ्रांसीसी दूतावास के डिफेंस अटैच को देश से जाने का आदेश दिया है। • **स्थलीय सीमाएं:** यह उत्तर और पश्चिम में **माली,** उत्तर-पूर्व में **नाइजर,** दक्षिण-पूर्व में **बेनिन, कोटे डी आइवर व घाना तथा दक्षिण में टोगो** के साथ **सीमा साझा** करता है।	
16.	**जाम्बिया (राजधानी: लुसाका)** • **संदर्भ**: भारतीय रक्षा सचिव ने जाम्बिया के रक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव के साथ बैठक की है। • **स्थलीय सीमाएं: अंगोला, नामीबिया, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, मलावी, तंजानिया** तथा **डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC)**।	
17.	**बेनिन (राजधानी: पोर्टो-नोवो)** • **संदर्भ**: भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि **भारत, बेनिन का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश और महत्वपूर्ण निवेशक** है। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं **बुर्किना फासो** (उत्तर-पश्चिम), **नाइजीरिया** (पूर्व), **टोगो** (पश्चिम), **नाइजर** (उत्तर) से लगती हैं। • **जलीय निकाय: अटलांटिक महासागर, नाइजर नदी।**	
18.	**युगांडा (राजधानी: कंपाला)** • **संदर्भ:** भारतीय विदेश मंत्री ने युगांडा की यात्रा की है। • **स्थलीय सीमाएं:** ○ यह उत्तर में **दक्षिण सूडान**, पूर्व में **केन्या,** दक्षिण में **तंजानिया और रवांडा** तथा पश्चिम में **डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो से घिरा** हुआ है। • **जलीय निकाय:** विक्टोरिया झील	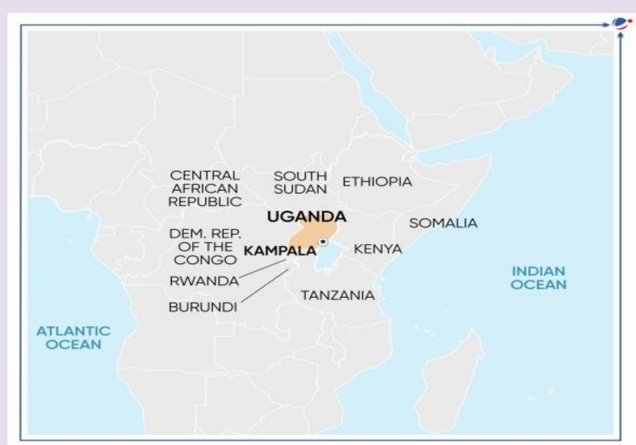

19.	जिम्बाब्वे (राजधानी: हरारे) • **संदर्भ: वर्तमान राष्ट्रपति** हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में **फिर से निर्वाचित** हुए हैं। • **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमाएं **बोत्सवाना, जाम्बिया, मोजाम्बिक और दक्षिण अफ्रीका** से लगती हैं। • **जलीय निकाय:** जाम्बेजी, लिम्पोपो नदी। • **अन्य तथ्य: जाम्बिया और जिम्बाब्वे** के बीच सीमा पर स्थित **करिबा झील, जल की मात्रा के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित** झील है।	

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

न्यूज़ टुडे

"न्यूज टुडे" डेली करेंट अफेयर्स की एक संक्षिप्त प्रस्तुति है। इस डॉक्यूमेंट की मदद से न्यूज-पेपर को पढ़ना काफी आसान हो जाता है और इससे अभ्यर्थी दैनिक घटनाक्रमों के बारे में अपडेट भी रहते हैं। इससे अभ्यर्थियों को कई अन्य तरह के लाभ भी मिलते हैं, जैसे:

- किसी भी न्यूज़ से जुड़े घटनाक्रमों के बारे मे बेहतर समझ विकसित करने के लिए
- न्यूज पढ़ने का एक ऐसा नजरिया विकसित करने के लिए, जिससे अभ्यर्थी आसानी से समझ सकें हैं कि न्यूज पेपर्स में से कौन-सी न्यूज पढ़नी है
- टेक्निकल टर्म्स और न्यूज़ से जुड़े जटिल कॉन्सेप्ट्स के बारे में सरल समझ विकसित करने के लिए

न्यूज़ टुडे डॉक्यूमेंट की मुख्य विशेषताएं

- स्रोत: इसमें द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, PIB, न्यूज़ ऑन ए.आई.आर., इकोनॉमिक टाइम्स, हिंदुस्तान टाइम्स, द मिंट जैसे कई स्रोतों से न्यूज को कवर किया जाता है।
- भाग: इसके तहत 4 पेज में दिन-भर की प्रमुख सुर्ख़ियों, अन्य सुर्ख़ियों और सुर्ख़ियों में रहे स्थल एवं व्यक्तित्व को कवर किया जाता है।
- प्रमुख सुर्ख़ियां: इसके तहत लगभग 200 शब्दों में पूरे दिन की प्रमुख सुर्ख़ियों को प्रस्तुत किया जाता है। इसमें हालिया घटनाक्रम को विस्तार से कवर किया जाता है।
- अन्य सुर्ख़ियां और सुर्ख़ियों में रहे स्थल/ व्यक्तित्व: इस भाग के तहत सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व, महत्वपूर्ण टर्म, संरक्षित क्षेत्र और प्रजातियों आदि को लगभग 90 शब्दों में प्रस्तुत किया जाता है।

न्यूज़ टुडे वीडियो की मुख्य विशेषताएं

- प्रमुख सुर्ख़ियां: इसमें दिन की छह सबसे महत्वपूर्ण सुर्ख़ियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया जाता है। इससे आप एग्जाम के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण न्यूज को खोजने में आपना कीमती समय बर्बाद किए बिना मुख्य घटनाक्रमों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।
- सुर्ख़ियों में रहे स्थल/ व्यक्तित्व: इसमें सुर्ख़ियों में रहे एक महत्वपूर्ण स्थल या मशहूर व्यक्तित्व के बारे में बताया जाता है।
- स्मरणीय तथ्य: इस भाग में चर्चित विषयों को संक्षेप में कवर किया जाता है, जिससे आपको दुनिया भर के मौजूदा घटनाक्रमों की जानकारी मिलती रहती है।
- प्रश्नोत्तरी: प्रत्येक न्यूज टुडे वीडियो बुलेटिन के अंत में MCQs भी दिए जाते हैं। इसके जरिए हम न्यूज पर आपकी पकड़ का परीक्षण करते हैं। यह इंटरैक्टिव चरण आपकी लर्निंग को ज्ञानवर्धक के साथ-साथ मज़ेदार भी बनाता है। इससे आप घटनाक्रमों से जुड़े तथ्यों आदि को बेहतर तरीके से याद रख सकते हैं।
- रिसोर्सेज: वीडियो के नीचे डिस्क्रिप्शन में "न्यूज़ टुडे" के PDF का लिंक दिया जाता है। न्यूज़ टुडे का PDF डॉक्यूमेंट, न्यूज टुडे वीडियो के आपके अनुभव को और बेहतर बनाता है। साथ ही, MCQs आधारित प्रश्नोत्तरी आपकी लर्निंग को और मजबूत बनाती है।

रोजाना 9 PM पर न्यूज टुडे वीडियो बुलेटिन देखिए

न्यूज टुडे डॉक्यूमेंट को डाउनलोड करने के लिए QR कोड को स्कैन कीजिए

न्यूज़ टुडे क्विज़ के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

अहमदाबाद | बेंगलूरू | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची

3. द्विपक्षीय संबंध (Bilateral Relations)

3.1. भारत-पाकिस्तान संबंध (India-Pakistan Relations)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत ने पाकिस्तान के साथ एक विवाद में **'स्थायी मध्यस्थता न्यायालय' (PCA)[40]' के फैसले को खारिज** कर दिया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (PCA) ने **किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं के मामले में भारत की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा है कि PCA को इस मामले में सुनवाई करने का अधिकार है।**
    - **किशनगंगा जलविद्युत परियोजना:** यह एक **रन-ऑफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजना** है। इस परियोजना के तहत किशनगंगा नदी के जल प्रवाह को **झेलम नदी** बेसिन में एक विद्युत संयंत्र की ओर मोड़ दिया जाएगा।
    - **रतले जलविद्युत परियोजना (चिनाब नदी):** यह भारत द्वारा निर्माणाधीन **850 मेगावाट** की क्षमता वाला एक जलविद्युत संयंत्र है।
    - भारत ने उपर्युक्त विवाद में PCA के हस्तक्षेप का विरोध किया है। भारत ने कहा है कि इस मामले में PCA का हस्तक्षेप **सिंधु जल संधि (IWT)[41] के प्रावधानों का उल्लंघन है।**

देश के बारे में:

पाकिस्तान (राजधानी: इस्लामाबाद) स्थलीय सीमा:

- भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा की लंबाई लगभग 2,300 किलोमीटर है। यह सीमा भारत के चार क्षेत्रों (जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात) के साथ लगती है। इसमें पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) के कारण कश्मीर के साथ लगती सीमा शामिल नहीं है।

स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (PCA) के बारे में

- **मुख्यालय:** हेग (नीदरलैंड)
- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना 1899 में आयोजित **प्रथम अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन** द्वारा की गई थी।
- **भूमिका:** यह एक अंतर-सरकारी संगठन है। यह देशों को विविध प्रकार की विवाद समाधान सेवाएं प्रदान करता है।
    - यदि विवाद के पक्षकार विवाद के समाधान के लिए **मध्यस्थता का विकल्प चुनते हैं, तब मध्यस्थता अधिकरण का निर्णय उन पर बाध्यकारी** होता है।
- **भारत** इसका सदस्य है।

सिंधु जल संधि (IWT) के बारे में

- भारत और पाकिस्तान ने **1960 में IWT पर हस्ताक्षर** किए थे। **विश्व बैंक** ने इस पर मध्यस्थता की थी।
    - IWT के तहत **भारत** को सिंधु नदी प्रणाली की **तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलज) के जल के उपयोग पर पूर्ण नियंत्रण** प्रदान किया गया है।
    - वहीं **पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब)** के जल के उपयोग का अधिकार दिया गया है।

---

40 Permanent Court of Arbitration

41 Indus Waters Treaty

- भविष्य में विवाद की स्थिति में **IWT के तहत तीन चरणीय विवाद समाधान तंत्र की व्यवस्था की गई है:**
  - **चरण 1 (स्थायी सिंधु आयोग का गठन):** विवाद समाधान के लिए इसकी प्रति वर्ष कम-से-कम एक बैठक अनिवार्य है।
  - **चरण 2 (तटस्थ विशेषज्ञ की नियुक्ति):** इनकी नियुक्ति जल-बंटवारे पर अनसुलझे मतभेदों से निपटने के लिए की जा सकती है।
  - **चरण 3 (मध्यस्थता अदालत)**: यह विवादों को निपटाने के लिए गठित सात सदस्यीय मध्यस्थता अधिकरण है।

भारत-पाकिस्तान संबंध: महत्वपूर्ण तथ्य

- **सीमा**: भारत-पाकिस्तान सीमा 1947 में विभाजन के परिणामस्वरूप रेडक्लिफ आयोग द्वारा निर्धारित की गई थी।
- **व्यापार:** भारत दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार में अधिशेष की स्थिति में है।
- **कनेक्टिविटी:**
  - दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा के आर-पार यात्रा की शुरुआत 2005 में हुई थी। जम्मू-कश्मीर से व्यापार की शुरुआत 2009 में हुई थी।
  - करतारपुर कॉरिडोर भारतीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ भारत के विदेशी नागरिकों (OCI) कार्डधारकों को भी गुरुद्वारा करतारपुर साहिब (पाकिस्तान) की वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा प्रदान करता है।
- भारत और पाकिस्तान **सार्क (SAARC), G-33, विश्व व्यापार संगठन और संयुक्त राष्ट्र संघ** जैसे बहुपक्षीय संगठनों के सदस्य हैं।

संबंधित घटनाक्रम

तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (TAPI) पाइपलाइन

- **पाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान** ने तापी गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम में तेजी लाने के लिए **एक संयुक्त कार्यान्वयन योजना (JIP)[42] पर हस्ताक्षर** किए हैं।
- तापी परियोजना का उद्देश्य **तुर्कमेनिस्तान (गालकिनिश गैस क्षेत्र) से अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत (फाजिल्का)** तक पाइपलाइन के माध्यम से वार्षिक रूप से प्राकृतिक गैस का निर्यात करना है।
- इस परियोजना का वित्त-पोषण **एशियाई विकास बैंक (ADB)** कर रहा है।

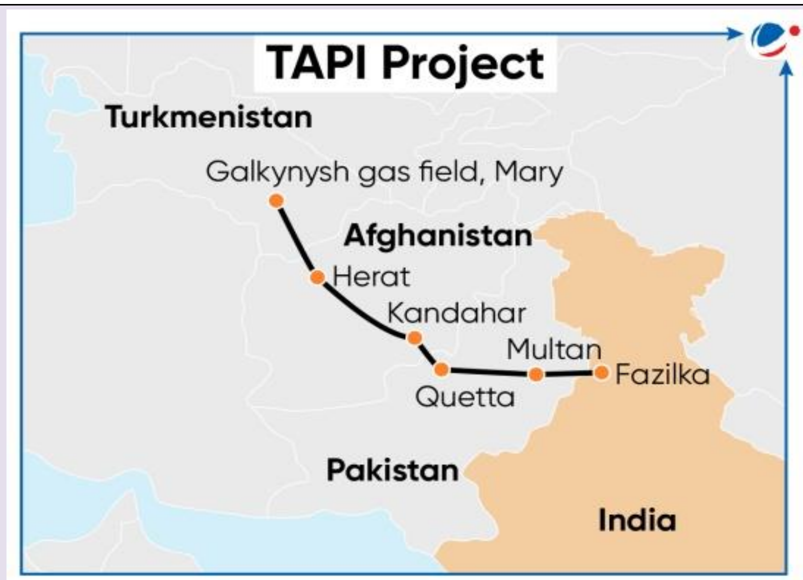

3.2. भारत-नेपाल (India-Nepal)

सुर्ख़ियो में क्यों?

हाल ही में, नेपाल के प्रधान मंत्री ने भारत की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान भारत और नेपाल ने कई पहलों और समझौतों का अनावरण किया।

प्रमुख पहलें और समझौतों पर एक नज़र

- दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण भावना के तहत **जटिल सीमा विवाद (लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख के मामले में) को सुलझाने का संकल्प** लिया।
- भारत ने **पहले त्रिपक्षीय विद्युत व्यापार** समझौते पर सहमति व्यक्त की है। इस समझौते के अंतर्गत 40 मेगावाट विद्युत का भारत के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश तक पारेषण किया जाएगा।
- **जलविद्युत सहयोग: लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना, महाकाली नदी पर पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना आदि।**

[42] Joint Implementation Plan

भारत और नेपाल संबंध: प्रमुख तथ्य

- **राजनयिक संबंध: वर्ष 1950 में भारत-नेपाल शांति व मैत्री संधि** की गई थी। यह संधि भारत और नेपाल के बीच विशेष संबंधों का आधार है।
- **व्यापार:**
    - भारत **नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार** है और यह नेपाल के साथ **व्यापार अधिशेष** की स्थिति में है।
    - यह नेपाल के **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का सबसे बड़ा स्रोत** भी है।
- **रक्षा**:
    - भारतीय थल सेना की **गोरखा रेजिमेंट में नेपाली सैनिकों** को भर्ती किया जाता है।
    - संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे कि- सूर्य किरण और आपदा सहायता आयोजित किए जाते हैं।
- **ऊर्जा**:
    - भारत और नेपाल के बीच **1971 में विद्युत विनिमय समझौता** हुआ था।
    - दक्षिण एशिया की पहली **सीमा-पार पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन** का उद्घाटन 2019 में किया गया था। यह पाइपलाइन **भारत के मोतिहारी को नेपाल के अमलेखगंज से जोड़ती** है।
- **जलविद्युत सहयोग:**
    - हाल ही में, भारत और नेपाल ने **पश्चिम सेती एवं सेती नदी (SR6) परियोजनाओं (1,200 मेगावाट) को विकसित** करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
    - साथ ही, दोनों देशों ने **कोसी नदी पर सप्तकोसी उच्च बांध (हाई डैम) परियोजना** को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की है।
- **संस्कृति:** भारतीय संस्कृति का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए **काठमांडू में स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति केंद्र** की स्थापना की गई थी।
- **बहुपक्षीय सहयोग:**
    - जैसे कि- BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल), बिम्सटेक/ BIMSTEC (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल), गुटनिरपेक्ष आंदोलन, सार्क आदि।
    - नेपाल ने भारत के नेतृत्व वाले **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** में शामिल होने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

देश के बारे में:
नेपाल (राजधानी: काठमांडू)

- **स्थलीय सीमाएं:**
    - यह **भारत और चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के बीच स्थित एक स्थलरुद्ध** देश है।
    - नेपाल भारत के **पांच राज्यों (बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम) के साथ 1,800 कि.मी.** से अधिक लंबी व खुली सीमा साझा करता है।
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
    - इस देश के **75 प्रतिशत भू-भाग पर पर्वत** मौजूद हैं।
    - यहां **एवरेस्ट, धौलागिरी, अन्नपूर्णा** जैसी दुनिया की कई सबसे ऊंची चोटियां स्थित हैं।
    - हाल ही में, नेपाल **समलैंगिक विवाह को औपचारिक रूप से पंजीकृत करने वाला पहला दक्षिण एशियाई राष्ट्र** बन गया है।

3.3. भारत-बांग्लादेश (India-Bangladesh)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और बांग्लादेश के बीच **पांचवीं वार्षिक रक्षा वार्ता** ढाका (बांग्लादेश) में आयोजित हुई।

अन्य हालिया घटनाक्रम

- **चटग्राम और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग पर किए गए समझौते (ACMP)**[43] को लागू किया जाएगा।
- **भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (IBFP),** भारत और बांग्लादेश के बीच पहली सीमा-पार ऊर्जा पाइपलाइन है। यह पाइपलाइन भारत के **सिलीगुड़ी** को बांग्लादेश के **पारबतीपुर** से जोड़ेगी।
  - हालांकि, यह दक्षिण एशिया की दूसरी पाइपलाइन है।

भारत-बांग्लादेश संबंध: मुख्य तथ्य

- **व्यापारिक संबंध:**
  - बांग्लादेश **दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार** है।
  - दोनों देशों के बीच **भारतीय रुपये में द्विपक्षीय व्यापार** होता है। इसमें **व्यापार अधिशेष** भारत के पक्ष में है।
- **जल बंटवारा:**
  - दोनों देशों ने **सीमा-पारीय नदियों पर तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान** के लिए समझौते किए हुए हैं।
  - **छह नदियों (मनु, माहुरी, खोवाई, गोमती, धरला और दूधकुमार)** के जल के बंटवारे पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा तय की गई है।
- **ऊर्जा: झारखंड के गोड्डा में निर्मित भारत के पहले ट्रांस-नेशनल प्रोजेक्ट** से बांग्लादेश विद्युत ग्रिड को बिजली की आपूर्ति की जाती है।
- **रक्षा सहयोग:** बांग्लादेश भारत से **विशेष वाहन, हल्के लड़ाकू विमान तेजस और अन्य रक्षा उपकरण** खरीदने की योजना बना रहा है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश **सार्क, बिम्सटेक, BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल) और अन्य मंचों** पर आपस में सहयोग करते हैं।

संबंधित सुर्ख़ियां

हिंद महासागर सम्मेलन (Indian Ocean Conference: IOC)

- **इंडिया फाउंडेशन** और **बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय** ने संयुक्त रूप से छठे IOC का आयोजन किया है।
  - 2023 के इस सम्मेलन का थीम था: **'एक लचीले भविष्य के लिए शांति, समृद्धि और साझेदारी" (Peace Prosperity and Partnership for a Resilient Future)"**
- IOC एक ऐसा मंच है, जहां **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** के देश यह विचार-विमर्श करते हैं कि कैसे आपसी सहयोग और शांति बनाए रखते हुए आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
  - **IOC के प्रथम सम्मेलन का आयोजन 2016 में सिंगापुर** में किया गया था।
- IOC **क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर/ SAGAR)** हेतु क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है।
  - सागर पहल को 2016 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य देशों के बीच **सहयोग को बढ़ावा देना और शांति एवं स्थिरता का माहौल बनाना है।**

देश के बारे में:
बांग्लादेश (राजधानी: ढाका)

- **स्थलीय सीमाएं:** बांग्लादेश, भारत के भारतीय राज्यों (पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम) के साथ 4,096 कि.मी. लंबी सीमा और म्यांमार (दक्षिण-पूर्व) के साथ सीमा साझा करता है।
- **जलीय सीमाएं:** बंगाल की खाड़ी
- **अन्य तथ्य:** बांग्लादेश में सुंदरबन मैंग्रोव वन स्थित हैं। ये दुनिया के सबसे बड़े मैंग्रोव वनों में से एक है, जो 1,40,000 हेक्टेयर में फैला हुआ है।

[43] Agreement on Use of Chattogram and Mongla Ports

3.4. भारत-श्रीलंका (India-Sri Lanka)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और श्रीलंका ने 2023 में **अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई।**

दोनों देशों द्वारा हाल ही में किए गए सहयोग

- इसके अलावा, दोनों के मध्य कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जैसे-
  - **श्रीलंका में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI)-आधारित डिजिटल भुगतान सेवा की शुरुआत करना,** और
  - **त्रिंकोमाली में नवीकरणीय ऊर्जा एवं आर्थिक विकास परियोजनाओं** हेतु भारतीय रुपये को **व्यापार के लिए मुद्रा** के रूप में नामित करना।
- दोनों देशों ने **नागपट्टिनम (तमिलनाडु) और कांकेसंतुरै (श्रीलंका)** के बीच यात्री नौका सेवाएं शुरू की है।

भारत-श्रीलंका संबंधों' के बारे में

- **व्यापार:**
  - **भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (ISFTA)[44] पर 1998 में हस्ताक्षर** किए गए थे।
  - भारत, श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। भारत का श्रीलंका के साथ व्यापार अधिशेष है।
- **FDI:** भारत, श्रीलंका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) करने वाले सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।
- **कनेक्टिविटी:** दोनों देशों के बीच हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए **ओपन स्काई, एयर बबल व्यवस्था** जैसे समझौते किए गए हैं।
- **राजनीतिक मामले:** गृह युद्ध को समाप्त करने के क्रम में **1987 में भारत-श्रीलंका समझौते** पर हस्ताक्षर किए गए थे। श्रीलंका के संविधान में **13वां संशोधन** इसी समझौते का परिणाम है।
  - संशोधन के तहत **प्रांतीय परिषदों के गठन का प्रावधान** किया गया था तथा **स्थानीय-स्वशासन के साथ सत्ता की साझेदारी** का आश्वासन दिया गया था।
- **बहुपक्षीय सहयोग: दोनों देश सार्क, बिम्सटेक, IORA, NAM, ADB, UN आदि जैसे मंचों पर सहयोग करते हैं।**

देश के बारे में

श्रीलंका (विधायी राजधानी: **श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे** तथा **कार्यकारी और न्यायिक राजधानी: कोलंबो)।**

- **जलीय सीमाएं:** यह **हिंद महासागर** में स्थित द्वीपीय देश है और **पाक जलसंधि इसे प्रायद्वीपीय भारत से अलग** करती है।
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
  - अशोक ने श्रीलंका के **राजा देवानांपिय तिस्स** के अनुरोध पर अपने पुत्र व पुत्री **महेंद्र और संघमित्रा** को भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए श्रीलंका भेजा था।
  - दुनिया का **दो-तिहाई तेल और विश्व का लगभग आधा कंटेनर परिवहन** श्रीलंका के दक्षिण से होकर गुजरता है।

3.5. भारत-मालदीव (India Maldives)

सुर्ख़ियों में क्यों?

मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भारत से यह अपील की है कि वह इस द्वीपीय देश में मौजूद भारतीय सैनिकों को हटा ले। यह अपील उनके चुनाव पूर्व आयोजित **"इंडिया आउट" कैंपेन** में किए गए वायदे के अनुसार है।

इंडिया आउट कैंपेन के बारे में

- प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (PPM) के नेतृत्व में चलाए गए **"इंडिया आउट" कैंपेन** चलाया गया था।

[44] India-Sri Lanka Free Trade Agreement

- इस कैंपेन के तहत मालदीव में **भारत की सैन्य उपस्थिति का कड़ा विरोध किया गया।** इसका कारण यह है कि PPM के नेताओं का मानना है कि मालदीव में भारत की सैन्य उपस्थिति उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा सकती है।

भारत और मालदीव संबंध: प्रमुख तथ्य

- **व्यापार:**
  - भारत **मालदीव का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार देश** भी है।
  - **मालदीव के साथ भारत व्यापार अधिशेष की स्थिति में है।**
- **सुरक्षा और रक्षा:**
  - **भारत, मालदीव की लगभग 70% रक्षा प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को पूरा करता है।**
  - भारत **उथुरु थिलाफाल्हू (UTF) प्रवाल** में एक नया तटरक्षक बेस बना रहा है। यह मालदीव की राजधानी **माले** के निकट स्थित है।
  - **संयुक्त सैन्य अभ्यास (एकुवेरिन)**
  - भारत ने मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के **तटरक्षक बल के लिए 'एकता हार्बर'** की आधारशिला रखी।
  - **संकट के समय सबसे पहले सहायता करने वाला:** भारत, मालदीव पर आए कई संकटों के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश रहा है। जैसे-
    - 1988: तख्तापलट को रोकने के लिए सैन्य हस्तक्षेप, जिसे **ऑपरेशन कैक्टस** नाम दिया गया था;
    - 2014: जल संकट के दौरान सहायता; जिसे **ऑपरेशन नीर नाम दिया गया था।**
- **विकासात्मक संबंध:**
  - भारत ने मालदीव में **इंदिरा गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल और** इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन की स्थापना की है।
  - भारत **उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (HICDPs)**[45] के लिए मालदीव को अनुदान प्रदान करता है।
  - मालदीव, **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (Indian Technical and Economic Cooperation: ITEC)** तथा e-ITEC प्रोग्राम का भागीदार रहा है।
  - भारत के अंतरिम बजट में पड़ोसी देशों के लिए आवंटन में से **मालदीव के लिए बजट आवंटन में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी** हुई है।
- **अवसंरचना संबंधी परियोजनाएं:** भारत द्वारा **ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना** का निर्माण किया जा रहा है।
- **पर्यटन:**
  - वर्ष 2023 में, मालदीव के पर्यटन बाजार में भारत सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।
  - दोनों देशों के बीच **ओपन स्काई समझौता** हो चुका है। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच वीजा व्यवस्था की सुविधा पर द्विपक्षीय समझौता भी हो चुका है। यह समझौता **पर्यटन, चिकित्सा और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश** प्रदान करता है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** मालदीव SAARC, SASEC, IORA, हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी, UN, WTO, ILO और G77 सहित विविध मंचों पर भारत के साथ सहयोग करता है।

देश के बारे में

मालदीव (राजधानी: माले)

- **जलीय सीमाएं:** हिंद महासागर।
- **अन्य संबंधित तथ्य:**
  - मालदीव द्वीप समूह एक जलमग्न प्राचीन ज्वालामुखी पर्वत श्रृंखला से निर्मित **प्रवाल द्वीपों की एक श्रृंखला** है।
  - **इसके सभी द्वीपों की समुद्र जल स्तर से ऊंचाई बहुत कम है** और कोई भी समुद्र जल स्तर से 6 फीट से अधिक ऊंचा नहीं है।
  - मालदीव **अदन की खाड़ी, होर्मुज जलसंधि और मलक्का जलसंधि** सहित प्रमुख हिंद महासागर चेक पॉइंट्स के बीच एक सामरिक लिंक के रूप में कार्य करता है।
  - **आठ डिग्री चैनल, मालदीव को लक्षद्वीप द्वीप समूह** से अलग करता है।

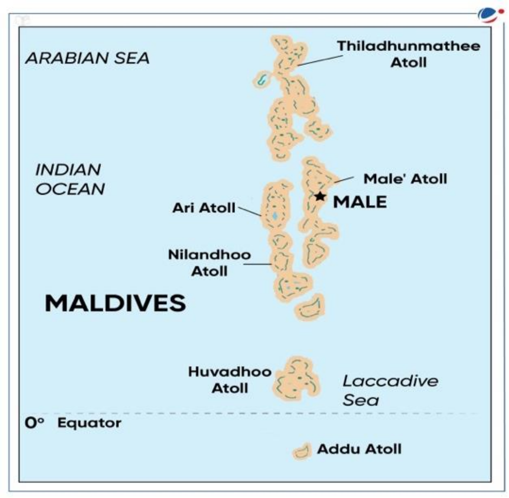

45 High Impact Community Development Projects

© Vision IAS

3.6. भारत-मलेशिया (India-Malaysia)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और मलेशिया अन्य मुद्राओं के साथ-साथ भारतीय रुपये में भी व्यापार सौदों का निपटान करने पर सहमत हुए हैं।

भारत-मलेशिया संबंध: प्रमुख तथ्य

- **राजनयिक संबंध:**
  - 1957 में सर्वप्रथम राजनयिक संबंध **फेडरेशन ऑफ मलाया (पूर्ववर्ती मलेशिया राज्य)** के साथ स्थापित किए गए थे।
  - 2015 में दोनों देशों के बीच एक **एन्हांस्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप** की शुरुआत हुई थी।
- **व्यापार:**
  - 2010 में, भारत और मलेशिया ने एक **व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (Comprehensive Economic Cooperation Agreement: CECA)** पर हस्ताक्षर किए थे।
  - **इंडोनेशिया और थाईलैंड** के अतिरिक्त मलेशिया, भारत को **पाम तेल निर्यात करने वाला प्रमुख देश** है।
- **रक्षा:** दोनों देशों के बीच **हरिमऊ शक्ति सैन्य अभ्यास** आयोजित किया जाता है।

मलेशिया के बारे में

मलेशिया (राजधानी: कुआलालंपुर)

- **सीमावर्ती देश: थाईलैंड** (उत्तर), **सिंगापुर** (दक्षिण), **इंडोनेशिया** (दक्षिण-पश्चिम) और **ब्रुनेई।**
  - **मलेशिया में दो गैर-सन्निहित क्षेत्र शामिल हैं:**
    - **प्रायद्वीपीय मलेशिया** (पश्चिम मलेशिया) पूर्व में **दक्षिण चीन सागर की सीमा से लगे मलय प्रायद्वीप** में स्थित है।
    - **पूर्वी मलेशिया** (मलेशिया तिमुर) **बोर्नियो द्वीप** पर स्थित है।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** दक्षिण चीन सागर(उत्तर) मलक्का जलडमरूमध्य (पश्चिम), सुलु सागर (उत्तर-पूर्व), और सेलेब्स सागर (दक्षिण-पूर्व) आदि।
- **अन्य संबंधित तथ्य:** मलेशिया ने भारतीय नागरिकों को **30 दिनों तक रहने के लिए वीजा फ्री एंट्री** की अनुमति दी है।

3.7. भारत-फिलीपींस (India-Philippines)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और फिलीपींस ने **द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग (JCBC) की 5वीं बैठक** का आयोजन किया है। इस दौरान दोनों देशों ने **अपनी रक्षा साझेदारी का विस्तार करने** का निर्णय लिया।

भारत-फिलीपींस संबंध: मुख्य तथ्य

- **राजनयिक संबंध: 1949 में स्थापित।**
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध:**
  - फिलीपींस की स्थानीय भाषा **तागालोग** में संस्कृत भाषा के कई शब्द मौजूद हैं।
  - **लगुना ताम्र अभिलेख,** फिलीपींस में खोजी गई सबसे पुरानी अभिलेखीय कृति है जो **पल्लव युगीन** लिपि से विकसित **कावी लिपि** में लिखी गई है।

- फिलीपींस में प्रचलित **महारादिया लावण (Maharadia Lawana)** भारतीय महाकाव्य **रामायण** का स्थानीय संस्करण है।

- **रक्षा:**
  - दोनों देशों नें **ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली** की आपूर्ति के लिए 2022 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
  - दोनों देशों की नौ सेनाएं **जल विज्ञान क्षेत्रक में सहयोग** करती हैं।

देश के बारे में

फिलीपींस (राजधानी: मनीला)

जलीय सीमाएं:

- फिलीपींस **दक्षिण चीन सागर और प्रशांत महासागर** के बीच दक्षिण-पूर्वी एशिया में स्थित एक द्वीप समूह (7,000 से अधिक द्वीप) है।
- **यह तीन द्वीप समूहों में विभाजित है:** लूज़ोन (देश का सबसे बड़ा द्वीप), विसायस और मिंडानाओ।
- यह **फिलीपीन सागर, सेलेब्स सागर, सुलु सागर और दक्षिण चीन सागर** से घिरा हुआ है।

3.8. भारत-सऊदी अरब (India-Saudi Arabia)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारतीय प्रधान मंत्री और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने **भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद (SPC)**[46] की पहली शिखर सम्मेलन स्तर की बैठक की सह-अध्यक्षता की है।

भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद (SPC)

- इसकी स्थापना 2019 में की गई थी।
- ब्रिटेन, फ्रांस और चीन के बाद **भारत ऐसा चौथा देश है,** जिसके साथ रियाद ने इस तरह की साझेदारी की है।
- **उद्देश्य:** भारत-सऊदी अरब संबंधों को मजबूत करने के लिए एक उच्च स्तरीय परिषद की स्थापना करना।
- **SPC के दो मुख्य स्तंभ हैं:**
  - राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सहयोग समिति; और
  - अर्थव्यवस्था एवं निवेश समिति।

भारत-सऊदी अरब संबंध: प्रमुख तथ्य

- **राजनयिक संबंध:** दोनों देशों के मध्य राजनयिक संबंध 1947 में शुरू हुए। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाते हुए 2010 में 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाया।
- **व्यापार:**
  - भारत, सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जबकि सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है।
  - **भारत** की सऊदी अरब के साथ **व्यापार घाटे (Trade deficit) की स्थिति है।**
- **ऊर्जा सुरक्षा:** वित्त वर्ष 2023 में सऊदी अरब भारत के लिए कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत था।

[46] Strategic Partnership Council

© Vision IAS

- **भारतीय प्रवासी:** सऊदी अरब में 2.4 मिलियन से अधिक प्रवासी भारतीय कार्यरत हैं।
- **सांस्कृतिक जुड़ाव:** सऊदी अरब में मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहर स्थित हैं, जो वार्षिक हज और उमरा जैसी तीर्थयात्राओं के लिए प्रसिद्ध है।
- **संयुक्त नौसैन्य अभ्यास:** अल-मोहद-अल हिंदी।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, G20, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) (प्रस्तावित), हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) जैसे विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग करते हैं।

देश के बारे में

सऊदी अरब (राजधानी: रियाद)

- **स्थलीय सीमाएं:**
  - जॉर्डन, इराक और कुवैत (उत्तर); कतर, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान (पूर्व) तथा यमन (दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम)।
- **जलीय सीमाएं:** लाल सागर, अकाबा की खाड़ी (पश्चिम) और फारस की खाड़ी (पूर्व)।
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
  - यह देश **अरब प्रायद्वीप के लगभग 80 प्रतिशत भू-भाग पर फैला** हुआ है।
  - **अरब प्रायद्वीप में दुनिया का सबसे बड़ा मरुस्थलीय क्षेत्र, रूब अल-ख़ालि ("एम्पटी क्वार्टर") मौजूद है।**
  - **यहां पर इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहर, मक्का और मदीना** स्थित हैं।
  - इसके पूर्व में फारस की खाड़ी के किनारे, देश के **प्रचुर तेल क्षेत्र** स्थित हैं।

3.9. भारत-संयुक्त अरब अमीरात (India-UAE)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत-संयुक्त अरब अमीरात **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA)** को एक साल पूरा हो गया है। साथ ही, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ **द्विपक्षीय निवेश संधि (Bilateral Investment Treaty)** को भी मंजूरी दे दी है।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात CEPA के बारे में

- भारत-संयुक्त अरब अमीरात CEPA **1 मई, 2022 को लागू हुआ था।**
- एक **पारंपरिक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) केवल वस्तुओं के व्यापार पर केंद्रित** होता है। वहीं **CEPA सेवा, निवेश, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), सरकारी खरीद, विवाद** जैसे कई क्षेत्रकों के समग्र कवरेज के कारण अधिक व्यापक और महत्वाकांक्षी है।
- इसके अतिरिक्त, आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए **भारत-यूएई CEPA परिषद** गठित की गई थी।
- भारत ने **जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी CEPA समझौते** किए हैं।

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) के बारे में

- संधि का उद्देश्य **भारत में विदेशी निवेश के अवसरों को बढ़ाने के लिए निवेशकों के विश्वास में वृद्धि** करना है।
  - UAE के साथ मौजूदा **द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौता** सितंबर 2024 में समाप्त हो जाएगा।
- BIT एक **देश के नागरिकों और कंपनियों द्वारा दूसरे देश में किए गए निवेश की सुरक्षा के लिए एक पारस्परिक समझौता** है।

- 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद और 2015 तक **भारत ने 83 देशों के साथ BIT पर हस्ताक्षर** किए थे। इन देशों के साथ BIT **1993 के मॉडल BIT के टेक्स्ट** के आधार पर की गई थी।

संबंधों में हालिया प्रगति

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने **स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली (LCSS) फ्रेमवर्क** की स्थापना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- दोनों देश **भारत के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) को UAE के इंस्टेंट पेमेंट प्लेटफॉर्म (IPP) के साथ जोड़ने** पर सहमत हुए हैं।
- **NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL)** और **अल इत्तेहाद पेमेंट्स (AEP)** ने **संयुक्त अरब अमीरात में DCS के कार्यान्वयन** के लिए एक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रुपे डोमेस्टिक कार्ड स्कीम (DCS) समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने **अबू धाबी में एक IIT-दिल्ली परिसर** स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह IIT-दिल्ली का **तंजानिया** के बाद विदेश में स्थित दूसरा IIT परिसर होगा।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात: मुख्य तथ्य

- **व्यापार:**
  - UAE 2022-23 में **भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश** बन गया। साथ ही, UAE **भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य देश** है।
  - भारत का **संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार घाटा है।**
- **रक्षा और सुरक्षा:** समुद्री सहयोग के लिए **डेजर्ट ईगल** जैसे नियमित सैन्य अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।
- **डायस्पोरा:** भारत में उच्च विप्रेषण भेजने वाले **भारतीय प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या** संयुक्त अरब अमीरात में है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** I2U2 समूह और UAE भी प्रस्तावित IMEC का एक हिस्सा है।
- **अंतरिक्ष सहयोग:** इसरो ने संयुक्त अरब अमीरात का पहला नैनो-उपग्रह **नाइफ-1** लॉन्च किया है।

संबंधित विकास: संयुक्त समुद्री बल (Combined Maritime Forces: CMF)

- **संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने CMF में भागीदारी से स्वयं को अलग** कर लिया है।
- CMF एक **बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी** है। **भारत भी इसका एक सदस्य** है। इसका **मुख्यालय बहरीन** में स्थित है। इसके प्रमुख उद्देश्य **मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध व्यापार व समुद्री डकैती को रोकना; समग्र समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना** आदि हैं।
  - CMF की **कमान अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल के पास** है।
  - **मुख्यालय:** बहरीन

देश के बारे में

संयुक्त अरब अमीरात (राजधानी: अबू धाबी)

- **स्थलीय सीमाएं:** सऊदी अरब (पश्चिम और दक्षिण) तथा ओमान (पूर्व एवं उत्तर पूर्व)।
- **जलीय सीमाएं:** फारस की खाड़ी (पश्चिम), होर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी (पूर्व)।
- **अन्य तथ्य:**
  - **संयुक्त अरब अमीरात सात अमीरातों का संघ है। ये 7 अमीरात हैं-** अबू धाबी (सबसे बड़ा), दुबई, शारजाह, अजमान, उम्म अल क्वैन, रास अल खैमाह और फुजैराह।
  - **दुनिया के कुछ सबसे बड़े रेत के टीले अरादा के पूर्व में लीवा के नखलिस्तान** में स्थित हैं।
  - अबू धाबी के पूर्व में **अल-ऐन** महत्वपूर्ण मरूद्यान (Oasis) है।

3.10. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका (India-US)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारतीय प्रधान मंत्री ने आधिकारिक रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका की **तीसरी राजकीय यात्रा** की। ध्यातव्य है कि इससे पूर्व दो राजकीय यात्राएं 1969 और 2009 के दौरान की गई थीं।

यात्रा के मुख्य परिणामों पर एक नज़र

- **व्यापार:** इस यात्रा के दौरान **दोनों देशों के बीच इंटर-एजेंसी के नेतृत्व में रणनीतिक व्यापार वार्ता शुरू** की गई।
- **सेमीकंडक्टर:** दोनों देशों ने **सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार साझेदारी से संबंधित समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर** किए।
- **दूरसंचार:** इस यात्रा के दौरान **भारत के 'भारत 6G (Bharat 6G)' और US नेक्स्ट G अलायंस के सह-नेतृत्व में एक सार्वजनिक-निजी संयुक्त टास्क फोर्स का गठन** किया गया। इसका लक्ष्य **ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (Open RAN) सिस्टम का विकास करना और उसे उपयोग** में लाना है।
- **क्वांटम प्रौद्योगिकी: इंडो-यू.एस. क्वांटम समन्वय तंत्र की स्थापना की गई।**
- **अनुसंधान और नवाचार:** दोनों देशों के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को जोड़ने के लिए **"इनोवेशन हैंडशेक"** नामक एक नई पहल की शुरूआत की गई। इसका उद्देश्य **संयुक्त राज्य अमेरिका व भारत के बीच महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी पहल (iCET)[47] का समर्थन** करना है।
  - **iCET को जनवरी 2023 में शुरू** किया गया था। इसका उद्देश्य दोनों देशों की कंपनियों और अकादमिक संस्थानों के बीच रक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग एवं सामरिक प्रौद्योगिकी साझेदारी को सशक्त व व्यापक बनाना है।
- **स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी:** इस संदर्भ में **"अमेरिका-भारत नई और उभरती नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एक्शन प्लेटफॉर्म"** को शुरू किया गया।
- **क्रिटिकल मिनरल आपूर्ति श्रृंखला:** भारत, अमेरिका के नेतृत्व वाली **खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP)[48]** का नया सदस्य बना है।
  - **MSP वैश्विक स्तर पर जिम्मेदारीपूर्वक क्रिटिकल मिनरल आपूर्ति श्रृंखलाओं में सार्वजनिक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 13 देशों एवं यूरोपीय संघ की एक साझेदारी है।**
  - MSP भागीदारों में **ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, जापान, नॉर्वे, कोरिया गणराज्य, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (यूरोपीय आयोग द्वारा प्रतिनिधित्व)** शामिल हैं।
- **वाणिज्य दूतावास (Consulates):** अमेरिका, भारत में **बेंगलुरु और अहमदाबाद** में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा। भारत भी **सिएटल** में अपने नए वाणिज्य दूतावास का संचालन करेगा तथा शीघ्र ही अमेरिका में दो और वाणिज्य दूतावास खोलेगा।

भारत-अमेरिका संबंध: मुख्य तथ्य

- **व्यापार:**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का **सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य** है।
  - **भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम की स्थापना 2005** में की गई थी।
  - दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 128.55 अरब डॉलर का है और भारत का व्यापार अधिशेष 19.59 अरब डॉलर है।
- **रक्षा:**
  - **रूस (लगभग 45%) और फ्रांस (लगभग 29%) के बाद अमेरिका (11%)** भारत का तीसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है।
  - दोनों देशों के बीच **युद्ध अभ्यास, वज्र प्रहार, मालाबार, रिमपैक** जैसे सैन्य अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।
  - **भारत के साथ हस्ताक्षरित प्रमुख रक्षा समझौते इस प्रकार हैं:**
    - लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA),2016;
    - कम्युनिकेशंस कम्पेटिबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (COMCASA), 2018;
    - इंडस्ट्री सिक्योरिटी एग्रीमेंट, 2019;
    - बेसिक एक्सचेंज एंड कॉपरेशन एग्रीमेंट (BECA) 2020.
- **डायस्पोरा: मैक्सिकन** लोगों के बाद भारतीय प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका में **दूसरा सबसे बड़ा आप्रवासी** समूह है।

---

[47] Initiative on Critical and Emerging Technology

[48] Minerals Security Partnership

संबंधित सुर्खियां

निवेश प्रोत्साहन समझौता {Investment Incentive Agreement (IIA)}

- **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका** ने एक निवेश प्रोत्साहन समझौते (IIA) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 1997 में भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित निवेश प्रोत्साहन समझौते का स्थान लेगा।
- यह समझौता अतिरिक्त निवेश सहायता कार्यक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करेगा। ये कार्यक्रम **संयुक्त राज्य अमेरिका की एक विकास वित्त एजेंसी DFC** ने प्रस्तावित किए हैं। इनमें **ऋण, इक्विटी निवेश, निवेश गारंटी, निवेश बीमा या पुनर्बीमा, संभावित परियोजनाओं एवं अनुदानों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन जैसे निवेश सहायता कार्यक्रम** शामिल हैं।
- यह समझौता, भारत में निवेश सहायता प्रदान करना जारी रखने की दृष्टि से **DFC** के लिए कानूनी रूप से आवश्यक है।
- DFC या उसकी पूर्ववर्ती एजेंसियां 1974 से भारत में सक्रिय हैं। ये अब तक 5.8 बिलियन डॉलर की निवेश सहायता प्रदान कर चुकी हैं।

फ्रेंड-शोरिंग (Friend-shoring)

- **भारत**, अमेरिका के **फ्रेंड-शोरिंग फार्मास्युटिकल आपूर्ति श्रृंखलाओं** के लिए नए गंतव्य के रूप में उभरा है।
- फ्रेंड-शोरिंग अमेरिका द्वारा प्रस्तुत अवधारणा है। इसका बाह्य अवरोधों या आर्थिक मंदी से **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की रक्षा के साधन के रूप में** उल्लेख किया जाता है।

- इस अवधारणा के पीछे मूल विचार **साझा मूल्यों वाले देशों का एक समूह बनाना** है। इसके बाद कंपनियों को इसी समूह के देशों में **विनिर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां** बनाना है।

देश के बारे में

संयुक्त राज्य अमेरिका (राजधानी: वाशिंगटन, डी.सी.)

- **स्थलीय सीमाएं:**
  - अमेरिका में **एक दूसरे से सीमा साझा करने वाले 48 राज्य, अलास्का और हवाई द्वीप** शामिल हैं।
  - ये राज्य **कनाडा (उत्तर)** और **मेक्सिको (दक्षिण)** से घिरे हुए हैं।
- **जलीय सीमाएं:**
  - अटलांटिक महासागर (पूर्व), प्रशांत महासागर (पश्चिम) और मेक्सिको की खाड़ी (दक्षिण)।
- **अन्य संबंधित तथ्य:**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका **क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश** है। सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले शीर्ष देश क्रमशः **रूस, कनाडा और चीन** हैं।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका में **5 ग्रेट लेक्स (बड़ी झीलें) (लेक सुपीरियर, लेक ह्यूरन, लेक मिशिगन, लेक एरी और लेक ओंटारियो)** हैं।

3.10.1. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका रक्षा संबंध (India US Defence Relations)

प्रमुख घटनाक्रम

यू.एस.-इंडिया डिफेंस एक्सीलेरेशन इकोसिस्टम (INDUS-X) की शुरुआत की गई	INDUS-X दोनों देशों के उद्योगों के बीच **संयुक्त रक्षा प्रौद्योगिकी नवाचार को सुगम** बनाएगा। साथ ही, यह **उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी के सह-उत्पादन** की सुविधा भी प्रदान करेगा।
GE-F414 जेट इंजन के सह-उत्पादन के लिए समझौता हुआ है।	• यह GE द्वारा निर्मित एक टर्बोफैन इंजन है। इसका उपयोग अमेरिकी नौसेना में 30 से अधिक वर्षों से किया जा रहा है। • आठ देशों में F414-संचालित जेट परिचालन में हैं। इनका उपयोग बोइंग सुपर हॉर्नेट और EA18G ग्रोलर जैसे उन्नत जेट में किया जाता है।
• भारत, अमेरिका से **हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (HALE)** मानव रहित हवाई वाहन (UAVs) खरीदने पर सहमत हुआ है। इन्हें **जनरल एटॉमिक (GA) MQ-9B ड्रोन के नाम से जाना जाता है।**	

रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए रोडमैप की मुख्य विशेषताएं

- भारत और अमेरिका **'आपूर्ति की सुरक्षा' (SoS) व्यवस्था तथा 'पारस्परिक रक्षा खरीद' (RDP) समझौते** के लिए चर्चा शुरू करने पर सहमत हुए हैं।
  - **SoS:** यह व्यवस्था किसी भी देश में कंपनियों से अनुबंधों, उप-अनुबंधों या ऑर्डर्स के लिए प्राथमिकता आधारित वितरण का अनुरोध करने की अनुमति देती है।
  - **RPD:** इसके तहत भागीदार एक-दूसरे देश से रक्षा उपकरणों के पूरक अधिग्रहण के लिए सहमत होते हैं।
- अमेरिका ने **क्वाड इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस इनिशिएटिव (IPMDA)** में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका का स्वागत किया है।
  - अमेरिका ने 2022 में IPMDA की घोषणा की थी। यह **स्वतंत्र और खुले प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों व सहयोगियों के साथ शुरू** की गई एक पहल है।
  - इसका लक्ष्य **रियल-टाइम में अधिक-से-अधिक समुद्री स्थितिजन्य जागरूकता प्रदान** करने के लिए क्षेत्रीय भागीदारों और सहयोगियों को अमेरिकी प्रौद्योगिकियों से जोड़ना है।

3.10.2. भारत अमेरिका अंतरिक्ष संबंध (India US Space Relations)

प्रमुख घटनाक्रम

- **नासा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो/ISRO) के भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को एडवांस प्रशिक्षण प्रदान करेगा।** इसका लक्ष्य 2024 में **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** के लिए एक संयुक्त प्रयास करना है।
- **भारत ने अमेरिका के नेतृत्व वाले 'आर्टेमिस अकॉर्ड्स' पर 27वें सदस्य के रूप में हस्ताक्षर किए।**
  - नासा द्वारा गेटवे के विकास में योगदान करने वाले कर्मियों को क्रू मेंबर की सीट प्रदान की जाएगी, ऐसे में भारत भी समझौतों और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इसमें अपना स्थान प्राप्त कर सकता है।
  - **गेटवे, आर्टेमिस अंतरिक्ष यात्रियों के लिए नासा के नेतृत्व वाला एक आगामी अंतर्राष्ट्रीय चंद्र कक्षीय स्टेशन है।**

आर्टेमिस समझौता

- **वर्ष 2020 में नासा** ने अमेरिका के विदेश मंत्रालय (डिपार्टमेंट ऑफ़ स्टेट) की मदद से **आर्टेमिस अकॉर्ड्स की शुरुआत** की थी।
- यह **शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष, चंद्रमा, मंगल ग्रह, धूमकेतु और क्षुद्रग्रह के असैन्य अन्वेषण एवं उपयोग को संचालित करने** के लिए सामान्य सिद्धांत निर्धारित करता है।
- **इस समझौते के हस्ताक्षरकर्ता देश निम्नलिखित हेतु प्रतिबद्ध हैं:**
    - **राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीतियों और उनकी गतिविधियों से उत्पन्न वैज्ञानिक जानकारियों को साझा करना।**
    - **बाह्य अंतरिक्ष संधि, 1967 के अनुरूप सरकार या एजेंसियों के बीच MOUs को कार्यान्वित करना।**
    - ऐतिहासिक लैंडिंग स्थलों और आकाशीय पिंडों पर गतिविधि के साक्ष्य सहित **बाह्य अंतरिक्ष धरोहर को संरक्षित करना।**
    - **कक्षीय मलबे को कम करना।** साथ ही, यह सुनिश्चित करना कि मिशन की समाप्ति पर अंतरिक्ष यान का निस्तारण सुरक्षित तरीके से एवं समय पर हो।

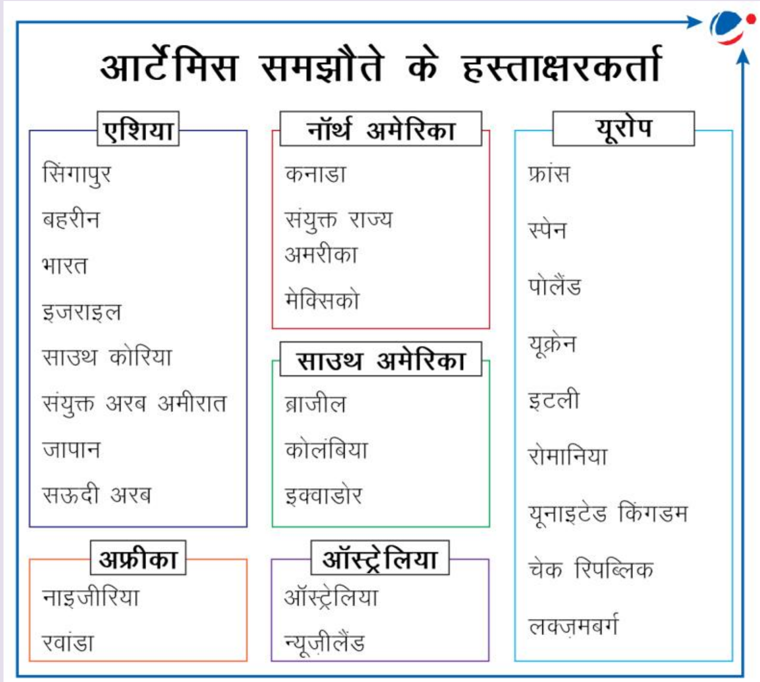

3.11. भारत-कनाडा (India-Canada)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, कनाडा ने दावा किया था कि उसकी धरती पर खालिस्तान समर्थक एक अलगाववादी नेता की हत्या में भारतीय एजेंट शामिल थे। कनाडा सरकार के इस दावे के कारण दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो गया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- कनाडा ने **फाइव आइज एलायंस** के बीच साझा की गई खुफिया जानकारी के आधार पर यह आरोप लगाया है।
- भारत ने **कनाडा के 41 राजनयिकों को भी देश छोड़कर जाने** को कहा था। **कनाडा ने वियना कन्वेंशन के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए** भारत के इस कदम की आलोचना की है।

भारत-कनाडा संबंध: मुख्य तथ्य

- **राजनयिक संबंध:** 1947 में स्थापित।
- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग:**
    - भारत और कनाडा ने 2010 में असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
    - दोनों देश **ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस** का हिस्सा हैं।
- **प्रवासी भारतीय:** विश्व में भारतीय प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कनाडा में निवास करता है। यह हिस्सा **कनाडा की कुल आबादी के 3 प्रतिशत से अधिक है।**

फाइव आइज इंटेलिजेंस एलायंस (FVEY) के बारे में

- यह एक **खुफिया गठबंधन** है। इसमें **संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा** और **न्यूजीलैंड** शामिल हैं।
- फाइव आइज की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद **1946** में **"ब्रिटिश-यू.एस. कम्युनिकेशन इंटेलिजेंस एग्रीमेंट (BR-USA)"** के तहत हुई थी। बाद में BR-USA को **यूनाइटेड किंगडम-यूनाइटेड स्टेट्स कम्युनिकेशन इंटेलिजेंस एक्ट (UK-USA)** के नाम से जाना गया। इस समझौते का उद्देश्य **सिग्नल इंटेलिजेंस (SIGINT) को साझा** करना है।

© Vision IAS

- **फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल (FIORC)** में सदस्य देशों की **गैर-राजनीतिक खुफिया निगरानी, समीक्षा** और **सुरक्षा संबंधी संस्थाएं** शामिल होती हैं।

राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के बारे में

- इस पर 1961 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह 1964 में लागू हुआ।
- वियना कन्वेंशन स्वतंत्र एवं संप्रभु देशों के बीच **राजनयिक संबंधों की स्थापना, उन्हें बनाए रखने और समाप्त करने के लिए एक फ्रेमवर्क** प्रदान करता है।
    - इसके तहत अलग-अलग कारणों के चलते राजनयिक मिशन को वापस बुलाने का भी प्रावधान है।
    - **अनुच्छेद 11.1:** मेजबान देश को राजनयिक मिशन के आकार की तर्कसंगत सीमा निर्धारित करने का अधिकार है।

देश के बारे में

कनाडा (राजधानी: ओटावा)

- **स्थलीय सीमाएं:** संयुक्त राज्य अमेरिका (दक्षिण), ग्रीनलैंड (उत्तर-पूर्व) और अमेरिकी राज्य अलास्का (पश्चिम)।
- **जलीय सीमाएं:** प्रशांत महासागर (पश्चिम), आर्कटिक महासागर (उत्तर) और अटलांटिक महासागर (पूर्व)।
- **अन्य संबंधित तथ्य:**
    - कनाडा क्षेत्रफल की दृष्टि से **रूस के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश** है।
    - कनाडा के भौगोलिक क्षेत्रों में सबसे बड़ा क्षेत्र **कनाडाई शील्ड** है।

3.12. भारत-ब्राजील (India-Brazil)

सुर्ख़ियों में क्यों?

वर्ष 2023 **ब्राजील और भारत के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ सहित IBSA/ इब्सा (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) मंच की 20वीं वर्षगांठ** का भी प्रतीक है।

भारत-ब्राजील संबंधों से जुड़े प्रमुख तथ्य

- **राजनयिक संबंध:** दोनों देशों ने **2006** में अपने राजनयिक संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ा दिया था।
- **व्यापार:**
    - **भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता/ India-MERCOSUR Preferential Trade Agreement** (ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे का क्षेत्रीय समूह)।
    - **भारत** का ब्राजील के साथ **व्यापार अधिशेष** है।
- **रक्षा क्षेत्र: IBSAMAR-** यह भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाओं का संयुक्त बहुराष्ट्रीय समुद्री सैन्य अभ्यास है।
- **पर्यावरण:** दोनों देश **ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस के संस्थापक सदस्य** हैं
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश **ब्रिक्स, IBSA, G-20, UN और WTO** जैसे मंचों पर सहयोग करते हैं।

IBSA मंच के बारे में

- **उत्पत्ति:** इस समूह को **2003** में औपचारिक रूप देकर इसका नाम **IBSA डायलॉग फोरम** कर दिया गया था। साथ ही, **ब्रासीलिया घोषणा-पत्र** (Brasilia Declaration) जारी किया गया था।

- **IBSA के बारे में:** यह एक त्रिपक्षीय मंच है। इसमें तीन अलग-अलग महाद्वीपों से **भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका** जैसे तीन बड़े लोकतांत्रिक देश शामिल हैं। यह मंच साझा चुनौतियों का सामना करने वाले तीन प्रमुख देशों को एक साथ लाता है।
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
  - IBSA का कोई **मुख्यालय या स्थायी कार्यकारी सचिवालय नहीं** है।
  - भागीदार देशों द्वारा **2004 में संयुक्त रूप से IBSA फंड स्थापित** किया गया था। इसका उद्देश्य गरीबी और भुखमरी को समाप्त करने के लिए रेप्लिकेबल एवं स्केलेबल परियोजनाओं की पहचान करना तथा उन्हें विकासशील देशों में लागू करना है।
    - यहां **रेप्लिकेबल** का अर्थ है, फिर से समान प्रभाव के साथ लागू करने योग्य परियोजना।
  - **भारत 2021 में "डेमोक्रेसी फॉर डेमोग्राफी एंड डेवलपमेंट" थीम के तहत IBSA का अध्यक्ष था।**
  - **ब्राज़ील को 2023 में इस मंच की अध्यक्षता मिली थी।**

देश के बारे में

ब्राज़ील (राजधानी: ब्रासीलिया)

- **स्थलीय सीमाएं:**
  - यह **चिली और इक्वाडोर को छोड़कर दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के सभी देशों के साथ सीमा साझा** करता है।
  - **उरुग्वे (दक्षिण); अर्जेंटीना, पैराग्वे और बोलीविया (दक्षिण-पश्चिम); पेरू (पश्चिम); कोलंबिया (उत्तर-पश्चिम); तथा वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम व फ्रेंच गुयाना (उत्तर)।**
- **जलीय सीमाएं:** अटलांटिक महासागर।
- **अन्य संबंधित तथ्य:**
  - यह **विश्व का पांचवा सबसे बड़ा देश** है।
  - ब्राज़ील में **अमेजन नदी बेसिन का अधिकांश भाग** आता है। यह **दुनिया का सबसे बड़ा नदी तंत्र** है।
  - ब्राज़ील एकमात्र ऐसा देश है, **जहां से भूमध्य रेखा और मकर रेखा दोनों** ही गुजरती है।

3.13. भारत-ऑस्ट्रेलिया (India-Australia)

सुर्ख़ियों में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अधिकृत आर्थिक परिचालकों (AEO) की पारस्परिक मान्यता व्यवस्था (MRA) को मंजूरी दी

पारस्परिक मान्यता व्यवस्था (MRA) के बारे में

- अधिकृत आर्थिक परिचालकों की MRA का उद्देश्य सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा **वस्तुओं की क्लियरेन्स में दोनों देशों के निर्यातकों को पारस्परिक लाभ** प्रदान करना है।

विश्व सीमा शुल्क संगठन के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसे 1952 में **सीमा शुल्क सहयोग परिषद (CCC)** के रूप में स्थापित किया गया था।
- **मुख्यालय:** ब्रुसेल्स, बेल्जियम
- **संगठन के बारे में:** यह एक स्वतंत्र अंतर सरकारी निकाय है।
- **सदस्यता:** 185 सदस्य। भारत भी सदस्य है।
- **उद्देश्य:** सीमा शुल्क प्रशासन की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाना।

- भारतीय सीमा शुल्क (Indian Customs) ने **दक्षिण कोरिया और हांगकांग** के सीमा शुल्क प्रशासन के साथ दो MRAs पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही, **संयुक्त राज्य अमेरिका और ताइवान** के साथ MRAs संपन्न होने के अंतिम चरण में हैं।
- **AEO के बारे में**
  - AEO कार्यक्रम **विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) के 'मानकों के सेफ (SAFE) फ्रेमवर्क'** के तत्वाधान में एक **स्वैच्छिक अनुपालन कार्यक्रम** है। SAFE का उद्देश्य वैश्विक व्यापार को सुरक्षित और सुगम बनाना है।
  - भारत का AEO कार्यक्रम **विश्व व्यापार संगठन (WTO) के व्यापार सुविधा समझौते (TFA) के अनुच्छेद 7.7 के तहत लागू प्रतिबद्धताओं के अनुरूप** भी है। यह अनुच्छेद आयात, निर्यात या पारगमन औपचारिकताओं से संबद्ध अतिरिक्त व्यापार सुगमता उपायों से संबंधित है।

 © Vision IAS

- **WCO का सेफ फ्रेमवर्क के बारे में**
    - इसे 2005 में **WCO परिषद** ने अपनाया था। इसका उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा को मजबूत करना तथा वैध वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक** बनाना है।
    - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में संलग्न किसी संस्था को सीमा शुल्क संगठन आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा मानकों के अनुरूप अनुमोदित करता है। साथ ही, उन्हें AEO का दर्जा और कुछ अन्य लाभ प्रदान किए जाते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध: मुख्य तथ्य

- **राजनयिक संबंध:** व्यापक रणनीतिक साझेदारी (Comprehensive Strategic Partnership: CSP) पर 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- **व्यापार:**
    - **भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (India-Australia Economic Cooperation and Trade Agreement: IndAus ECTA) पर 2023 में हस्ताक्षर किए गए थे।**
    - **भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार घाटा (Trade deficit) है।**
- **ऊर्जा सहयोग:** 2014 में **असैन्य परमाणु सहयोग** समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ऑस्ट्रेलिया **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** में शामिल हुआ है। **भारत-ऑस्ट्रेलिया ग्रीन हाइड्रोजन टास्क फोर्स** का गठन किया गया है।
- **रक्षा:** 2+2 रक्षा और विदेश मंत्रियों की वार्ता; सैन्य अभ्यास जैसे ऑसिन्डेक्स, मिलन, पिचब्लैक, ऑस्ट्राहिन्द (AUSTRAHIND), एक्स टैलिसमैन सेबर, काकाडू, मालाबार आदि।
- **शिक्षा:**
    - **डीकिन यूनिवर्सिटी,** गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में कैंपस खोलने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी होगी।
    - हाल ही में, दोनों देशों ने **माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट (MMPA)** पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य छात्रों, स्नातकों, शोधकर्ताओं और व्यापारियों के दो-तरफा आवाजाही को बढ़ावा देना है।
    - उपर्युक्त सभी की आवाजाही को **MATES** नामक कौशल आधारित नए विकल्प के माध्यम से सुगम बनाया जाएगा। MATES को **विशेष रूप से भारत के लिए तैयार** किया गया है।
        - MATES- मोबिलिटी अरेंजमेंट फॉर टैलेंटेड अर्ली प्रोफेशनल्स स्कीम।
- **प्रवासी भारतीय/ डायस्पोरा:** इंग्लैंड के बाद, भारतीय प्रवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह ऑस्ट्रेलिया में है।

देश के बारे में

ऑस्ट्रेलिया (राजधानी: कैनबरा)

- **जलीय सीमाएं: प्रशांत और हिंद महासागर।**
- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:** यह दक्षिणी गोलार्ध में स्थित **सबसे छोटा महाद्वीप** और सबसे बड़े देशों में से एक है।

3.14. भारत- दक्षिण कोरिया (India-South Korea)

सुर्ख़ियों में क्यों?

2023 में भारत और दक्षिण कोरिया (RoK)[49] ने अपने राजनयिक संबंधों की **50वीं वर्षगांठ** मनाई। **भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों के बारे में**

- **सभ्यता संबंधी जुड़ाव:**
  - **"सैमगुकयुसा": अयोध्या की राजकुमारी सुरीरत्ना ने कोरिया के राजा किम-सुरो से शादी की थी।**
  - 723 से 729 ईस्वी तक **बौद्ध भिक्षु ह्येचो** (होंग जियाओ) ने **भारत की यात्रा** की थी।
  - **रवींद्रनाथ टैगोर** ने 1929 में **"लैंप ऑफ द ईस्ट"** नामक एक कविता की रचना की थी। इसमें कोरिया के समृद्ध इतिहास और उसके उज्ज्वल भविष्य की व्याख्या की गई है।
- **राजनयिक संबंध:** दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध औपचारिक रूप से **1973** में स्थापित हुए थे।
  - इसे 2015 में **"विशेष सामरिक भागीदारी"** में अपग्रेड किया गया।
- **व्यापार:**
  - **भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा (Trade deficit) है।**
  - भारत-दक्षिण कोरिया वर्ष 2009 से **व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA)** के हस्ताक्षरकर्ता हैं।
  - CEPA के सुचारू कार्यान्वयन के लिए हाल ही में भारत-कोरिया इलेक्ट्रॉनिक ओरिजिन डेटा एक्सचेंज सिस्टम (EODES) लॉन्च किया गया था।
- **रक्षा:**
  - दोनों देशों के बीच की रक्षा भागीदारी अब **संयुक्त अनुसंधान एवं उत्पादन के क्षेत्र** तक विस्तारित हो गई है, जैसे- K9 वज्र आर्टिलरी गन का विकास।
  - इसके बाद 2019 में रक्षा नीति वार्ता को **2+2 वार्ता** (यानी, **विदेश** और **रक्षा** स्तर की मंत्रिस्तरीय बैठक) में अपग्रेड किया गया था।
- **सांस्कृतिक संबंध:** दक्षिण कोरिया में **भारत के सारंग महोत्सव** का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

देश के बारे में

दक्षिण कोरिया (राजधानी: सियोल)

- **स्थलीय सीमाएं:** उत्तर कोरिया।
- **जलीय सीमाएं:** जापान सागर (पूर्व), पूर्वी चीन सागर (दक्षिण), पीला सागर (पश्चिम); तथा कोरिया जलडमरूमध्य (दक्षिण-पूर्व) जो इसे **जापानी द्वीप त्सुशिमा** से अलग करता है।

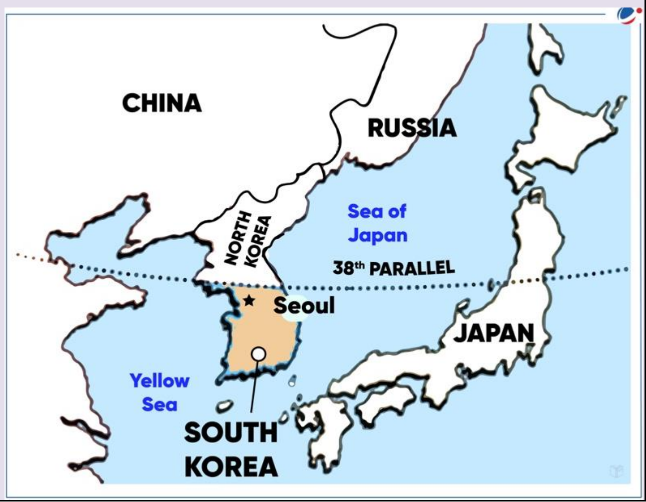

3.15. भारत-फ्रांस (India-France)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे** हुए हैं। इस उपलक्ष्य में एक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें भारत और फ्रांस ने **"होराइजन 2047 फ्रेमवर्क"** शुरू किया है।

---

[49] Republic of Korea

होराइजन 2047 फ्रेमवर्क के बारे में

- होराइजन फ्रेमवर्क में **रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, एकल-उपयोग प्लास्टिक को खत्म करना और पांच वर्ष का शेंगेन (Schengen) वीजा जैसे विषय** शामिल हैं।
- **हालिया पहलें**
    - **मार्सिले (Marseille) में भारत का महावाणिज्य दूतावास और हैदराबाद में ब्यूरो डी फ्रांस** खोलने की घोषणा की गई।
    - फ्रांस, **संधारणीय शहरों पर भारतीय कार्यक्रम के दूसरे चरण- CITIIS 2.0 का समर्थन** करेगा। इसे **जर्मनी** और **यूरोपीय संघ** संयुक्त रूप से वित्त-पोषित करेंगे।

भारत-फ्रांस संबंध: मुख्य बिंदु

- **कूटनीतिक संबंध: 1947 में स्थापित।**
- **रक्षा:**
    - फ्रांस, **भारत के लिए रक्षा उपकरणों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बनकर उभरा है। पी-75 स्कॉर्पीन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और राफेल विमान** इसके कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।
    - दोनों देशों के बीच विविध **संयुक्त रक्षा अभ्यासों जैसे- वरुण** (नौसेना), **गरुड़** (वायु सेना) और **शक्ति** (थल सेना) का आयोजन किया जाता है।
- **व्यापार: फ्रांस एवं यूरोप में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) आधारित सेवाओं की शुरुआत** करना है।
- **पर्यावरणीय सहयोग:** इस संबंध में, **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) की शुरुआत की गई है।**
- **प्रवासी भारतीय या डायस्पोरा:** भारत के प्रवासी नागरिक कार्ड अब रीयूनियन द्वीप (हिन्द महासागर में, मेडागास्कर के पूर्व में स्थित) में जारी किए जा रहे हैं।
- **असैन्य परमाणु सहयोग: 2008 में असैन्य परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर** किए गए थे।
- **अंतरिक्ष सहयोग: फ्रांस, भारत के गगनयान (मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम) के लिए प्रशिक्षण परियोजना में सहयोग कर रहा है।**
- **बहुपक्षीय सहयोग:**
    - फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)[50] में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के दावे का समर्थन करता है।
    - **फ्रांस ने निम्नलिखित संस्थाओं में भारत को शामिल करवाने में सहयोग किया है:**
        - **मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (Missile Technology Control Regime: MTCR),**
        - **वासेनार व्यवस्था (Wassenaar Arrangement: WA), और**
        - **ऑस्ट्रेलिया समूह (Australia Group: AG).**

देश के बारे में

फ्रांस (राजधानी: पेरिस)

- **स्थलीय सीमाएं:** जर्मनी और बेल्जियम (उत्तर); स्पेन (दक्षिण) तथा आल्प्स, स्विट्जरलैंड एवं इटली (पूर्व)।
- **जलीय सीमाएं:** अटलांटिक महासागर (पश्चिम); और भूमध्य सागर (दक्षिण)।
- **अन्य तथ्य:** फ्रांस में यूरोप की सबसे ऊंची चोटी **मोंट ब्लांक (Monte Blanc)** स्थित है।

50 United Nations Security Council

3.16. भारत-यूनाइटेड किंगडम {India-United Kingdom (UK)}

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, नई दिल्ली में **भारत-यूनाइटेड किंगडम 2+2 विदेश एवं रक्षा वार्ता** आयोजित की गई। **भारत और यूनाइटेड किंगडम ने भी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं पर चर्चा और समीक्षा करने के लिए 2+2 तंत्र अपनाया** है।

भारत-यूनाइटेड किंगडम संबंध: मुख्य तथ्य

- **राजनयिक संबंध: इंडिया-यूनाइटेड किंगडम रोडमैप 2030** स्वास्थ्य, जलवायु, व्यापार, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा रक्षा क्षेत्रक में दोनों देशों के संबंधों के लिए एक फ्रेमवर्क उपलब्ध कराता है।
- **व्यापार:**
  - इसमें व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है।
  - **इंडिया-इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस ब्रिज** की घोषणा की गई है। इसका उद्देश्य भारत की **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP)**[51] के समर्थन में विशेषज्ञता और निवेश का लाभ उठाना है।
- **रक्षा:**
  - भारत-यूनाइटेड किंगडम ने 2015 में **रक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी (DISP)**[52] पर हस्ताक्षर किए थे।
  - भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच कई संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे- **अजेय वारियर (थल सेना), कोंकण अभ्यास (नौसेना), कोबरा वारियर (बहुराष्ट्रीय वायुसेना अभ्यास)** आदि का आयोजन किया जाता है।
- **जलवायु और पर्यावरण:**
  - **इंडिया-यूनाइटेड किंगडम ग्रीन ग्रोथ इक्विटी फंड** के माध्यम से भारत में नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रकों में संस्थागत निवेश जुटाया जा रहा है।
  - इसके अलावा, दोनों देश **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)**[53] **और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (CDRI)**[54] में भी सहयोग करते हैं।
- **प्रवासी भारतीय:**
  - भारतीय प्रवासी यूनाइटेड किंगडम की **कुल आबादी का 3.1 प्रतिशत** है।
  - भारत व यूनाइटेड किंगडम ने दोनों देशों के बीच **कामकाजी पेशेवरों की आसान आवाजाही के लिए प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी (MMP)**[55] समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

देश के बारे में

यूनाइटेड किंगडम (राजधानी: लंदन)

- **स्थलीय सीमाएं: आयरलैंड।**
- **जलीय सीमाएं:** इंग्लिश चैनल (दक्षिण), उत्तरी सागर (पूर्व), आयरिश सागर (पश्चिम) और अटलांटिक महासागर।
- **अन्य तथ्य:**
  - **यूनाइटेड किंगडम में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड** शामिल हैं।
  - **ग्रीनविच मेरिडियन यूनाइटेड किंगडम से होकर गुजरती है।**

[51] National Infrastructure Pipeline

[52] Defence and International Security Partnership

[53] International Solar Alliance

[54] Coalition for Disaster Resilient Infrastructure

[55] Migration and Mobility Partnership

3.17. भारत-मिस्र (India-Egypt)

सुर्ख़ियों में क्यों?

2023 में भारत के प्रधानमंत्री ने मिस्र के लिए पहली राजकीय यात्रा संपन्न की।

यात्रा के मुख्य बिन्दुओं पर एक नज़र

- दोनों पक्षों ने **द्विपक्षीय संबंधों को "रणनीतिक साझेदारी" तक बढ़ाने** के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय **प्रधान मंत्री** को मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान **'ऑर्डर ऑफ द नाइल' से सम्मानित** किया गया।
- प्रधान मंत्री ने **काहिरा** में अवस्थित **'अल हकीम मस्जिद'** का दौरा किया। 11वीं सदी की यह मस्जिद **दाऊदी बोहरा समुदाय** के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थल है।

दाऊदी बोहरा समुदाय के बारे में

- **दाऊदी बोहरा इस्लाम के अनुयायियों का एक धार्मिक संप्रदाय है,** जिनकी उत्पत्ति मिस्र से हुई थी। ये **फातिमी इस्माइली तैयिबी विचारधारा** का अनुसरण करते हैं।
- माना जाता है कि ये मूल रूप से मिस्र के थे, जो बाद में यमन में चले गए।
- वे 11वीं शताब्दी में भारत में आए थे और इस **संप्रदाय के तख्त को 1539 में यमन से गुजरात स्थित सिद्धपुर स्थानांतरित** कर दिया गया था।
- यह समुदाय **गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश** में फैला हुआ है तथा **सूरत (गुजरात)** को अपना आधार मानता है।

भारत-मिस्र संबंध: मुख्य तथ्य

- **भू-राजनीतिक:** मिस्र विकासशील देशों वाले कई बहुपक्षीय मंचों, जैसे- **गुट निरपेक्ष आंदोलन (NAM), G-77** आदि का महत्वपूर्ण सदस्य है।
- **भू-सामरिक:** मिस्र की अवस्थिति सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है, जो इसे **यूरोप, अफ्रीका और एशिया के बीच व्यापारिक मार्गों का केंद्र बनाती** है।
- **रक्षा उद्योगों को बढ़ावा देना:** मिस्र **भारत से रक्षा उपकरण खरीदने** में रुचि रखता है। इनमें **हल्के लड़ाकू विमान तेजस, आकाश मिसाइल** आदि शामिल हैं।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** मिस्र **कच्चे तेल और गैस का निर्यातक** देश है।

देश के बारे में

मिस्र (राजधानी: काहिरा)

- **स्थलीय सीमाएं:** लीबिया, गाजा पट्टी, सूडान और एशियाई सिनाई प्रायद्वीप।
- **जलीय सीमाएं:** लाल सागर और भूमध्य सागर

3.18. अन्य महत्वपूर्ण द्विपक्षीय घटनाक्रम (Other Important Bilateral Developments)

3.18.1. भारत-डेनमार्क हरित रणनीतिक साझेदारी (Green Strategic Partnership: GSP)

- भारत-डेनमार्क ने 2020 में हस्ताक्षर किए गए **GSP की प्रगति की समीक्षा** की है।
- GSP **राजनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने, आर्थिक संबंधों और हरित संवृद्धि का विस्तार करने, रोजगार सृजित करने तथा वैश्विक चुनौतियों से निपटने एवं अवसरों का लाभ उठाने के लिए सहयोग को मजबूत** करने पर केंद्रित है।
- GSP का मुख्य फोकस **पेरिस समझौते के कार्यान्वयन और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति** पर है।

3.18.2. रणनीतिक जल भागीदारी (Strategic Water Partnership: SWP)

- वर्ष 2022 में भारत के जल शक्ति मंत्रालय और नीदरलैंड की मिनिस्ट्री ऑफ़ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड वाटर मैनेजमेंट ने **रणनीतिक जल भागीदारी (SWP)** समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- **SWP के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:**
  - भारत में **संधारणीय जल कार्यक्रमों में डच विशेषज्ञता का लाभ उठाना,**
  - नवोन्मेष और संधारणीय प्रौद्योगिकी समाधानों/ प्रकृति आधारित समाधानों के संयुक्त विकास को बढ़ावा देना, तथा
  - ज्ञान का आदान-प्रदान करना।

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

समसामयिकी त्रैमासिक रिवीजन

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों की **पृष्ठभूमि, आयु, वर्किंग शेड्यूल और पारिवारिक जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं।**

इसे ध्यान में रखते हुए हमने **समसामयिकी: त्रैमासिक रिवीजन** डॉक्यूमेंट को तैयार किया है। इससे उन अभ्यर्थियों को तैयारी में काफी सहायता मिलेगी, जिनका शेड्यूल अधिक व्यस्त होता है, जिन्हें मासिक समसामयिकी मैगजीन को पढ़ने व रिवीजन करने के लिए कम समय मिलता है और सिलेबस के बारे में बुनियादी एवं थोड़ी बहुत समझ होती है।

त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट को काफी सावधानीपूर्वक और बारीकी से तैयार किया गया है। इससे आपको **सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक लर्निंग एवं रिवीजन के लिए मजबूत आधार मिलेगा।**

इस डॉक्यूमेंट में हमने विगत तीन माह की मासिक समसामयिकी मैगजीन से सभी महत्वपूर्ण आर्टिकल्स को कवर किया है। इससे महत्वपूर्ण टॉपिक्स का रिवीजन करने के लिए आपको एक समग्र और सटीक रिसोर्स मिलेगा।

डॉक्यूमेंट को पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन कीजिए

त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट की कुछ मुख्य विशेषताओं पर एक नज़र

कम समय में रिवीजन करने के लिए: इसे पिछले तीन महीने के करेंट अफेयर्स को कवर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि कम समय में भी रिवीजन किया जा सके।

और अधिक जानकारी के लिए अवश्य पढ़ें: इससे आपको करेंट अफेयर्स को स्टैटिक मटेरियल से जोड़कर समझने तथा टॉपिक के बारे में अपनी समझ को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इसमें NCERTs सहित बेसिक रीडिंग मटेरियल से संबंधित अध्याय के बारे में बताया गया है।

प्रश्नोत्तरी: हर भाग के अंत में 5 MCQs और मुख्य परीक्षा के लिए प्रैक्टिस हेतु 2 प्रश्न दिए गए हैं। ये प्रश्न आपको अपनी समझ का आकलन करने और प्रमुख अवधारणाओं/तथ्यों को प्रभावी ढंग से याद रखने में मदद करेंगे।

संक्षिप्त पृष्ठभूमि: प्रत्येक आर्टिकल से संबंधित एक संक्षिप्त पृष्ठभूमि दी गई है, जिससे आपको संबंधित आर्टिकल को समझने और उसका विश्लेषण करने के लिए एक मजबूत आधार मिलेगा।

विश्लेषण और महत्वपूर्ण तथ्य: इससे आपको महत्वपूर्ण नज़रिए और अलग-अलग पहलुओं से जुड़ी जानकारी तथा तथ्यों के बारे में पता चलेगा।

स्पष्ट एवं संक्षिप्त जानकारी: इसमें इन्फॉर्मेशन को सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे क्विक और इफेक्टिव रिवीजन में मदद मिलेगी।

हमें पूरी उम्मीद है कि यह त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट समसामयिकी घटनाक्रमों के लिए काफी फायदेमंद होगा। PT 365 और Mains 365 डाक्यूमेंट्स के साथ-साथ इसे पढ़कर UPSC CSE की तैयारी की राह में आपका आत्मविश्वास काफी बढ़ जाएगा।

स्मार्ट तरीके से तैयारी कीजिए। "त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट" कुशल, टार्गेटेड और प्रभावी रिवीजन के लिए सबसे बेहतर साथी है। इसकी मदद से अपनी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की राह में आगे बढ़िए।

4. अन्य महत्वपूर्ण सुर्ख़ियाँ

4.1. नेबरहुड फर्स्ट नीति (Neighbourhood First Policy)

सुर्ख़ियों में क्यों?

एक हालिया विश्लेषण से पता चला है कि **महामारी के बाद भारत का अपने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ व्यापार कम** हो गया है। यह भारत के कुल व्यापार का **3 प्रतिशत से भी कम** हो गया है। यह **विगत दस वर्षों में सबसे कम** है।

इस विश्लेषण के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- 2021-22 में इस क्षेत्र में **भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बांग्लादेश** था। इसके बाद **नेपाल और श्रीलंका** का स्थान आता है।
- तुलनात्मक रूप से इन देशों के साथ **चीन का कुल व्यापार भारत की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक** रहा था, जबकि भारत बहुत कम प्रशुल्क आरोपित करता है।
- **सीमित व्यापार के कारण**
    - इस क्षेत्र के साथ भारत का व्यापार **पैरा-टैरिफ (सीमा शुल्क और फीस), बोझिल नियम, खराब बुनियादी ढांचे, उच्च लॉजिस्टिक लागत, अनौपचारिक व्यापार, अन्य गैर-टैरिफ बाधाओं** आदि के कारण बाधित होता है।
    - यह **कोविड-19 महामारी तथा श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया आर्थिक संकट** के कारण भी प्रभावित हुआ है।

भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के बारे में

- इस नीति में पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करने पर जोर दिया गया है। इसका आधार पड़ोसी देशों के साथ **परस्पर परामर्श, गैर-पारस्परिक (निःस्वार्थ), परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण** को अपनाना है।
- इसमें बेहतर संबंध स्थापित करने के लिए **सम्मान (respect),, संवाद (dialogue), शांति (peace), समृद्धि (prosperity) और संस्कृति (culture) के सिद्धांतों** का इस्तेमाल किया जाता है।

4.2. बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (Belt and Road Initiative: BRI)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- 2023 में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की **दसवीं वर्षगांठ** मनाई गई। इसके अलावा, हाल ही में, इटली चीन के BRI प्रोजेक्ट से बाहर हो गया है।
    - इटली BRI में शामिल होने वाला एकमात्र G7 राष्ट्र था।

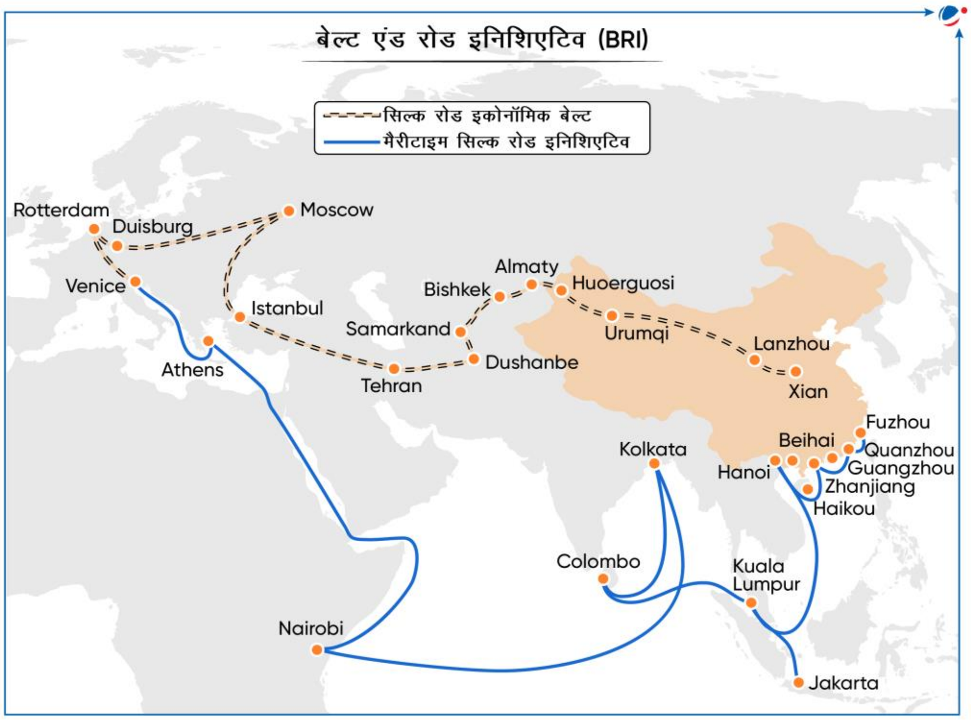

BRI के बारे में

- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, **चीन के नेतृत्व में एक विशाल अवसंरचना प्रोजेक्ट** है। इसे **2013 में शुरू** किया गया था।
    - इस प्रोजेक्ट के तहत **भूमि और समुद्री रूट नेटवर्क के माध्यम से एशिया को अफ्रीका तथा आगे यूरोप से जोड़ने** की योजना बनाई गई है। इसके **निम्नलिखित उद्देश्य हैं:**
        - क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ाना,
        - व्यापार में बढ़ोतरी करना, और
        - आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहित करना।

- ○ **2015 में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (China-Pakistan Economic Corridor: CPEC) को BRI** के एक हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था।
    - ▪ यह **अवसंरचना परियोजनाओं** से संबंधित एक **3,000 किलोमीटर लंबा मार्ग** है। यह गलियारा **चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र और पाकिस्तान के पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर बंदरगाह** को जोड़ता है।
    - ▪ **भारत ने इस गलियारे के निर्माण पर आपत्ति प्रकट की** है, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र **गिलगित-बाल्टिस्तान** से होकर गुजरता है।

- **BRI की प्रतिक्रिया में शुरू की गई प्रमुख पहलें**
    - ○ G7 देशों ने **'पार्टनरशिप फॉर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट' (PGII)** पहल लॉन्च की है।
        - ▪ PGII, **"बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (B3W)"** पहल का संशोधित संस्करण है।
    - ○ **ग्लोबल गेटवे इनिशिएटिव:** यह दुनिया भर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने के लिए **यूरोपीय संघ (EU) द्वारा 300 बिलियन यूरो का इंफ्रास्ट्रक्चर फंड** जुटाने की एक विश्वव्यापी रणनीति है।
    - ○ **भारत द्वारा शुरू की गई पहलें**
        - ▪ हाल ही में, भारत की अध्यक्षता में संपन्न G-20 शिखर सम्मेलन में **"भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) पहल"** शुरू की गई है।
        - ▪ भारत को **मध्य पूर्व और रूस से जोड़ने के लिए "अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)"** परियोजना पर कार्य चल रहा है।

4.3. अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (International North-South Transport Corridor: INSTC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारत और ईरान INSTC के लिए दीर्घकालिक सहयोगी ढांचे में मिलकर कार्य करेंगे।

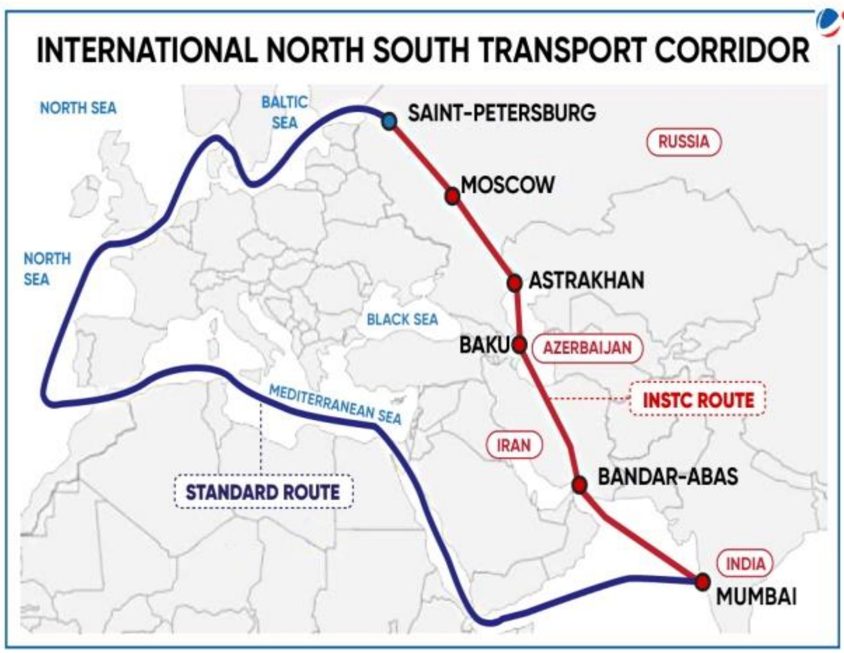

INSTC के बारे में

- INSTC लगभग 7,200 कि.मी. का एक **मल्टी-मॉडल परिवहन नेटवर्क** है। इसका विचार **पहली बार वर्ष 2000 में रूस, भारत और ईरान** ने प्रस्तुत किया था। इसका उद्देश्य सदस्य देशों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देना है।
- INSTC सर्वप्रथम **हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर** से जोड़ता है। इसके आगे ये **रूस के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग और उत्तरी यूरोप** से जुड़े हुए हैं।
- **वर्तमान में इसके 13 सदस्य हैं:** भारत, ईरान, रूस, अजरबैजान, आर्मेनिया, कजाकिस्तान, बेलारूस, तुर्की, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, ओमान, यूक्रेन और सीरिया।

भारत के लिए INSTC का महत्व:

- यह भारत और रूस के बीच **वस्तुओं के परिवहन की लागत को लगभग 30% तक कम** करेगा।
- यह भारत और रूस के बीच **परिवहन में लगने वाले समय** को (स्वेज नहर के माध्यम से लगने वाले समय की तुलना में) लगभग आधा कर देगा।
- यह भारत और रूस के बीच **ढुलाई की लागत को 30% तक कम** करेगा
- **ट्रांजिट टाइम (पारगमन अवधि) को 40 दिनों की तुलना कम करके में 25 दिनों से भी कम** करेगा।
- यह गलियारा भारत को **मध्य एशिया और उसके आगे सुगम पहुंच** प्राप्त करने में मदद करेगा।

© Vision IAS

- वर्तमान व्यापारिक साझेदारों, (विशेष रूप से **मौजूदा ऊर्जा कनेक्टिविटी) पर निर्भरता कम** करेगा। यह **आपूर्ति श्रृंखलाओं के फिर से व्यवस्थित होने से** संभव होगा।
- इसे चीन की **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के विरुद्ध 'भारतीय प्रतिक्रिया'** के रूप में भी देखा जा रहा है।
- यह भारत के लिए ऊर्जा संपन्न मध्य एशिया, आर्कटिक, नॉर्डिक और बाल्टिक क्षेत्र तक पहुंच हेतु एक गलियारे का काम करेगा।

संबंधित सुर्ख़ियां : उत्तरी समुद्री मार्ग (Northern Sea Route: NSR)

- रूस उत्तरी समुद्री मार्ग (NSR) विकसित करने के लिए भारत के साथ वार्ता कर रहा है
- NSR **आर्कटिक महासागर के पूर्वी और पश्चिमी भागों को जोड़ता** है। इसे **'पूर्वोत्तर जलमार्ग (Northeast Passage: NEP)'** भी कहा जाता है। साथ ही, यह **रूस के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)** के भीतर स्थित है।
- यह **5,600 किलोमीटर** लंबा समुद्री मार्ग है। यह **बैरेंट्स सागर के बीच की सीमा से शुरू** होता है तथा **बेरिंग जलडमरूमध्य (प्रोविडेनिया की खाड़ी) में समाप्त** होता है।
- इसमें आर्कटिक महासागर के चार सागर आते हैं- **कारा, लापतेव, पूर्वी साइबेरियाई सागर और चुकची सागर।**
- यह **यूरोप और** एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच **सबसे छोटा पोत परिवहन मार्ग** है। NSR की **लंबाई स्वेज नहर से होकर जाने वाले पारंपरिक जलमार्ग की लंबाई से लगभग एक-तिहाई कम है।**
- **उत्तरी समुद्री मार्ग में भारत की भागीदारी**
  - भारत और रूस के बीच **चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा (CVMC) परियोजना** NSR से होकर एक प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर पारगमन रूट है। इस समुद्री मार्ग को **ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर (EMC)** के नाम से जाना जाता है।
  - CVMC का रूट **जापान सागर, दक्षिण चीन सागर और मलक्का जलसंधि से होकर** गुजरता है।

4.4. इजरायल-हमास युद्ध (Israel-Hamas War)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हमास मिलिटेंट ग्रुप ने **"ऑपरेशन तूफान अल-अक्सा (अल-अक्सा फ्लड)"** के तहत इज़रायल पर अचानक एक बड़ा हमला कर दिया था। इज़रायल ने इस हमले के प्रतिशोध में **ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स** के तहत फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी थी।

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष से जुड़ी हुई घटनाएं

- **ब्रिटेन द्वारा जारी किया गया बाल्फोर घोषणा-पत्र (1917)**- इसका उद्देश्य **फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए एक राष्ट्रीय गृह** स्थापित करना था।
- **1947**: संयुक्त राष्ट्र में **फिलिस्तीन को एक अलग यहूदी और अरब स्टेट में विभाजित करने का संकल्प पारित** किया गया था।
  - इस संकल्प को **अरब देशों ने खारिज** कर दिया था। हालांकि, **1948 में इजरायल राष्ट्र की घोषणा** कर दी गई। इसके परिणामस्वरूप **पहला अरब-इजरायल युद्ध** हुआ।
- **1956: दूसरा अरब-इज़रायल युद्ध (स्वेज युद्ध) :** स्वेज युद्ध में एक तरफ **इज़रायल, ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाएं** थीं, तो दूसरी तरफ **मिस्र व उसके सहयोगी देशों** की सेनाएं थीं।
  - इस युद्ध के कारण **मध्य-पूर्व में ब्रिटिश और फ्रांसीसी प्रभाव को धक्का पहुँचा।** साथ ही, **संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभर** कर सामने आया।
- **1967: तीसरा अरब-इज़रायल युद्ध (छह दिवसीय युद्ध):** युद्ध के दौरान **इज़रायल ने मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप और गाजा पट्टी, जॉर्डन के वेस्ट बैंक एवं पूर्वी यरुशलेम तथा सीरिया के गोलन हाइट्स** पर अधिकार कर लिया था।
- **1973:** योम किप्पुर युद्ध (चौथा अरब-इज़रायल युद्ध)।

- **1987:** हमास या इस्लामिक रेजिस्टेंट मूवमेंट की स्थापना **1987** में हुई थी। यह **गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलेम पर इज़रायल के कब्जे का विरोध करने के लिए शुरू हुए पहले इंतिफादा (फ़िलिस्तीनी विद्रोह)** के परिणामस्वरूप शुरू हुआ था।
    - **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, इज़रायल** आदि ने हमास को एक **आतंकवादी संगठन** घोषित कर रखा है।
- **1994: ओस्लो समझौते** के तहत फ़िलिस्तीनी अथॉरिटी (PA) की स्थापना की गई थी। इसे **गाजा और वेस्ट बैंक (पूर्वी यरुशलेम को छोड़कर) के कुछ हिस्सों पर सीमित स्वशासन के लिए एक अंतरिम निकाय** के रूप में गठित किया गया था। इसे तब तक कार्य करना था, जब तक कि **इज़रायल-फ़िलिस्तीन संघर्ष का आपसी सहमति से पूर्ण समाधान** नहीं हो जाता।
    - **ओस्लो समझौता** फ़िलिस्तीन मुक्ति संगठन (Palestine Liberation Organisation: PLO) और इज़रायल सरकार के बीच हुआ था। इस समझौते का लक्ष्य **टू-स्टेट समाधान** को अमल में लाकर दशकों के संघर्ष को समाप्त करना था।

इज़रायल और अरब राष्ट्रों के बीच ऐतिहासिक शांति समझौता

- **कैम्प डेविड समझौता (1978):** यह समझौता **अमेरिका** की मध्यस्थता में **मिस्र और इज़रायल** के बीच हुआ था। इस समझौते ने **दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक शांति संधि को संपन्न** किया।
- **जॉर्डन-इज़रायल शांति संधि (1994):** इस संधि के बाद जॉर्डन (मिस्र के बाद) इज़रायल के साथ शांति स्थापित करने वाला **दूसरा अरब देश** बन गया।
- **अरब शांति पहल (2002):** इस पहल को **सऊदी अरब** ने प्रस्तावित किया था। इसमें **इज़रायल के साथ संबंधों को सामान्य** करने की पेशकश की गई थी। इसके लिए इज़रायल को फ़िलिस्तीनी स्टेटहुड समझौते पर हस्ताक्षर करने थे और 1967 में उसके द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों से पूरी तरह से हटना था।
- **अब्राहम समझौता (2020):**
    - अब्राहम समझौते पर 2020 में **इज़रायल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन** ने हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने मध्यस्थता की थी।
    - बाद में **सूडान, बहरीन और मोरक्को** भी इस समझौते में शामिल हो गए हैं। हालांकि, **सूडान का अभी इज़रायल के साथ समझौता किया जाना बाकी है।**
    - यह समझौता **1994 में जॉर्डन के बाद इजरायल एवं किसी अरब देश के बीच संबंधों के पहली बार सामान्य** होने का प्रतीक है।
    - इस समझौते को **'अब्राहम समझौता'** इसलिए कहा जाता है, क्योंकि विश्व के तीन प्रमुख एकेश्वरवादी धर्मों (इस्लाम, ईसाई धर्म और यहूदी धर्म) का मूल संबंध पैगंबर अब्राहम से है।
    - 1979 में **मिस्र इज़रायल के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला अरब राष्ट्र** था। 1994 में जॉर्डन ने भी इज़रायल के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
    - वर्तमान में, **केवल पांच अरब देशों- मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को के इज़राइल के साथ राजनयिक संबंध हैं।**

देश के बारे में

इज़रायल (राजधानी यरूशलेम)

- **स्थलीय सीमाएं:**
    - जॉर्डन, सीरिया, लेबनान और मिस्र।
- **जलीय सीमाएं:**
    - भूमध्य सागर, मृत सागर, जॉर्डन नदी व गैलिली सागर।

इज़रायल-फ़िलिस्तीन मुद्दे पर भारत का रुख

- भारत लगातार **टू-स्टेट समाधान का समर्थन** करता रहा है।
- आरंभ में भारत ने **संयुक्त राष्ट्र में फ़िलिस्तीन के विभाजन की योजना और इज़रायल के प्रवेश के खिलाफ मतदान** किया था।
- भारत ने **1950** में औपचारिक रूप से इज़रायल को मान्यता दी थी और **1992** में उसके साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।
- **2017** से भारत इज़रायल और फ़िलिस्तीन दोनों के मामले में **'डी-हाइफनेशन नीति'** का पालन कर रहा है। इस नीति के तहत भारत ने इज़रायल और फ़िलिस्तीन दोनों के साथ अलग-अलग स्वतंत्र संबंध स्थापित किए हैं।

© Vision IAS

अन्य सुर्खियां:

ऑपरेशन अजय

भारत ने इजरायल-हमास युद्ध के बीच इजरायल में **फंसे लगभग 18,000 भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन अजय** शुरू किया है।

4.4.1. योम किप्पुर युद्ध (Yom Kippur War)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, हमास ने **चौथे अरब-इज़रायल युद्ध (1973) की 50वीं वर्षगांठ** पर इज़रायल पर हमला किया। गौरतलब है कि चौथे अरब-इज़रायल युद्ध को **योम किप्पुर युद्ध** के नाम से भी जाना जाता है।

योम किप्पुर युद्ध (चौथा अरब-इज़रायल युद्ध) के बारे में

- **अक्टूबर 1973 में, मिस्र और सीरिया** के नेतृत्व में अरब राष्ट्रों के एक गठबंधन ने **यहूदियों के पवित्र दिन 'योम किप्पुर दिवस' पर इज़रायल पर एक आश्चर्यजनक एवं संयुक्त हमला** कर दिया था।
- **युद्ध का उद्देश्य:** यह युद्ध **1967 के छह-दिवसीय युद्ध में इज़रायल द्वारा अधिकार कर लिए गए अपने-अपने क्षेत्रों को फिर से प्राप्त करने की आशा से** किया गया था।
- **महाशक्तियों की भागीदारी: अमेरिका** ने इस युद्ध में **इज़रायल** का समर्थन किया और **सोवियत संघ ने मिस्र व सीरिया** का समर्थन किया। इसके कारण परमाणु हथियारों से संपन्न विश्व के दो राष्ट्रों के बीच तनाव बढ़ गया।
- **युद्ध विराम: संयुक्त राष्ट्र** के प्रयासों से युद्ध विराम लागू हुआ।
- **युद्ध के प्रमुख परिणाम:** इजरायल ने गोलन हाइट्स पर कब्जा कर लिया, मिस्र की निष्ठा का अमेरिका के प्रति स्थानांतरण, इजरायल की छवि को नुकसान और अमेरिका के खिलाफ तेल प्रतिबंध।

4.4.2. युद्ध से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानून (International Law on War)

सुर्ख़ियों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों के अनुसार, इजरायल ने गाजा पर युद्ध से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है।

युद्ध से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के बारे में

- युद्धों से संबंधित **दो स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय कानून** हैं।
  - इन कानूनों की उत्पत्ति **न्यायपूर्ण युद्ध सिद्धांत** (Just war theory) से हुई है। इस सिद्धांत के अनुसार **'मानव जीवन को हानि पहुंचाना गलत है, लेकिन नागरिकों और न्याय की रक्षा करना राष्ट्रों का कर्तव्य** है। इस कर्तव्य में हिंसा का सहारा लेने की सम्मति भी शामिल है।

युद्ध कानून	विवरण

जूस एड बेलम (Jus ad bellum)	• यह कानून **किसी देश के युद्ध में शामिल होने के वैध कारणों को परिभाषित** करता है।
	• इस कानून का **स्रोत 1945 के संयुक्त राष्ट्र चार्टर** में मिलता है।
	  ○ इसका **अनुच्छेद-2** संयुक्त राष्ट्र के **सदस्यों को किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के प्रयोग से रोकता** है।
	  ○ **अनुच्छेद 51 सशस्त्र हमला होने पर व्यक्तिगत या सामूहिक आत्मरक्षा का अंतर्निहित अधिकार** प्रदान करता है।

जूस इन बेल्लो (Jus in bello)	• इसे **अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून (IHL)** के रूप में जाना जाता है। यह कानून **सशस्त्र संघर्ष के दौरान पालन किए जाने वाले नियम** प्रदान करता है।
	  ○ इसके स्रोत **हेग कन्वेंशंस (1899 और 1907) तथा जिनेवा कन्वेंशंस (1949) व इनके 'अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स (1977)'** में मिलते हैं।
	• इसका उद्देश्य **जीवन बचाना और उत्पीड़न को कम** करना है।
	• सरकार के **सैन्य बलों और गैर-राज्य सशस्त्र समूहों, दोनों को IHL का सम्मान करना जरूरी** है।
	  ○ इस कानून का **उल्लंघन करने पर युद्ध अपराध के लिए अभियोग** चलाया जा सकता है।

	○ वर्ष 1998 की **रोम संविधि (Rome Statute)** के तहत **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना** की गई थी। इसे **2002 में स्थापित** किया गया था। इसे अन्य मामलों के अलावा **युद्ध अपराधों से निपटने** का कार्य भी सौंपा गया है।

4.5. जिनेवा कन्वेंशंस और रूस-यूक्रेन युद्ध (Geneva Conventions And Russia-Ukraine War)

सुर्ख़ियों में क्यों?

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में रूसी सैनिकों पर जिनेवा कन्वेंशंस का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

जिनेवा कन्वेंशंस के बारे में

- जिनेवा कन्वेंशंस के तहत **चार संधियां (1949 में औपचारिक रूप दिया गया था) और तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स** शामिल हैं।
- जिनेवा कन्वेंशंस को **संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों सहित 196 देशों द्वारा अनुसमर्थन** प्राप्त है।
- तीन प्रोटोकॉल्स का अनुसमर्थन क्रमशः **174, 169 और 79 देशों** द्वारा किया गया है।

जिनेवा कन्वेंशंस	इसमें क्या शामिल है?
पहला कन्वेंशन	• इसके तहत युद्ध के दौरान **भूमि पर घायल और बीमार सैनिकों की रक्षा** का प्रावधान किया गया है। • इसके दायरे में चिकित्सा व धार्मिक कर्मी, मेडिकल यूनिट्स और मेडिकल ट्रांसपोर्ट भी है।
दूसरा कन्वेंशन	• इसके तहत युद्ध के दौरान **समुद्र में घायल, बीमार और जहाज दुर्घटना में घायल सैन्य कर्मियों की रक्षा** का प्रावधान किया गया है। • इसके दायरे में समुद्र के रास्ते हॉस्पिटल्स शिप्स और चिकित्सा परिवहन भी आते हैं।
तीसरा कन्वेंशन	• यह **युद्धबंदियों** पर लागू होता है। इसमें सामान्य सुरक्षा की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जैसे- मानवीय व्यवहार, देखभाल और युद्धबंदियों के बीच समान व्यवहार आदि।
चौथा कन्वेंशन	• यह अधिकृत क्षेत्र सहित नागरिकों की रक्षा करता है।
तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स	
प्रोटोकॉल I और II	• **प्रोटोकॉल I अंतर्राष्ट्रीय और प्रोटोकॉल II गैर-अंतर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्षों के पीड़ितों के लिए सुरक्षा** का प्रावधान करते हैं। साथ ही, युद्ध लड़ने के कुछ तरीकों पर सीमाएं निर्धारित करते हैं।
प्रोटोकॉल III	• इसके तहत **रेड क्रिस्टल** के रूप में एक अतिरिक्त प्रतीक अपनाया गया है। इसे **रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट प्रतीक** के समान अंतर्राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है।

रूस यूक्रेन युद्ध से संबंधित अन्य प्रमुख सुर्खियां

काला सागर अनाज समझौता (Black Sea Grain Deal)

- हाल ही में, रूस अपने कृषि उत्पादों और उर्वरकों के निर्यात में परेशानी का सामना करने के आधार पर काला सागर अनाज समझौते से अलग हो गया है।
- काला सागर अनाज समझौता **जुलाई 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच संपन्न** हुआ था। इस समझौते में **संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये (Türkiye) ने मध्यस्थता** की थी।
- यह समझौता **खाद्य कीमतों में हुई वृद्धि को रोकने** की दिशा में किया गया एक प्रयास है। गौरतलब है कि यह वृद्धि काला सागर के प्रभावी रूप से अवरुद्ध होने तथा इसके फलस्वरूप **आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने के कारण हुई थी।**
- यह समझौता **यूक्रेन के तीन प्रमुख बंदरगाहों अर्थात् चोर्नोमॉर्स्क, ओडेसा और यज़्नी/ पिवडेनी से यूक्रेनी निर्यात (विशेष रूप से खाद्यान्न) के लिए एक सुरक्षित समुद्री मानवीय गलियारे** का प्रावधान करता है।

- यह समझौता शुरुआत में **120 दिनों की अवधि** के लिए किया गया था। इसमें इसे बढ़ाने या समाप्त करने का विकल्प भी शामिल था। हालाँकि अभी तक , इसे दो बार बढ़ाया गया है।

स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति (Scorched Earth Tactics)

- यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में, **रूस पर स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति का इस्तेमाल** करने का आरोप लगाया जा रहा है।
- **स्कॉर्च्ड अर्थ** रणनीति, सैन्य रणनीति का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत **ऊर्जा आपूर्ति, पुलों, कृषि क्षेत्रों, सड़कों, रेल मार्गों आदि सहित शत्रु के लिए उपयोगी किसी भी सुविधा आदि को नष्ट करना शामिल है।**
    - रूस ने विद्युत एवं जल आपूर्ति लाइनों सहित **सिविल बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए मिसाइलों** का इस्तेमाल किया है।
- यह रणनीति युद्ध में बढ़त बनाए रखने के लिए **शत्रु के संसाधनों को समाप्त** करने का प्रयास करती है। साथ ही, **उसका मनोबल भी तोड़ती है।**
- इस रणनीति के तहत **नागरिकों को हानि पहुंचाना 1977 के जिनेवा कन्वेंशन के अंतर्गत प्रतिबंधित** किया गया है।
- भारत में, **छत्रपति शिवाजी की सेना** स्कॉर्च्ड अर्थ रणनीति के इस्तेमाल के लिए विख्यात थी।

डर्टी बम

- रूस ने दावा किया है कि **यूक्रेन "डर्टी बम"** का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।
- **डर्टी बम में रेडियोधर्मी पदार्थ** जैसे कि **यूरेनियम** होता है। इसके विस्फोट के बाद हवा के जरिये रेडियोधर्मी सामग्री दूर-दूर तक फैल जाती है।
- इस बम में **अत्यधिक संवर्धित रेडियोधर्मी सामग्री का उपयोग नहीं** किया जाता है, जबकि परमाणु बम में अत्यधिक संवर्धित रेडियोधर्मी सामग्री का ही उपयोग किया जाता है।
- इसलिए डर्टी बम को परमाणु बम की तुलना में **बहुत सस्ते में और तेजी से बनाया** जा सकता है।

4.6. उत्तरी सागर शिखर सम्मेलन (North Sea Summit)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में **दूसरे 'उत्तरी सागर शिखर सम्मेलन' का आयोजन** किया गया।

उत्तरी सागर शिखर सम्मेलन के बारे में

- उत्तरी सागर सम्मेलन का उद्देश्य **2050 तक उत्तरी सागर को यूरोप का सबसे बड़ा ऊर्जा केंद्र बनाना है।** इसके लिए उत्तरी सागर की **अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता को 2030 तक 120 गीगावाट (GW) और 2050 तक 300 GW** तक बढ़ाया जाएगा।
- इस दूसरे शिखर सम्मेलन में **यूरोपीय संघ (EU) के 7 सदस्य देशों** (बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, लक्जमबर्ग व नीदरलैंड) तथा **2 गैर-EU देशों नॉर्वे और यूनाइटेड किंगडम** ने भाग लिया था।
- वर्ष 2022 में **डेनमार्क** में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन के अंत में **बेल्जियम, डेनमार्क, जर्मनी और नीदरलैंड ने एसबियर्ग (Esbjerg) घोषणा-पत्र** पर हस्ताक्षर किए थे।
  - एसबियर्ग घोषणा-पत्र का उद्देश्य उत्तरी सागर को **"यूरोप के ग्रीन पावर प्लांट"** के रूप में विकसित करना है। यह एक **अपतटीय नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली** पर आधारित है।

उत्तरी सागर के बारे में

- उत्तरी सागर, **अटलांटिक महासागर का हिस्सा है।** यह पूर्व में **नॉर्वे और डेनमार्क,** पश्चिम में **स्कॉटलैंड व इंग्लैंड** तथा दक्षिण में **जर्मनी, नीदरलैंड, बेल्जियम एवं फ्रांस** के मध्य स्थित है।
- यह **डोवर जलसंधि और इंग्लिश चैनल द्वारा अटलांटिक से जुड़ा** हुआ है।

4.7. अन्य हालिया घटनाक्रम (Other Recent Developments)

4.7.1. कम्प्रेहैन्सिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट फॉर ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (Comprehensive and Progressive Agreement for Trans-Pacific Partnership: CPTPP)

- **यूनाइटेड किंगडम ने CPTPP में शामिल होने के लिए संधि पर हस्ताक्षर किए।**
  - यूनाइटेड किंगडम CPTPP में शामिल होने वाला 12वां सदस्य होगा। साथ ही, इसकी स्थापना के बाद से इसमें सम्मिलित होने वाला यूरोप का पहला देश भी होगा।
- **CPTPP के बारे में**
  - **उत्पत्ति:** इस संधि पर मार्च 2018 में हस्ताक्षर किए गए थे और दिसंबर 2018 में इसे लागू किया गया था।
    - वर्ष 2017 में **ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP) से संयुक्त राज्य अमेरिका के हटने के बाद TPP की जगह CPTPP की स्थापना** की गई थी।
  - **CPTPP के बारे में:** यह एक **मुक्त व्यापार समझौता (FTA)** है। वर्ष 2018 में 11 देशों के बीच इस समझौते पर सहमति बनी थी।
  - **सदस्य देश:** ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, जापान, मलेशिया, मैक्सिको, न्यूजीलैंड, पेरू, सिंगापुर और वियतनाम।

4.7.2. विंडसर फ्रेमवर्क (Windsor Framework)

- 2023 में, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय आयोग (EU) **'विंडसर फ्रेमवर्क'** नामक एक नए समझौते पर सहमत हुए थे। यह समझौता **उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल की जगह लेगा।** ज्ञातव्य है कि इस प्रोटोकॉल के कारण **उत्तरी आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम के बीच व्यापार में व्यवधान** पैदा हुआ था।
- **विंडसर फ्रेमवर्क की विशेषताएं:** दी टू लेंस सिस्टम और 'स्टॉर्मॉन्ट ब्रेक' की शुरुआत।
  - **दी टू लेंस सिस्टम:** वस्तुओं के व्यापार को आसान बनाने के लिए **ग्रीन लेन और रेड लेन सिस्टम की शुरुआत की जाएगी।** इसके अंतर्गत **ग्रीन लेन** उन वस्तुओं के लिए होगी, जो **ब्रिटेन से उत्तरी आयरलैंड** भेजी जाएंगी और **रेड लेन** उन वस्तुओं के लिए होगी, जो **यूरोपीय संघ** में भेजी जाएंगी।
  - **स्टॉर्मॉन्ट ब्रेक:** इसके तहत लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई **उत्तरी आयरलैंड की विधायिका यूरोपीय संघ के वस्तु संबंधी उन नए नियमों का विरोध** कर सकती है, जो उत्तरी आयरलैंड की रोजमर्रा की जिंदगी पर व्यापक और दीर्घकालिक प्रभाव डाले।
- **उत्तरी आयरलैंड प्रोटोकॉल के बारे में:** यह ब्रेक्जिट के बाद का एक समझौता है। इसके तहत **उत्तरी आयरलैंड और शेष यूनाइटेड किंगडम के बीच एक कस्टम बॉर्डर** का निर्माण हुआ था।
  - **इस प्रोटोकॉल के तहत:**
    - उत्तरी आयरलैंड, यूरोपीय संघ के एकल बाज़ार में बना रहा।
    - ग्रेट ब्रिटेन से आने वाले सामानों का ट्रेड एंड कस्टम संबंधी निरीक्षण आयरिश सागर से सटे उत्तरी आयरलैंड के बंदरगाहों पर होता था।
  - सीमा-पार सहयोग के लिए **गुड फ्राइडे समझौते (GFA) की रक्षा करने हेतु इसका प्रस्ताव** किया गया था।
    - GFA पर **1998 में उत्तरी आयरलैंड के गुटों और ब्रिटेन एवं आयरलैंड की सरकारों ने हस्ताक्षर** किए थे। यह समझौता **'द ट्रबल'** के नाम से कुख्यात **30 साल तक जारी रही हिंसा को समाप्त करने** के लिए किया गया था।
    - **उत्तरी आयरलैंड का गठन 1921 में आयरलैंड का विभाजन** करके किया गया था। **आयरलैंड ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्र होकर अलग देश** बन गया था, वहीं **उत्तरी आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा** बन गया था।
    - इसके परिणामस्वरूप, उन लोगों के बीच हिंसा हुई जो या तो **यूनाइटेड किंगडम** के साथ रहना चाहते थे या **आयरलैंड में शामिल** होना चाहते थे।
    - हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुड फ्राइडे एग्रीमेंट (GFA) की **25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए उत्तरी आयरलैंड की यात्रा की है।**

4.7.3. लुसोफोन वर्ल्ड (Lusophone World)

- **लुसोफोन वर्ल्ड (पुर्तगाली भाषी देशों) के बारे में:**
  - इसमें **चार महाद्वीपों के नौ देश** शामिल हैं।
  - **पुर्तगाली, दक्षिणी गोलार्ध** में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।
  - 1996 में **पुर्तगाली भाषी देशों के समुदाय (Community of Portuguese Language Countries: CPLP)** का गठन किया गया था। इसे **लुसोफोन कॉमनवेल्थ** भी कहा जाता है।
  - CPLP **9 सदस्य देशों और 32 सहयोगी पर्यवेक्षकों** का एक बहुपक्षीय मंच है। **भारत** इसका सहयोगी पर्यवेक्षक देश है।

4.7.4. शटल डिप्लोमेसी (Shuttle Diplomacy)

- हाल ही में**, जापान और दक्षिण कोरिया अपने संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमत** हुए हैं। इस कूटनीतिक प्रयास को **"शटल डिप्लोमेसी"** कहा जा रहा है।
  - दोनों राष्ट्र एक जटिल इतिहास साझा करते हैं, जो **जापान द्वारा कोरिया को उपनिवेश बनाए जाने के दौरान किए गए अत्याचारों** से जुड़ा हुआ है।
- शटल डिप्लोमेसी उन देशों के बीच **राजनयिकों के आवागमन** को कहते हैं, जिनके **नेता आपसी विवाद निपटान के लिए एक-दूसरे से प्रत्यक्ष रूप से वार्ता करने से मना** कर देते हैं।

4.7.5. वाशिंगटन घोषणा-पत्र (Washington Declaration)

- **संयुक्त राज्य अमेरिका-साउथ कोरिया द्विपक्षीय संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर** पर दोनों पक्षों ने वाशिंगटन घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
- घोषणा में कोरियाई प्रायद्वीप क्षेत्र में न्यूक्लियर डेटेरेंस नीति की वकालत की गयी है। इस नीति का उद्देश्य **उत्तर कोरिया के खिलाफ शक्ति-समीकरणों को संतुलित** करना है।
- **नोट:** यह 1994 के वाशिंगटन घोषणा-पत्र से अलग है, जिसमें औपचारिक रूप से जॉर्डन और इजरायल के बीच युद्ध की स्थिति को समाप्त किया गया था।

4.7.6. द स्पिरिट ऑफ कैंप डेविड (The Spirit of Camp David)

- **संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया** के नेताओं ने 'द स्पिरिट ऑफ कैंप डेविड' शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है।
- शिखर सम्मेलन का आयोजन **चीन की बढ़ती शक्ति और उत्तर कोरिया से परमाणु खतरों** के सामने एकता प्रदर्शित करने के लिए किया गया था।

नोट: यह अमेरिका की मध्यस्थता में **1978 में मिस्र और इजरायल के बीच संपन्न हुए कैंप डेविड समझौते** से अलग है।

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सरकारी योजनाएं

त्रैमासिक रिवीजन

सिविल सेवा परीक्षा में आपके ज्ञान, एनालिटिकल स्किल और सरकारी नीतियों तथा पहलों की गतिशील प्रकृति के साथ अपडेटेड रहने की क्षमता को जांचा जाता है। इसलिए इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा के लिए एक व्यापक और सुनियोजित दृष्टिकोण काफी आवश्यक हो जाता है।

"सरकारी योजनाएं त्रैमासिक रिविजन" डॉक्यूमेंट के साथ सिविल सेवा परीक्षा में सफलता की अपनी यात्रा शुरू कीजिए। यह विशेष पेशकश आपको परीक्षा की तैयारी में एक परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान करेगी। सावधानीपूर्वक तैयार किया गया हमारा यह डॉक्यूमेंट न केवल आपकी सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बल्कि टाइम मैनेजमेंट और याद रखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। इस डॉक्यूमेंट को त्रैमासिक आधार पर तैयार किया जाता है। यह डॉक्यूमेंट फाइनल परीक्षा के लिए निरंतर सुधार और तनाव मुक्त तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेगा।

यह सीखने की प्रक्रिया को बाधारहित और आसान यात्रा में बदल देता है। इसके परिणामस्वरूप, आप परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ सरकारी योजनाओं, नीतियों और उनके निहितार्थों की गहरी समझ विकसित करने में सफल होते हैं।

डॉक्यूमेंट को पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन कीजिए

सरकारी योजनाएं त्रैमासिक रिवीजन डॉक्यूमेंट की मुख्य विशेषताओं पर एक नज़र

1. सुर्ख़ियों में रहीं में योजनाएं: अपडेट रहिए, आगे रहिए!

इस खंड में **आपको नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत** कराया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपकी तैयारी न केवल व्यापक हो, बल्कि हालिया तिमाही के लिए प्रासंगिक भी हो। सुर्ख़ियों में रही योजनाओं के रियल टाइम एकीकरण से आप नवीनतम ज्ञान से लैस होकर आत्मविश्वास से परीक्षा देने में सक्षम बन पाएंगे।

2. सुर्ख़ियों में रहीं फ्लैगशिप योजनाएं: परीक्षा में आपकी सफलता की राह!

भारत सरकार की 'फ्लैगशिप योजनाएं' **सिविल सेवा परीक्षा के सिलेबस के कोर** में देखने को मिलती हैं। हम इस डॉक्यूमेंट में इन महत्वपूर्ण पहलों को गहराई से कवर करते हैं, जिससे सरकारी नीतियों के बारे में **आपकी गहरी समझ विकसित** हो। इन फ्लैगशिप योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करके, हम आपको उन प्रमुख पहलुओं में महारत हासिल करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं, जिन्हें परीक्षक सफल उम्मीदवारों में तलाशते हैं।

3. प्रश्नोत्तरी: पढ़िए, मूल्यांकन कीजिए, याद रखिए!

मटेरियल को समझने और मुख्य तथ्यों को याद रखने में काफी अंतर होता है। इस अंतर को खत्म करने के लिए, हमने इस डॉक्यूमेंट में एक 'प्रश्नोत्तरी' खंड शामिल किया है। इस डॉक्यूमेंट में **सावधानी से तैयार किए गए 20 MCQs** दिए गए हैं, जो आपकी **समझ को मजबूत करने के लिए चेकपॉइंट** के रूप में काम करते हैं। ये मूल्यांकन न केवल आपकी प्रगति का आकलन करने में मदद करते हैं बल्कि महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रभावी ढंग से याद रखने में भी सहायक होते हैं।

'सरकारी योजनाएं त्रैमासिक रिवीजन' एक डॉक्यूमेंट मात्र नहीं है; बल्कि यह आपकी परीक्षा की तैयारी में एक रणनीतिक साथी भी है। यह आपकी लर्निंग एप्रोच में बदलाव लाता है, जिससे यह एक सतत और कुशल प्रक्रिया बन जाती है। परीक्षा की **तैयारी के आखिरी चरणों में आने वाले तनाव को अलविदा कहिए, प्रोएक्टिव लर्निंग एक्सपीरियंस** को आपनाइए और आत्मविश्वास के साथ सफलता की ओर आगे बढ़िए।

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची

5. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related to Security)

5.1. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद (International Terrorism)

सुर्ख़ियों में क्यों?

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (IEP) द्वारा जारी नवीनतम **वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (2023)** में भारत **13वें स्थान** पर है और भारत आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है।

आतंकवाद से निपटने के लिए शुरू की गई वैश्विक पहलें

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति (Global Counter- Terrorism Strategy: GCTS)	इसे 2006 में **महासभा के एक संकल्प** के रूप में अपनाया गया था। यह एक अनूठा वैश्विक साधन है, जिसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटने के लिए **राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को बढ़ाना** है।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की आतंकवाद-रोधी समिति (Counter-Terrorism Committee: CTC)	इसे UNSC के **संकल्प 1373 (2001) के कार्यान्वयन की निगरानी** का कार्य सौंपा गया है। इस संकल्प के तहत देशों से अनुरोध किया गया है कि उन्हें **अपने देश में, अपने क्षेत्र में और दुनिया भर में** आतंकवादी गतिविधियों से निपटने की क्षमता बढ़ाने के लिए उपाय करने चाहिए।
ग्लोबल काउंटर टेररिज्म फोरम (GCTF)	GCTF **एक अनौपचारिक, गैर-राजनीतिक और बहुपक्षीय मंच** है। यह **हितधारकों के बीच खुली चर्चा** हेतु एक मंच प्रदान करता है। इसके अलावा, यह दुनिया भर के विशेषज्ञों और पेशेवरों को एकजुट करता है। **भारत भी इस मंच का सदस्य है।**
यूनाइटेड नेशन काउंटरिंग टेररिस्ट ट्रेवल प्रोग्राम	यह संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT)[56] की एक **प्रमुख वैश्विक पहल** है। यह पहल **आतंकवादियों का पता लगाने और उनसे निपटने** के लिए सदस्य देशों की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करती है। भारत **UNOCT का सदस्य** है।
वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force: FATF)	यह मनी लॉन्ड्रिंग (धन-शोधन) और आतंकवाद के वित्त-पोषण को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करता है। यह इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय मानकों का विकास और उनका क्रियान्वयन करता है।
SCO की क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (Regional Anti-Terrorist Structure: RATS)	यह **आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से निपटने** के प्रयासों को मजबूत करने के लिए **अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठनों के साथ सहयोग को विकसित व मजबूत** करती है।
अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक कन्वेंशन (Comprehensive Convention on International Terrorism: CCIT)	इसका उद्देश्य है- **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के सभी रूपों को गैर-कानूनी या आपराधिक कृत्य घोषित करना**, आतंकवादी गुटों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध नहीं होने देना और **आतंकवाद के वित्त-पोषण को रोकना** तथा धन एवं हथियारों तक उनकी पहुंच नहीं होने देना। • इस कन्वेंशन को **भारत ने 17 दिसंबर, 1996 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** में प्रस्तुत किया था।

आतंकवाद से निपटने हेतु भारत द्वारा शुरू की गई घरेलू नीतिगत पहलें

- **गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967:** यह अधिनियम व्यक्तियों और संगठनों की गैर-कानूनी गतिविधियों की रोकथाम के लिए अधिक प्रभावी उपबंध करता है।
- **राष्ट्रीय जांच एजेंसी (National Investigation Agency: NIA) की स्थापना:** यह एजेंसी देश में केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है।

[56] United Nations Office of Counter-terrorism

- **नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड या NATGRID:** इसका उद्देश्य भारत की **आतंकवाद-रोधी क्षमताओं को बढ़ाने** के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी (Cutting-edge technology) प्रदान करना है।
- केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत **दो नए डिवीजन**
  1. **आतंकवाद-रोधी और उग्रपंथ-रोधी डिवीजन तथा**
  2. **साइबर एवं सुरक्षा डिवीजन का गठन किया गया है।**
     - इनका उद्देश्य आतंकवाद, उग्रपंथ-रोधी, साइबर सुरक्षा आदि से संबंधित समस्याओं पर नजर रखना है।

5.1.1. गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम {Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA)}

सुर्ख़ियों में क्यों?

गृह मंत्रालय ने गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 के तहत 'जम्मू एंड कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी' के साथ-साथ **9 मैतेई चरमपंथी समूहों को "गैरकानूनी संगठन"** घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया है।

UAPA के बारे में

- UAPA, 1967 को **व्यक्तियों और संगठनों की कुछ गैर-कानूनी गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम** हेतु अधिनियमित किया गया था। साथ ही, यह अधिनियम **आतंकवादी गतिविधियों और उनसे जुड़े मामलों से निपटने** से भी संबंधित है।
- **मुख्य प्रावधान**
  - इस अधिनियम के तहत किए गए अपराध **संज्ञेय** होते हैं, अर्थात् बिना वारंट के भी गिरफ्तारी की जा सकती है।
  - **दंड: मृत्युदंड या आजीवन कारावास** का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, यदि ऐसे कृत्य के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो **जुर्माना** भी लगाया जा सकता है।
  - **गैरकानूनी संगठन**
    - **किसी संगठन को गैर-कानूनी घोषित करना:** केंद्र सरकार **विशेष आधारों को स्पष्ट करके** किसी भी संगठन को गैर-कानूनी घोषित कर सकती है। इसकी अधिसूचना आधिकारिक गजट में जारी की जाती है।
    - **अधिकरण की अधिकार सीमा:** किसी भी संगठन के गैर-कानूनी घोषित होने के **30 दिनों के भीतर अधिसूचना अधिकरण को रेफर** की जानी चाहिए।
    - **जांच:** UAPA अधिनियम के तहत मामलों की जांच **राज्य पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA), दोनों** कर सकती हैं।
    - **केंद्र को प्रदत्त अन्य शक्तियां**
      - ✓ किसी गैर-कानूनी संगठन द्वारा उसके **धन के उपयोग पर रोक लगाना।**
      - ✓ किसी गैर-कानूनी संगम (association) के उद्देश्य के लिए उपयोग किए जाने वाले **स्थानों को अधिसूचित** करना।
  - **आतंकवादी कृत्य:**
    - **परिभाषा:** इसमें **भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या संप्रभुता को खतरे में डालना अथवा भारत में या किसी विदेश में आतंकवादी हमला करने के इरादे से किया गया कोई भी कृत्य** शामिल है।
    - **आतंकवाद से प्राप्त आय को जब्त करना:** ऐसा जांच अधिकारी द्वारा **नामित प्राधिकारी** की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है।

5.2. प्राइवेट मिलिट्री कंपनी (Private Military Company: PMC)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, रूस में वैगनर ग्रुप नामक एक प्राइवेट मिलिट्री कंपनी (PMC) ने देश के रक्षा प्रतिष्ठानों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।

प्राइवेट मिलिट्री कंपनी (PMC) के बारे में

- **अर्थ:** PMCs **निजी स्वामित्व में संचालित एक संगठन** की तरह होती हैं। ऐसे संगठन अनुबंध के आधार पर सैन्य और सुरक्षा संबंधी सेवाएं प्रदान करते हैं।

© Vision IAS

- **परिचालन संबंधी पहलू:** PMCs, **सरकारी सैन्य बलों से स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं।** साथ ही, ये देशों के आधिकारिक सैन्य संगठनों से भी अलग होती हैं।
    - विभिन्न **सरकारों, निगमों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों या व्यक्तियों** द्वारा अपने विशिष्ट कार्यों को पूरा करने के लिए इनकी सेवाएं ली जाती हैं। ये सेवाएं प्राय: संघर्षरत क्षेत्रों या सुरक्षा जोखिम वाले क्षेत्रों में ली जाती हैं।

वैगनर ग्रुप के बारे में

- वैगनर ग्रुप को PMC वैगनर के नाम से भी जाना जाता है। इसे **अप्रत्यक्ष रूप से रूसी सेना और खुफिया एजेंसी द्वारा नियंत्रित किया जाता है।** ये एजेंसी इस ग्रुप को हथियारों की आपूर्ति करती हैं और प्रशिक्षण के लिए रूसी सैन्य सुविधाएं भी प्रदान करती हैं।
- वैगनर ग्रुप की पहचान **पहली बार 2014 में** की गई थी। उस समय वैगनर ग्रुप **पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थक अलगाववादी ताकतों का समर्थन कर रहा था।** यह भी कहा जाता है कि इस ग्रुप ने यूक्रेन के बखमुत (Bakhmut) शहर पर कब्जा करने में भी रूस की मदद की थी।
- वैगनर ग्रुप **संघर्षग्रस्त अफ्रीकी और अरब देशों में भी सक्रिय** रहा है।
- पश्चिमी देशों और संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने वैगनर ग्रुप पर अफ्रीका में मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका ने तो इसे एक **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन घोषित कर रखा है।**

5.3. धन शोधन निवारण अधिनियम (Prevention of Money Laundering Act: PMLA)

सुर्ख़ियों में क्यों?

वित्त मंत्रालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (Prevention of Money Laundering Act: PMLA), 2002 में परिवर्तनों को अधिसूचित किया।

अन्य संबंधित तथ्य

- नए बदलावों के तहत, **अपने क्लाइंट्स (ग्राहकों) की ओर से वित्तीय लेन-देन करने वाले चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी तथा कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट्स को PMLA के दायरे में** लाया गया है।
    - **जिन वित्तीय लेन-देन की निगरानी पर विचार किया जाएगा, उनमें शामिल हैं-**
        - किसी भी अचल संपत्ति की खरीद और बिक्री;
        - ग्राहक के धन, प्रतिभूतियों या अन्य परिसंपत्तियों का प्रबंधन;
        - बैंक, बचत या प्रतिभूति खातों का प्रबंधन आदि।
- **इन गतिविधियों में वह व्यक्ति भी शामिल है:**
    - कंपनियों और सीमित देयता भागीदारियों के **फार्मेशन एजेंट** के रूप में कार्य करना;
    - किसी कंपनी के **निदेशक या सचिव** के रूप में कार्य करना;
    - वे **व्यक्ति** जो कंपनी को **कार्यालय-परिसर या पत्राचार का पता** प्रदान करते हैं;
    - एक्सप्रेस ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में या अन्य व्यक्तियों की ओर से नामित शेयरधारक के रूप में कार्य करना।

PMLA अधिनियम के बारे में

- PMLA अधिनियम को **2002 में अधिनियमित** किया गया था। इसे **धन शोधन से निपटने के लिए भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता** (वियना कन्वेंशन सहित) के परिप्रेक्ष्य में बनाया गया था।
- यह कानून गैर-कानूनी तरीके से अर्जित आय से बनाई गई **परिसंपत्ति को जब्त करने के लिए अधिकारियों को सशक्त** बनाता है।
- **प्रवर्तन निदेशालय (ED), धन-शोधन कानून को लागू करने वाली एजेंसी** है। ED, भारत सरकार के **राजस्व विभाग** के अधीन कार्य करता है।

5.4. वैश्विक परमाणु विनियमन (Global Nuclear Regulation)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, रूस की संसद ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT)[57] के अनुसमर्थन को रद्द करने वाला एक विधेयक पारित किया है।

57 Comprehensive Test Ban Treaty

अन्य संबंधित तथ्य

- इस विधेयक को पारित करने का मुख्य उद्देश्य **रूस को अमेरिका के समकक्ष लाना** है। दरअसल संयुक्त राज्य अमेरिका ने CTBT पर हस्ताक्षर तो किए हैं लेकिन इसका अनुसमर्थन नहीं किया है।
- रूस के इस कदम से यह चिंता जताई जा रही है कि वह यूक्रेन की सैन्य सहायता करने से पश्चिमी देशों को रोकने के लिए फिर से परमाणु परीक्षण शुरू कर सकता है।
- इस घटना ने परमाणु विनियमों और दुनिया भर में उसकी प्रभावशीलता के विचार को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

परमाणु विनियमन (Nuclear regulations) से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय नियम

विनियम	विवरण	भारत की स्थिति
व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT), 1996	• यह संधि दुनिया में **कहीं भी और किसी भी प्रकार के परमाणु हथियारों के परीक्षण** या **किसी अन्य प्रकार के परमाणु विस्फोट** पर प्रतिबंध लगाती है। हालांकि, संधि को तब तक औपचारिक रूप से लागू नहीं किया जा सका है। ○ **8 देशों ने अभी तक इस संधि का अनुसमर्थन नहीं किया है। ये देश हैं-** चीन, **भारत**, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया, इजरायल, ईरान, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका।	**भारत ने अब तक इस संधि अनुसमर्थन नहीं किया है।**
आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि (PTBT)[58]- 1963	• यह संधि बाह्य अंतरिक्ष में सभी तरह के परमाणु हथियारों के परीक्षणों पर रोक लगाती है।	**भारत द्वारा हस्ताक्षरित और अनुसमर्थित**
परमाणु अप्रसार संधि (NPT)[59], 1968	• इस संधि का उद्देश्य **परमाणु हथियारों के प्रसार को सीमित** करना है। यह तीन स्तंभों, यथा- परमाणु अप्रसार, निरस्त्रीकरण और परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर आधारित है। ○ **भारत, दक्षिण सूडान, इजरायल और पाकिस्तान ने तो इस संधि पर हस्ताक्षर भी नहीं किए हैं।** उत्तर कोरिया ने 2003 में स्वयं को इस संधि से बाहर कर लिया था। ○ इस संधि के तहत **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA)[60]** को परमाणु हथियारों के सत्यापन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।	**भारत ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं**
परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW)[61], 2017	• यह परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाला **कानूनी रूप से बाध्यकारी पहला बहुपक्षीय समझौता** है। यह **संयुक्त राष्ट्र की एक संधि** है। इसे जुलाई, 2017 में अपनाया गया था तथा यह 2021 में लागू हुई। ○ इस संधि पर **91 देशों ने हस्ताक्षर किए है तथा 68 देशों ने इसका अनुसमर्थन भी किया** है।	**हस्ताक्षर या अनुसमर्थन नहीं किया है**
बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था (Multilateral Export Control Regimes: MECR)	• इसमें परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों (WMD) के प्रसार में मदद करने वाली सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण को रोकने के लिए स्वैच्छिक व बाध्यकारी समझौते शामिल हैं। **इसमें शामिल है:** ○ परमाणु संबद्ध प्रौद्योगिकी के निर्यात को रोकने के लिए **1974 में गठित परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (Nuclear supplier group: NSG)**। यह **48 परमाणु आपूर्तिकर्ता देशों** का एक समूह है।	• MTCR, WA और AG का सदस्य है। • NSG का सदस्य नहीं है।

---

58 Partial Test Ban Treaty

59 Non-Proliferation Treaty

60 International Atomic Energy Agency

61 Treaty on the Prohibition of Nuclear Weapons

	○ रॉकेट और अन्य हवाई वाहनों के नियंत्रण के लिए **मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (Missile Technology Control Regime: MTCR)**। ○ पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों के लिए **वासेनार व्यवस्था (Wassenaar Arrangement: WA)**। ○ रासायनिक और जैविक प्रौद्योगिकी, जिनसे हथियार बनाए जा सकते हैं, उनके नियंत्रण के लिए **ऑस्ट्रेलिया समूह (Australia Group: AG)**।	
परमाणु-हथियार- मुक्त क्षेत्रों (NWFZ)[62] की अवधारणा	• यह एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य **वैश्विक स्तर पर परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण मानदंडों को मजबूत बनाना** है। साथ ही, यह अवधारणा शांति और सुरक्षा की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत करती है। ○ **वर्तमान में इसके तहत पांच क्षेत्रीय संधियां संपन्न की गई हैं:** ▪ टलटेलोल्को की संधि (लैटिन अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र के लिए), ▪ रारोटोंगा की संधि (दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के लिए), ▪ बैंकॉक की संधि (दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए), ▪ पेलिंडाबा की संधि (अफ्रीका क्षेत्र के लिए), ▪ सेमिपालाटिंस्क की संधि (मध्य एशिया क्षेत्र के लिए)[63]।	
अन्य महत्वपूर्ण संधियां	• **बाह्य अंतरिक्ष संधि (Outer Space Treaty: OST),1967:** यह संधि अंतरिक्ष में **परमाणु हथियारों की तैनाती पर रोक** लगाती है। • **विखंडनीय सामग्री कटौती संधि (Fissile Material Cut-off Treaty: FMCT):** यह एक प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय संधि है। यह परमाणु हथियारों के **दो मुख्य घटकों के उत्पादन को प्रतिबंधित** करेगी। ये हैं- **उच्च समृद्ध यूरेनियम (HEU)[64] और प्लूटोनियम**। • **स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (START-I, START-II, न्यू START):** यह **संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ/ रूसी संघ** के बीच द्विपक्षीय संधियों की एक श्रृंखला है। इसका उद्देश्य सामरिक आक्रामक हथियारों को कम और सीमित करना है।	**भारत ने OST पर हस्ताक्षर किए है एवं FMCT को सपोर्ट करता है**

5.5. अंतरिक्ष युद्ध (Space Warfare)

सुर्ख़ियों में क्यों?

चीन ने कथित तौर पर दुनिया का पहला “नियर स्पेस कमांड[65]” स्थापित किया है। यह शक्तिशाली हाइपरसोनिक हथियारों से लैस है।

- यह नई कमान **चीन की 5वीं सेना** के रूप में कार्य करेगी। वर्तमान में चीन की मौजूदा चार कमानों में **थल सेना, नौसेना, वायु सेना** और **रॉकेट सेना** शामिल हैं।
- **नियर-स्पेस कमांड और चीन का नियर-स्पेस कमांड क्या है?**

नियर स्पेस पृथ्वी के वायुमंडल में **पृथ्वी की सतह से लगभग 20 से 100 किलोमीटर के ऊंचाई के क्षेत्र** को कहते हैं।

- ○ इस क्षेत्र में हवा बहुत विरल होती है, जिससे सैन्य विमानों को उड़ान भरने में कठिनाई होती है। साथ ही, मजबूत गुरुत्वाकर्षण के चलते यहां उपग्रहों को भी स्थापित भी नहीं किया जा सकता है। इसलिए, यह एक नो मैन्स लैंड जोन बनता है।

[62] Nuclear-Weapon-Free Zones

[63] {(Treaty of Tlatelolco (For Latin America and the Caribbean), Treaty of Rarotonga (for south pacific), Treaty of Bangkok (for southeast Asia), Treaty of Pelindaba (for Africa), Treaty of Semipalatinsk (for Central Asia)}

[64] Highly Enriched Uranium

[65] Near-space command

- **चीन के नियर-स्पेस कमांड में होंगे:**
    - दुश्मनों की महत्वपूर्ण सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए आधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइलें;
    - दुनिया भर में ऊंचाई पर निगरानी रखने के लिए जासूसी गुब्बारे, सौर ऊर्जा से चलने वाले ड्रोन और अन्य सहायक उपकरण।

अंतरिक्ष युद्ध के बारे में

- अंतरिक्ष युद्ध पर बहस की शुरुआत **1962** में हुई थी। इस दौरान अमेरिका ने अंतरिक्ष में भू-आधारित परमाणु हथियारों का विस्फोट किया था। इसके परिणामस्वरूप अंततः **1967** की **बाह्य अंतरिक्ष संधि (OST)** संपन्न हुई।
- वर्तमान में अंतरिक्ष, युद्ध के चौथे फ्रंट के रूप में उभर रहा है।

अंतरिक्ष आधारित हथियारों के प्रकार

- **अर्थ-टू-स्पेस काइनेटिक हथियार (Earth-to-space kinetic weapons):** इसमें सीधे पृथ्वी से भेजे जाने वाले हथियार या कक्षा में परिक्रमा कर रहे **एंटी-सैटेलाइट (ASAT)** हथियार शामिल होते हैं।
- **स्पेस-टू-स्पेस काइनेटिक हथियार (Space-to-space kinetic weapons):** इसके अंतर्गत **अंतरिक्ष में मलबा फैलाने वाले व को-ऑर्बिटल ASAT हथियार** शामिल किए जाते हैं।
- **स्पेस-टू-अर्थ काइनेटिक हथियार (Space-to-Earth kinetic weapons): फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सिस्टम (FOBS)**- इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में तैनात किया जाता है। इसकी मदद से पृथ्वी पर किसी भी लक्ष्य पर हमला किया जा सकता है।
- **अर्थ-टू-स्पेस नॉन-काइनेटिक हथियार (Earth-to-space non-kinetic weapons):** इसमें **जैमर, लेजर, साइबर-हमले के तरीकों तथा जैमिंग और स्पूफिंग** जैसे हथियार शामिल हैं।
- **स्पेस-टू-स्पेस नॉन-काइनेटिक हथियार (Space-to-space non-kinetic weapons):** इसमें **को-ऑर्बिटल जैमर्स, हाई-पॉवर्ड माइक्रोवेव (HPMs), लेजर** आदि शामिल हैं।

अंतरिक्ष क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए वैश्विक फ्रेमवर्क

- **बाह्य अंतरिक्ष संधि (1967):** इसके जरिए बाह्य अंतरिक्ष में सामूहिक विनाश के हथियारों की तैनाती पर रोक लगाई गई है।
- **लायबिलिटी कन्वेंशन (Liability Convention), 1972:** इसके तहत पृथ्वी या अंतरिक्ष, दोनों जगहों पर किसी देश या देशों के समूह द्वारा प्रक्षेपित यान से होने वाले नुकसान के लिए संबंधित प्रपेक्षणकर्ता देश को उत्तरदायी ठहराए जाने का प्रावधान है।
- **बाह्य अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए गए उपग्रहों के पंजीकरण पर कन्वेंशन[66] (1975):** इस कन्वेंशन के तहत अंतरिक्ष में उपग्रहों का प्रक्षेपण करने वाले देशों को संयुक्त राष्ट्र के निर्दिष्ट कार्यालय में अंतरिक्ष उपग्रहों का पंजीकरण कराना अनिवार्य है।
- **मून एग्रीमेंट (1979):** इसके अनुसार, चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों का उपयोग विशेष रूप से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। इसमें यह भी प्रावधान है कि मानवीय गतिविधियों से चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों के पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए।
- **आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि[67]:** यह संधि बाह्य अंतरिक्ष में सभी तरह के परमाणु हथियारों के परीक्षणों पर रोक लगाती है।
- **बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ की रोकथाम (PAROS)[68] को अपनाना:** यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा पेश एक संकल्प है जिसमें अंतरिक्ष के शस्त्रीकरण पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।
- **बाह्य अंतरिक्ष मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (United Nations Office for Outer Space Affairs: UNOOSA):** बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना तथा सतत आर्थिक और सामाजिक प्रगति प्राप्त करने के लिए अंतरिक्ष से संबंधित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना। इसके **भारत सहित 102 देश** सदस्य हैं।
- **अन्य: बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की रोकथाम और खतरे (PPWT)[69]** पर चीन-रूस प्रस्ताव, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के 'कोड' तथा अमेरिका के आर्टेमिस समझौते में अंतरिक्ष में हथियारों की स्पर्धा रोकने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

---

[66] Convention on Registration of Objects Launched into Outer Space

[67] Partial Test Ban Treaty: PTBT), 1963

[68] Prevention of an Arms Race in Outer Space

[69] Prevention of Placement of Weapons in Outer Space and Threat

अंतरिक्ष में अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम

- **मिशन शक्ति: एंटी-सैटेलाइट (ASAT) मिसाइल**
- **रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी:** भारतीय सशस्त्र बल की त्रि सेवा एजेंसी।
- **रक्षा अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी (Defence Space Research Agency: DSRA): अंतरिक्ष संबंधी युद्ध हथियार प्रणाली और प्रौद्योगिकियों का निर्माण करना।**
- **नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन (NavIC):** इसके तहत भारत और भारतीय सीमाओं से परे 1500 किमी तक का क्षेत्र कवर किया गया है।
- **इंडस्पेसएक्स (IndSpaceEx):** यह भारत का पहला सिमुलेशन आधारित अंतरिक्ष युद्ध अभ्यास था।
- **मिशन डेफस्पेस (Mission DefSpace):** अंतरिक्ष क्षेत्रक संबंधी रक्षा प्रौद्योगिकियों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन डेफस्पेस शुरू किया गया है।

5.6. भारत में मादक पदार्थों की तस्करी (Drug Trafficking in India)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) और भारतीय नौसेना ने संयुक्त अभियान में केरल तट के पास कम-से-कम 2,500 किलोग्राम मादक पदार्थ को जब्त** किया था। इसमें मेथामफेटामाइन (Methamphetamine) के होने की आशंका व्यक्त की गई है। यह जब्ती **'ऑपरेशन समुद्रगुप्त'** के तहत की गई है।

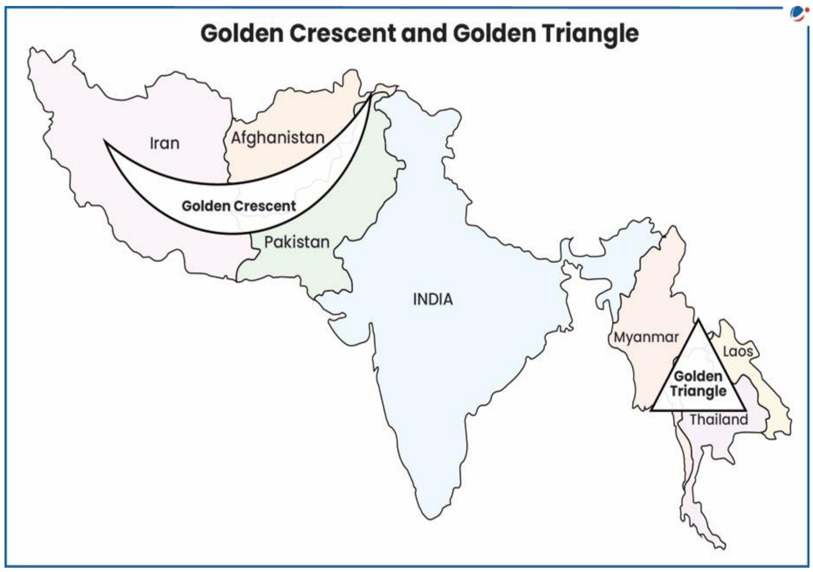

ऑपरेशन समुद्रगुप्त के बारे में

- ऑपरेशन समुद्रगुप्त को **NCB ने जनवरी 2022 में** शुरू किया था। इसका उद्देश्य समुद्री मार्ग से लाए जाने वाले प्रतिबंधित मादक पदार्थों का भारत में प्रवेश रोकना है।
- यह ऑपरेशन केंद्र सरकार की एक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत **2047 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने** का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारत में मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में

- भारत **गोल्डन ट्रायंगल और गोल्डन क्रिसेंट** में उत्पादित ड्रग्स के लिए **पारगमन केंद्र के साथ-साथ एक गंतव्य देश** भी बन गया है।
- हाल के वर्षों में, भारत में तस्करी की जाने वाली **कुल अवैध ड्रग्स का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा समुद्री मार्गों** से आता है।
- **हेरोइन की अधिकतर तस्करी** पंजाब तथा जम्मू और कश्मीर से लगने वाली **भारत-पाकिस्तान सीमा** से होती है।

मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग को रोकने के लिए शुरू की गई पहलें

- **संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन्स का हस्ताक्षरकर्ता:** नारकोटिक्स ड्रग्स पर एकल कन्वेंशन, 1961; साइकोट्रोपिक सब्स्टेन्सेस पर कन्वेंशन, 1971; नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्स्टेन्सेस की अवैध तस्करी के खिलाफ कन्वेंशन, 1988.
- **नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्स्टेन्सेस (NDPS) अधिनियम, 1985:** यह अधिनियम मादक पदार्थों का सेवन करने वालों की पहचान, उपचार, पुनर्वास और समाज में पुनः एकीकरण का प्रावधान करता है। साथ ही, इसके तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) की स्थापना की गई है।
- **2018-2025 की अवधि के लिए मादक पदार्थों की मांग कम करने पर राष्ट्रीय कार्य योजना (National Action Plan for Drug Demand Reduction: NAPDRR):** यह योजना जागरूकता सृजन कार्यक्रम, सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आदि को शामिल करते हुए एक बहुआयामी रणनीति प्रदान करती है।
- **नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA):** इसे **सबसे संवेदनशील 272 जिलों** में शुरू किया गया है। इसके तहत व्यापक स्तर पर सामुदायिक पहुंच बनाई जा रही है।

- **'सीजर इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम' (SIMS) नामक ई-पोर्टल:** यह पोर्टल बड़ी मात्रा में जब्त किए गए मादक पदार्थों से संबंधित मामलों के लिए है।
- **मादक पदार्थों से संबंधित कानूनों के प्रभावी प्रवर्तन और केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए नार्को समन्वय केंद्र (Narco Coordination Centre: NCORD) तंत्र स्थापित किया गया है।**

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के बारे में

- **मंत्रालय गृह मंत्रालय**
- **उत्पत्तिः** इसका गठन 1986 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट, 1985 के तहत किया गया था।
- **सौंपे गए कार्य:**
  - NDPS अधिनियम, सीमा शुल्क अधिनियम, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम आदि के तहत **अलग-अलग कार्यालयों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का समन्वय करना।**
  - अलग-अलग अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशंस के तहत मादक पदार्थों के अवैध व्यापार के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार पर जो दायित्व हैं, उन्हें पूरा करना।
  - मादक पदार्थों और ड्रग्स के अवैध व्यापार को रोकने तथा उन पर नियंत्रण के लिए सार्वभौमिक कार्रवाई हेतु **विदेशों में संबंधित प्राधिकरणों को सहायता प्रदान करना।**
  - मादक पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़े मामलों के संबंध में **अन्य संबद्ध मंत्रालयों, विभागों और संगठनों द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों का समन्वय करना।**
- **शक्तियां:** इसे सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन मुकदमा चलाने की सिविल न्यायालय की सभी शक्तियां प्राप्त है।

5.7. साइबर सुरक्षा (Cyber Security)

सुर्ख़ियों में क्यों?

भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में 2022 में साइबर-सुरक्षा से संबंधित 13.91 लाख घटनाएं दर्ज किए गए।

अन्य संबंधित तथ्य

- 2022 में भारत में मैलवेयर से **प्रभावित शीर्ष तीन उद्योग** बैंकिंग, सरकारी और विनिर्माण थे।
- **रैनसमवेयर हमलों की बढ़ती संख्या:** रैनसमवेयर की घटनाओं में साल-दर-साल वृद्धि देखी जा रही है। इन हमलों में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2022 के दौरान 53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
  - इससे सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रक IT और ITeS[72] थे, जिसके बाद **वित्त और विनिर्माण** क्षेत्रक का स्थान था।

CERT-IN के बारे में

- **CERT-In के बारे में:** CERT-In **कंप्यूटर सुरक्षा के उल्लंघन से जुड़ी घटनाओं** पर प्रतिक्रिया देने के लिए **राष्ट्रीय नोडल एजेंसी** है।
- **उत्पत्ति:** यह 2004 से परिचालन में हैं।
- **मंत्रालय:** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
- **सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008** के तहत CERT-In को साइबर हमलों से जुड़ी घटनाओं की रोकथाम करने, उनके घटित होने पर आवश्यक उपाय करने और सुरक्षा गुणवत्ता प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है।
- यह **24x7 काम** करता है।

साइबर सुरक्षा के लिए शुरू की गई पहलें

- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (Information Technology Act), 2000
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति (National Cyber Security Policy), 2013
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र (National Centre of Excellence in Cyber Security: NCoE)
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (Indian Cyber Crime Coordination Centre: I4C)
- राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (NCIIPC)[70]
- साइबर स्वच्छता केंद्र
- सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता परियोजना (ISEA)[71]
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति (National Cyber Security Strategy), 2020
- नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल
- एक टोल-फ्री नंबर- 1930
- CERT-In द्वारा साइबर क्राइसिस मैनेजमेंट प्लान
- नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (Citizen Financial Cyber Fraud Reporting and Management System: CFCFRMS)

[70] National Critical Information Infrastructure Protection Centre

[71] Information Security Education and Awareness Project

[72] Information Technology Enabled Services

© Vision IAS

CERT-IN से संबंधित अन्य प्रमुख तथ्य

सूचना सुरक्षा पद्धतियों पर दिशा-निर्देश	• **CERT-In ने सरकारी संस्थाओं के लिए "सूचना सुरक्षा संबंधी कार्य प्रणालियों को लेकर दिशा-निर्देश (Guidelines on Information Security Practices)" जारी किए हैं।**
	• ये दिशा-निर्देश **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 70B** द्वारा प्रदान की गई शक्तियों के तहत जारी किए गए हैं।
	• ये दिशा-निर्देश **भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 की पहली अनुसूची में शामिल सभी मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों** पर लागू होते हैं।
	• **दिशा-निर्देशों के प्रमुख बिन्दुओं पर एक नज़र**
	  ○ साइबर चोरी की सूचना मिलने के छह घंटे के भीतर CERT-In को रिपोर्ट करना अनिवार्य है।
	  ○ अनिवार्य रूप से प्रत्येक छह महीने में साइबर सुरक्षा का ऑडिट किया जाना चाहिए।
	  ○ 15 मिनट से अधिक समय तक कर्मचारियों का कंप्यूटर निष्क्रिय रहने पर स्वतः लॉग आउट हो जाना चाहिए।
	  ○ एडमिन केवल मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी की मंजूरी से ही सिस्टम को एक्सेस कर सकता है।

CERT-In को सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 से छूट प्रदान की गई	• **कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग** ने RTI अधिनियम, 2005 की **धारा 24(2)** के तहत एक अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना के तहत CERT-In को RTI अधिनियम की **दूसरी अनुसूची** में शामिल कर दिया गया है।
	• **RTI अधिनियम की धारा 24:** इसमें उपबंध किया गया है कि RTI कानून **दूसरी अनुसूची में शामिल किए गए आसूचना (Intelligence) और सुरक्षा संगठनों पर लागू नहीं** होगा।
	  ○ हालांकि, **भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों से संबंधित सूचना को इस उपधारा के तहत छूट नहीं** दी जाएगी।
	  ○ दूसरी अनुसूची में RAW, IB जैसी **आसूचना (खुफिया) और सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं।** CERT-in को इस अनुसूची में शामिल करने के बाद इसमें कुल **27** एजेंसियां हो गई हैं।

रैंसमवेयर रिपोर्ट, 2022
(Ransomware Report-2022)
	• **भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In) ने रैंसमवेयर रिपोर्ट, 2022 जारी की है**
	• **लॉकबिट** भारत में सबसे ज्यादा **कुख्यात रैंसमवेयर** वेरिएंट था। इसके बाद **मैकोप और DJVU/स्टॉप रैंसमवेयर** का स्थान था।
	  ○ **लॉकबिट रैंसमवेयर को मैक उपकरणों को लक्षित करते हुए पाया** गया है।
	  ○ यह लक्षित उपयोगकर्ता की फाइल्स को एन्क्रिप्ट करते समय **फाइल एक्सटेंशन का उपयोग** करता है। इस कारण इसे **"abcd" वायरस** घोषित किया गया है।
	  ○ यह फाइल्स को डिक्रिप्ट करने के लिए क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान करने की मांग करता है। इस कारण **इसे "क्रिप्टो वायरस" के रूप में वर्गीकृत** किया गया है।
	  ○ **रैंसमवेयर-एज-ए-सर्विस** (RaaS) इकोसिस्टम प्रमुखता प्राप्त करता जा रहा है।
	
	• वर्ष 2022 में **वाइस सोसाइटी और ब्लू स्काई** जैसे नए वेरिएंट देखे गए थे।
	• **मैकोप और फोबोस रैंसमवेयर समूहों** ने मुख्य रूप से मध्यम एवं छोटे संगठनों को लक्षित किया है। इसके विपरीत **Djvu/स्टॉप जैसे वेरिएंट** व्यक्तियों को लक्षित करते हैं।

5.7.1. अन्य हालिया घटनाक्रम (Other Recent Developments)

सुर्ख़ियों में रहे साइबर हमले	
एकॉस्टिक साइड चैनल अटैक्स {Acoustic Side Channel Attacks (ASCA)}	• **लैपटॉप** के उपयोग ने ASCAs के दायरे को **बढ़ा दिया** है। ऐसा इसलिए, क्योंकि लैपटॉप के सभी मॉडल्स में एक जैसा की-बोर्ड होता है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)-सक्षम डीप लर्निंग द्वारा विश्लेषण को आसान बनाता है। • ASCA एक प्रकार का साइबर अटैक है। इसमें **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग करके बटन दबाए जाने (कीस्ट्रोक्स) से उत्पन्न ध्वनि के विश्लेषण द्वारा पासवर्ड को डिकोड** किया जा सकता है। • साइड चैनल अटैक (SCA) एन्क्रिप्शन विधि में उपयोग की जाने वाली सहायक प्रणालियों के **विश्लेषण के आधार पर क्रिप्टोग्राफिक एल्गोरिदम को हैक करने का एक तरीका** है। सहायक प्रणालियों में विद्युत चुम्बकीय तरंगें, बिजली की खपत, की-बोर्ड की ध्वनि, प्रिंटर आदि शामिल हैं।
स्पीयर फिशिंग (Spear phishing)	• आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले **12 महीनों में 50% भारतीय कंपनियां स्पीयर फिशिंग की शिकार हुई हैं।** • स्पीयर फिशिंग, **ईमेल के माध्यम से हमले का एक अत्यधिक पर्सनलाइज्ड रूप है।** • स्पीयर-फिशिंग ईमेल वस्तुतः **संवेदनशील जानकारी, जैसे लॉगिन क्रेडेंशियल या वित्तीय जानकारी चुराने** का प्रयास करते हैं। इस जानकारी का धोखाधड़ी, आइडेंटिटी की चोरी और अन्य अपराध करने के लिए उपयोग किया जाता है।

स्मिशिंग (Smishing)	• भारतीय साइबर एजेंसियों ने **स्मिशिंग** नामक एक नए साइबर क्राइम के प्रति सचेत किया है।
	• स्मिशिंग एक प्रकार का **सोशल इंजीनियरिंग अटैक** है। यह **मनोवैज्ञानिक हेरफेर का उपयोग करता है तथा मानवीय त्रुटि का फायदा उठाता है।**
	• इसके अंतर्गत लोगों को **फेक मोबाइल टेक्स्ट संदेशों का उपयोग** किया जाता है। लोग इन संदेशों के धोखे में आकर **मैलवेयर डाउनलोड कर लेते हैं, संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं या साइबर अपराधियों को पैसे भेज** देते हैं।
	• स्मिशिंग, **SMS (शॉर्ट मैसेज सर्विस) और फिशिंग का एक संयोजन है।**
	  ○ फिशिंग उन **साइबर हमलों के लिए प्रयोग किया जाने वाला एक व्यापक शब्द है,** जिनके तहत धन भेजने, संवेदनशील जानकारी सौंपने या मैलवेयर डाउनलोड करने के लिए लोगों के साथ धोखाधड़ी करने हेतु **सोशल इंजीनियरिंग** का उपयोग किया जाता है।
	  ○ विविध प्रकार के फिशिंग हमलों के बीच मुख्य अंतर **हमलों को अंजाम देने के लिए उपयोग किए जाने वाले माध्यम** होते हैं।
	  ○ वॉइस फिशिंग को आम तौर पर विशिंग कहा जाता है।

फ्लू हॉर्स	• **'फ्लू हॉर्स'** नामक एक नया **एंड्रॉयड मैलवेयर** खोजा गया है। • यह वैध संस्करणों (versions) की तरह दिखने वाले **दुर्भावनापूर्ण ऐप्स की मदद से यूजर्स** को लक्षित करता है। • यह ईमेल के माध्यम से **लक्षित फिशिंग तकनीकों का उपयोग** करके यूजर्स को निशाना बनाता है। • इसे **यूजर्स की पहचान और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) कोड सहित अन्य संवेदनशील सूचना** प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
स्पैमोफ्लैज (Spamouflage)	• **मेटा ने हजारों ऐसे फेसबुक अकाउंट हटा दिए हैं,** जो "स्पैमोफ्लैज" नामक अभियान का हिस्सा थे। • स्पैमोफ्लेज एक व्यापक **ऑनलाइन चीनी स्पैम ऑपरेशन** था। यह **चीन की प्रशंसा करता था और संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी विदेश नीतियों एवं चीनी सरकार के आलोचकों के विरोध में पोस्ट** करता था। • पिछले साल **रूस का डॉपलगैंगर नाम का ऐसा ही अभियान** सुर्ख़ियों में था।

© Vision IAS

	• यह **यूरोप के मुख्य न्यूज़ आउटलेट्स की वेबसाइट्स की नकल** करता है। साथ ही, यह **यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में फर्जी स्टोरीज़ पोस्ट** करता है, फिर उनके ऑनलाइन प्रसार का प्रयास करता है।
भारत द्वारा शुरू की गई साइबर पहलें	
जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA)	• केंद्र सरकार ने सभी **अति-महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में 10,000 यूजर्स** के लिए एक **सुरक्षित ई-मेल प्रणाली** स्थापित की है। ○ **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) ने जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA)** को शामिल करते हुए इस प्रणाली को डिजाइन किया है। • **जीरो ट्रस्ट ऑथेंटिकेशन (ZTA) के बारे में** ○ ZTA एक **साइबर-सुरक्षा तकनीक** है। इसका उद्देश्य **सूचना-प्रौद्योगिकी प्रणालियों के समक्ष निरंतर उत्पन्न** हो रहे सुरक्षा जोखिमों का समाधान करना है। • इसमें **मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, निरंतर निगरानी, इत्यादि का उपयोग** किया जाता है।
TTPs- आधारित साइबर क्राइम इन्वेस्टीगेशन फ्रेमवर्क (TTPs-Based Cybercrime Investigation Framework)	• TTPs (टैक्टिक, टेक्टिनक प्रोसेड्यूर्स) • **IIT-कानपुर ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के समर्थन से अंतर्विषयक साइबर भौतिकी प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (NM-ICPS)** के तहत अपराध को अंजाम देने में साइबर अपराधियों की कार्य प्रणाली को समझने के लिए एक पद्धति और उपकरण विकसित किया है। • यह अपराध करने की अवधि में साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए गए संचालन के तरीकों को समझने के लिए एक पद्धति और उपकरण है। • **NM-ICPS** का लक्ष्य **अनुसंधान एवं विकास, ट्रांसलेशनल रिसर्च, उत्पाद विकास, स्टार्ट-अप्स की इनक्यूबेटिंग और समर्थन तथा व्यवसायीकरण** के लिए प्रौद्योगिकी आधारित प्लेटफॉर्म विकसित करना है।
चक्र-II ऑपरेशन	• **CBI** ने हाल ही में "चक्र-II" ऑपरेशन के तहत कई स्थानों की तलाशी ली। • इसका उद्देश्य भारत में **संगठित साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों से निपटना और इसके ढांचे को नष्ट** करना है। • CBI द्वारा **चक्र-I** का संचालन **इंटरपोल, FBI और कई देशों के पुलिस बलों के साथ समन्वय** में किया गया था।
कमांड साइबर ऑपरेशंस एंड सपोर्ट विंग्स {Command Cyber Operations and Support Wings (CCOSW)}	• साइबर स्पेस संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए सेना "कमांड साइबर ऑपरेशंस एंड सपोर्ट विंग्स (CCOSW)" संचालित करेगी • **CCOSWs शत्रुओं की बढ़ती युद्ध क्षमताओं से उत्पन्न साइबर स्पेस संबंधी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना की संरचनाओं की सहायता करेगा।** ○ CCOSWs नेटवर्क्स की सुरक्षा करेगा और साइबर डोमेन में तैयारी के स्तर को बढ़ाएगा। • **सेना विशिष्ट प्रौद्योगिकियों** को अपनाने **और इस क्षेत्रक में अपनी सुरक्षा क्षमता को बढ़ाने के लिए 'लीड डायरेक्टोरेट्स' तथा 'टेस्ट बेड' फॉर्मेशन भी नामित करेगी।**
वैश्विक स्तर पर शुरू की गई साइबर संबंधी पहलें	
पहला एंटी-स्पाइवेयर घोषणा-पत्र	• संयुक्त राज्य अमेरिका और 10 अन्य देशों ने **पहली बार महत्वपूर्ण एंटी-स्पाइवेयर घोषणा-पत्र** जारी किया है। • इसके तहत **व्यावसायिक स्पाइवेयर के दुरुपयोग से पैदा होने वाले खतरों की पहचान** की जाएगी। • **स्पाइवेयर के बारे में:** ○ स्पाइवेयर एक प्रकार का **दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर या मैलवेयर** है। इसे किसी एंड यूजर्स की जानकारी के बिना किसी कंप्यूटिंग डिवाइस पर इंस्टॉल किया जा सकता है।

	• यह डिवाइस पर **हमला करता है तथा संवेदनशील जानकारी और इंटरनेट उपयोग संबंधी डेटा को चुराता** है। साथ ही, इस डेटा को विज्ञापनदाताओं, डेटा कंपनियों या बाहरी यूजर्स के बीच प्रसारित कर देता है।

5.8. थिएटर कमांड (Theatre Commands)

सुर्ख़ियों में क्यों?

तीन थिएटर कमानों के गठन के लिए तीनों सशस्त्र बलों में आम सहमति बन गई है।

अन्य संबंधित तथ्य

- भारतीय **थल सेना, नौसेना और वायु सेना में 2024 तक तीन थिएटर कमानों की स्थापना** करने पर सहमति बन गई है।
- इनमें से प्रत्येक कमान का नेतृत्व एक **वरिष्ठ थ्री-स्टार जनरल** (लेफ्टिनेंट जनरल, एयर मार्शल व वाइस एडमिरल) करेगा।
  - ये तीनों कमांड
    - **चीन से लगी उत्तरी सीमा,**
    - **पाकिस्तान से लगी पश्चिमी सीमा और**
    - **प्रायद्वीपीय भारत के लिए समुद्री कमान** का प्रबंधन करेंगी।

थिएटर कमांड के बारे में

- किसी निर्दिष्ट **भौगोलिक क्षेत्र की सुरक्षा** के लिए स्थापित **तीनों सशस्त्र बलों** (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) की **एकीकृत कमान को थिएटर कमान** कहते हैं। इसके अंतर्गत तीनों बलों से एक निश्चित संख्या में सैन्य-कर्मी नियुक्त किए जाते हैं। यह एक **कमांडर** के अधीन होती है।
  - **शेकटकर समिति और कारगिल समीक्षा समिति** ने भी थिएटर कमान के गठन की सिफारिश की थी।
  - भारत में कुल **19 सैन्य कमान** हैं। इनमें से **17 सेवा-आधारित** हैं। ये हैं- **7 थल सेना से संबंधित, 7 वायु सेना से संबंधित तथा 3 नौसेना से संबंधित।**
- वर्तमान में, **भारत में केवल दो संयुक्त कमान हैं:**
  - **अंडमान और निकोबार कमान:** यह एक **भौगोलिक कमान** है।
  - **सामरिक सैन्य कमान:** यह एक **कार्यात्मक कमान** है। यह देश के **परमाणु शस्त्रागार** का प्रबंधन करती है।

5.8.1. अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 {Inter-Services Organisation (Command, Control & Discipline) Bill, 2023}

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, **अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023** को संसद के दोनों सदनों ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

विधेयक के प्रमुख प्रावधानों पर एक नज़र

- **अंतर-सेवा संगठन (ISO) को परिभाषित करना:** इसे संयुक्त सेवा कमान सहित सैनिकों के एक ऐसे दल के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें वायु सेना अधिनियम, 1950; थल सेना अधिनियम, 1950 और नौसेना अधिनियम, 1957 या उक्त अधिनियमों में से किन्हीं दो के अधीन सेवारत कर्मी शामिल हैं।
- **केंद्र द्वारा ISO का गठन:** विधेयक में ISO के गठन का अधिकार केंद्र सरकार को दिया गया है। केंद्र सरकार तीनों सेवाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) में से **कम-से-कम दो सेवाओं से संबंधित कर्मियों से युक्त एक ISO का गठन** कर सकती है। इसमें **संयुक्त सेवा कमान को भी शामिल** किया जा सकता है।
- **कमांडर-इन-चीफ को सशक्त बनाना:** यह विधेयक **ISOs के कमांडर-इन-चीफ या ऑफिसर-इन-कमांड** को **उनकी कमान के अधीन कार्यरत सेवा-कर्मियों** के अनुशासनात्मक और प्रशासनिक नियंत्रण का अधिकार देता है, चाहे वे किसी भी सेवा में शामिल हों।
- **मौजूदा संगठनों को बनाए रखना:** इस विधेयक के अनुसार **पहले से मौजूद ISOs और उनके संबंधित कमांडर** अपने कार्य को जारी रखेंगे।
  - मौजूदा **ISOs में अंडमान एवं निकोबार कमान, रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी** और **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी** शामिल हैं।

© Vision IAS

- **केंद्र सरकार का अधीक्षण: ISO का अधीक्षण** करने का प्राधिकार **केंद्र सरकार** को प्राप्त होगा। सरकार ऐसे संगठनों को **राष्ट्रीय सुरक्षा, सामान्य प्रशासन या जनहित के आधार** पर निर्देश भी जारी कर सकती है।
- **मामलों का शीघ्र निपटान और व्यापक एकीकरण:** किए गए प्रावधान से मामलों के निपटान में तेजी आएगी और सशस्त्र बल कर्मियों के बीच बेहतर एकीकरण एवं जॉइंटमैनशिप **(थिएटराइजेशन)** को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

5.9. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defense Research and Development Organization: DRDO)

सुर्ख़ियों में क्यों?

रक्षा मंत्रालय (MoD)[73] ने **प्रोफेसर के. विजयराघवन की अध्यक्षता में नौ सदस्यों वाली एक समिति** का गठन किया है। यह समिति DRDO के काम-काज की समीक्षा करेगी तथा इसके कार्यों को पुनर्निर्धारित और पुनर्परिभाषित करने के संबंध में सुझाव देगी।

DRDO के बारे में

- **मुख्यालय:** नई दिल्ली, भारत
- **DRDO के बारे में:** यह रक्षा मंत्रालय की अनुसंधान एवं विकास शाखा है। इसका विजन अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के साथ राष्ट्र को सशक्त बनाना है।
- **मिशनः**
  - युद्ध के प्रभाव को अपने पक्ष में करने के लिए रक्षा बलों को नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करना।
  - सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करना।
- **विकसित किए गए प्रमुख उत्पाद/ सिस्टमः** अग्नि और पृथ्वी श्रेणी की मिसाइलें; ब्रह्मोस, हल्का लड़ाकू विमान (तेजस); मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, पिनाका; वायु रक्षा प्रणाली (आकाश); रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला, मुख्य युद्धक टैंक 'अर्जुन Mk-I' आदि।

5.10. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (Central Armed Police Forces: CAPFs)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, गृह मंत्रालय ने उल्लेख किया है कि पिछले 13 वर्षों में **CAPFs के 1,532 जवानों ने आत्महत्या** की है।

CAPF के बारे में

- वर्तमान में **7 अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, गृह मंत्रालय (MHA)** के अधिकार क्षेत्र के अधीन कार्यरत हैं।
- **CAPFs में कुल स्वीकृत पदों की संख्या** लगभग 11 लाख **है।**
- CAPFs में **महिलाओं का प्रतिनिधित्व** 3.76% है।
- **CAPF में शामिल विभिन्न बल हैं:**

बल	उद्देश्य/ सौंपे गए कार्य
सशस्त्र सीमा बल (SSB)	• इसका गठन **1963 में भूटान और नेपाल से लगी भारतीय सीमाओं की सुरक्षा** के लिए किया गया था।
सीमा सुरक्षा बल (BSF)	• इसका गठन 1965 में किया गया था। यह **पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगने वाली भारतीय सीमाओं की सुरक्षा** करता है। • यह **नक्सलरोधी अभियान, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियान,** आपदा प्रबंधन और सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रमों में भी योगदान करता है।
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)	• इसे **भारत-चीन सीमाओं** की सुरक्षा के लिए **1962 में गठित** किया गया था।

[73] Ministry of Defense

असम राइफल्स (AR)	• इसे ब्रिटिश चाय बागानों की सुरक्षा के लिए **1835 में 'कछार लेवी'** के रूप में गठित किया गया था। हालांकि, **1917** में इसका नाम बदलकर "असम राइफल्स" कर दिया गया। • यह **भारत-म्यांमार सीमा की रक्षा** करता है। • इस पर **दोहरा नियंत्रण** है। इसका **प्रशासन केंद्रीय गृह मंत्रालय** के पास है, जबकि **परिचालनात्मक नियंत्रण (Operational control) भारतीय थल सेना** के पास है।
केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)	• इसे **विधि के शासन, लोक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए 1939 में गठित** किया गया था।
केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)	• इसे कुछ संवेदनशील सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को एकीकृत सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए **1969 में गठित** किया गया था। • CISF **महत्वपूर्ण सरकारी भवनों, स्मारकों, हवाई अड्डों, परमाणु प्रतिष्ठानों, अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों और दिल्ली मेट्रो को भी सुरक्षा** प्रदान करता है।
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)	• विविध आतंकी गतिविधियों से निपटने के लिए एक संघीय आकस्मिक बल के निर्माण हेतु इसे **1986 में गठित** किया गया था। • इसे **यूनाइटेड किंगडम के SAS और जर्मनी के GSG-9 की तर्ज पर तैयार** किया गया है। इसका मुख्य कार्य देश के किसी भी हिस्से में आतंकवाद के सभी पहलुओं/ गतिविधियों से निपटना है।

5.11. अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Other Important Developments)

5.11.1. इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर फॉर इंडियन ओशन रीजन {Information Fusion Centre For Indian Ocean Region (IFC-IOR)}

- वर्ष 2023 में **"इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर फॉर इंडियन ओशन रीजन (IFC-IOR)" की स्थापना के 5 वर्ष पूरे** हो गए हैं।
- IFC-IOR की स्थापना भारत सरकार ने **2018** में की थी। इसे **गुरुग्राम स्थित सूचना प्रबंधन और विश्लेषण केंद्र** में स्थापित किया गया है। यह **भारतीय नौसेना** द्वारा संचालित है।
- इसका लक्ष्य एक साझे सुसंगत समुद्री स्थिति परिदृश्य का निर्माण करके क्षेत्र में **समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना और समुद्री सुरक्षा सूचना साझाकरण केंद्र** के रूप में कार्य करना है।
- IFC-IOR में ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, अमेरिका और अन्य देशों सहित **12 साझेदार देशों के इंटरनेशनल लायजन अधिकारी (Liaison Officers) तैनात** रहते हैं।

5.11.2. कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव {Colombo Security Conclave (CSC)}

- **भारत ने कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (CSC) की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की छठी बैठक में भाग लिया**। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (CSC) **मॉरीशस** में आयोजित हुआ है।
- इसका गठन **2011 में भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा समूह** के रूप में किया गया था।
  - 2021 में **मॉरीशस को चौथे सदस्य के रूप में तथा बांग्लादेश और सेशेल्स को पर्यवेक्षक** के रूप में शामिल किया गया था।
  - इसका **स्थायी सचिवालय कोलंबो** में अवस्थित है।
  - **सहयोग के क्षेत्र में** समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से निपटना, साइबर सुरक्षा शामिल हैं।

5.11.3. म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (Munich Security Conference)

- हाल ही में, म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन ने **अपनी 60वीं वर्षगांठ मनाई।**
- म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर आयोजित होने वाला एक वार्षिक सम्मेलन है। इसकी शुरुआत **1963** में हुई थी।
- शीत युद्ध की समाप्ति के बाद, इस सम्मेलन ने अपने एजेंडे का विस्तार किया तथा जलवायु परिवर्तन और प्रवासन जैसे मुद्दों को भी अपने एजेंडे में शामिल कर लिया।

© Vision IAS

- साथ ही, इस सम्मेलन में **रूस, भारत और चीन सहित पूर्वी देशों** के नेताओं को भी आमंत्रित करना शुरू कर दिया।

- 20 वर्षों में पहली बार, **रूस को** यूक्रेन पर आक्रमण करने के कारण **इस सम्मेलन में आमंत्रित नहीं** किया गया।

5.11.4. पारस्परिक कानूनी सहायता संधियां (MLATs) {Mutual Legal Assistance Treaties (MLATs)}

- **भारत और बेल्जियम** ने आपराधिक मामलों से संबंधित MLATs पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे **दोनों देशों को अलग-अलग जांच एजेंसियों द्वारा वांछित भगोड़ों के खिलाफ एक-दूसरे देश के तलाशी वारंट और समन को जारी करने** में मदद मिल सकेगी।
- MLATs एक ऐसा तंत्र है, जिसके तहत देश औपचारिक सहायता प्रदान करने और प्राप्त करने के लिए **एक-दूसरे के साथ सहयोग** करते हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई **अपराधी कानून की उचित प्रक्रिया को नुकसान ना पहुंचा सके या इससे बचकर सुरक्षित ना निकल जाए।**
  - **गृह मंत्रालय** MLAT के तहत न्यायालय के आदेशों को निष्पादित करने के लिए **नोडल मंत्रालय** है।
- **दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) की धारा 105** इस प्रकार की पारस्परिक व्यवस्थाओं की व्याख्या करती है।

5.11.5. मुक्त आकाश संधि {Open Skies Treaty (OST)}

- **रूस ने मुक्त आकाश संधि से स्वयं को अलग** कर लिया है। अपने कदम को उचित ठहराने के लिए उसने अमेरिका का उदाहरण दिया है, जो पहले ही इस संधि से अलग हो चुका है।
- **मुक्त आकाश संधि (OST) के बारे में:**
  - OST एक समझौता है, जो प्रत्येक पक्षकार देश को किसी अन्य पक्षकार देश के सैन्य बलों और उसकी गतिविधियों पर डेटा एकत्र करने के लिए अल्प अवधि सूचना पर निशस्त्र और टोही उड़ानों का संचालन करने की अनुमति देता है।
  - OST पर **1992 में हस्ताक्षर** किए गए थे और यह **2002 में लागू** हुई थी।
- वर्तमान में **33 देशों ने इसका अनुसमर्थन** किया है।
  - **भारत और चीन इस संधि के पक्षकार नहीं हैं।**
- **ओपन स्काईज कंसल्टेटिव कमीशन (OSCC),** OST के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। OSCC में सभी पक्षकार देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- यह **मुक्त आकाश समझौतों से अलग है।** मुक्त आकाश समझौते **द्विपक्षीय समझौते** होते हैं। ये समझौते दो देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय यात्री और कार्गो सेवाओं के संचालन हेतु एयरलाइन्स को अधिकार प्रदान करने के लिए परस्पर वार्ता करते हैं।

5.11.6. न्यू स्टार्ट (START) (सामरिक शस्त्र कटौती संधि) {New START (Strategic Arms Reduction Treaty)}

- रूस ने न्यू स्टार्ट में अपनी भागीदारी स्थगित करने की बात कही है। यह अमेरिका के साथ रूस का अंतिम शेष प्रमुख सैन्य समझौता है।
  - रूस ने दावा किया है कि **संयुक्त राज्य अमेरिका ने न्यू स्टार्ट संधि के प्रावधानों का अनुपालन नहीं** किया था। इसके अतिरिक्त, रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का भी प्रयास किया था।
- **न्यू स्टार्ट के बारे**
  - **उत्पत्ति:** यह समझौता 2011 में लागू हुआ था।
  - **के बारे में:** न्यू स्टार्ट **अमेरिका और रूस के बीच संपन्न एक समझौता** है। इस समझौते के तहत **सामरिक आक्रामक हथियारों** की संख्या को सीमित किया गया है। इसके तहत **अंतरमहाद्वीपीय-श्रेणी के परमाणु हथियारों पर सत्यापन योग्य सीमाएं** आरोपित की गई हैं।
    - वर्ष 1991 में अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ (USSR) ने स्टार्ट-I पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता 2009 में समाप्त हो गया था।
    - **वर्ष 2002 में दोनों देशों ने सामरिक आक्रामक शस्त्र कटौती संधि (SORT) पर** हस्ताक्षर किए थे। यह संधि 2003 में लागू हुई थी। SORT को **मास्को संधि** भी कहा जाता है। इसके बाद **2010 में नई सामरिक शस्त्र कटौती संधि (New START) पर हस्ताक्षर** किए गए थे, जो 2011 में लागू हुई थी।
  - **इस संधि के तहत, दोनों पक्ष निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध हैं:**
    - **1,550 से अधिक सामरिक परमाणु हथियार** तैनात नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त अधिकतम 700, लंबी दूरी की मिसाइलों और बमवर्षकों की ही तैनाती कर सकेंगे।

- **अधिकतम 800 अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात करने की अनुमति** होगी।
- प्रत्येक पक्ष प्रतिवर्ष एक-दूसरे के देश में अधिकतम **18 सामरिक परमाणु हथियार स्थलों का निरीक्षण** कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दोनों में से किसी भी देश ने संधि की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया है।
- वर्ष 2021 में, संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस इस संधि को **2026 तक बढ़ाने पर सहमत** हुए थे।

5.11.7. ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन (Operation Prosperity Guardian)

- **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन लॉन्च किया है।
- **ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन के बारे में:**
  - यह **बहुराष्ट्रीय सुरक्षा पहल** है। इसका संचालन मौजूदा **कंबाइंड टास्क फोर्स 153 (CTF 153)** की संरचना के तहत किया जाता है।
    - CTF-153 की स्थापना 2022 में की गई थी। इसका उद्देश्य **लाल सागर, बाब अल-मंदेब जलसंधि और अदन की खाड़ी** की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है।
    - यह ऑपरेशन समुद्री सुरक्षा के लिए **यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, सेशेल्स, स्पेन** जैसे देशों को एक साथ लाता है।
    - यह ऑपरेशन **वाणिज्यिक जहाजों पर बढ़ते हमलों को रोकने** के लिए लॉन्च किया गया है। हाल के वर्षों में ऐसे हमले बढ़े हैं। हाल ही में, **हूती विद्रोही समूह द्वारा एक जहाज को हाईजैक कर लेना इसका उदाहरण है।**
  - हूती विद्रोही **यमन में गृह युद्ध** में संलिप्त हैं।

5.11.8. रासायनिक हथियार कन्वेंशन (Chemical Weapons Convention)

- अमेरिकी सेना द्वारा रासायनिक हथियारों के भंडार को नष्ट करने का कार्य लगभग पूरा होने वाला है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ** 1989 में अपने रासायनिक हथियारों के भंडार को नष्ट करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए थे। बाद में, अमेरिका ने **1997 में रासायनिक हथियार कन्वेंशन (CWC)** का अनुसमर्थन भी कर दिया था।
- **CWC के बारे में**
  - यह दुनिया का ऐसा **पहला बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण समझौता** है, जो एक निश्चित समय-सीमा के भीतर सामूहिक विनाश के हथियारों की पूरी श्रृंखला को खत्म करने का प्रावधान करता है।
  - इसे **रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)** प्रशासित करता है। इसका मुख्यालय हेग, नीदरलैंड में है।
  - **सदस्य:** भारत सहित **193 देश और 165 हस्ताक्षरकर्ता।**
  - **इजरायल ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन अनुसमर्थन (Ratified) नहीं** किया है। तीन देशों **(मिस्र, उत्तर कोरिया और दक्षिण सूडान)** ने न तो इस पर हस्ताक्षर किए हैं और न ही इसका अनुसमर्थन किया है।
  - **इस कन्वेंशन की अनूठी विशेषता: 'चैलेन्ज इंस्पेक्शन',** जिसके तहत कोई भी पक्षकार देश किसी अन्य पक्षकार देश द्वारा अनुपालन को लेकर संदेह की स्थिति में औचक निरीक्षण का अनुरोध कर सकता है।

5.11.9. विश्व सैन्य व्यय के रुझान' रिपोर्ट, 2022 (Trends in World Military Expenditure, 2022 Report)

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने 'विश्व सैन्य व्यय के रुझान' (Trends in World Military Expenditure) रिपोर्ट, 2022 जारी की है।
- SIPRI **स्वीडन स्थित एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान** है। यह **संघर्ष, आयुध, शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण के क्षेत्र में अनुसंधान** के प्रति समर्पित है।
- **रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष**
  - वर्ष 2022 में पांच सबसे बड़े सैन्य व्ययकर्ता देश थे- **संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस, भारत और सऊदी अरब।** कुल वैश्विक सैन्य व्यय में इन देशों की हिस्सेदारी **63 प्रतिशत है।**
    - भारत **81.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के सैन्य व्यय के साथ, 2022 में विश्व का **चौथा सबसे बड़ा व्ययकर्ता था।**
- वित्त वर्ष 2022-23 में **भारत का रक्षा निर्यात लगभग 16,000 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर** पर पहुंच गया है।
  - भारत ने 2025 तक **35,000 करोड़ रूपये के वार्षिक रक्षा निर्यात का लक्ष्य** निर्धारित किया है।

© Vision IAS

5.12. सुर्ख़ियों में रहे प्रमुख सैन्य अभ्यास (Military Exercises in News)

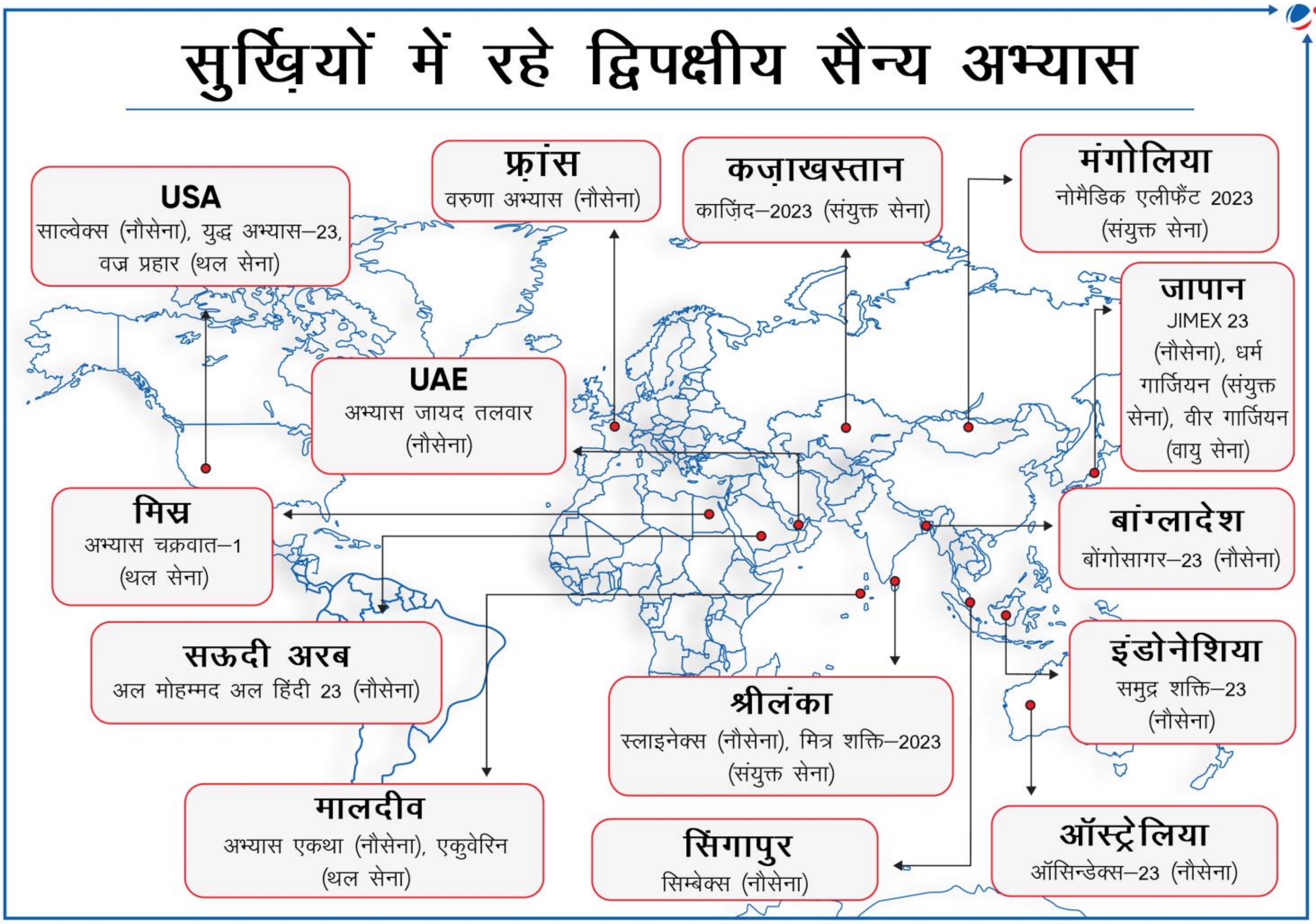

सुर्ख़ियों में रहे अन्य सैन्य अभ्यास

त्रि सेवा अभ्यास (Tri Service Exercises)	
अभ्यास कवच	इसे **अंडमान और निकोबार कमान (ANC)** ने आयोजित किया है। यह **सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बलों** की परिसंपत्तियों से जुड़ा एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
ब्राइट स्टार- 23	यह **मिस्र** में आयोजित एक **द्विवार्षिक बहुपक्षीय त्रि-सेवा अभ्यास** है। **भारतीय वायुसेना** इसमें पहली बार हिस्सा ले रही है।
बहुराष्ट्रीय अभ्यास (Multinational Exercises)	
ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस - 2023	यह संयुक्त समुद्री बलों द्वारा आयोजित एक वार्षिक बहुराष्ट्रीय अभ्यास है। इस अभ्यास में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, यूनाइटेड किंगडम और सेशेल्स ने भाग लिया।
खान क्वेस्ट अभ्यास, 2023	भारतीय सेना ने मंगोलिया में आयोजित **'खान क्वेस्ट सैन्य अभ्यास'** में भाग लिया था था। यह शांति स्थापना के लिए एक बहुराष्ट्रीय संयुक्त अभ्यास है।

इनियोचोस-23 (INIOCHOS-23)	भारतीय वायु सेना एक बहुराष्ट्रीय वायु सैन्य-अभ्यास इनियोचोस-23 में भाग लिया था। इसे ग्रीस वायु सेना द्वारा आयोजित किया गया था।
अभ्यास ओरियन	यह एक बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास है। इसमें भारत, फ्रांस जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाएं भाग लेती हैं।
काउंटर टेररिज्म फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज (FTX) 2023	यह आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (ADMM-Plus) विशेषज्ञ कार्य समूह (EWG) द्वारा आयोजित एक बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास है। रूस में आयोजित हो रहे इस अभ्यास में भारत ने भी भाग लिया था।
मालाबार अभ्यास	यह **हिन्द-प्रशांत के 4 साझेदार देशों** के बीच होने वाला एक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास है। ये 4 देश **ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका** हैं।
डेजर्ट फ्लैग	यह एक बहुपक्षीय **वायु सेना अभ्यास** है। इसमें **संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, मोरक्को, स्पेन, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमेरिका** की वायु सेनाओं ने भाग लिया था।

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

UPSC TOPPERS PREPARATION APPROACH & STRATEGIES

Insights from Toppers' Talk and Answer Scripts

Ishita Kishore
Rank 1, 2022

Ishita Kishore, the UPSC topper of 2022, serves as a remarkable inspiration for her unwavering determination and relentless efforts making her as a beacon of motivation for aspiring candidates. Through her methodical preparation approach, she emerged triumphant in the esteemed Civil Services Examination securing top rank. Ishita extensively relied on VisionIAS Mains test series to refine her answer writing abilities. To gain further insights into Ishita's answer writing approaches, kindly scan the QR code provided.

TOPPER'S COPIES

+91 8468022022, +91 9019066066

/c/VisionIASdelhi | /Vision_IAS | /visionias_upsc | www.visionias.in | /VisionIAS_UPSC

UPSC CSE TOPPERS

Waseem Ahmad Bhat

7 RANK 2022

Waseem Ahmad Bhat, an exceptional achiever who secured an All India Rank 7 in his third attempt in the UPSC Civil Services Examination 2022. He also achieved All India Rank 225 in his first attempt in 2020 and currently, he is training as an Assistant Commissioner Income Tax.

Waseem was a student of the **VisionIAS Foundation Course**, Batch in 2019.

Hailing from Doru Shahabad, Anantnag, Jammu & Kashmir, he completed his schooling in Anantnag and holds a degree in Civil Engineering from NIT Srinagar.

Waseem opted for **Anthropology** as his optional subject. His topper's talk covers vital topics such as preparing for the **changing pattern of Prelims**, essay writing and strategy, writing **quote-based essays,** utilizing topper's answer scripts for preparation, and **effective revision strategies.**

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

Aniruddh Yadav

8 RANK 2022

Aniruddh Yadav, a remarkable achiever who secured an All India Rank 8 in his fourth attempt in the UPSC Civil Services Examination of 2022.

Aniruddh opted for **Anthropology** as his optional subject. He completed his dual degree course in Biochemical Engineering & Biotechnology from IIT Delhi.

His topper's talk covers crucial aspects such as **creating a schedule** and **subject-wise timetable,** honing answer writing skills through topic-based **practice, mastering the structure** and format of answers (Introduction, Body, Conclusion), **managing time effectively** during answer writing practice, and preparing **topic-wise notes** with the help of syllabus analysis and previous year questions.

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

कृतिका मिश्रा

66 RANK 2022

कृतिका मिश्रा **2022 की यूपीएससी (UPSC) हिंदी मीडियम टॉपर रही हैं,** इन्होने UPSC सिविल सेवा परीक्षा में अपने **दूसरे प्रयास** में अखिल भारतीय रैंक (AIR) 66 हासिल किया है। इन्होने अपने पहले प्रयास में इंटरव्यू दिया था लेकिन अंतिम रूप से सफलता नहीं मिली थी।

कानपुर की रहने वाली कृतिका ने **मानविकी विषयों में स्नातक** और **हिंदी साहित्य में परास्नातक** किया है। कृतिका अपनी तैयारी के दौरान **VisionIAS के ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज, लक्ष्य कार्यक्रम** और पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम से जुड़ी रहीं है, जो इनकी प्रभावी तैयारी और सफलता प्राप्त करने में सहायक रहे हैं।

उनके **टॉपर टॉक्स (Topper's Talk)** में परीक्षा की प्रभावी तैयारी के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी है जैसे **हिंदी माध्यम के समक्ष चुनौतियाँ,** प्रारंभिक परीक्षा की रणनीति, **CSAT** की रणनीति, नोट्स बनाने से संबंधित कला और प्रभावी **उत्तरलेखन की रणनीतियां** इत्यादि। कृतिका मिश्रा ने **उत्तर लेखन और प्रस्तुतिकरण** में निपुणता, तथ्यों एवं उदाहरणों का उपयोग करने की असाधारण विशेषज्ञता के आधार पर सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्रों में अच्छे अंक हासिल किये हैं। कृतिका मिश्रा की **उपलब्धियां** देश भर के महत्वाकांक्षी **अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणादायी** हैं। कृतिका के **Topper's Talk** एवं उत्तर लेखन दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) को स्कैन कीजिये।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

भरत जयप्रकाश मीणा

85 RANK 2022

सिविल सेवा परीक्षा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले **भरत जयप्रकाश मीणा** ने 2022 की यूपीएससी (UPSC) सिविल सेवा परीक्षा में अपने **तीसरे प्रयास** में अखिल भारतीय रैंक (AIR) **85** हासिल की है। पहली बार उन्होंने **624वीं रैंक** हासिल की थी और उनका **आईआरएस** (IRS) में चयन हुआ था।

गंगापुर सिटी के पास सलावद गांव निवासी भरत जयप्रकाश सिंह मीणा ने सीकर से 12वीं पास की है। इसके बाद धनबाद आईआईटी (IIT) से **मैकेनिकल इंजीनियरिंग** की है ।

टॉपर टॉक्स (Topper's Talk) के माध्यम से भरत जयप्रकाश मीणा ने पाठ्यक्रम का महत्त्व, **Prelims Exam** की रणनीति के साथ–साथ स्टडी मटेरियल, **Current Affairs** के लिए योजना–कुरुक्षेत्र आदि मैगजीन का उपयोग तथा **निबंध में अच्छे अंक** कैसे हासिल किया जा सकता है आदि संदर्भों में सविस्तार चर्चा की है। **उत्तर लेखन में भूमिका एवं निष्कर्ष को प्रभावी बनाना**, तथ्यों एवं उदाहरणों का उपयोग करने के साथ–साथ मैप, डायग्राम आदि का सटीक प्रयोग करने की कला ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। भरत जयप्रकाश के **Topper's Talk** एवं उत्तर लेखन दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, कृपया दिए गए क्यूआर कोड (**QR Code**) को स्कैन कीजिये ।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

UPSC CSE TOPPERS

Gamini Singla

3 RANK 2021

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

Gamini Singla, hailing from Punjab, completed her graduation in Computer Science Engineering from Punjab Engineering College Chandigarh. Thereafter, she honed her skills through a five-month internship as a finance analyst at JP Morgan.

She secured a remarkable All India Rank of 3 in the UPSC CSE 2021 in her second attempt with **Sociology** as her optional subject.

With her strategic **approach to GS Paper IV (Ethics) and Essay,** Gamini demonstrated her ability to **critically analyze ethical issues** and effectively express her thoughts in a coherent manner.

Her expertise in answer writing provided her with a competitive edge, allowing her to convey her knowledge and insights concisely.

Aishwarya Verma

4 RANK 2021

Aishwarya Verma hails from Madhya Pradesh. After graduating in Electrical Engineering, he opted for Civil Services as a career of choice.

He chose **Geography** as his optional subject and achieved an All-India Rank 4 in UPSC CSE 2021 in his fourth attempt.

Apart from the hard work, determination and resilience shown by Aishwarya, his success can also be attributed to his **short and enriched self-made notes, advanced answer writing skills**, and smart preparation strategy, including S&T.

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

अंकित कुमार जैन

173 RANK 2022

राजस्थान के बूंदी जिले के छोटे से गांव जरखोदा के **अंकित कुमार जैन** ने UPSC परीक्षा 2022 में 173वां (AIR 173) स्थान प्राप्त किया है । यह उनका तीसरा प्रयास था। **सामान्य परिवार** से आने वाले अंकित की यह उपलब्धि उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़संकल्प का परिणाम है। अंकित कुमार जैन ने Chemical Engineering **में स्नातक** किया है। UPSC में उनका वैकल्पिक विषय (Optional Subject) हिंदी साहित्य रहा है। उन्होंने **टॉपर टॉक्स** (Topper's Talk) के माध्यम से Prelims Exam और Mains Exam की रणनीति के साथ–साथ Revision के महत्त्व तथा हिंदी साहित्य विषय की तैयारी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की है। **उत्तर लेखन प्रस्तुतिकरण में स्पष्टता**, तथ्यों एवं उदाहरणों का सटीक उपयोग करने के साथ साथ फ्लोचार्ट, डायग्राम आदि के प्रभावी प्रयोग ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी हैं। अंकित कुमार उन सभी युवाओं के लिए **प्रेरणास्रोत** हैं जो निर्भीक होकर **चुनौतियों और बाधाओं** को दूर कर अपने परिश्रम और मेहनत से स्वयं के लिए मुकाम बनाना चाहते हैं। **अंकित कुमार** के Topper's Talk एवं **उत्तर लेखन दृष्टिकोण** के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, कृपया दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) को स्कैन कीजिये ।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

गौरव कुमार त्रिपाठी

226 RANK 2022

गौरव कुमार त्रिपाठी ने UPSC की सिविल सेवा परीक्षा **2022 में 226 वाँ रैंक** प्राप्त किया है। इन्होंने IIT रुड़की से वर्ष 2018 में B-Tech करने के साथ ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी प्रारंभ की।

गौरव कुमार त्रिपाठी पहले वर्ष **2020 में** PCS **में भी चयनित** हुए थे किन्तु उच्चतर सफलता हेतु इन्होने चै पद पर जॉइन नहीं किया । इन्होंने तैयारी की शुरुआत में भूगोल को अपना वैकल्पिक विषय बनाया था किन्तु बाद में **हिन्दी साहित्य को वैकल्पिक विषय के रूप में** अपनाया। अंतिम रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए इन्होने अपनी रणनीति में **टेस्ट सीरीज** के माध्यम से अभ्यास, टेस्ट सीरीज के **मॉडल उत्तरों से नोट्स बनाना,** स्वयं द्वारा बनाए गए **नोट्स को बार बार दोहराना** तथा **PYQs का निरंतर अभ्यास** करने आदि पक्षों को शामिल किया था। गौरव अपनी तैयारी के दौरान VisionIAS के **लक्ष्य कार्यक्रम, ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज, अभ्यास, Mains 365, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और एथिक्स केस स्टडीज कार्यक्रम** से जुड़े रहे हैं जो इनकी बेहतर तैयारी में सहायक रहे हैं। गौरव कुमार त्रिपाठी के Topper's Talk एवं उत्तर लेखन दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) को स्कैन कीजिये ।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

UPSC CSE TOPPERS

Shubham Kumar

1 RANK 2020

Shubham Kumar, hailing from Katihar District in Bihar, completed his graduation in Civil Engineering from IIT Bombay. He achieved the remarkable feat of securing All India Rank 1 in the UPSC examination of 2020 in his third attempt.

His success can be attributed to his **unique approach and meticulous preparation.** Shubham emphasized the importance of **regular mock tests** for prelims and carefully analyzing previous years' UPSC prelims questions.

Shubham was a student of the **VisionIAS Foundation Course.**

He also **utilized topper's copies to enhance his skills in ethics answer writing** and emphasized the **use of diagrams and graphs** in GS papers.

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

Jagrati Awasthi

2 RANK 2020

Jagrati Awasthi, from Bhopal, Madhya Pradesh, completed her graduation in Electrical Engineering from NIT Bhopal. She gained two years of valuable work experience at BHEL.

With **Sociology** as her optional subject, she achieved an outstanding All India Rank of 2 in the UPSC examination of 2020.

She has emphasized the **importance of a well-structured daily routine** and shared a **detailed booklist** and recommended sources. Jagrati stressed the significance of thorough reading and utilizing previous years' questions to grasp the exam's demands.

Along with refined **note-making techniques,** she has provided insights on determining the optimal number of questions to attempt in the prelims and leveraging previous year's question papers for **Ethics case studies'** preparation.

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

बजरंग प्रसाद

454 RANK 2022

बजरंग प्रसाद टपेपवद IAS के फाउंडेशन कार्यक्रम के छात्र रहे हैं। बजरंग प्रसाद ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा, **2022 में 454 रैंक** प्राप्त की है । इन्होने वर्ष 2019 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक किया, इसके बाद इन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने का निर्णय लिया । ये विषम परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी रहे हैं। अंतिम रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए इन्होने अपनी रणनीति में दृढ़ विश्वास, कठिन मेहनत, **सीमित अध्ययन स्रोतों के बारम्बार रिविजन पर बल,** क्लास नोट्स का निरंतर रिविजन, **PYQs का अभ्यास** तथा टेस्ट सीरीज के माध्यम से निरंतर अभ्यास इत्यादि को शामिल किया है। बजरंग प्रसाद के **Topper's Talk** एवं उत्तर लेखन दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) को स्कैन कीजिये।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

रवि कुमार सिहाग

18 RANK 2021

रवि ने 2015 के बाद UPSC सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी का निर्णय लिया और **प्रथम प्रयास वर्ष** (2018) में ही **337वीं रैंक** प्राप्त किया, अपने **द्वितीय प्रयास (2019) में 317वीं रैंक** पर चयनित हुए । IAS प्राप्त करने के लिए इन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी और अंततः सिविल सेवा परीक्षा 2021 में 18वीं रैंक प्राप्त किया। इन्होंने अपनी रणनीति में ज्यादा से ज्यादा टेस्ट देना, अपने **कमजोर पक्षों पर कार्य करना, प्रतिदिन उत्तर लेखन करना,** सामान्य अध्ययन और एथिक्स पेपर में **नवाचार की विधियां अपनाना** जैसे रेखाचित्र, आँकड़े आदि का प्रयोग तथा NCERT का प्रभावी उपयोग आदि को शामिल किया है । रवि, **VisionIAS के टेस्ट सीरीज कार्यक्रम** में भी शामिल थे। रवि कुमार के **Topper's Talk** एवं उत्तर लेखन दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया दिए गए क्यूआर कोड (QR Code) को स्कैन कीजिये ।

TOPPERS' TALK

TOPPER'S COPIES

लाइव / ऑनलाइन
कक्षाएं भी उपलब्ध

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सामान्य अध्ययन फाउंडेशन कोर्स

2025 प्रीलिम्स और मेन्स, दोनों

दिल्ली	अवधि
10 अप्रैल | 9 AM	12–14 महीने

VisionIAS ऐप को डाउनलोड करने के लिए दिए गए **QR कोड** को स्कैन कीजिए

निःशुल्क काउंसिलिंग के लिए **QR** कोड को स्कैन कीजिए

डेली **MCQs** और अन्य अपडेट्स के लिए हमारे ऑफिशियल **टेलीग्राम ग्रुप को ज्वाइन कीजिए**

- सामान्य अध्ययन फाउंडेशन कोर्स में GS मेन्स के सभी चारों पेपर, GS प्रीलिम्स, CSAT और निबंध के सिलेबस को विस्तार से कवर किया जाता है।
- अभ्यर्थियों के ऑनलाइन स्टूडेंट पोर्टल पर लाइव एवं ऑनलाइन रिकॉर्डेड कक्षाओं की सुविधा भी उपलब्ध है, ताकि वे किसी भी समय, कहीं से भी लेक्चर और स्टडी मटेरियल तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।
- इस कोर्स में पर्सनालिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी शामिल है।
- 2025 के प्रोग्राम की अवधि: 12–14 महीने
- प्रत्येक कक्षा की अवधि: 3–4 घंटे, सप्ताह में 5–6 दिन (आवश्यकता पड़ने पर रविवार को भी कक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं)

नोट: अभ्यर्थी फाउंडेशन कोर्स की लाइव वीडियो कक्षाएं घर बैठे अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं। साथ ही, अभ्यर्थी लाइव चैट के जरिए कक्षा के दौरान अपने डाउट्स और विषय संबंधी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसके अलावा, वे अपने डाउट्स और प्रश्न को नोट कर दिल्ली सेंटर पर हमारे क्लासरूम मेंटर को बता सकते हैं, जिसके बाद फोन/ मेल के जरिए अभ्यर्थियों के प्रश्नों का समाधान किया जाता है।

GS फाउंडेशन कोर्स की अन्य मुख्य विशेषताओं पर एक नज़र

नियमित तौर पर व्यक्तिगत मूल्यांकन
अभ्यर्थियों को नियमित ट्यूटोरियल, मिनी टेस्ट एवं ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज के माध्यम से व्यक्तिगत व अभ्यर्थी के अनुरूप और ठोस फीडबैक दिया जाता है

सभी द्वारा पढ़ी जाने वाली एवं सभी द्वारा अनुशंसित
विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम द्वारा तैयार की गई मासिक समसामयिकी मैगजीन, PT 365 और Mains 365 डॉक्यूमेंट्स तथा न्यूज़ टुडे जैसी प्रासंगिक एवं अपडेटेड अध्ययन सामग्री

नियमित तौर पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन
इस कोर्स के तहत अभ्यर्थियों के डाउट्स दूर करने और उन्हें प्रेरित रखने के लिए नियमित रूप से फोन/ ईमेल/ लाइव चैट के माध्यम से "वन–टू–वन" मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
प्रत्येक 3 सफल उम्मीदवारों में से 2 Vision IAS की ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज को चुनते हैं। Vision IAS के पोस्ट टेस्ट एनालिसिस के तहत टेस्ट पेपर में स्टूडेंट्स के प्रदर्शन का विस्तार से विश्लेषण एवं समीक्षा की जाती है। यह अपनी गलतियों को जानने एवं उसमें सुधार करने हेतु काफी महत्वपूर्ण है।

कोई क्लास मिस ना करें
प्रत्येक अभ्यर्थी को एक व्यक्तिगत "स्टूडेंट पोर्टल" उपलब्ध कराया जाता है। इस पोर्टल के जरिए अभ्यर्थी किसी भी पुराने क्लास या छूटे हुए सेशन और विभिन्न रिसोर्सेज़ को एक्सेस कर सकते हैं एवं अपने प्रदर्शन का सापेक्ष एवं निरपेक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं।

बाधा रहित तैयारी
अभ्यर्थी VisionIAS के क्लासरूम लेक्चर्स एवं विभिन्न रिसोर्सेज़ को कहीं से भी तथा कभी भी एक्सेस कर सकते हैं और वे इन्हें अपनी जरुरत के अनुसार ऑर्गनाईज कर सकते हैं।

/c/VisionIASdelhi /vision_ias /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC

Heartiest
Congratulations
to all Successful Candidates

39 in Top 50 Selections in CSE 2022

1 AIR
ISHITA KISHORE

2 AIR
GARIMA LOHIA

3 AIR
UMA HARATHI N

हिंदी माध्यम में 40+ चयन CSE 2022 में

– हिंदी माध्यम टॉपर –

66 AIR

KRITIKA MISHRA

85 AIR

BHARAT JAI PRAKASH MEENA

105 AIR

DIVYA

120 AIR

GAGAN SINGH MEENA

173 AIR

ANKIT KUMAR JAIN

UPSC TOPPERS/OPEN SESSION: QR स्कैन करें

66 AIR

KRITIKA MISHRA
TOPPERS' TALK | TOPPER'S COPIES

226 AIR

GAURAV KUMAR TRIPATHI
TOPPERS' TALK | TOPPER'S COPIES

18 AIR

RAVI KUMAR SIHAG
TOPPERS' TALK | TOPPER'S COPIES

13 AIR

NISHANT JAIN
REPARATION STRATEGY AVAILABLE AT HINDI YOUTUBE CHANNEL

प्रीलिम्स 2024 Quick Revision Class

UPSC 2025 के लिए व्यापक रणनीति

बजट (2024–2025)

Prelims 2024 रणनीति PYQs

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

DELHI

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call: +91 8468022022, +91 9019066066

enquiry@visionias.in | /c/VisionIASdelhi | /visionias.upsc | /vision _ias | VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद | बैंगलोर | भोपाल | चंडीगढ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची